नामावलिमञ्जरी

COLOPHON

This document was typeset using X¬ETEX, and uses the Sanskrit 2003 font extensively.

नामावलिमञ्जरी is also available online (in PDF format) at: http://stotrasamhita.github.io

For Personal Use Only
Not For Commercial Printing/Distribution

सहस्रनामावल्यः

लिलतात्रिशतीनामावलिः

145

अनुक्रमणिका

| गणेश गकार सहस्रनामाविलः | 2 |
|----------------------------------|-----|
| वक्रतुण्ड महागणपति सहस्रनामाविलः | 25 |
| रामसहस्रनामावलिः | 49 |
| विष्णुसहस्रनामाविलः | 72 |
| शिवसहस्रनामाविलः | 95 |
| सरस्वतीसहस्रनामाविलः | 118 |
| २ त्रिशतीनामावल्यः | 144 |

| अनुक्रमणिका | ii |
|--|-----|
| ३ शतनामावल्यः | 153 |
| अर्धनारीश्वराष्टोत्तरशतनामाविलः | 154 |
| आदिशङ्कराचार्याष्टोत्तरशतनामाविलः | 159 |
| हनुमदृष्टोत्तरशतनामाविलः | 162 |
| अन्नपूर्णाष्टोत्तरशतनामाविलः | 165 |
| कार्त्तिकेयाष्टोत्तरशतनामाविलः | 167 |
| कृष्णाष्टोत्तरशतनामाविलः | 170 |
| गङ्गाष्टोत्तरशतनामाविलः | 173 |
| गणपत्यष्टोत्तरशतनामावलिः | 176 |
| गकारादि गणपति अष्टोत्तरशतनामाविलः | 178 |
| गोदाष्टोत्तरशतनामाविलः | 181 |
| चन्द्रशेखरेन्द्र सरस्वती अष्टोत्तरशतनामाविलः | 185 |
| | |

| अनुक्रमणिका | iii |
|--|-----|
| जगदानन्दकारक शतनामाविलः | 188 |
| देवसेना अष्टोत्तरशतनामाविलः | 191 |
| धन्वन्तर्यष्टोत्तरशतनामाविलः | 193 |
| रामाष्टोत्तरशतनामावलिः | 197 |
| लक्ष्म्यष्टोत्तरशतनामावलिः | 199 |
| वल्ली अष्टोत्तरशतनामाविलः | 202 |
| विष्णोरष्टोत्तरशतदिव्यस्थानीयनामाविलः | 205 |
| वेङ्कटेशाष्टोत्तरशतनामाविलः (वराहपुराणान्तर्गता) | 208 |
| वेङ्कटेशाष्टोत्तरशतनामाविलः | 211 |
| शक्त्यष्टोत्तरशतदिव्यस्थानीयनामाविलः | 214 |
| शिवाष्टोत्तरशतनामाविलः | 217 |
| शिवाष्टोत्तरशतदिव्यस्थानीयनामाविलः | 219 |
| | |

| अनुक्रमणिका | iv |
|--|-----|
| सरस्वत्यष्टोत्तरशतनामाविलः | 222 |
| सीताष्टोत्तरशतनामाविलः | 225 |
| सुब्रह्मण्याष्टोत्तरशतनामाविलः | 228 |
| सुब्रह्मण्यस्य हस्तस्थितस्य अस्त्रायुध अष्टोत्तरशतनामाविलः | 230 |
| सूर्याष्टोत्तरशतनामाविलः | 233 |
| सूर्याष्टोत्तरशतनामाविलः (महाभारतान्तर्गता) | 236 |
| हरिहराष्टोत्तरशतनामाविलः | 239 |
| | |
| | |
| | |

_

विभागः १

सहस्रनामावल्यः

॥ गणेश गकार सहस्रनामाविलः॥

ॐ गणेश्वराय नमः ॐ गणराजे नमः ॐ गणगोम्रे नमः ॐ गणाध्यक्षाय नमः ॐ गणाङ्गाय नमः ॐ गणाराध्याय नमः ॐ गणदैवताय नमः ॐ गणप्रियाय नमः ॐ गणबन्धवे नमः ॐ गणनाथाय नमः ॐ गणस्वामिने नमः ॐ गणसृहृदे नमः ॐ गणाधीशाय नमः ॐ गणेशाय नमः ॐ गणनायकाय नमः 🕉 गणप्रथाय नमः ॐ गणमूर्तये नमः ॐ गणप्रियसखाय नमः ॐ गणपतये नमः ॐ गणप्रियसुहृदे नमः १० ॐ गणत्रात्रे नमः ॐ गणप्रियरताय नमः ॐ गणप्रीतिविवर्धनाय नमः ॐ गणञ्जयाय नमः ॐ गणपाय नमः ॐ गणमण्डलमध्यस्थाय नमः ॐ गणक्रीडाय नमः ॐ गणकेलिपरायणाय नमः ॐ गणदेवाय नमः ॐ गणाग्रण्ये नमः ॐ गणाधिपाय नमः ॐ गणेशानाय नमः ॐ गणगीताय नमः ॐ गणज्येष्ठाय नमः ॐ गणश्रेष्ठाय नमः ॐ गणोच्छ्रयाय नमः ॐ गणप्रेष्ठाय नमः ॐ गण्याय नमः ॐ गणाधिराजाय नमः ॐ गणहिताय नमः So

| ॐ गर्जद्गणसेनाय नमः | ॐ गणरक्षणकृते नमः |
|-----------------------------|--------------------------|
| ॐ गणोद्धताय नमः | ॐ गणध्याताय नमः |
| ॐ गणभीतिप्रमथनाय नमः | ॐ गणगुरवे नमः |
| ॐ गणभीत्यपहारकाय नमः | ॐ गणप्रणयतत्पराय नमः |
| ॐ गणनार्हाय नमः | ॐ गणागणपरित्रात्रे नमः |
| ॐ गणप्रौढाय नमः | ॐ गणादिहरणोद्धराय नमः |
| ॐ गणभर्त्रे नमः | ॐ गणसेतवे नमः |
| ॐ गणप्रभवे नमः | ॐ गणनुताय नमः ७० |
| ॐ गणसेनाय नमः | ॐ गणकेतवे नमः |
| ॐ गणचराय नमः ५० | ॐ गणाग्रगाय नमः |
| ॐ गणप्राज्ञाय नमः | ॐ गणहेतवे नमः |
| ॐ गणैकराजे नमः | ॐ गणग्राहिणे नमः |
| ॐ गणाग्र्याय नमः | ॐ गणानुग्रहकारकाय नमः |
| ॐ गणनाम्ने नमः | ॐ गणागणानुग्रहभुवे नमः |
| ॐ गणपालनतत्पराय नमः | ॐ गणागणवरप्रदाय नमः |
| ॐ गणजिते नमः | ॐ गणस्तुताय नमः |
| ॐ गणगर्भस्थाय नमः | ॐ गणप्राणाय नमः |
| ॐ गणप्रवणमानसाय नमः | ॐ गणसर्वस्वदायकाय नमः ८० |
| ॐ गणगर्वपरीहर्त्रे नमः | ॐ गणवल्लभमूर्तये नमः |
| ॐ गणाय नमः ६० | ॐ गणभूतये नमः |
| ॐ गणनमस्कृताय नमः | ॐ गणेष्टदाय नमः |
| ॐ गणार्चितान्घ्रियुगलाय नमः | ॐ गणसौख्यप्रदात्रे नमः |

| ॐ गणदुःखप्रणाशनाय नमः | ॐ गुणशालिने नमः |
|-----------------------------|------------------------------|
| ॐ गणप्रथितनाम्ने नमः | ॐ गुणप्रियाय नमः |
| ॐ गणाभीष्टकराय नमः | ॐ गुणपूर्णाय नमः |
| ॐ गणमान्याय नमः | ॐ गुणाम्भोधये नमः ११० |
| ॐ गणख्याताय नमः | ॐ गुण भाजे नमः |
| ॐ गणवीताय नमः ९० | ॐ गुणदूरगाय नमः |
| ॐ गणोत्कटाय नमः | ॐ गुणागुणवपुषे नमः |
| ॐ गणपालाय नमः | ॐ गौणदारीराय नमः |
| ॐ गणवराय नमः | ॐ गुणमण्डिताय नमः |
| ॐ गणगौरवदायकाय नमः | ॐ गुणस्त्रष्ट्रे नमः |
| ॐ गणगर्जितसन्तुष्टाय नमः | ॐ गुणेशानाय नमः |
| ॐ गणस्वच्छन्दगाय नमः | ॐ गुणेशाय नमः |
| ॐ गणराजाय नमः | ॐ गुणेश्वराय नमः |
| ॐ गणश्रीदाय नमः | ॐ गुणसृष्टजगत्सङ्घाय नमः १२० |
| ॐ गणाभयुकराय नमः | ॐ गुणसङ्घाय नमः |
| ॐ गणमूर्घाभिषिक्ताय नमः १०० | ॐ गुणैकराजे नमः |
| ॐ गणसैन्यपुरस्सराय नमः | ॐ गुणप्रवृष्टाय नमः |
| ॐ गुणातीताय नमः | ॐ गुणभुवे नमः |
| ॐ गुणमयाय नमः | ॐ गुणीकृतचराचराय नमः |
| ॐ गुणत्रयविभागकृते नमः | ॐ गुणप्रवणसन्तुष्टाय नमः |
| ॐ गुणिने नमः | ॐ गुणहीनपराङ्मुखाय नमः |
| ॐ गुणाकृतिधराय नमः | ॐ गणैकभवे नमः |

ॐ गुणश्रेष्ठाय नमः

ॐ गुणज्येष्ठाय नमः १३०

ॐ गुणप्रभवे नमः

ॐ गुणज्ञाय नमः

ॐ गुणसम्पूज्याय नमः

ॐ गुणैकसदनाय नमः

ॐ गुणप्रणयवते नमः

ॐ गौणप्रकृतये नमः

ॐ गुणभाजनाय नमः

ॐ गुणिप्रणतपादाङ्जाय नमः

ॐ गुणिगीताय नमः

ॐ गुणोज्ज्वलाय नमः १४०

ॐ गुणवते नमः

ॐ गुणसम्पन्नाय नमः

ॐ गुणानन्दितमानसाय नमः

ॐ गुणसञ्चारचतुराय नमः

ॐ गुणसञ्चयसुन्दराय नमः

ॐ गुणगौराय नमः

ॐ गुणाधाराय नमः

ॐ गुणसंवृतचेतनाय नमः

ॐ गुणकृते नमः

ॐ गुणभृते नमः

ॐ गुणाग्र्याय नमः

ॐ गुणपारदृशे नमः

ॐ गुणप्रचारिणे नमः

ॐ गुणयुजे नमः

ॐ गुणागुणविवेककृते नमः

ॐ गुणाकराय नमः

ॐ गुणकराय नमः

ॐ गुणप्रवणवर्धनाय नमः

ॐ गुणगूढचराय नमः

ॐ गौणसर्वसंसारचेष्टिताय नमः

१६०

ॐ गुणदक्षिणसौहादीय नमः

ॐ गुणलक्षणतत्त्वविदे नमः

ॐ गुणहारिणे नमः

ॐ गुणकलाय नमः

ॐ गुणसङ्घसखाय नमः

ॐ गुणसंस्कृतसंसाराय नमः

ॐ गुणतत्त्वविवेचकाय नमः

ॐ गुणगर्वधराय नमः

ॐ गोणसुखदुःखोदयाय नमः

१७०

ॐ गुणाय नमः

ॐ गुणाधीशाय नमः

१५०

| ॐ गुणलयाय नमः | ॐ गुणगोपाय नमः |
|------------------------|-------------------------------|
| ॐ गुणवीक्षणालालसाय नमः | ॐ गुणाश्रयाय नमः |
| ॐ गुणगौरवदात्रे नमः | ॐ गुणयायिने नमः |
| ॐ गुणदात्रे नमः | ॐ गुणाधायिने नमः |
| ॐ गुणप्रदाय नमः | ॐ गुणपाय नमः |
| ॐ गुणकृते नमः | ॐ गुणपालकाय नमः |
| ॐ गुणसम्बन्धाय नमः | ॐ गुणाहृततनवे नमः २०० |
| ॐ गुणभृते नमः | ॐ गौणाय नमः |
| ॐ गुणबन्धनाय नमः १८० | ॐ गीर्वाणाय नमः |
| ॐ गुणहृद्याय नमः | ॐ गुणगौरवाय नमः |
| ॐ गुणस्थायिने नमः | ॐ गुणवत्पूजितपदाय नमः |
| ॐ गुणदायिने नमः | ॐ गुणवत्त्रीतिदायकाय नमः |
| ॐ गुणोत्कटाय नमः | ॐ गुणवत्गीतकीर्तये नमः |
| ॐ गुणचक्रधराय नमः | ॐ गुणवद्भद्धसौहदाय नमः |
| ॐ गौणावताराय नमः | ॐ गुणवद्वरदाय नमः |
| ॐ गुणबान्धवाय नमः | ॐ गुणवत्प्रतिपालकाय नमः |
| ॐ गुणबन्धवे नमः | ॐ गुणवत्गुणसन्तुष्टाय नमः २१० |
| ॐ गुणप्रज्ञाय नमः | ॐ गुणवद्रचितस्तवाय नमः |
| ॐ गुणप्राज्ञाय नमः १९० | ॐ गुणवद्रक्षणपराय नमः |
| ॐ गुणालयाय नमः | ॐ गुणवत्प्रणयप्रियाय नमः |
| ॐ गुणधात्रे नमः | ॐ गुणवच्चकसञ्चाराय नमः |
| ॐ गुणप्राणाय नमः | ॐ गुणवत्कीर्तिवर्धनाय नमः |
| | _ |

| ॐ गुणवद्गुणचित्तस्थाय नमः | ॐ गजाधीशाय नमः | |
|---------------------------------|-------------------------|-----|
| ॐ गुणवद्गुणरक्षणाय नमः | ॐ गजाधाराय नमः | |
| ॐ गुणवत्पोषणकराय नमः | ॐ गजासुरजयोद्धराय नमः | |
| ॐ गुणवच्छत्रुसूदनाय नमः | ॐ गजदन्ताय नमः | |
| ॐ गुणवित्सिद्धिदात्रे नमः २२० | ॐ गजवराय नमः | २४० |
| ॐ गुणवद्गौरवप्रदाय नमः | ॐ गजकुम्भाय नमः | |
| ॐ गुणवत्प्रणवस्वान्ताय नमः | ॐ गजध्वनये नमः | |
| ॐ गुणवद्गुणभूषणाय नमः | ॐ गजमायाय नमः | |
| ॐ गुणवत्कुलविद्वेषि विनाशकरण | ॐ गजमयाय नमः | |
| क्षमाय नमः | ॐ गजश्रिये नमः | |
| ॐ गुणिस्तुतगुणाय नमः | ॐ गजगर्जिताय नमः | |
| 30 | ॐ गजामयहराय नमः | |
| गर्जत्प्रलयाम्बुद्निःस्वनाय नमः | ॐ गजपुष्टिप्रदायकाय नमः | |
| ॐ गजाय नमः | ॐ गजोत्पत्तये नमः | |
| ॐ गजपतये नमः | ॐ गजत्रात्रे नमः | २५० |
| ॐ गर्जद्गजयुद्धविशारदाय नमः | ॐ गजहेतवे नमः | |
| ॐ गजास्याय नमः २३० | ॐ गजाधिपाय नमः | |
| ॐ गजकर्णाय नमः | ॐ गजमुख्याय नमः | |
| ॐ गजराजाय नमः | ॐ गजकुलप्रवराय नमः | |
| ॐ गजाननाय नमः | ॐ गजदैत्यघ्ने नमः | |
| ॐ गजरूपधराय नमः | ॐ गजकेतवे नमः | |
| ॐ गर्जद्गजयूथोद्धरध्वनये नमः | ॐ गजाध्यक्षाय नमः | |
| | | |

ॐ गजसेतवे नमः

ॐ गजाकृतये नमः

ॐ गजवन्द्याय नमः २६०

ॐ गजप्राणाय नमः

ॐ गजसेव्याय नमः

ॐ गजप्रभवे नमः

ॐ गजमत्ताय नमः

ॐ गजेशानाय नमः

ॐ गजेशाय नमः

ॐ गजपुङ्गवाय नमः

ॐ गजदन्तधराय नमः

ॐ गुञ्जन्मधुपाय नमः

ॐ गजवेषभृते नमः २७०

ॐ गजच्छन्नाय नमः

ॐ गजाग्रस्थाय नमः

ॐ गजयायिने नमः

ॐ गजाजयाय नमः

ॐ गजराजे नमः

ॐ गजयूथस्थाय नमः

ॐ गजगञ्जकभञ्जकाय नमः

ॐ गर्जितोज्झितदैत्यासवे नमः

ॐ गर्जितत्रातविष्टपाय नमः

ॐ गानज्ञाय नमः २८०

ॐ गानकुशलाय नमः

ॐ गानतत्त्वविवेचकाय नमः

ॐ गानश्चाघिने नमः

ॐ गानरसाय नमः

ॐ गानज्ञानपरायणाय नमः

ॐ गानागमज्ञाय नमः

ॐ गानाङ्गाय नमः

ॐ गानप्रवणचेतनाय नमः

ॐ गानकृते नमः

ॐ गानचतुराय नमः २९०

ॐ गानविद्याविशारदाय नमः

ॐ गानध्येयाय नमः

ॐ गानगम्याय नमः

ॐ गानध्यानपरायणाय नमः

ॐ गानभुवे नमः

ॐ गानशीलाय नमः

ॐ गानशालिने नमः

ॐ गतश्रमाय नमः

ॐ गानविज्ञानसम्पन्नाय नमः

ॐ गानश्रवणलालसाय नमः ३००

ॐ गानयत्ताय नमः

| ॐ गानमयाय नमः | | ॐ गणैकदृशे नमः | |
|-----------------------|-----|------------------------|-----------|
| ॐ गानप्रणयवते नमः | | ॐ गानमत्ताय नमः | |
| ॐ गानध्यात्रे नमः | | ॐ गानरुचये नमः | |
| ॐ गानबुद्धये नमः | | ॐ गानविदे नमः | |
| ॐ गानोत्सुकमनसे नमः | | ॐ गनवित्प्रियाय नमः | |
| ॐ गानोत्सुकाय नमः | | ॐ गानान्तरात्मने नमः | |
| ॐ गानभूमये नमः | | ॐ गानाढ्याय नमः | ३३० |
| ॐ गानसीम्ने नमः | | ॐ गानभ्राजत्सभाय नमः | |
| ॐ गुनोज्ज्वलाय नमः | ३१० | ॐ गानमायाय नमः | |
| ॐ गानाङ्गज्ञानवते नमः | | ॐ गानधराय नमः | |
| ॐ गानमानवते नमः | | ॐ गानविद्याविशोधकाय नग | नः |
| ॐ गानपेशलाय नमः | | ॐ गानाहितघ्नाय नमः | |
| ॐ गानवत्प्रणयाय नमः | | ॐ गानेन्द्राय नमः | |
| ॐ गानसमुद्राय नमः | | ॐ गानलीनाय नमः | |
| ॐ गानभूषणाय नमः | | ॐ गतिप्रियाय नमः | |
| ॐ गानसिन्धवे नमः | | ॐ गानाधीशाय नमः | |
| ॐ गानपराय नमः | | ॐ गानलयाय नमः | ३४० |
| ॐ गानप्राणाय नमः | | ॐ गानाधाराय नमः | |
| ॐ गणाश्रयाय नमः | ३२० | ॐ गतीश्वराय नमः | |
| ॐ गानैकभुवे नमः | | ॐ गानवन्मानदाय नमः | |
| ॐ गानहृष्टाय नमः | | ॐ गानभूतये नमः | |
| ॐ गानचक्षुषे नमः | | ॐ गानैकभूतिमते नमः | |
| | | · | |

ॐ गानतानतताय नमः

ॐ गानतानदानविमोहिताय नमः

ॐ गुरवे नमः

ॐ गुरूदरश्रोणये नमः

ॐ गुरुतत्त्वार्थदर्शनाय नमः ३५०

ॐ गुरुस्तुताय नमः

ॐ गुरुगुणाय नमः

ॐ गुरुमायाय नमः

ॐ गुरुप्रियाय नमः

ॐ गुरुकीर्तये नमः

ॐ गुरुभुजाय नमः

ॐ गुरुवक्षसे नमः

ॐ गुरुप्रभाय नमः

ॐ गुरुलक्षणसम्पन्नाय नमः

ॐ गुरुद्रोहपराङ्मुखाय नमः ३६०

ॐ गुरुविद्याय नमः

ॐ गुरुप्राणाय नमः

ॐ गुरुबाहुबलोच्छ्रयाय नमः

ॐ गुरुदैत्यप्राणहराय नमः

ॐ गुरुदैत्यापहारकाय नमः

🕉 गुरुगर्वहराय नमः

ॐ गुह्यप्रवराय नमः

ॐ गुरुदर्पघ्ने नमः

ॐ गुरुगौरवदायिने नमः

ॐ गुरुभीत्यपहारकाय नमः ३७०

ॐ गुरुशुण्डाय नमः

ॐ गुरुस्कन्धाय नमः

ॐ गुरुजङ्घाय नमः

ॐ गुरुप्रथाय नमः

ॐ गुरुभालाय नमः

ॐ गुरुगलाय नमः

ॐ गुरुश्रिये नमः

ॐ गुरुगर्वनुदे नमः

ॐ गुरूरवे नमः

ॐ गुरुपीनांसाय नमः ३८०

ॐ गुरुप्रणयलालसाय नमः

ॐ गुरुमुख्याय नमः

ॐ गुरुकुलस्थायिने नमः

ॐ गुणगुणाय नमः

ॐ गुरुसंशयभेत्ते नमः

ॐ गुरुमानप्रदायकाय नमः

ॐ गुरुधर्मसदाराध्याय नमः

ॐ गुरुधर्मनिकेतनाय नमः

ॐ गुरुदैत्यकुलच्छेच्ने नमः

ॐ गुरुसैन्याय नमः ३९०

ॐ गुरुद्युतये नमः

ॐ गुरुधर्माग्रगण्याय नमः

ॐ गुरुधमेधुरन्धराय नमः

ॐ गरिष्ठाय नमः

ॐ गुरुसन्तापशमनाय नमः

ॐ गुरुपूजिताय नमः

ॐ गुरुधर्मधराय नमः

ॐ गौरधर्माधाराय नमः

ॐ गदापहाय नमः

ॐ गुरुशास्त्रविचारज्ञाय नमः ४००

ॐ गुरुशास्त्रकृतोद्यमाय नमः

ॐ गुरुशास्त्रार्थनिलयाय नमः

ॐ गुरुशास्त्रालयाय नमः

ॐ गुरुमन्त्राय नमः

ॐ गुरुश्रेष्ठाय नमः

ॐ गुरुमन्त्रफलप्रदाय नमः

ॐ गुरुस्त्रीगमनोद्दाम-

प्रायश्चित्तनिवारकाय नमः

ॐ गुरुसंसारसुखदाय नमः

ॐ गुरुसंसारदुःखभिदे नमः

ॐ गुरुश्लाघापराय नमः ४१०

ॐ गौरभानुखण्डावतंसभृते नमः

ॐ गुरुप्रसन्नमूर्तये नमः

ॐ गुरुशापविमोचकाय नमः

ॐ गुरुकान्तये नमः

ॐ गुरुमयाय नमः

ॐ गुरुशासनपालकाय नमः

ॐ गुरुतन्त्राय नमः

ॐ गुरुप्रज्ञाय नमः

ॐ गुरुभाय नमः

ॐ गुरुदैवताय नमः ४२०

ॐ गुरुविक्रमसञ्चाराय नमः

ॐ गुरुदृशे नमः

ॐ गुरुविक्रमाय नमः

ॐ गुरुक्रमाय नमः

ॐ गुरुप्रेष्ठाय नमः

ॐ गुरुपाखण्डखण्डकाय नमः

30

गुरुगजितसम्पूणेब्रह्माण्डाय नमः

४३०

ॐ गुरुगजिताय नमः

ॐ गुरुपुत्रप्रियसखाय नमः

ॐ गुरुपुत्रभयापहाय नमः

ॐ गुरुपुत्रपरित्रात्रे नमः

800

- ॐ गुरुपुत्रवरप्रदाय नमः
- ॐ गुरुपुत्रार्तिशमनाय नमः
- ॐ गुरुपुत्राधिनाशनाय नमः
- ॐ गुरुपुत्रप्राणदात्रे नमः
- ॐ गुरुभक्तिपरायणाय नमः
- ॐ गुरुविज्ञानविभवाय नमः
- ॐ गौरभानुवरप्रदाय नमः
- ॐ गौरभानुस्तुताय नमः
- ॐ गौरभानुत्रासापहारकाय नमः

४४०

- ॐ गौरभानुप्रियाय नमः
- ॐ गौरभानवे नमः
- ॐ गौरववर्धनाय नमः
- ॐ गौरभानुपरित्रात्रे नमः
- ॐ गौरभानुसखाय नमः
- ॐ गौरभानुप्रभवे नमः
- ॐ गौरभानुभीतिप्रणाशनाय नमः
- ॐ गौरीतेजस्समुत्पन्नाय नमः
- ॐ गौरीहृदयनन्दनाय नमः
- ॐ गौरीस्तनन्धयाय नमः ४५
- *3*0
- गौरीमनोवाञ्छितसिद्धिकृते नमः

- ॐ गौराय नमः
- ॐ गौरगुणाय नमः
- ॐ गौरप्रकाशाय नमः
- ॐ गौरभैरवाय नमः
- ॐ गौरीशनन्दनाय नमः
- ॐ गौरीप्रियपुत्राय नमः
- ॐ गदाधराय नमः
- ॐ गौरीवरप्रदाय नमः
- ॐ गौरीप्रणयाय नमः

ॐ गौरसच्छवये नमः

- ॐ गौरीगणेश्वराय नमः
- ॐ गौरीप्रवणाय नमः
- ॐ गौरभावनाय नमः
- ॐ गौरात्मने नमः
- ॐ गौरकीर्तये नमः
- ॐ गौरभावाय नमः
- ॐ गरिष्ठदृशे नमः
- ॐ गौतमाय नमः
- ॐ गौतमीनाथाय नमः
- ॐ गौतमीप्राणवस्रभाय नमः
- ॐ गौतमाभीष्टवरदाय नमः
- ॐ गौतमाभयदायकाय नमः

५१०

- ॐ गौतमप्रणयप्रह्वाय नमः
- ॐ गौतमाश्रमदुःखघ्ने नमः
- ॐ गौतमीतीरसञ्चारिणे नमः
- ॐ गौतमीतीर्थनायकाय नमः
- ॐ गौतमापत्परिहराय नमः
- ॐ गौतमाधिविनाशनाय नमः
- ॐ गोपतये नमः ४८०
- ॐ गोधनाय नमः
- ॐ गोपाय नमः
- ॐ गोपालप्रियदर्शनाय नमः
- ॐ गोपालाय नमः
- ॐ गोगणाधीशाय नमः
- ॐ गोकश्मलनिवर्तकाय नमः
- ॐ गोसहस्राय नमः
- ॐ गोपवराय नमः
- ॐ गोपगोपीसुखावहाय नमः
- ॐ गोवर्धनाय नमः ४९०
- ॐ गोपगोपाय नमः
- ॐ गोपाय नमः
- ॐ गोकुलवर्धनाय नमः
- ॐ गोचराय नमः
- ॐ गोचराध्यक्षाय नमः

- ॐ गोचरप्रीतिवृद्धिकृते नमः
- ॐ गोमिने नमः
- ॐ गोकष्टसन्त्रात्रे नमः
- ॐ गोसन्तापनिवर्तकाय नमः
- ॐ गोष्ठाय नमः
- ॐ गोष्ठाश्रयाय नमः
- ॐ गोष्ठपतये नमः
- ॐ गोधनवर्धनाय नमः
- ॐ गोष्ठप्रियाय नमः
- ॐ गोष्ठमयाय नमः
- ॐ गोष्ठामयनिवर्तकाय नमः
- ॐ गोलोकाय नमः
- ॐ गोलकाय नमः
- ॐ गोभृते नमः
- ॐ गोभर्त्रे नमः
- ॐ गोसुखावहाय नमः
- ॐ गोदुहे नमः
- ॐ गोधुग्गणप्रेष्ठाय नमः
- ॐ गोदोग्ध्रे नमः
- ॐ गोमयप्रियाय नमः
- ॐ गोत्राय नमः
- ॐ गोत्रपतये नमः

ॐ गोत्रप्रभवे नमः

ॐ गोत्रभयापहाय नमः

ॐ गोत्रवृद्धिकराय नमः ५२०

ॐ गोत्रप्रियाय नमः

ॐ गोत्रार्तिनाशनाय नमः

ॐ गोत्रोद्धारपराय नमः

ॐ गोत्रप्रवराय नमः

ॐ गोत्रदेवतायै नमः

ॐ गोत्रविख्यातनाम्ने नमः

ॐ गोत्रिणे नमः

ॐ गोत्रप्रपालकाय नमः

ॐ गोत्रसेतवे नमः

ॐ गोत्रकेतवे नमः ५३०

ॐ गोत्रहेतवे नमः

ॐ गतक्रमाय नमः

ॐ गोत्रत्राणकराय नमः

ॐ गोत्रपतये नमः

ॐ गोत्रेशपूजिताय नमः

ॐ गोत्रभिदे नमः

ॐ गोत्रभित्तात्रे नमः

ॐ गोत्रभिद्वरदायकाय नमः

ॐ गोत्रभित्पूजितपदाय नमः

ॐ गोत्रभिच्छत्रुसूद्नाय नमः ५४०

ॐ गोत्रभित्प्रीतिदाय नमः

ॐ गोत्रभिदे नमः

ॐ गोत्रपालकाय नमः

ॐ गोत्रभिद्गीतचरिताय नमः

ॐ गोत्रभिद्राज्यरक्षकाय नमः

ॐ गोत्रभिज्जयदायिने नमः

ॐ गोत्रभित्र्रणयाय नमः

ॐ गोत्रभिद्भयसम्भेत्ते नमः

ॐ गोत्रभिन्मानदायकाय नमः

ॐ गोत्रभिद्गोपनपराय नमः ५५०

ॐ गोत्रभित्सैन्यनायकाय नमः

ॐ गोत्राधिपप्रियाय नमः

ॐ गोत्रापुत्रप्रीताय नमः

ॐ गिरिप्रियाय नमः

ॐ ग्रन्थज्ञाय नमः

ॐ ग्रन्थकृते नमः

ॐ ग्रन्थग्रन्थिभिदे नमः

ॐ ग्रन्थविघ्नघ्ने नमः

ॐ ग्रन्थादये नमः

ॐ ग्रन्थसञ्चाराय नमः

५६०

ॐ ग्रन्थश्रवणलोलुपाय नमः

ॐ ग्रन्ताधीनिकयाय नमः

ॐ ग्रन्थप्रियाय नमः

ॐ ग्रन्थार्थतत्त्वविदे नमः

ॐ ग्रन्थसंशयसञ्छेदिने नमः

ॐ ग्रन्थवऋे नमः

ॐ ग्रहाग्रण्ये नमः

ॐ ग्रन्थगीतगुणाय नमः

ॐ ग्रन्थगीताय नमः

ॐ ग्रन्थादिपूजिताय नमः ५७०

ॐ ग्रन्थारम्भस्तुताय नमः

ॐ ग्रन्थग्राहिणे नमः

ॐ ग्रन्थार्थपारदृशे नमः

ॐ ग्रन्थदृशे नमः

ॐ ग्रन्थविज्ञानाय नमः

ॐ ग्रन्थसन्दर्भशोधकाय नमः

ॐ ग्रन्थकृत्पूजिताय नमः

ॐ ग्रन्थकराय नमः

ॐ ग्रन्थपरायणाय नमः

ॐ ग्रन्थपारायणपराय नमः ५८०

ॐ ग्रन्थसन्देहभञ्जकाय नमः

ॐ ग्रन्थकृद्वरदात्रे नमः

ॐ ग्रन्थकृद्वन्दिताय नमः

ॐ ग्रन्थानुरक्ताय नमः

ॐ ग्रन्थज्ञाय नमः

ॐ ग्रन्थानुग्रहदायकाय नमः

ॐ ग्रन्थान्तरात्मने नमः

ॐ ग्रन्थार्थपण्डिताय नमः

ॐ ग्रन्थसौहृदाय नमः

ॐ ग्रन्थपारङ्गमाय नमः ५९०

ॐ ग्रन्थगुणविदे नमः

ॐ ग्रन्थविग्रहाय नमः

ॐ ग्रन्थसेवते नमः

ॐ ग्रन्थहेतवे नमः

ॐ ग्रन्थकेतवे नमः

ॐ ग्रहाग्रगाय नमः

ॐ ग्रन्थपूज्याय नमः

ॐ ग्रन्थगेयाय नमः

ॐ ग्रन्थग्रन्थनलालसाय नमः

ॐ ग्रन्थभूमये नमः

ॐ ग्रहश्रेष्ठाय नमः

ॐ ग्रहकेतवे नमः

ॐ ग्रहाश्रयाय नमः

ॐ ग्रन्थकाराय नमः

ॐ ग्रन्थकारमान्याय नमः

| ॐ ग्रन्थप्रसारकाय नमः | ॐ गीतार्थज्ञाय नमः |
|---------------------------------|------------------------------------|
| ॐ ग्रन्थश्रमज्ञाय नमः | ॐ गीततत्त्वाय नमः |
| ॐ ग्रन्थाङ्गाय नमः | ॐ गीतातत्त्वाय नमः ६३० |
| ॐ ग्रन्थभ्रमनिवारकाय नमः | ॐ गताश्रयाय नमः |
| ॐ ग्रन्थप्रवणसर्वाङ्गाय नमः ६१० | ॐ गीतासाराय नमः |
| ॐ ग्रन्थप्रणयतत्पराय नमः | ॐ गीताकृते नमः |
| ॐ गीताय नमः | ॐ गीताकृद्धिघ्ननाशनाय नमः |
| ॐ गीतगुणाय नमः | ॐ गीताशक्ताय नमः |
| ॐ गीतकीर्तये नमः | ॐ गीतलीनाय नमः |
| ॐ गीतविशारदाय नमः | ॐ गीताविगतसञ्ज्वराय नमः |
| ॐ गीतस्फीतयशसे नमः | ॐ गीतैकदृशे नमः |
| ॐ गीतप्रणयाय नमः | ॐ गीतभूतये नमः |
| ॐ गीतचञ्चराय नमः | ॐ गीतप्रीताय नमः ६४० |
| ॐ गीतप्रसन्नाय नमः | ॐ गतालसाय नमः |
| ॐ गीतात्मने नमः ६२० | ॐ गीतवाद्यपटवे नमः |
| ॐ गीतलोलाय नमः | ॐ गीतप्रभवे नमः ॐ गीतप्रभवे नमः |
| ॐ गीतस्पृहाय नमः | ् ॐ गीतार्थतत्त्वविदे नमः |
| ॐ गीताश्रयाय नमः | • |
| ॐ गीतमयाय नमः | ॐ गीतागीतविवेकज्ञाय नमः |
| ॐ गीततत्त्वार्थकोविदाय नमः | ॐ गीताप्रवणचेतनाय नमः |
| ॐ गीतसंशयसञ्छेत्ते नमः | ॐ गतभिये नमः |
| | ॐ गतविद्वेषाय नमः |
| ॐ गीतसङ्गीतशासनाय नमः | ॐ गतसंसारबन्धनाय नमः |

| ॐ गतमायाय नमः | ६५० | ॐ गजगञ्जितकुञ्जराय नमः |
|--------------------------|-----|---------------------------|
| ॐ गतत्रासाय नमः | | ॐ गतकम्पितभूपृष्ठाय नमः |
| ॐ गतदुःखाय नमः | | ॐ गतरुजे नमः |
| ॐ गतज्वराय नमः | | ॐ गतकल्मषाय नमः |
| ॐ गतासुहृदे नमः | | ॐ गतदैन्याय नमः |
| ॐ गताज्ञानाय नमः | | ॐ गतस्तैन्याय नमः |
| ॐ गतदुष्टाशयाय नमः | | ॐ गतमानाय नमः |
| ॐ गताय नमः | | ॐ गतश्रमाय नमः |
| ॐ गतार्तये नमः | | ॐ गतकोधाय नमः ६८० |
| ॐ गतसङ्कल्पाय नमः | | ॐ गतग्लानये नमः |
| ॐ गतदुष्टविचेष्टिताय नमः | ६६० | ॐ गतस्रानाय नमः |
| ॐ गताहङ्कारसञ्चाराय नमः | | ॐ गतभ्रमाय नमः |
| ॐ गतदर्पाय नमः | | ॐ गताभावाय नमः |
| ॐ गताहिताय नमः | | ॐ गतभवाय नमः |
| ॐ गतविघ्नाय नमः | | ॐ गततत्त्वार्थसंशयाय नमः |
| ॐ गतभयाय नमः | | ॐ गयासुरशिरश्छेत्त्वे नमः |
| ॐ गतागतनिवारकाय नमः | | ॐ गयासुरवरप्रदाय नमः |
| ॐ गतव्यथाय नमः | | ॐ गयावासाय नमः |
| ॐ गतापायाय नमः | | ॐ गयानाथाय नमः ६९० |
| ॐ गतदोषाय नमः | | ॐ गयावासिनमस्कृतय नमः |
| ॐ गतेः प्राय नमः | ६७० | ॐ गयातीर्थफलाध्यक्षाय नमः |
| ॐ गतसर्वविकाराय नमः | | ॐ गयायात्राफलप्रदाय नमः |
| | | |

- ॐ गयामयाय नमः
- ॐ गयाक्षेत्राय नमः
- ॐ गयाक्षेत्रनिवासकृते नमः
- ॐ गयावासिस्तुताय नमः
- ॐ गायन्मधुव्रतलसत्कटाय नमः
- ॐ गायकाय नमः
- 🕉 गायकवराय नमः ७००
- ॐ गायकेष्टफलप्रदाय नमः
- ॐ गायकप्रणयिने नमः
- ॐ गात्रे नमः
- ॐ गायकाभयदायकाय नमः
- ॐ गायकप्रवणस्वान्ताय नमः
- ॐ गायकायप्रथमाय नमः
- ॐ गायकोद्गीतसम्प्रीताय नमः
- ॐ गायकोत्कटविघ्नघ्ने नमः
- ॐ गानगेयाय नमः
- ॐ गायकेशाय नमः ७१०
- ॐ गायकान्तरसञ्चाराय नमः
- ॐ गायकप्रियदाय नमः
- ॐ गायकाधीनविग्रहाय नमः
- ॐ गेयाय नमः
- ॐ गेयगुणाय नमः

- ॐ गेयचरिताय नमः
- ॐ गेयतत्त्वविदे नमः
- ॐ गायकत्रासघ्ने नमः
- ॐ ग्रन्थाय नमः
- ॐ ग्रन्थतत्त्वविवेचकाय नमः ७२०
- ॐ गाढानुरागय नमः
- ॐ गाढाङ्गाय नमः
- ॐ गाढगङ्गाजलाय नमः
- ॐ गाढावगाढजलधये नमः
- ॐ गाढप्रज्ञाय नमः
- ॐ गतामयाय नमः
- ॐ गाढप्रत्यर्थिसैन्याय नमः
- ॐ गाढानुग्रहतत्पराय नमः
- ॐ गाढश्लेषरसाभिज्ञाय नमः
- ॐ गाढनिर्वृतिसाधकाय नमः ७३०
- ॐ गङ्गाधरेष्टवरदाय नमः
- ॐ गङ्गाधरभयापहाय नमः
- ॐ गङ्गाधरगुरवे नमः
- ॐ गङ्गाधरध्यातपदाय नमः
- ॐ गङ्गाधरस्तुताय नमः
- ॐ गङ्गाधराराध्याय नमः
- ॐ गतस्मयाय नमः

ॐ गङ्गाधरप्रियाय नमः

ॐ गङ्गाधराय नमः

ॐ गङ्गाम्बुसुन्दराय नमः ७४०

ॐ गङ्गाजलरसास्वाद

चतुराय नमः

ॐ गङ्गतीरयाय नमः

ॐ गङ्गाजलप्रणयवते नमः

ॐ गङ्गातीरविहारकृते नमः

ॐ गङ्गाप्रियाय नमः

ॐ गङ्गजलावगाहनपराय नमः

ॐ गन्धमादनसंवासाय नमः

ॐ गन्धमादनकेलिकृते नमः

ॐ गन्धानुलिप्तसर्वाङ्गाय नमः

ॐ गन्धलुब्धमधुव्रताय नमः ७५०

ॐ गन्धाय नमः

ॐ गन्धर्वराजाय नमः

ॐ गन्धर्वप्रियकृते नमः

ॐ गन्धर्वविद्यातत्त्वज्ञाय नमः

ॐ गन्धर्वप्रीतिवर्धनाय नमः

ॐ गकारबीजनिलयाय नमः

ॐ गकाराय नमः

ॐ गर्विगर्वनुदे नमः

ॐ गन्धर्वगणसंसेव्याय नमः

ॐ गन्धवंवरदायकाय नमः ७६०

ॐ गन्धर्वाय नमः

ॐ गन्धमातङ्गाय नमः

ॐ गन्धर्वकुलदैवताय नमः

ॐ गन्धर्वगर्वसंछेत्त्रे नमः

ॐ गन्धर्ववरदर्पघ्ने नमः

ॐ गन्धर्वप्रवणस्वान्ताय नमः

ॐ गन्धर्वगणसंस्तुताय नमः

ॐ गन्धर्वार्चितपादाङ्याय नमः

ॐ गन्धर्वभयहारकाय नमः

ॐ गन्धर्वाभयदाय नमः ७७०

ॐ गन्धर्वप्रतिपालकाय नमः

ॐ गन्धर्वगीतचरिताय नमः

ॐ गन्धर्वप्रणयोत्सुकाय नमः

ॐ गन्धर्वगानश्रवणप्रणयिने नमः

ॐ गर्वभञ्जनाय नमः

ॐ गन्धर्वत्राणसन्नद्धाय नमः

ॐ गन्धर्वसमरक्षमाय नमः

ॐ गन्धर्वस्त्रीभिराराध्याय नमः

960

ॐ गानाय नमः

ॐ गानपटवे नमः

ॐ गच्छाय नमः

ॐ गच्छपतये नमः

ॐ गच्छनायकाय नमः

ॐ गच्छगर्वघ्ने नमः

ॐ गच्छराजाय नमः

ॐ गच्छेशाय नमः

ॐ गच्छराजनमस्कृताय नमः

ॐ गच्छप्रियाय नमः

ॐ गच्छगुरवे नमः

ॐ गच्छत्राणकृतोद्यमाय नमः

७९०

🕉 गच्छप्रभवे नमः

ॐ गच्छचराय नमः

ॐ गच्छप्रियकृतोद्यमाय नमः

ॐ गच्छगीत्गुणाय नमः

ॐ गच्छमर्यादाप्रतिपालकाय नमः

ॐ गच्छधात्रे नमः

ॐ गच्छभर्त्रे नमः

🕉 गच्छवन्द्याय नमः

ॐ गुरोर्गुरवे नमः

ॐ गृत्साय नमः ८००

ॐ गृत्समदाय नमः

ॐ गृत्समदाभीष्टवरप्रदाय नमः

ॐ गीर्वाणगीतचरिताय नमः

ॐ गीर्वाणगणसेविताय नमः

ॐ गीर्वाणवरदात्रे नमः

ॐ गीर्वाणभयनाशकृते नमः

ॐ गीर्वाणगुणसंवीताय नमः

ॐ गीर्वाणारातिसूदनाय नमः

ॐ गीर्वाणधाम्ने नमः

ॐ गीर्वाणगोघ्रे नमः ८१०

ॐ गीर्वाणगर्वहृदे नमः

ॐ गीर्वाणार्तिहराय नमः

ॐ गीर्वाणवरदायकाय नमः

ॐ गीर्वाणशरणाय नमः

ॐ गीतनाम्ने नमः

ॐ गीर्वाणसुन्दराय नमः

ॐ गीर्वाणप्राणदाय नमः

ॐ गन्त्रे नमः

ॐ गीर्वाणानीकरक्षकाय नमः

ॐ गुहेहापूरकाय नमः

ॐ गन्धमत्ताय नमः

ॐ गीर्वाणपुष्टिदाय नमः

ॐ गीर्वाणप्रयुतत्रात्रे नमः

| ॐ गीतगोत्राय नमः | ॐ ग्रहदेवताय नमः | |
|---|-------------------------------------|------------|
| ॐ गताहिताय नमः | ॐ ग्रहकृते नमः | |
| ॐ गीर्वाणसेवितपदाय नमः | ॐ ग्रहभर्त्रे नमः | |
| ॐ गीर्वाणप्रथिताय नमः | ॐ ग्रहेशानाय नमः | |
| ॐ गलते नमः | _ | ८५० |
| ॐ गीर्वाणगोत्रप्रवराय नमः | ॐ ग्रहाराध्याय नमः | |
| ॐ गीर्वाणफलदायकाय नमः ८३० | ॐ ग्रहत्रात्रे नमः | |
| ॐ गीर्वाणप्रियकर्त्रे नमः | ॐ ग्रहगोम्रे नमः | |
| ॐ गीर्वाणागमसारविदे नमः | ॐ ग्रहोत्कटाय नमः | |
| ॐ गीर्वाणागमसम्पत्तये नमः | ॐ ग्रहगीतगुणाय नमः | |
| ॐ गीर्वाणव्यसनापहाय नमः | ॐ ग्रन्थप्रणेत्रे नमः | |
| ॐ गीर्वाणप्रणयाय नमः | ॐ ग्रहवन्दिताय नमः | |
| ॐ गीतग्रहणोत्सुकमानसाय नमः | ॐ गविने नमः | |
| ॐ गीर्वाणभ्रमसम्भेत्ते नमः | ् ॐ गवीश्वराय नमः | |
| ॐ गीर्वाणगुरुपूजिताय नमः | ~ ~ | ८६० |
| ॐ ग्रहाय नमः | ् ॐ गर्विष्ठाय स्नमः | • |
| ॐ ग्रहपतये नमः ८४० | ् ॐ गर्विगर्वघ्ने नमः | |
| ॐ ग्राहाय नमः | ॐ गवाम्प्रियाय नमः | |
| ॐ ग्रहपीडाप्रणाशनाय नमः | ॐ गवान्नाथाय नमः | |
| ॐ ग्रहस्तुताय नमः | ॐ गवीशानाय नमः ॐ गवीशानाय नमः | |
| ॐ त्रहत्त्वताय नमः ॐ ग्रहाध्यक्षाय नमः | ॐ गवासानाय नमः ॐ गवाम्पतये नमः | |
| ॐ ग्रहाव्यक्षाय नमः ॐ ग्रहेशाय नमः | ॐ गवाम्यतय नमः ॐ गव्यप्रियाय नमः | |
| ॐ अ ल्याय पम ः | । ॐ गव्यात्रयाय नमः | |

ॐ गवाम्गोम्रे नमः

ॐ गविसम्पत्तिसाधकाय नमः

ॐ गविरक्षणसन्नद्धाय नमः ८७०

ॐ गवाम्भयहराय नमः

ॐ गविगर्वहराय नमः

ॐ गोदाय नमः

ॐ गोप्रदाय नमः

ॐ गोजयप्रदाय नमः

ॐ गजायुतबलाय नमः

ॐ गण्डगुञ्जन्मत्तमधुव्रताय नमः

ॐ गण्डस्थललसद्दान-

मिलन्मत्तालिमण्डिताय नमः

ॐ गुडाय नमः

ॐ गुडप्रियाय नमः ८८०

ॐ गण्डगलद्दानाय नमः

ॐ गुडाशनाय नमः

ॐ गुडाकेशाय नमः

ॐ गुडाकेशसहायाय नमः

ॐ गुडलड्डभुजे नमः

ॐ गुडभुजे नमः

ॐ गुडभुग्गण्याय नमः

ॐ गुडाकेशवरप्रदाय नमः

ॐ गुडाकेशार्चितपदाय नमः

ॐ गुडाकेशसखाय नमः ८९०

ॐ गदाधरार्चितपदाय नमः

ॐ गदाधरवरप्रदाय नमः

ॐ गदायुधाय नमः

ॐ गदापाणये नमः

ॐ गदायुद्धविशारदाय नमः

ॐ गदघ्ने नमः

ॐ गददर्पघ्वाय नमः

ॐ गद्गर्वप्रणाशनाय नमः

ॐ गद्ग्रस्तपरित्रात्रे नमः

ॐ गदांडम्बरखण्डकाय नमः ९००

ॐ गुहाय नमः

ॐ गुहाग्रजाय नमः

ॐ गुप्ताय नमः

🕉 गुहाशायिने नमः

ॐ गुहाशयाय नमः

ॐ गुहप्रीतिकराय नमः

ॐ गूढाय नमः

ॐ गूढगुल्फाय नमः

ॐ गुणैकदृशे नमः

ॐ गिरे नमः ९१०

ॐ गीष्पतये नमः ॐ गिरीशानाय नमः ॐ गीर्देवीगीतसद्गुणाय नमः ॐ गीर्देवाय नमः ॐ गीष्प्रियाय नमः ॐ गीर्भुवे नमः ॐ गीरात्मने नमः ॐ गीष्प्रियङ्कराय नमः ॐ ग ॐ गीरसज्ञाय नमः ९२० ॐ गीःप्रसन्नाय नमः ॐ गिरीश्वराय नमः ॐ गिरीशजाय नमः ॐ गिरौशायिने नमः ॐ गिरिराजसुखावहाय नमः ॐ गिरिराजार्चितपदाय नमः ॐ गिरिराजनमस्कृताय नमः ॐ गिरिराजगुहाविष्टाय नमः ॐ गिरिराजाभयप्रदाय नमः ॐ गिरिराजेष्टवरदाय नमः ९३० ॐ गिरिराजप्रपालकाय नमः

ॐ गिरिराजसुतासूनवे नमः

```
ॐ गिरिराजजयप्रदाय नमः
ॐ गिरिव्रजवनस्थायिने नमः
ॐ गिरिव्रजचराय नमः
ॐ गर्गाय नमः
ॐ गर्गप्रियाय नमः
ॐ गर्गदेवाय नमः
ॐ गर्गनमस्कृताय नमः
ॐ गर्गभीतिहराय नमः
                          ९४०
ॐ गर्गवरदाय नमः
ॐ गर्गसंस्तुताय नमः
ॐ गर्गगीतप्रसन्नात्मने नमः
ॐ गर्गानन्दकराय नमः
ॐ गर्गप्रियाय नमः
ॐ गर्गमानप्रदाय नमः
ॐ गर्गारिभञ्जकाय नमः
ॐ गर्गवर्गपरित्रात्रे नमः
ॐ गर्गसिद्धिप्रदायकाय नमः
ॐ गर्गग्लानिहराय नमः
                         ९५०
ॐ गर्गभ्रमहृदे नमः
ॐ गर्गसङ्गताय नमः
ॐ गर्गाचार्याय नमः
ॐ गर्गमुनये नमः
```

- ॐ गर्गसन्मानभाजनाय नमः
- ॐ गम्भीराय नमः
- ॐ गणितप्रज्ञाय नमः
- ॐ गणितागमसारविदे नमः
- ॐ गणकाय नमः
- ॐ गणकश्लाघ्याय नमः ९६०
- ॐ गणकप्रणयोत्सुकाय नमः
- 🕉 गणकप्रवणस्वान्ताय नमः
- ॐ गणिताय नमः
- ॐ गणितागमाय नमः
- ॐ गद्याय नमः
- ॐ गद्यमयाय नमः
- ॐ गद्यपद्यविद्याविशारदाय नमः
- ॐ गललग्नमहानागाय नमः
- ॐ गलदर्चिषे नमः
- ॐ गलन्मदाय नमः ९७०
- ॐ गलत्कुष्ठिव्यथाहन्त्रे नमः
- ॐ गलत्कुष्ठिसुखप्रदाय नमः
- ॐ गम्भीरनाभये नमः
- ॐ गम्भीरस्वराय नमः
- ॐ गम्भीरलोचनाय नमः
- ॐ गम्भीरगुणसम्पन्नाय नमः

- ॐ गम्भीरगतिशोभनाय नमः
- ॐ गर्भप्रदाय नमः
- ॐ गर्भरूपाय नमः
- ॐ गर्भापद्विनिवारकाय नमः ९८०
- ॐ गर्भागमनसन्नाशाय नमः
- ॐ गर्भदाय नमः
- ॐ गर्भशोकनुदे नमः
- ॐ गर्भत्रात्रे नमः
- ॐ गर्भगोम्रे नमः
- ॐ गर्भपुष्टिकराय नमः
- ॐ गर्भाश्रयाय नमः
- ॐ गर्भमयाय नमः
- ॐ गर्भामयनिवारकाय नमः
- ॐ गर्भाधाराय नमः
- ॐ गर्भधराय नमः
- ॐ गर्भसन्तोषसाधकाय नमः
- 30
- गर्भगौरवसन्धानसाधनाय नमः
- ॐ गर्भवर्गहृदे नमः
- ॐ गरीयसे नमः
- ॐ गर्वनुदे नमः
- ॐ गर्वमर्दिने नमः

ॐ गरदमर्दकाय नमः

ॐ गरसन्तापशमनाय नमः

ॐ गुरुराज्यसुखप्रदाय नमः १०००

॥ इति श्रीरुद्रयामले गकारादि श्री गणपतिसहस्रनामावलिः सम्पूर्णा॥

॥ वक्रतुण्ड महागणपति सहस्रनामाविलः॥

ॐ गणेश्वराय नमः

ॐ गणक्रीडाय नमः

ॐ गणनाथाय नमः

ॐ गणाधिपाय नमः

ॐ एकदंष्टाय नमः

ॐ वक्रतुण्डाय नमः

ॐ गजवऋाय नमः

ॐ मदोदराय नमः

ॐ लम्बोदराय नमः

ॐ धूम्रवर्णाय नमः १०

ॐ विकटाय नमः

ॐ विघ्ननायकाय नमः

ॐ सुमुखाय नमः

ॐ दुर्मुखाय नमः

ॐ बुद्धाय नमः

ॐ विघ्नराजाय नमः

ॐ गजाननाय नमः

ॐ भीमाय नमः

ॐ प्रमोदाय नमः

ॐ आमोदाय नमः

ॐ सुरानन्दाय नमः

ॐ मदोत्कटाय नमः

ॐ हेरम्बाय नमः

ॐ शम्बराय नमः

ॐ शम्भवे नमः

ॐ लम्बकर्णाय नमः

ॐ महाबलाय नमः

ॐ नन्दनाय नमः

ॐ अलम्पटाय नमः

ॐ अभीरवे नमः

30

| ॐ भीमाय नमः | | ॐ तुम्बुरुवे नमः |
|------------------------|----|---------------------------|
| ॐ मेघनादाय नमः | | ॐ सिंहवाहनाय नमः |
| ॐ गणञ्जयाय नमः | | ॐ मोहिनीप्रियाय नमः |
| ॐ विनायकाय नमः | | ॐ कटङ्कटाय नमः |
| ॐ विरूपाक्षाय नमः | | ॐ राजपुत्राय नमः |
| ॐ धीरशूराय नमः | | ॐ शकलाय नमः |
| ॐ वरप्रदाय नमः | | ॐ सम्मिताय नमः |
| ॐ महागणपतये नमः | | ॐ अमिताय नमः ६० |
| ॐ बुद्धिप्रियाय नमः | | ॐ कूञमाण्डसामसम्भूतये नमः |
| ॐ क्षिप्रप्रसादनाय नमः | ४० | ॐ दुर्जयाय नमः |
| ॐ रुद्रप्रियाय नमः | | ॐ धूर्जयाय नमः |
| ॐ गणाध्यक्षाय नमः | | ॐ जयाय नमः |
| ॐ उमापुत्राय नमः | | ॐ भूपतये नमः |
| ॐ अघनाशनाय नमः | | ॐ भुवनेशाय नमः |
| ॐ कुमारगुरवे नमः | | ॐ भूतानां पतये नमः |
| ॐ ईशानपुत्राय नमः | | ॐ अव्ययाय नमः |
| ॐ मूषकवाहनाय नमः | | ॐ विश्वकर्त्रे नमः |
| ॐ सिद्धिप्रियाय नमः | | ॐ विश्वमुखाय नमः ७० |
| ॐ सिद्धिपतये नमः | | ॐ विश्वरूपाय नमः |
| ॐ सिद्धाय नमः | ५० | ॐ निधये नमः |
| ॐ सिद्धिविनायकाय नमः | | ॐ घृणये नमः |
| ॐ अविघ्नाय नमः | | ॐ कवये नमः |

🕉 कवीनामृषभाय नमः ॐ स्वर्णमुञ्जमेखलिने नमः ॐ दुर्निमित्तहते नमः ॐ ब्रह्मण्याय नमः ॐ ब्रह्मणस्पतये नमः ॐ दुःस्वप्नहृते नमः ॐ ज्येष्ठराजाय नमः ॐ प्रहसनाय नमः ॐ निधिपतये नमः ॐ गुणिने नमः १०० ॐ निधिप्रियपतिप्रियाय नमः ॐ नादप्रतिष्ठिताय नमः ॐ हिरण्मयपुरान्तःस्थाय नमः ॐ सुरूपाय नमः ॐ सर्वनेत्राधिवासाय नमः ॐ सूर्यमण्डलमध्यगाय नमः ॐ वीरासनाश्रयाय नमः 30 कराहतिध्वस्तसिन्धुसलिलाय नमः ॐ पीताम्बराय नमः ॐ पूषदन्तहृते नमः ॐ खण्डरदाय नमः ॐ उमाङ्ककेलिकुतुकिने नमः ॐ खण्डेन्दुकृतशेखराय नमः ॐ मुक्तिदाय नमः ॐ चित्राङ्करयामदशनाय नमः ॐ कुलपालकाय नमः ॐ भालचन्द्राय नमः ॐ किरीटिने नमः ॐ चतुर्भुजाय नमः ११० ॐ कुण्डलिने नमः ॐ योगाधिपाय नमः ॐ हारिणे नमः ९० ॐ तारकस्थाय नमः ॐ वनमालिने नमः ॐ पुरुषाय नमः ॐ मनोमयाय नमः ॐ गजकर्णकाय नमः ॐ वैमुख्यहतदैत्यश्रियै नमः ॐ गणाधिराजाय नमः ॐ पादाहत्याजितक्षितये नमः ॐ विजयस्थिराय नमः ॐ गणपतये नमः ॐ सद्योजाताय नमः

ॐ ध्वजिने नमः

ॐ देवदेवाय नमः

ॐ स्मरप्राणदीपकाय नमः १२०

ॐ वायुकीलकाय नमः

ॐ विपश्चिद्वरदाय नमः

ॐ नादोन्नादभिन्नबलाहकाय नमः

ॐ वाराहरदनाय नमः

ॐ मृत्युञ्जयाय नमः

ॐ व्याघ्राजिनाम्बराय नमः

ॐ इच्छाशक्तिधराय नमः

ॐ देवत्रात्रे नमः

ॐ दैत्यविमर्दनाय नमः

ॐ राम्भुवऋोद्भवाय नमः १३०

ॐ शम्भुकोपघ्ने नमः

🕉 शम्भुहास्यभुवे नमः

ॐ शम्भुतेजसे नमः

ॐ शिवाशोकहारिणे नमः

ॐ गौरीसुखावहाय नमः

ॐ उमाङ्गमलजाय नमः

ॐ गौरीतेजोभुवे नमः

ॐ स्वर्धुनीभवाय नमः

ॐ यज्ञकायाय नमः

ॐ महानादाय नमः १४०

ॐ गिरिवर्ष्मणे नमः

ॐ शुभाननाय नमः

ॐ सर्वात्मने नमः

ॐ सर्वदेवात्मने नमः

ॐ ब्रह्ममूर्ध्ने नमः

ॐ ककुप्श्रुतये नमः

ॐ ब्रह्माण्डकुम्भाय नमः

ॐ चिद्योमभालाय नमः

ॐ सत्यशिरोरुहाय नमः

30

जगज्जन्मलयोन्मेष-निमिषाय नमः

१५०

ॐ अय्यर्कसोमदृशे नमः

ॐ गिरीन्द्रैकरदाय नमः

ॐ धर्माय नमः

ॐ धर्मिष्ठाय नमः

ॐ सामबृंहिताय नमः

ॐ ग्रहर्भदशनाय नमः

ॐ वाणीजिह्वाय नमः

ॐ वासवनासिकाय नमः

ॐ भ्रूमध्यसंस्थितकराय नमः

ॐ ब्रह्मविद्यामदोत्कटाय नमः

१६०

ॐ कुलाचलांसाय नमः

ॐ सोमार्कघण्टाय नमः

ॐ रुद्रशिरोधराय नमः

ॐ नदीनदभुजाय नमः

ॐ सर्पाङ्गुलीकाय नमः

ॐ तारकानखाय नमः

ॐ व्योमनाभये नमः ॐ श्रीहृदयाय नमः

ॐ मेरुपृष्ठाय नमः

ॐ अर्णवोदराय नमः १७०

ॐ कुक्षिस्थ-यक्ष-गन्धर्व-रक्षः-

किन्नर-मानुषाय नमः

ॐ पृथ्वीकटये नमः

ॐ सृष्टिलिङ्गाय नमः

ॐ शैलोरवे नमः

ॐ दस्रजानुकाय नमः

ॐ पातालजङ्घाय नमः

ॐ मुनिपात्कालाङ्गुष्टाय नमः

ॐ त्रयीतनवे नमः

ॐ ज्योतिषे नमः

ॐ मण्डललाङ्गूलाय नमः १८०

ॐ हृदयालातनिश्चलाय नमः

ॐ हृत्पद्मकर्णिकाशालिने नमः

ॐ वियत्केलिसरोवराय नमः

ॐ सद्भक्तध्याननिगडाय नमः

ॐ पूजावारिनिवारिताय नमः

ॐ प्रतापिने नमः

ॐ कश्यपसुताय नमः

ॐ गणपाय नमः

ॐ विष्टपिने नमः

ॐ बलिने नमः १९०

ॐ यशस्विने नमः

ॐ धार्मिकाय नमः

ॐ स्वोजसे नमः

ॐ प्रथमाय नमः

ॐ प्रमथेश्वराय नमः

ॐ चिन्तामणये नमः

ॐ दीपपतये नमः

ॐ कल्पद्रमवनालयाय नमः

ॐ रत्नमण्डपमध्यस्थाय नमः

ॐ रत्नसिंहासनाश्रयाय नमः २००

ॐ तीव्राशिरसे नमः

ॐ धृतपदाय नमः

ॐ ज्वलिनीमौलिलालिताय नमः

ॐ नन्दानन्दितपीठश्रिये नमः

ॐ भोगदाय नमः

ॐ भूषितासनाय नमः

ॐ सकामदायिनीपीठाय नमः

ॐ स्फुरदुग्रासनाश्रयाय नमः

ॐ तेजोवतीशिरोरलाय नमः

ॐ सत्यानित्यावतंसिताय नमः

२१०

ॐ सविघ्ननाशिनीपीठाय नमः

ॐ सर्वशक्त्यम्बुजाश्रयाय नमः

ॐ लिपिपद्मासनाधाराय नमः

ॐ वह्निधाम्ने नमः

ॐ त्रयाश्रयाय नमः

ॐ उन्नतप्रपदागूढगुल्फ-

संवृतपािष्णिकाय नमः

ॐ पीनजङ्घाय नमः

ॐ श्लिष्टजानवे नमः

ॐ स्थूलोरवे नमः

ॐ प्रोन्नमत्कटये नमः २२०

ॐ निम्ननाभये नमः

ॐ स्थूलकुक्षये नमः

ॐ पीनवक्षसे नमः

ॐ बृहद्भुजाय नमः

ॐ पीनस्कन्धाय नमः

ॐ कम्बुकण्ठाय नमः

ॐ लम्बोष्ठाय नमः

ॐ लम्बनासिकाय नमः

ॐ भग्नवामरदाय नमः

ॐ तुङ्गसव्यदन्ताय नमः २३०

ॐ महाहनवे नमः

ॐ ह्रस्वनेत्रत्रयाय नमः

ॐ शूर्पकर्णाय नमः

ॐ निविडमस्तकाय नमः

ॐ स्तबकाकारकुम्भाग्राय नमः

ॐ रत्नमौलये नमः

ॐ निरङ्कशाय नमः

ॐ सर्प्हारकटीसूत्राय नमः

ॐ सर्पयज्ञोपवीतवते नमः

ॐ सर्पकोटीरकटकाय नमः २४०

ॐ सर्पग्रैवेयकाङ्गदाय नमः

ॐ सर्पकक्ष्योदराबन्धाय नमः

ॐ सर्पराजोत्तरीयकाय नमः

ॐ रक्ताय नमः

ॐ रक्ताम्बरधराय नमः

ॐ रक्तमाल्यविभूषणाय नमः

ॐ रक्तेक्षणाय नमः

ॐ रक्तकराय नमः

ॐ रक्तताल्वोष्ठपल्लवाय नमः

ॐ श्वेताय नमः २५०

ॐ श्वेताम्बरधराय नमः

ॐ श्वेतमाल्यविभूषणाय नमः

ॐ श्वेतातपत्ररुचिराय नमः

ॐ श्वेतचामरवीजिताय नमः

ॐ सर्वावयवसम्पूर्णाय नमः

ॐ सर्वलक्षणलक्षिताय नमः

ॐ सर्वाभरणशोभाढ्याय नमः

ॐ सर्वशोभासमन्विताय नमः

ॐ सर्वमङ्गलमाङ्गल्याय नमः

ॐ सर्वकारणकारणाय नमः २६०

ॐ सर्वदैककराय नमः

ॐ शार्ङ्गिणे नमः

ॐ बीजापूरगदाधराय नमः

ॐ इक्षुचापधराय नमः

ॐ शूलिने नमः

ॐ चक्रपाणये नमः

ॐ सरोजभृते नमः

ॐ पाशिने नमः

ॐ धृतोत्पलाय नमः

ॐ शालिमञ्जरीभृते नमः

ॐ स्वदन्तभृते नमः

ॐ कल्पवल्लीधराय नमः

ॐ विश्वाभयदैककराय नमः

ॐ वशिने नमः

ॐ अक्षमालाधराय नमः

ॐ ज्ञानमुद्रावते नमः

ॐ मुद्गरायुधाय नमः

ॐ पूर्णपात्रिणे नमः

ॐ कम्बुधराय नमः

ॐ विधूतालिसमूहकाय नमः २८०

ॐ मातुलुङ्गधराय नमः

ॐ चूतकलिकाभृते नमः

ॐ कुठारवते नमः

ॐ पुष्करस्थाय नमः

30

स्वर्णघटीपूर्णरत्नाभिवर्षकाय नमः

ॐ भारतीसुन्दरीनाथाय नमः

ॐ विनायकरतिप्रियाय नमः

ॐ महालक्ष्मीप्रियतमाय नमः

ॐ सिद्धलक्ष्मीमनोरमाय नमः

ॐ रमारमेशपूर्वाङ्गाय नमः २९०

ॐ दक्षिणोमामहेश्वराय नमः

ॐ महीवराहवामाङ्गाय नमः

ॐ रतिकन्दर्पपश्चिमाय नमः

ॐ आमोदमोदजननाय नमः

ॐ सप्रमोदाय नमः

ॐ प्रमोदनाय नमः

ॐ सामैधित्रे नमः

ॐ समिद्धश्रिये नमः

ॐ ऋद्विसिद्धिप्रवर्तकाय नमः

ॐ दत्तसौमुख्यसुमुखाय नमः३००

ॐ कान्तिकन्दिलताश्रयाय नमः

ॐ मद्नावत्याश्रिताङ्मये नमः

ॐ कृतदौर्मुख्यदुर्मुखाय नमः

ॐ विघ्नसम्पल्लवोपघ्नाय नमः

ॐ सेवोन्निद्रमदद्रवाय नमः

ॐ विघ्नकृत्रिघ्नचरणाय नमः

ॐ द्राविणीशक्तिसत्कृताय नमः

ॐ तीव्राप्रसन्ननयनाय नमः

ॐ ज्वालिनीपालितैकदृशे नमः

ॐ मोहिनीमोहनाय नमः ३१०

30

भोगदायिनीकान्तिमण्डिताय नमः

ॐ कामिनीकान्तवऋश्रिये नमः

ॐ अधिष्ठितवसुन्धराय नमः

ॐ वसुन्धरामदोन्नद्धाय नमः

ॐ महाशङ्खिनिधये नमः

ॐ प्रभवे नमः

ॐ नमद्वसुमतीमौलये नमः

ॐ महापद्मनिधिप्रभवे नमः

ॐ सर्वसद्गुणसंसेव्याय नमः

ॐ शोचिष्केशहृदाश्रयाय नमः

३२०

ॐ ईशानमूध्ने नमः

ॐ देवेन्द्रशिखाय नमः

ॐ पवननन्दनाय नमः

ॐ अग्रप्रत्यग्रनयनाय नमः

ॐ दिव्यास्त्राणां प्रयोगविदे नमः

ॐ ऐरावतादिसर्वाशावारणावरण-

प्रियाय नमः

ॐ वज्राद्यस्त्रपरीवाराय नमः

ॐ गणचण्डसमाश्रयाय नमः

ॐ जयाजयपरीवाराय नमः

ॐ विजयाविजयावहाय नमः ३३०

ॐ अजिताजितपादाब्राय नमः

ॐ नित्यानित्यावतंसिताय नमः

ॐ विलासिनीकृतोल्लासाय नमः

ॐ शौण्डिसौन्दर्यमण्डिताय नमः

ॐ अनन्तानन्तसुखदाय नमः

ॐ सुमङ्गलसुमङ्गलाय नमः

ॐ इच्छाशक्ति-ज्ञानशक्ति-

क्रियाशक्ति-निषेविताय नमः

ॐ सुभगासंश्रितपदाय नमः

ॐ ललिताललिताश्रयाय नमः

ॐ कामिनीकामनाय नमः ३४०

ॐ कामाय नमः

ॐ मानिनीकेलिलालिताय नमः

ॐ सरस्वत्याश्रयाय नमः

ॐ गौरीनन्दनाय नमः

ॐ श्रीनिकेतनाय नमः

ॐ गुरुगुप्तपदाय नमः

ॐ वाचा सिद्धाय नमः

ॐ वागीश्वरेश्वराय नमः

ॐ नलिनीकामुकाय नमः

ॐ वामारामाय नमः ३५०

ॐ ज्येष्ठामनोरमाय नमः

ॐ रौद्रीमुद्रितपादाङ्जाय नमः

ॐ हुम्बीजाय नमः

ॐ तुङ्गशक्तिकाय नमः

ॐ विश्वादिजननत्राणाय नमः

ॐ स्वाहाशक्तये नमः

ॐ सकीलकाय नमः

ॐ अमृताब्धिकृतावासाय नमः

ॐ मदघूर्णितलोचनाय नमः

ॐ उच्छिष्टगणाय नमः ३६०

ॐ उच्छिष्टगणेशाय नमः

ॐ गणनायकाय नमः

ॐ सार्वकालिकसंसिद्धये नमः

ॐ नित्यशैवाय नमः

ॐ दिगम्बराय नमः

ॐ अनपायाय नमः

ॐ अनन्तदृष्टये नमः

ॐ अप्रमेयाय नमः

ॐ अजरामराय नमः

ॐ अनाविलाय नमः

३७०

ॐ अप्रतिरथाय नमः

ॐ अच्युताय नमः

ॐ अमृताय नमः

ॐ अक्षराय नमः

ॐ अप्रतर्क्याय नमः

ॐ अक्षयाय नमः

ॐ अजय्याय नमः

ॐ अनाधाराय नमः

ॐ अनामयाय नमः

ॐ अमोघसिद्धये नमः ३८०

ॐ अद्वैताय नमः

ॐ अघोराय नमः

ॐ अप्रमिताननाय नमः

ॐ अनाकाराय नमः

ॐ अधिभूम्यग्निबलन्नाय नमः

ॐ अव्यक्तलक्षणाय नमः

ॐ आधारपीठाय नमः

ॐ आधाराय नमः

ॐ आधाराधेयवर्जिताय नमः

ॐ आखुकेतनाय नमः ३९०

ॐ आशापूरकाय नमः

ॐ आखुमहारथाय नमः

ॐ इक्षुसागरमध्यस्थाय नमः

ॐ इक्षुभक्षणलालसाय नमः

ॐ इक्षुचापातिरेकश्रिये नमः

ॐ इक्षुचापनिषेविताय नमः

ॐ इन्द्रगोपसमानश्रिये नमः

ॐ इन्द्रनीलसमद्युतये नमः

ॐ इन्दीवरदलश्यामाय नमः

ॐ इन्दुमण्डलनिर्मलाय नमः४००

ॐ इन्द्रप्रियाय नमः

ॐ इडाभागाय नमः

ॐ इडाधामेन्दिराप्रियाय नमः

ॐ इक्ष्वाकुविघ्नविध्वंसिने नमः

ॐ इतिकर्तव्यतेप्सिताय नमः

ॐ ईशानमौलये नमः

ॐ ईशानाय नमः

ॐ ईशानसुताय नमः

ॐ ईतिघ्ने नमः

ॐ ईषणात्रयकल्पान्ताय नमः४१०

ॐ ईहामात्रविवर्जिताय नमः

ॐ उपेन्द्राय नमः

ॐ उडुभृन्मौलिरुण्डेरकबलि-

प्रियाय नमः

४५०

ॐ उन्नताननाय नमः

ॐ उत्तुङ्गाय नमः

ॐ उदारत्रिदशाग्रण्ये नमः

ॐ ऊर्जस्वते नमः

ॐ ऊष्मलमदाय नमः

ॐ ऊहापोहदुरासदाय नमः

ॐ ऋग्यजुःसामसम्भूतये नमः

४२०

ॐ ऋद्विसिद्धिप्रवर्तकाय नमः

ॐ ऋजुचित्तैकसुलभाय नमः

ॐ ऋणत्रयविमोचकाय नमः

ॐ स्वभक्तानां लुप्तविघ्नाय नमः

ॐ सुरद्विषां लुप्तशक्तये नमः

ॐ विमुखार्चानां लुप्तश्रिये नमः

ॐ ऌ्ताविस्फोटनाशनाय नमः

ॐ एकारपीठमध्यस्थाय नमः

ॐ एकपादकृतासनाय नमः

ॐ एजिताखिलदैत्यश्रिये नमः

४३०

ॐ एजिताखिलसंश्रयाय नमः

ॐ ऐश्वर्यनिधये नमः

ॐ ऐश्वर्याय नमः

ॐ ऐहिकामुष्मिकप्रदाय नमः

ॐ ऐरम्मद्समोन्मेषाय नमः

ॐ ऐरावतनिभाननाय नमः

ॐ ओङ्कारवाच्याय नमः

ॐ ओङ्काराय नमः

ॐ ओजस्वते नमः

ॐ ओषधिपतये नमः

ॐ औदार्यनिधये नमः

ॐ औद्धत्यधुर्याय नमः

ॐ औन्नत्यनिःस्वनाय नमः

ॐ सुरनागानाम् अङ्कुशाय नमः

ॐ सुरविद्विषाम् अङ्कशाय नमः

ॐ असमस्तविसर्गाणां पदेषु

परिकीर्तिताय नमः

ॐ कमण्डलुधराय नमः

ॐ कल्पाय नमः

ॐ कपर्दिने नमः

ॐ कल्भाननाय नमः

ॐ कर्मसाक्षिणे नमः

ॐ कर्मकर्त्रे नमः

ॐ कर्माकर्मफलप्रदाय नमः

ॐ कदम्बगोलकाकाराय नमः

ॐ कूश्माण्डगणनायकाय नमः

ॐ कारुण्यदेहाय नमः

ॐ कपिलाय नमः

ॐ कथकाय नमः

ॐ कटिसूत्रभृते नमः

ॐ खर्वाय नमः

ॐ खङ्गप्रियाय नमः

ॐ खङ्गखातान्तःस्थाय नमः

ॐ खनिर्मलाय नमः

ॐ खल्वाटश्रृङ्गनिलयाय नमः

ॐ खट्वाङ्गिने नमः

ॐ खन्दुरासदाय नमः

ॐ गुणाढ्याय नमः

ॐ गहनाय नमः

ॐ गस्थाय नमः

ॐ गद्यपद्यसुधार्णवाय नमः ४७०

ॐ गद्यगानप्रियाय नमः

ॐ गर्जाय नमः

ॐ गीतगीर्वाणपूर्वजाय नमः

ॐ गुह्याचाररताय नमः

ॐ गुह्याय नमः

ॐ गुह्यागमनिरूपिताय नमः

ॐ गुहाशयाय नमः

ॐ गुहाब्धिस्थाय नमः

ॐ गुरुगम्याय नमः

ॐ गुरोर्गुरवे नमः ४०

ॐ घण्टाघर्घरिकामालिने नमः

ॐ घटकुम्भाय नमः

ॐ घटोदराय नमः

ॐ चण्डाय नमः

४६०

ॐ चण्डेश्वरसुहृदे नमः

ॐ चण्डेशाय नमः

ॐ चण्डविक्रमाय नमः

ॐ चराचरपतये नमः

ॐ चिन्तामणये नमः

ॐ चर्वणलालसाय नमः ४९०

ॐ छन्दसे नमः

ॐ छन्दोवपुषे नमः

ॐ छन्दोदुर्रुक्याय नमः

ॐ छन्द्विग्रहाय नमः

ॐ जगद्योनये नमः

ॐ जगत्साक्षिणे नमः

ॐ जगदीशाय नमः

ॐ जगन्मयाय नमः

ॐ जपाय नमः

ॐ जपपराय नमः 400

ॐ जप्याय नमः

ॐ जिह्वासिंहासनप्रभवे नमः

ॐ झलज्झल्लोल्लसद्दान-

झङ्कारिभ्रमराकुलाय नमः

ॐ टङ्कारस्फारसंरावाय नमः

ॐ टङ्कारिमणिनूपुराय नमः

ॐ ठद्वयिने नमः

ॐ पल्लवान्तःस्थाय नमः

ॐ सर्वमन्त्रैकसिद्धिदाय नमः

ॐ डिण्डिमुण्डाय नमः

ॐ डाकिनीशाय नमः

ॐ डामराय नमः

ॐ डिण्डिमप्रियाय नमः

ॐ ढक्कानिनादमुदिताय नमः

ॐ ढौकाय नमः

ॐ ढुण्ढिविनायकाय नमः

ॐ तत्त्वानां परमतत्त्वाय नमः

ॐ तत्त्वम्पदनिरूपिताय नमः

ॐ तारकान्तरसंस्थानाय नमः

ॐ तारकाय नमः

ॐ तारकान्तकाय नमः ५२०

ॐ स्थाणवे नमः

ॐ स्थाणुप्रियाय नमः

ॐ स्थात्रे नमः

ॐ स्थावराय जङ्गमाय जगते नमः

ॐ दक्षयज्ञप्रमथनाय नमः

ॐ दात्रे नमः

ॐ दानवमोहनाय नमः

ॐ दयावते नमः

ॐ दिव्यविभवाय नमः

ॐ दण्डभृते नमः ५३०

ॐ दण्डनायकाय नमः

ॐ दन्तप्रभिन्नाभ्रमालाय नमः

ॐ दैत्यवारणदारणाय नमः

ॐ दंष्ट्रालग्नद्विपघटाय नमः

ॐ देवार्थनृगजाकृतये नमः

ॐ धनधान्यपतये नमः

ॐ धन्याय नमः

ॐ धनदाय नमः

ॐ धरणीधराय नमः

ॐ ध्यानैकप्रकटाय नमः

480

ॐ ध्येयाय नमः

ॐ ध्यानाय नमः

ॐ ध्यानपरायणाय नमः

ॐ नन्द्याय नमः

ॐ नन्दिप्रियाय नमः

ॐ नादाय नमः

ॐ नादमध्यप्रतिष्ठिताय नमः

ॐ निष्कलाय नमः

ॐ निर्ममाय नमः

ॐ नित्याय नमः ५५०

ॐ नित्यानित्याय नमः

ॐ निरामयाय नमः

ॐ परस्मै व्योम्ने नमः

ॐ परस्मै धाम्ने नमः ॐ परमात्मने नमः

ॐ परस्मै पदाय नमः

ॐ परात्परस्मै नमः

ॐ पशुपतये नमः

ॐ पशुपाशविमोचकाय नमः

ॐ पूर्णानन्दाय नमः ५६०

ॐ परानन्दाय नमः

ॐ पुराणपुरुषोत्तमाय नमः

ॐ पद्मप्रसन्ननयनाय नमः

ॐ प्रणताज्ञानमोचनाय नमः

ॐ प्रमाणप्रत्ययातीताय नमः

ॐ प्रणतार्तिनिवारणाय नमः

ॐ फलहस्ताय नमः

ॐ फणिपतये नमः

ॐ फेत्काराय नमः

ॐ फणितप्रियाय नमः ५७०

ॐ बाणार्चिताङ्क्षियुगलाय नमः

ॐ बालकेलिकुतूहलिने नमः

ॐ ब्रह्मणे नमः

ॐ ब्रह्मार्चितपदाय नमः

ॐ ब्रह्मचारिणे नमः

ॐ बृहस्पतये नमः

ॐ बृहत्तमाय नमः

ॐ ब्रह्मपराय नमः

ॐ ब्रह्मण्याय नमः

ॐ ब्रह्मवित्प्रियाय नमः ५८०

ॐ बृहन्नादाग्र्यचीत्काराय नमः

ॐ ब्रह्माण्डावलिमेखलाय नमः

ॐ भ्रूक्षेपदत्तलक्ष्मीकाय नमः

ॐ भर्गाय नमः

ॐ भद्राय नमः

| ॐ भयापहाय नमः | | ॐ यज्ञाय नमः | |
|----------------------|-----|-------------------------|-----|
| ॐ भगवते नमः | | ॐ यज्ञपतये नमः | |
| ॐ भक्तिसुलभाय नमः | | ॐ यज्ञगोघ्रे नमः | ६१० |
| ॐ भूतिदाय नमः | | ॐ यज्ञफलप्रदाय नमः | |
| ॐ भूतिभूषणाय नमः | ५९० | ॐ यशस्कराय नमः | |
| ॐ भव्याय नमः | | ॐ योगगम्याय नमः | |
| ॐ भूतालयाय नमः | | ॐ याज्ञिकाय नमः | |
| ॐ भोगदात्रे नमः | | ॐ याजकप्रियाय नमः | |
| ॐ भ्रूमध्यगोचराय नमः | | ॐ रसाय नमः | |
| ॐ मन्त्राय नमः | | ॐ रसप्रियाय नमः | |
| ॐ मन्त्रपतये नमः | | ॐ रस्याय नमः | |
| ॐ मन्त्रिणे नमः | | ॐ रञ्जकाय नमः | |
| ॐ मद्मत्तमाय नमः | | ॐ रावणार्चिताय नमः | ६२० |
| ॐ मनोरमाय नमः | | ॐ रक्षोरक्षाकराय नमः | |
| ॐ मेखलावते नमः | ६०० | ॐ रत्नगर्भाय नमः | |
| ॐ मन्दगतये नमः | | ॐ राज्यसुखप्रदाय नमः | |
| ॐ मतिमते नमः | | ॐ लक्ष्यालक्षप्रदाय नमः | |
| ॐ कमलेक्षणाय नमः | | ॐ लक्ष्याय नमः | |
| ॐ महाबलाय नमः | | ॐ लयस्थाय नमः | |
| ॐ महावीराय नमः | | ॐ लड्डकप्रियाय नमः | |
| ॐ महाप्राणाय नमः | | ॐ लाँनप्रियाय नमः | |
| ॐ महामनसे नमः | | ॐ लास्यपदाय नमः | |
| | ı | | |

ॐ लाभकृते नमः ६३०

ॐ लोकविश्रुताय नमः

ॐ वरेण्याय नमः

ॐ वह्निवदनाय नमः

ॐ वन्द्याय नमः

ॐ वेदान्तगोचराय नमः

ॐ विकर्त्रे नमः

ॐ विश्वतश्चक्षुषे नमः

ॐ विधात्रे नमः

ॐ विश्वतोमुखाय नमः

ॐ वामदेवाय नमः ६४०

ॐ विश्वनेत्रे नमः

ॐ वज्रिणे नमः

ॐ वज्रनिवारणाय नमः

30

विश्वबन्धनविष्कम्भाधाराय नमः

ॐ विश्वेश्वरप्रभवे नमः

ॐ शब्दब्रह्मणे नमः

ॐ शमप्राप्याय नमः

ॐ शम्भुशक्तिगणेश्वराय नमः

ॐ शास्त्रे नमः

ॐ शिखाग्रनिलयाय नमः ६५०

ॐ शरण्याय नमः

ॐ शिखरीश्वराय नमः

ॐ षडृतुकुसुमस्त्रग्विणे नमः

ॐ षडाधाराय नमः

ॐ षडक्षराय नमः

ॐ संसारवैद्याय नमः

ॐ सर्वज्ञाय नमः

ॐ सर्वभेषजभेषजाय नमः

ॐ सृष्टिस्थितिलयकीडाय नमः

ॐ सुरकुञ्जरभेदनाय नमः ६६०

ॐ सिन्दूरितमहाकुम्भाय नमः

ॐ सदसद्यक्तिदायकाय नमः

ॐ साक्षिणे नमः

ॐ समुद्रमथनाय नमः

ॐ स्वसंवेद्याय नमः

ॐ स्वद्क्षिणाय नमः

ॐ स्वतन्त्राय नमः

ॐ सत्यसङ्कल्पाय नमः

ॐ सामगानरताय नमः

ॐ सुखिने नमः

003

ॐ हंसाय नमः

ॐ हस्तिपिशाचीशाय नमः

| ॐ विजयप्रदाय नमः |
|----------------------------|
| ॐ सर्ववश्यकराय नमः |
| ॐ गर्भदोषघ्ने नमः |
| ः ॐ पुत्रपौत्रदाय नमः |
| ॐ मेघादाय नमः |
| ॐ कीर्तिदाय नमः ७०० |
| ॐ शोकहारिणे नमः |
| ॐ दौर्भाग्यनाशनाय नमः |
| ॐ श्रीशोकहारिणे नमः |
| ॐ दौर्भाग्यनाशनाय नमः |
| ॐ सर्वशक्तिभृते नमः |
| ॐ प्रतिवादिमुखस्तम्भाय नमः |
| ॐ हृष्टचित्तप्रसादनाय नमः |
| ॐ पराभिचारशमनाय नमः |
| ॐ दुःखभञ्जनकारकाय नमः |
| ॐ लवाय नमः ७१० |
| ॐ त्रुटये नमः |
| ॐ कलायै नमः |
| ॐ काष्टायै नमः |
| ॐ निमेषाय नमः |
| ॐ तत्पराय नमः |
| ॐ क्षणाय नमः |
| |

| ॐ घट्ये नमः | ॐ मेरवे नमः |
|---------------------|-----------------------|
| ॐ मुहूर्ताय नमः | ॐ सप्तऋषिभ्यो नमः ७४० |
| ॐ प्रहराय नमः | ॐ ध्रुवाय नमः |
| ॐ दिवानक्ताय नमः ७२ | ० । ॐ राहवे नमः |
| ॐ अहर्निशाय नमः | ॐ मन्दाय नमः |
| ॐ पक्षाय नमः | ॐ कवये नमः |
| ॐ मासाय नमः | ॐ जीवाय नमः |
| ॐ अयनाय नमः | ॐ बुधाय नमः |
| ॐ वर्षाय नमः | ॐ भौमाय नमः |
| ॐ युगाय नमः | ॐ शशिने नमः |
| ॐ कल्पाय नमः | ॐ रवये नमः |
| ॐ महालयाय नमः | ॐ कालाय नमः ७५० |
| ॐ राशये नमः | ॐ सृष्टिस्थितये नमः |
| ॐ तारायै नमः ७३ | ० ॐ विश्वस्मै नमः |
| ॐ तिथये नमः | ॐ स्थावराय नमः |
| ॐ योगाय नमः | ॐ जङ्गमाय नमः |
| ॐ वाराय नमः | ॐ जगते नमः |
| ॐ करणाय नमः | ॐ भुवे नमः |
| ॐ अंशकाय नमः | ॐ अच्छो नमः |
| ॐ लग्नाय नमः | ॐ अग्नये नमः |
| ॐ होरायै नमः | ॐ मरुद्धो नमः |
| ॐ कालचकाय नमः | ॐ व्योम्ने नमः ७६० |

| ॐ अहङ्कतये नमः | | ॐ समुद्रेभ्यो नमः | |
|---------------------|-----|------------------------|-----|
| ॐ प्रकृतये नमः | | ॐ सरिज्ञो नमः | |
| ॐ पुंसे नमः | | ॐ शैलेभ्यो नमः | |
| ॐ ब्रह्मणे नमः | | ॐ भूतभव्यभवोद्भवाय नमः | |
| ॐ विष्णवे नमः | | ॐ साङ्चाय नमः | |
| ॐ शिवाय नमः | | ॐ पातञ्जलयोगाय नमः | |
| ॐ रुद्राय नमः | | ॐ पुराणेभ्यो नमः | |
| ॐ ईशाय नमः | | ॐ श्रुतये नमः | ७९० |
| ॐ शक्तये नमः | | ॐ स्मृतये नमः | |
| ॐ सदाशिवाय नमः | ०७० | ॐ वेदाङ्गेभ्यो नमः | |
| ॐ त्रिद्शेभ्यो नमः | | ॐ सदाचाराय नमः | |
| ॐ पितृभ्यो नमः | | ॐ मीमांसायै नमः | |
| ॐ सिद्धेभ्यो नमः | | ॐ न्यायविस्तराय नमः | |
| ॐ यक्षेभ्यो नमः | | ॐ आयुर्वेदाय नमः | |
| ॐ रक्षोभ्यो नमः | | ॐ धनुर्वेदाय नमः | |
| ॐ किन्नरेभ्यो नमः | | ॐ गान्धर्वाय नमः | |
| ॐ साध्येभ्यो नमः | | ॐ काव्यनाटकाय नमः | |
| ॐ विद्याधरेभ्यो नमः | | ॐ वैखानसाय नमः | ८०० |
| ॐ भूतेभ्यो नमः | | ॐ भागवताय नमः | |
| ॐ मनुष्येभ्यो नमः | ७८० | ॐ सात्वताय नमः | |
| ॐ पशुभ्यो नमः | | ॐ पाञ्चरात्रकाय नमः | |
| ॐ खगेभ्यो नमः | | ॐ शैवाय नमः | |
| | | | |

| ॐ पाशुपताय नमः | | ॐ स्वस्ति-हुं-फट्-स्वधा-स्व | ाहा- |
|---------------------|-----|-----------------------------|------|
| ॐ कालमुखाय नमः | | श्रौषड्-वौषड्-वषण्-नमः | |
| ॐ भैरवशासनाय नमः | | ॐ ज्ञानविज्ञानाय नमः | |
| ॐ शाक्ताय नमः | | ॐ आनन्दाय नमः | |
| ॐ वैनायकाय नमः | | ॐ बोधाय नमः | ८३० |
| ॐ सौराय नमः | ८१० | ॐ संविदे नमः | |
| ॐ जैनाय नमः | | ॐ शमाय नमः | |
| ॐ आर्हतसंहितायै नमः | | ॐ यमाय नमः | |
| ॐ सते नमः | | ॐ एकस्मै नमः | |
| ॐ असते नमः | | ॐ एकाक्षराधाराय नमः | |
| ॐ व्यक्ताय नमः | | ॐ एकाक्षरपरायणाय नमः | |
| ॐ अव्यक्ताय नमः | | ॐ एकाग्रधिये नमः | |
| ॐ सचेतनाय नमः | | ॐ एकवीराय नमः | |
| ॐ अचेतनाय नमः | | ॐ एकानेकस्वरूपधृषे नमः | |
| ॐ बन्धाय नमः | | ॐ द्विरूपाय नमः | ८४० |
| ॐ मोक्षाय नमः | ८२० | ॐ द्विभुजाय नमः | |
| ॐ सुखाय नमः | | ॐ द्यक्षाय नमः | |
| ॐ भोगाय नमः | | ॐ द्विरदाय नमः | |
| ॐ योगाय नमः | | ॐ द्वीपरक्षकाय नमः | |
| ॐ सत्याय नमः | | ॐ द्वैमातुराय नमः | |
| ॐ अणवे नमः | | ॐ द्विवद्नाय नमः | |
| ॐ महते नमः | | ॐ द्वन्द्वातीताय नमः | |
| | | | |

ॐ पञ्चास्याय नमः

ॐ द्वयातिगाय नमः ॐ पञ्चकृत्यकृते नमः ॐ त्रिधाम्ने नमः ॐ पञ्चाधाराय नमः 600 ॐ त्रिकराय नमः ॐ पञ्चवर्णाय नमः ८५० ॐ त्रेत्रे नमः ॐ पञ्चाक्षरपरायणाय नमः ॐ त्रिवर्गफलदायकाय नमः ॐ पञ्चतालाय नमः ॐ त्रिगुणात्मने नमः ॐ पञ्चकराय नमः ॐ त्रिलोकादये नमः ॐ पञ्चप्रणवभाविताय नमः ॐ त्रिशक्तीशाय नमः ॐ पञ्चब्रह्ममयस्फूर्तये नमः ॐ त्रिलोचनाय नमः ॐ पञ्चावारणवारिताय नमः ॐ चतुर्बाहवे नमः ॐ पञ्चभक्ष्यप्रियाय नमः ॐ चतुर्दन्ताय नमः ॐ पञ्चबाणाय नमः ॐ पञ्चिशवात्मकाय नमः ॐ चतुरात्मने नमः 660 ॐ चतुर्मुखाय नमः ॐ षद्घोणपीठाय नमः ८६० ॐ चतुर्विधोपायमयाय नमः ॐ षद्भक्रधाम्ने नमः ॐ षड्जन्थिभेदकाय नमः ॐ चतुर्वर्णाश्रमाश्रयाय नमः ॐ चतुर्विधवचोवृत्तिपरिवृत्ति-ॐ षडध्वध्वान्तविध्वंसिने नमः प्रवर्तकाय नमः ॐ षडङ्गुलमहाह्रदाय नमः ॐ चतुर्थीपूजनप्रीताय नमः ॐ षण्मुखाय नमः ॐ चतुर्थीतिथिसम्भवाय नमः ॐ षण्मुखभ्रात्रे नमः ॐ षद्धक्तिपरिवारिताय नमः ॐ पञ्चाक्षरात्मने नमः ॐ षड्वैरिवर्गविध्वंसिने नमः ॐ पञ्चात्मने नमः

ॐ षड्मिंभयभञ्जनाय नमः

ॐ षट्गर्कदूराय नमः

ॐ षद्धर्मनिरताय नमः

ॐ षडूसाश्रयाय नमः

ॐ सप्तपातालचरणाय नमः

ॐ सप्तद्वीपोरुमण्डलाय नमः

ॐ सप्तस्वर्लोकमुकुटाय नमः

ॐ सप्तसप्तिवरप्रदाय नमः

ॐ सप्ताङ्गराज्यसुखदाय नमः

ॐ सप्तर्षिगणमण्डिताय नमः

ॐ सप्तच्छन्दोनिधये नमः ९००

ॐ सप्तहोत्रे नमः

ॐ सप्तस्वराश्रयाय नमः

ॐ सप्ताब्धिकेलिकासाराय नमः

ॐ सप्तमातृनिषेविताय नमः

ॐ सप्तच्छन्दोमोदमदाय नमः

ॐ सप्तच्छन्दसे नमः

ॐ मखप्रियाय नमः

ॐ अष्टमूर्तये नमः

ॐ ध्येयमूर्तये नमः

ॐ अष्टप्रकृतिकारणाय नमः ९१०

ॐ अष्टाङ्गयोगफलभुवे नमः

ॐ अष्टपत्राम्बुजासनाय नमः

ॐ अष्टशक्तिसमृद्धिश्रिये नमः

ॐ अष्टेश्वर्यप्रदायकाय नमः

ॐ अष्टपीठोपपीठश्रिये नमः

ॐ अष्टमातृसमावृताय नमः

ॐ अष्टभैरवसेव्याय नमः

ॐ अष्टवसुवन्द्याय नमः

ॐ अष्टमूर्तिभृते नमः

ॐ अष्टचकस्फुरन्मूर्तये नमः ९२०

ॐ अष्टद्रव्यहविःप्रियाय नमः

ॐ नवनागासनाध्यासिने नमः

ॐ नवविध्यनुशासित्रे नमः

ॐ नवद्वारपुराधाराय नमः

ॐ नवद्वारनिकेतनाय नमः

ॐ नरनारायणस्तुत्याय नमः

ॐ नवदुर्गानिषेविताय नमः

ॐ नवनाथमहानाथाय नमः

ॐ नवनागविभूषणाय नमः

ॐ नवरत्नविचित्राङ्गाय नमः ९३०

ॐ नवशक्तिशिरोधृताय नमः

ॐ दशात्मकाय नमः

ॐ दशभुजाय नमः

ॐ दशदिक्पतिवन्दिताय नमः

ॐ दशाध्यायाय नमः ॐ दशप्राणाय नमः ॐ दशेन्द्रियनियामकाय नमः ॐ दशाक्षरमहामन्त्राय नमः ॐ दुशाशाव्याधिविग्रहाय नमः ॐ एकादशादिभिर्रुद्रैः संस्तुताय नमः ९४० ॐ एकादशाक्षराय नमः ॐ द्वादशोद्दण्डदोर्दण्डाय नमः ॐ द्वादशान्तनिकेतनाय नमः ॐ त्रयोदशभिदे नमः 30 आभिन्नविश्वेदेवाधिदैवताय नमः ॐ चतुर्द्शेन्द्रप्रभवाय नमः ॐ चतुर्दशमनुप्रभवे नमः ॐ चतुर्दशादिविद्याढ्याय नमः ॐ चतुर्दशजगत्प्रभवे नमः ॐ सामपञ्चदशाय नमः

ॐ पञ्चद्शीशीतांशुनिर्मलाय नमः

ॐ षोडशाधारनिलयाय नमः

ॐ षोडशस्वरमातृकाय नमः

ॐ षोडशान्तपदावासाय नमः

ॐ षोडशेन्दुकलात्मकाय नमः ॐ कलासप्तद्दिाने नमः ॐ सप्तदशाय नमः ॐ सप्तदशाक्षराय नमः ॐ अष्टादशद्वीपपतये नमः ॐ अष्टादशपुराणकृते नमः ॐ अष्टादशौषधीसृष्टये नमः ॐ अष्टादशविधिस्मृताय नमः ॐ अष्टाद्शिलिपिव्यष्टिसमष्टिज्ञान-कोविदाय नमः ॐ एकविंशाय नमः ॐ पुंसे नमः ॐ एकविंशत्यङ्गुलिपछवाय नमः ॐ चतुर्विंशतितत्त्वात्मने नमः ॐ पञ्चविंशाख्यपूरुषाय नमः ॐ सप्तविंशतितारेशाय नमः ॐ सप्तविंशतियोगकृते नमः ९७० ॐ द्वात्रिंशद्भैरवाधीशाय नमः ॐ चतुस्त्रिंशन्महाहृदाय नमः ॐ षड्निशत्तत्त्वसम्भूतये नमः ॐ अष्टत्रिंशत्कलातनवे नमः ॐ नमदेकोनपञ्चाशन्मरुद्वर्ग-

निरर्गलाय नमः

ॐ पञ्चारादक्षरश्रेणये नमः

ॐ पञ्चाशद्रुद्रविग्रहाय नमः

ॐ पञ्चाराद्विष्णुराक्तीशाय नमः

ॐ पञ्चाशन्मातृकालयाय नमः

ॐ द्विपञ्चाशद्वपुश्रेणिने नमः ९८०

ॐ त्रिषष्ट्यक्षरसंश्रयाय नमः

ॐ चतुष्वष्ट्यर्णनिर्णेत्रे नमः

ॐ चतुष्षष्टिकलानिधये नमः

ॐ चतुःषष्टिमहासिद्धयोगिनी-

वृन्दवन्दिताय नमः

ॐ अष्टषष्टिमहातीर्थक्षेत्रभैरव-

भावनाय नमः

ॐ चतुर्णवतिमन्त्रात्मने नमः

ॐ षण्णवत्यधिकप्रभवे नमः

ॐ शतानन्दाय नमः

ॐ शतधृतये नमः

🕉 शतपत्रायतेक्षणाय नमः ९९०

ॐ शतानीकाय नमः

ॐ शतमखाय नमः

ॐ शतधारवरायुधाय नमः

ॐ सहस्रपत्रनिलयाय नमः

ॐ सहस्रफणभूषणाय नमः

ॐ सहस्रशीर्ष्णे नमः

ॐ पुरुषाय नमः

ॐ सहस्राक्षाय नमः

ॐ सहस्रपदे नमः

ॐ सहस्रनामसंस्तुत्याय नमः

१०००

ॐ सहस्राक्षबलापहाय नमः

ॐ दशसाहस्रफणिभृत्फणिराज-

कृतासनाय नमः

ॐ अष्टाशीतिसहस्रौघ-

महर्षिस्तोत्रयन्त्रिताय नमः

ॐ लक्षाधीशप्रियाधाराय नमः

ॐ लक्षाधीशमनोमयाय नमः

ॐ चतुर्रुक्षजपप्रीताय नमः

ॐ चतुर्रुक्षप्रकाशिताय नमः

ॐ चतुरशीतिलक्षाणां जीवानां

देहसंस्थिताय नमः

ॐ कोटिसूर्यप्रतीकाशाय नमः

ॐ कोटिचन्द्रांशुनिर्मलाय नमः

१०१०

ॐ शिवाभवाध्युष्टकोटि-

विनायकधुरन्धराय नमः ॐ सप्तकोटिमहामन्त्र-मन्त्रितावयवद्युतये नमः ॐ त्रयस्त्रिंशत्कोटिसुरश्रेणी-प्रणतपादुकाय नमः ॐ अनन्तदेवतासेव्याय नमः

ॐ अनन्तशुभदायकाय नमः

ॐ अनन्तनाम्ने नमः

ॐ अनन्तश्रिये नमः

ॐ अनन्तानन्तसौख्यदाय नमः

॥ इति श्री शाक्तप्रमोदान्तर्गतगणेशतन्त्रादुद्भृता श्री वकतुण्ड-महागणपति-सहस्रनामाविलः सम्पूर्णा॥

॥ रामसहस्रनामावलिः॥

ॐ राजीवलोचनाय नमः

ॐ श्रीमते नमः

ॐ श्रीरामाय नमः

ॐ रघुपुङ्गवाय नमः

ॐ रामभद्राय नमः

ॐ सदाचाराय नमः

ॐ राजेन्द्राय नमः

ॐ जानकीपतये नमः

ॐ अग्रगण्याय नमः

ॐ वरेण्याय नमः १०

ॐ वरदाय नमः

ॐ परमेश्वराय नमः

ॐ जनार्दनाय नमः

ॐ जितामित्राय नमः

ॐ परार्थैकप्रयोजनाय नमः

ॐ विश्वामित्रप्रियाय नमः

ॐ दान्ताय नमः

ॐ शत्रुजिते नमः

ॐ रात्रुतापनाय नमः

ॐ सर्वज्ञाय नमः

ॐ सर्वदेवादये नमः

ॐ शरण्याय नमः

| ॐ वालिमर्दनाय नमः | | ॐ श्रीमते नमः | |
|---------------------|----|--------------------|----|
| ॐ ज्ञानभव्याय नमः | | ॐ कौसलेयाय नमः | |
| ॐ अपरिच्छेद्याय नमः | | ॐ अनसूयकाय नमः | |
| ॐ वाग्मिने नमः | | ॐ विपुलांसाय नमः | |
| ॐ सत्यव्रताय नमः | | ॐ महोरस्काय नमः | |
| ॐ शुचये नमः | | ॐ परमेष्ठिने नमः | ५० |
| ॐ ज्ञानगम्याय नमः | | ॐ परायणाय नमः | |
| ॐ दृढप्रज्ञाय नमः | ३० | ॐ सत्यव्रताय नमः | |
| ॐ खरध्वंसिने नमः | | ॐ सत्यसन्धाय नमः | |
| ॐ प्रतापवते नमः | | ॐ गुरवे नमः | |
| ॐ द्युतिमते नमः | | ॐ परमधार्मिकाय नमः | |
| ॐ आत्मवते नमः | | ॐ लोकज्ञाय नमः | |
| ॐ वीराय नमः | | ॐ लोकवन्द्याय नमः | |
| ॐ जितकोधाय नमः | | ॐ लोकात्मने नमः | |
| ॐ अरिमर्दनाय नमः | | ॐ लोककृते नमः | |
| ॐ विश्वरूपाय नमः | | ॐ परस्मै नमः | ६० |
| ॐ विशालाक्षाय नमः | | ॐ अनादये नमः | |
| ॐ प्रभवं नमः | ४० | ॐ भगवते नमः | |
| ॐ परिवृढाय नमः | | ॐ सेव्याय नमः | |
| ॐ दृढाय नमः | | ॐ जितमायाय नमः | |
| ॐ ईशाय नमः | | ॐ रघूद्वहाय नमः | |
| ॐ खङ्गधराय नमः | | ॐ रामाय नमः | |
| • | | | |

| ॐ द्याकराय नमः | | ॐ जितारिषड्वर्गाय नमः |
|---------------------------|----|---|
| ॐ दक्षाय नमः | | ॐ महोद्राय नमः ९० |
| ॐ सर्वज्ञाय नमः | | ॐ अघनाशनाय नमः |
| ॐ सर्वपावनाय नमः | 90 | ॐ सुकीर्तये नमः |
| ॐ ब्रह्मण्याय नमः | | ॐ आदिपुरुषाय नमः |
| ॐ नीतिमते नमः | | ॐ कान्ताय नमः |
| ॐ गोघ्रे नमः | | ॐ पुण्यकृतागमाय नमः |
| ॐ सर्वदेवमयाय नमः | | ॐ अकल्मषाय नमः |
| ॐ हरये नमः | | ॐ चतुर्बाहवे नमः |
| ॐ सुन्दराय नमः | | ॐ सर्वावासाय नमः |
| ॐ पीतवाससे नमः | | ॐ दुरासदाय नमः |
| ॐ सूत्रकाराय नमः | | ॐ स्मितभाषिणे नमः १०० |
| ॐ पुरातनाय नमः | | ॐ निवृत्तात्मने नमः |
| ॐ सौम्याय नमः | ¿0 | ॐ स्मृतिमते नमः |
| ॐ महर्षये नमः | | ॐ वीर्यवते नमः |
| ॐ कोदण्डिने नमः | | ॐ प्रभवे नमः |
| ॐ सर्वज्ञाय नमः | | ॐ धीराय नमः |
| ॐ सर्वकोविदाय नमः | | ॐ दान्ताय नमः |
| ॐ कवये नमः | | ॐ घनश्यामाय नमः |
| ॐ सुग्रीववरदाय नमः | | ॐ सर्वायुधविशारदाय नमः |
| ॐ सर्वपुण्याधिकप्रदाय नमः | | ॐ संपारुपापशास्त्राय नमः ॐ अध्यात्मयोगनिलयाय नमः |
| ॐ भव्याय नमः | | ॐ सुमनसे नमः ११० |
| 3. (11. (11. (| | ॐ तुनगत गमः ११० |

| ॐ लक्ष्मणाग्रजाय नमः | | ॐ गुणाकाराय नमः |
|---------------------------|-----|-------------------------|
| ॐ सर्वतीर्थमयाय नमः | | ॐ गुणश्रेष्ठाय नमः |
| ॐ शूराय नमः | | ॐ सिचदानन्दविग्रहाय नमः |
| ॐ सर्वयज्ञफलप्रदाय नमः | | ॐ अभिवन्द्याय नमः |
| ॐ यज्ञस्वरूपिणे नमः | | ॐ महाकायाय नमः |
| ॐ यज्ञेशाय नमः | | ॐ विश्वकर्मणे नमः |
| ॐ जरामरणवर्जिताय नमः | | ॐ विशारदाय नमः |
| ॐ वर्णाश्रमकराय नमः | | ॐ विनीतात्मने नमः १४० |
| ॐ वर्णिने नमः | | ॐ वीतरागाय नमः |
| ॐ शत्रुजिते नमः | १२० | ॐ तपस्वीशाय नमः |
| ॐ पुरुषोत्तमाय नमः | | ॐ जनेश्वराय नमः |
| ॐ विभीषणप्रतिष्ठात्रे नमः | | ॐ कल्याणप्रकृतये नमः |
| ॐ परमात्मने नमः | | ॐ कल्पाय नमः |
| ॐ परात्पराय नमः | | ॐ सर्वेशाय नमः |
| ॐ प्रमाणभूताय नमः | | ॐ सर्वकामदाय नमः |
| ॐ दुर्ज्ञेयाय नमः | | ॐ अक्षयाय नमः |
| ॐ पूर्णाय नमः | | ॐ पुरुषाय नमः |
| ॐ परपुरञ्जयाय नमः | | ॐ साक्षिणे नमः १५० |
| ॐ अनन्तदृष्टये नमः | | ॐ केशवाय नमः |
| ॐ आनन्दाय नमः | १३० | ॐ पुरुषोत्तमाय नमः |
| ॐ धनुर्वेदाय नमः | | ॐ लोकाध्यक्षाय नमः |
| ॐ धनुर्धराय नमः | | ॐ महामायाय नमः |
| | | |

| ॐ विभीषणवरप्रदाय नमः | ॐ विश्वकर्त्रे नमः |
|---------------------------|--------------------------|
| ॐ आनन्दविग्रहाय नमः | ॐ विश्वहर्त्रे नमः |
| ॐ ज्योतिषे नमः | ॐ विश्वकृते नमः |
| ॐ हनुमत्प्रभवे नमः | ॐ नित्याय नमः १८० |
| ॐ अव्ययाय नमः | ॐ नित्यकल्याणाय नमः |
| ॐ भ्राजिष्णवे नमः १६० | ॐ सीताशोकविनाशकृते नमः |
| ॐ सहनाय नमः | ॐ काकुत्स्थाय नमः |
| ॐ भोक्रे नमः | ॐ पुण्डरीकाक्षाय नमः |
| ॐ सत्यवादिने नमः | ॐ विश्वामित्रभयापहाय नमः |
| ॐ बहुश्रुताय नमः | ॐ मारीचमथनाय नमः |
| ॐ सुखदाय नमः | ॐ रामाय नमः |
| ॐ कार्णाय नमः | ॐ विराधवधपण्डिताय नमः |
| ॐ कर्त्रे नमः | ॐ दुःस्वप्ननाशनाय नमः |
| ॐ भवबन्धविमोचनाय नमः | ॐ रम्याय नमः १९० |
| ॐ देवचूडामणये नमः | ॐ किरीटिने नमः |
| ॐ नेत्रे नमः १७० | ॐ त्रिदशाधिपाय नमः |
| ॐ ब्रह्मण्याय नमः | ॐ महाधनुषे नमः |
| ॐ ब्रह्मवर्धनाय नमः | ॐ महाकायाय नमः |
| ॐ संसारतारकाय नमः | ॐ भीमाय नमः |
| ॐ रामाय नमः | ॐ भीमपराक्रमाय नमः |
| ॐ सर्वदुःखविमोक्षकृते नमः | ॐ तत्त्वस्वरूपिणे नमः |
| ॐ विद्वत्तमाय नमः | ॐ तत्त्वज्ञाय नमः |
| | 1 |

| ॐ सुविक्रमाय नमः २०० ॐ भूतात्मने नमः ॐ चिक्रणे नमः ॐ भ्रतात्मने नमः ॐ चिक्रणे नमः ॐ स्वामिने नमः ॐ भक्तजनप्रियाय नमः ॐ महापटवे नमः ॐ जन्मरिहताय नमः ॐ आनिर्विण्णाय नमः ॐ सर्वजिते नमः ॐ निष्कलङ्काय नमः ॐ सर्वगोचराय नमः ॐ कलङ्कन्ने नमः ॐ अनुत्तमाय नमः ॐ कोञ्चाय नमः ॐ सर्वाद्ये नमः ॐ क्रात्राय नमः ॐ समाय नमः ॐ भूताद्ये नमः ॐ समाय नमः ॐ भूताद्ये नमः ॐ समाय नमः ॐ भूताद्ये नमः ॐ जटामुकुटमण्डिताय नमः ॐ आदित्याय नमः ॐ अजेयाय नमः ॐ श्वाधताय नमः ॐ विष्वक्सेनाय नमः ॐ श्वाधताय नमः ॐ लोकाध्यक्षाय नमः ॐ श्वाय नमः ॐ लोकाध्यक्षाय नमः | ॐ तत्त्ववादिने नमः | | ॐ कवचिने नमः |
|--|--------------------|-------|---------------------------|
| ॐ भूतात्मने नमः ॐ चिक्रणे नमः ॐ भूतकृते नमः ॐ खिङ्गिने नमः ॐ स्वामिने नमः ॐ भक्तजनिप्रयाय नमः ॐ कालज्ञानिने नमः ॐ जन्मरिहताय नमः ॐ अनिर्विण्णाय नमः ॐ सर्वजिते नमः ॐ गुणग्राहिणे नमः ॐ सर्वजीचराय नमः ॐ निष्कलङ्काय नमः ॐ अनुक्तमाय नमः २३० ॐ कलङ्काय नमः ॐ अजुक्तमाय नमः ३० ॐ स्वावये नमः ॐ सर्वादये नमः ॐ स्थाणते नमः ॐ स्थाणवे नमः ॐ समारमने नमः ॐ समारमने नमः ॐ श्राभवे नमः ॐ जटामुकुटमण्डिताय नमः ॐ आदित्याय नमः ॐ अजेयाय नमः ॐ स्थिष्ठाय नमः ॐ विष्वक्सेनाय नमः ३० ॐ शाश्वताय नमः ॐ विष्वक्सेनाय नमः ३० ॐ शाश्वताय नमः ॐ महातपसे नमः ३० | • | २०० | |
| ॐ भूतकृते नमः ॐ खिङ्गिने नमः ॐ स्वामिने नमः ॐ भक्तजनिप्रयाय नमः ॐ महापटवे नमः ॐ जन्मरिहताय नमः ॐ अनिर्विण्णाय नमः ॐ सर्वजिते नमः ॐ गुणग्राहिणे नमः ॐ सर्वगोचराय नमः ॐ निष्कलङ्काय नमः ॐ अनुक्तमाय नमः २३० ॐ कलङ्कप्ते नमः ॐ अप्रमेयात्मने नमः ॐ स्वभावभद्राय नमः ॐ सर्वादये नमः ॐ रश्राप्ते नमः ॐ समाय नमः ॐ स्थाणवे नमः ॐ समात्मने नमः ॐ भूतादये नमः ॐ समाय नमः ॐ भूतादये नमः ॐ जटामुकुटमण्डिताय नमः ॐ आदित्याय नमः ॐ प्र्वभूतात्मने नमः ॐ स्थिवष्ठाय नमः ॐ विष्वक्सेनाय नमः ॐ शाश्वताय नमः ॐ महातपसे नमः | • | • | |
| ॐ स्वामिने नमःॐ भक्तजनप्रियाय नमःॐ कालज्ञानिने नमःॐ अमृत्यवे नमःॐ महापटवे नमःॐ प्रविजिते नमःॐ गुणग्राहिणे नमःॐ सर्वगोचराय नमःॐ निष्कलङ्काय नमःॐ अनुत्तमाय नमःॐ कलङ्कान्ने नमःॐ अप्रमेयात्मने नमःॐ स्वभावभद्राय नमःॐ प्रवाद्ये नमःॐ केश्चाय नमःॐ समाय नमःॐ स्थाणवे नमःॐ समात्मने नमःॐ स्थाणवे नमःॐ समगाय नमःॐ भूताद्ये नमःॐ प्रामुकुटमण्डिताय नमःॐ श्राभ्वतयाय नमःॐ जटामुकुटमण्डिताय नमःॐ आदित्याय नमःॐ प्रविष्वक्सेनाय नमःॐ शाश्वताय नमःॐ विष्वक्सेनाय नमःॐ शाश्वताय नमःॐ महातपसे नमः | | | |
| ॐ कालज्ञानिने नमःॐ अमृत्यवे नमःॐ महापटवे नमःॐ जन्मरिहताय नमःॐ अनिर्विण्णाय नमःॐ सर्वजिते नमःॐ गुणग्राहिणे नमःॐ सर्वगोचराय नमःॐ निष्कलङ्काय नमःॐ अनुत्तमाय नमःॐ कलङ्काने नमःॐ अप्रमेयात्मने नमःॐ स्वभावभद्राय नमःॐ सर्वाद्ये नमःॐ केशवाय नमःॐ समाय नमःॐ स्थाणवे नमःॐ समात्मने नमःॐ भूताद्ये नमःॐ समगाय नमःॐ भूताद्ये नमःॐ जटामुकुटमण्डिताय नमःॐ श्रम्भवे नमःॐ जटामुकुटमण्डिताय नमःॐ श्राध्तय नमःॐ कंचभूतात्मने नमःॐ शाश्वताय नमःॐ विष्वक्सेनाय नमःॐ शाश्वताय नमःॐ महातपसे नमः | • • | | , |
| ॐ महापटवे नमः ॐ जन्मरिहताय नमः ॐ अनिर्विण्णाय नमः ॐ सर्वजिते नमः ॐ गुणग्राहिणे नमः ॐ सर्वगोचराय नमः ॐ निष्कलङ्काय नमः ॐ अनुत्तमाय नमः ॐ कलङ्कग्ने नमः ॐ अग्रमेयात्मने नमः ॐ स्वभावभद्राय नमः ॐ सर्वाद्ये नमः ॐ केशवाय नमः ॐ समाय नमः ॐ स्थाणवे नमः ॐ समात्मने नमः ॐ भूताद्ये नमः ॐ जटामुकुटमण्डिताय नमः ॐ श्रम्भवे नमः ॐ अजेयाय नमः ॐ आदित्याय नमः ॐ सर्वभूतात्मने नमः ॐ शाश्वताय नमः ॐ विष्वक्सेनाय नमः ॐ शाश्वताय नमः ॐ महातपसे नमः | | | |
| ॐ अनिर्विण्णाय नमःॐ सर्वजिते नमःॐ गुणग्राहिणे नमःॐ सर्वगोचराय नमःॐ निष्कलङ्काय नमःॐ अनुत्तमाय नमःॐ कलङ्कन्ने नमःॐ अप्रमेयात्मने नमःॐ स्वभावभद्राय नमःॐ सर्वादये नमःॐ केशवाय नमःॐ समाय नमःॐ स्थाणवे नमःॐ समाय नमःॐ पूताद्ये नमःॐ समगाय नमःॐ श्रम्भवे नमःॐ समगाय नमःॐ श्रम्भवे नमःॐ जटामुकुटमण्डिताय नमःॐ आदित्याय नमःॐ सर्वभूतात्मने नमःॐ शाश्वताय नमःॐ विष्वक्सेनाय नमःॐ शाश्वताय नमःॐ महातपसे नमः | • | | 3 |
| ॐ गुणग्राहिणे नमः ॐ सर्वगोचराय नमः २३० ॐ कलङ्कां नमः ॐ अनुत्तमाय नमः २३० ॐ कलङ्कां नमः ॐ अप्रमेयात्मने नमः ॐ सर्वाद्ये नमः ॐ रात्रुघाय नमः ॐ सर्वाद्ये नमः ॐ समाय नमः ॐ स्थाणवे नमः ॐ समात्मने नमः ॐ समगाय नमः ॐ प्राम्पवे नमः ॐ अजेयाय नमः ॐ अजेयाय नमः ॐ आदित्याय नमः ॐ सर्वभूतात्मने नमः ॐ सर्वभूतात्मने नमः ॐ राश्वताय नमः ॐ विष्वक्सेनाय नमः २४० ॐ शाश्वताय नमः ॐ महातपसे नमः | | | - |
| ॐ निष्कलङ्काय नमः ॐ अनुत्तमाय नमः २३० ॐ कलङ्कघ्ने नमः ॐ अप्रमेयात्मने नमः ॐ स्वभावभद्राय नमः ॐ सर्वाद्ये नमः ॐ केशवाय नमः ॐ समाय नमः ॐ स्थाणवे नमः ॐ समात्मने नमः ॐ प्रतादये नमः ॐ समगाय नमः ॐ भूतादये नमः ॐ जटामुकुटमण्डिताय नमः ॐ शास्त्राय नमः ॐ अजेयाय नमः ॐ सर्वभूतात्मने नमः ॐ सर्वभूतात्मने नमः ॐ स्थिवष्ठाय नमः ॐ विष्वक्सेनाय नमः ॐ शाश्वताय नमः ॐ महातपसे नमः | | | |
| ॐ कलङ्कप्ते नमः ॐ अप्रमेयात्मने नमः ॐ स्वभावभद्राय नमः ॐ सर्वादये नमः ॐ शत्रुप्ताय नमः ॐ समाय नमः ॐ स्थाणवे नमः ॐ समात्मने नमः ॐ र्श्वराय नमः ॐ समगाय नमः ॐ भूतादये नमः ॐ जटामुकुटमण्डिताय नमः ॐ शादित्याय नमः ॐ सर्वभूतात्मने नमः ॐ स्थिवष्ठाय नमः ॐ विष्वक्सेनाय नमः ॐ शाश्वताय नमः ॐ महातपसे नमः | . • | | |
| ॐ स्वभावभद्राय नमः ११० ॐ सर्वाद्ये नमः ॐ रात्रुघ्नाय नमः ॐ गुणसागराय नमः ॐ केशवाय नमः ॐ समाय नमः ॐ र्थाणवे नमः ॐ समात्मने नमः ॐ भूताद्ये नमः ॐ जटामुकुटमण्डिताय नमः ॐ शादित्याय नमः ॐ अजेयाय नमः ॐ स्थिविष्ठाय नमः ॐ विष्वक्सेनाय नमः ॐ शाश्वताय नमः ॐ महातपसे नमः | ** | | |
| ॐ रात्रुघ्नाय नमः ॐ गुणसागराय नमः ॐ केरावाय नमः ॐ समाय नमः ॐ र्थाणवे नमः ॐ समगाय नमः ॐ भूतादये नमः ॐ जटामुकुटमण्डिताय नमः ॐ राम्भवे नमः ॐ जोयाय नमः ॐ शादित्याय नमः ॐ सर्वभूतात्मने नमः ॐ रथिवष्ठाय नमः ॐ विष्वक्सेनाय नमः ॐ राश्वताय नमः ॐ महातपसे नमः | *** | 3 9 O | _ |
| ॐ केश्वाय नमः ॐ समाय नमः ॐ स्थाणवे नमः ॐ समात्मने नमः ॐ ईश्वराय नमः ॐ समगाय नमः ॐ भूताद्ये नमः ॐ जटामुकुटमण्डिताय नमः ॐ शास्त्राय नमः ॐ अजेयाय नमः ॐ शादित्याय नमः ॐ सर्वभूतात्मने नमः ॐ स्थिविष्ठाय नमः ॐ विष्वक्सेनाय नमः २४० ॐ शाश्वताय नमः ॐ महातपसे नमः | • | 770 | • |
| ॐ स्थाणवे नमः ॐ समात्मने नमः ॐ ईश्वराय नमः ॐ समगाय नमः ॐ भूताद्ये नमः ॐ जटामुकुटमण्डिताय नमः ॐ आदित्याय नमः ॐ अजेयाय नमः ॐ शादित्याय नमः ॐ सर्वभूतात्मने नमः ॐ स्थिविष्ठाय नमः ॐ विष्वक्सेनाय नमः २४० ॐ शाश्वताय नमः ॐ महातपसे नमः | • | | 3 |
| ॐ ईश्वराय नमः ॐ समगाय नमः ॐ भूताद्ये नमः ॐ जटामुकुटमण्डिताय नमः ॐ श्राम्भवे नमः ॐ अजेयाय नमः ॐ आदित्याय नमः ॐ सर्वभूतात्मने नमः ॐ स्थिविष्ठाय नमः ॐ विष्वक्सेनाय नमः २४० ॐ शाश्वताय नमः ॐ महातपसे नमः | | | |
| ॐ भूताद्ये नमःॐ जटामुकुटमण्डिताय नमःॐ श्राम्भवे नमःॐ अजेयाय नमःॐ आदित्याय नमःॐ सर्वभूतात्मने नमःॐ स्थिविष्ठाय नमःॐ विष्वक्सेनाय नमः२४०ॐ शाश्वताय नमःॐ महातपसे नमः | | | |
| ॐ श्राम्भवे नमःॐ अजेयाय नमःॐ आदित्याय नमःॐ सर्वभूतात्मने नमःॐ स्थिविष्ठाय नमःॐ विष्वक्सेनाय नमः२४०ॐ शाश्वताय नमःॐ महातपसे नमः | | | |
| ॐ आदित्याय नमःॐ सर्वभूतात्मने नमःॐ स्थिविष्ठाय नमःॐ विष्वक्सेनाय नमः२४०ॐ शाश्वताय नमःॐ महातपसे नमः | | | 33 |
| ॐ स्थिविष्ठाय नमःॐ विष्वक्सेनाय नमः२४०ॐ शाश्वताय नमःॐ महातपसे नमः | | | _ |
| ॐ शाश्वताय नमः ॐ महातपसे नमः | | | |
| | | | |
| ॐ घ्रुवाय नमः २२० ॐ लाकाध्यक्षाय नमः | | | |
| | ૩૦ ધ્રુવાય નમઃ | २२० | । ॐ लाकाध्यक्षाय नमः । |

| ॐ महाबाहवे नमः | | ॐ रत्नगर्भाय नमः |
|-------------------|-----|-----------------------------|
| ॐ अमृताय नमः | | ॐ महामतये नमः |
| ॐ वेदवित्तमाय नमः | | ॐ व्यासाय नमः |
| ॐ सहिष्णवे नमः | | ॐ वाचस्पतये नमः |
| ॐ सद्गतये नमः | | ॐ सर्वदर्पितासुरमर्दनाय नमः |
| ॐ शास्त्रे नमः | | ॐ जानकीवछभाय नमः २७० |
| ॐ विश्वयोनये नमः | | ॐ पूज्याय नमः |
| ॐ महाद्युतये नमः | २५० | ॐ प्रकटाय नमः |
| ॐ अतीन्द्राय नमः | | ॐ प्रीतिवर्धनाय नमः |
| ॐ ऊर्जिताय नमः | | ॐ सम्भवाय नमः |
| ॐ प्रांशवे नमः | | ॐ अतीन्द्रियाय नमः |
| ॐ उपेन्द्राय नमः | | ॐ वेद्याय नमः |
| ॐ वामनाय नमः | | ॐ अनिर्देशाय नमः |
| ॐ बलिने नमः | | ॐ जाम्बवत्प्रभवे नमः |
| ॐ धनुर्वेदाय नमः | | ॐ मदनाय नमः |
| ॐ विधात्रे नमः | | ॐ मथनाय नमः २८० |
| ॐ ब्रह्मणे नमः | | ॐ व्यापिने नमः |
| ॐ विष्णवे नमः | २६० | ॐ विश्वरूपिणे नमः |
| ॐ शङ्कराय नमः | | ॐ निरञ्जनाय नमः |
| ॐ हंसाय नमः | | ॐ नारायणाय नमः |
| ॐ मरीचये नमः | | ॐ अग्रण्ये नमः |
| ॐ गोविन्दाय नमः | | ॐ साधवे नमः |
| | | |

| ॐ जटायुप्रीतिवर्धनाय नमः | ॐ व्यक्ताव्यक्तस्वरूपधृते नमः |
|--------------------------|--------------------------------|
| ॐ नैकरूपाय नमः | ॐ वसिष्ठाय नमः ३१० |
| ॐ जगन्नाथाय नमः | ॐ ग्रामण्ये नमः |
| ॐ सुरकार्यहिताय नमः २९० | ॐ श्रीमते नमः |
| ॐ स्वभुवे नमः | ॐ अनुकूलाय नमः |
| ॐ जितकोधाय नमः | ॐ प्रियंवदाय नमः |
| ॐ जितारातये नमः | ॐ अतुलाय नमः |
| ॐ प्लवगाधिपराज्यदाय नमः | ॐ सात्त्विकाय नमः |
| ॐ वसुदाय नमः | ॐ धीराय नमः |
| ॐ सुभुजाय नमः | ॐ शरासनविशारदाय नमः |
| ॐ नैकमायाय नमः | ॐ ज्येष्ठाय नमः |
| ॐ भव्यप्रमोदनाय नमः | ॐ सर्वगुणोपेताय नमः ३२० |
| ॐ चण्डांशवे नमः | ॐ शक्तिमते नमः |
| ॐ सिद्धिदाय नमः ३०० | ॐ ताटकान्तकाय नमः |
| ॐ कल्पाय नमः | ॐ वैकुण्ठाय नमः |
| ॐ शरणागतवत्सलाय नमः | ॐ प्राणिनां प्राणाय नमः |
| ॐ अगदाय नमः | ॐ कमठाय नमः |
| ॐ रोगहर्त्रे नमः | ॐ कमलापतये नमः |
| ॐ मन्त्रज्ञाय नमः | ॐ गोवर्धनधराय नमः |
| ॐ मन्त्रभावनाय नमः | ॐ मत्स्यरूपाय नमः |
| ॐ सौमित्रिवत्सलाय नमः | ॐ कारुण्यसागराय नमः |
| ॐ धुर्याय नमः | ॐ कुम्भकर्णप्रभेत्त्वे नमः ३३० |

| ॐ गोपिगोपालसंवृताय नमः | 🕉 यदुपतये नमः |
|--------------------------|----------------------------|
| ॐ मायाविने नमः | ॐ भूतावासाय नमः |
| ॐ व्यापकाय नमः | ॐ सुविक्रमाय नमः |
| ॐ व्यापिने नमः | ॐ तेजोधराय नमः |
| ॐ रेणुकेयबलापहाय नमः | ॐ धराधाराय नमः |
| ॐ पिनाकमथनाय नमः | ॐ चतुर्मूर्तये नमः |
| ॐ वन्द्याय नमः | ॐ महानिधये नमः |
| ॐ समर्थाय नमः | ॐ चाणूरमर्दनाय नमः ३६० |
| ॐ गरुडध्वजाय नमः | ॐ दिव्याय नमः |
| ॐ लोकत्रयाश्रयाय नमः ३४० | ॐ शान्ताय नमः |
| ॐ लोकचरिताय नमः | ॐ भरतवन्दिताय नमः |
| ॐ भरताय्रजाय नमः | ॐ शब्दातिगाय नमः |
| ॐ श्रीधराय नमः | ॐ गभीरात्मने नमः |
| ॐ सद्गतये नमः | ॐ कोमलाङ्गाय नमः |
| ॐ लोकसाक्षिणे नमः | ॐ प्रजागराय नमः |
| ॐ नारायणाय नमः | ॐ लोकगर्भाय नमः |
| ॐ बुधाय नमः | ॐ शेषशायिने नमः |
| ॐ मनोवेगिने नमः | ॐ क्षीराब्धिनिलयाय नमः ३७० |
| ॐ मनोरूपिणे नमः | ॐ अमलाय नमः |
| ॐ पूर्णाय नमः ३५० | ॐ आत्मयोनये नमः |
| ॐ पुरुषपुङ्गवाय नमः | ॐ अदीनात्मने नमः |
| ॐ यदुश्रेष्ठाय नमः | ॐ सहस्राक्षाय नमः |
| | 1 |

| ॐ सहस्रपदे नमः | | ॐ राक्षसान्तकृते नमः | |
|--------------------------|-----|----------------------|-----|
| ॐ अमृतांशवे नमः | | ॐ दिव्यायुधधराय नमः | |
| ॐ महागर्भाय नमः | | ॐ श्रीमते नमः | |
| ॐ निवृत्तविषयस्पृहाय नमः | | ॐ अप्रमेयाय नमः | 800 |
| ॐ त्रिकालज्ञाय नमः | | ॐ जितेन्द्रियाय नमः | |
| ॐ मुनये नमः | ३८० | ॐ भूदेववन्द्याय नमः | |
| ॐ साक्षिणे नमः | | ॐ जनकप्रियकृते नमः | |
| ॐ विहायसगतये नमः | | ॐ प्रपितामहाय नमः | |
| ॐ कृतिने नमः | | ॐ उत्तमाय नमः | |
| ॐ पर्जन्याय नमः | | ॐ सात्त्विकाय नमः | |
| ॐ कुमुदाय नमः | | ॐ सत्याय नमः | |
| ॐ भूतावासाय नमः | | ॐ सत्यसन्धाय नमः | |
| ॐ कमललोचनाय नमः | | ॐ त्रिविकमाय नमः | |
| ॐ श्रीवत्सवक्षसे नमः | | ॐ सुव्रताय नमः | ४१० |
| ॐ श्रीवासाय नमः | | ॐ सुलभाय नमः | |
| ॐ वीरघ्ने नमः | ३९० | ॐ सूक्ष्माय नमः | |
| ॐ लक्ष्मणाग्रजाय नमः | | ॐ सुघोषाय नमः | |
| ॐ लोकाभिरामाय नमः | | ॐ सुखदाय नमः | |
| ॐ लोकारिमर्दनाय नमः | | ॐ सुधिये नमः | |
| ॐ सेवकप्रियाय नमः | | ॐ दामोदराय नमः | |
| ॐ सनातनतमाय नमः | | ॐ अच्युताय नमः | |
| ॐ मेघश्यामलाय नमः | | ॐ शार्ङ्गिणे नमः | |
| | | | |

| ॐ वामनाय नमः | | ॐ सर्वव्यापिने नमः | |
|--------------------------|-----|--------------------------|-----|
| ॐ मधुराधिपाय नमः | ४२० | ॐ निराकुलाय नमः | |
| ॐ देवकीनन्दनाय नमः | | ॐ अनादिनिधनाय नमः | |
| ॐ शौरये नमः | | ॐ सर्वलोकपूज्याय नमः | |
| ॐ शूराय नमः | | ॐ निरामयाय नमः | |
| ॐ कैटभमर्दनाय नमः | | ॐ रसाय नमः | |
| ॐ सप्ततालप्रभेत्त्वे नमः | | ॐ रसज्ञाय नमः | |
| ॐ मित्रवंशप्रवर्धनाय नमः | | ॐ सारज्ञाय नमः | |
| ॐ कालस्वरूपिणे नमः | | ॐ लोकसाराय नमः | |
| ॐ कालात्मने नमः | | ॐ रसात्मकाय नमः | ४५० |
| ॐ कालाय नमः | | ॐ सर्वदुःखातिगाय नमः | |
| ॐ कल्याणदाय नमः | ४३० | ॐ विद्याराशये नमः | |
| ॐ कवये नमः | | ॐ परमगोचराय नमः | |
| ॐ संवत्सराय नमः | | ॐ शेषाय नमः | |
| ॐ ऋतवे नमः | | ॐ विशेषाय नमः | |
| ॐ पक्षाय नमः | | ॐ विगतकल्मषाय नमः | |
| ॐ अयनाय नमः | | ॐ रघुनायकाय नमः | |
| ॐ दिवसाय नमः | | ॐ वर्णश्रेष्ठाय नमः | |
| ॐ युगाय नमः | | ॐ वर्णवाह्याय नमः | |
| ॐ स्तव्याय नमः | | ॐ वर्ण्याय नमः | ४६० |
| ॐ विविक्ताय नमः | | ॐ वर्ण्यगुणोज्ज्वलाय नमः | |
| ॐ निर्लेपाय नमः | ४४० | ॐ कर्मसाक्षिणे नमः | |
| | | | |

| ॐ अमरश्रेष्ठाय नमः | | ॐ नयिने नमः |
|------------------------|-----|------------------------------------|
| ॐ देवदेवाय नमः | | ॐ श्रीमते नमः |
| ॐ सुखप्रदाय नमः | | ॐ नयाय नमः |
| ॐ देवाधिदेवाय नमः | | ॐ नगधराय नमः |
| ॐ देवर्षये नमः | | ॐ ध्रुवाय नमः |
| ॐ देवासुरनमस्कृताय नमः | | ॐ लक्ष्मीविश्वम्भराभर्त्रे नमः ४९० |
| ॐ सर्वदेवमयाय नमः | | ॐ देवेन्द्राय नमः |
| ॐ चकिणे नमः | ४७० | ॐ बलिमर्दनाय नमः |
| ॐ शार्ङ्गपाणये नमः | | ॐ वाणारिमर्दनाय नमः |
| ॐ रघूत्तमाय नमः | | ॐ यज्वने नमः |
| ॐ मनसे नमः | | ॐ अनुत्तमाय नमः |
| ॐ बुद्धे नमः | | ॐ मुनिसेविताय नमः |
| ॐ अहङ्काराय नमः | | ॐ देवाग्रणये नमः |
| ॐ प्रकृत्ये नमः | | ॐ शिवध्यानतत्पराय नमः |
| ॐ पुरुषाय नमः | | ॐ परमाय नमः |
| ॐ अव्ययाय नमः | | ॐ परस्मै नमः ५०० |
| ॐ अहल्यापावनाय नमः | | ॐ सामगेयाय नमः |
| ॐ स्वामिने नमः | ४८० | ॐ प्रियाय नमः |
| ॐ पितृभक्ताय नमः | | ॐ अक्रूराय नमः |
| ॐ वरप्रदाय नमः | | ॐ पुण्यकीर्तये नमः |
| ॐ न्यायाय नमः | | ॐ सुलोचनाय नमः |
| ॐ न्यायिने नमः | | ॐ पुण्याय नमः |
| | | |

| ॐ पुण्याधिकाय नमः | ॐ विक्रमोत्तमाय नमः |
|--------------------------|---------------------|
| ॐ पूर्वस्मै नमः | ॐ आशवे नमः |
| ॐ पूर्णाय नमः | ॐ शब्दपतये नमः ५३० |
| ॐ पूरियत्रे नमः ५१० | ॐ शब्दागोचराय नमः |
| ॐ रवये नमः | ॐ रञ्जनाय नमः |
| ॐ जटिलाय नमः | ॐ रघवे नमः |
| ॐ कल्मषध्वान्तप्रभञ्जन- | ॐ निःशब्दाय नमः |
| विभावसवे नमः | ॐ प्रणवाय नमः |
| ॐ अव्यक्तलक्षणाय नमः | ॐ मालिने नमः |
| ॐ अव्यक्ताय नमः | ॐ स्थूलाय नमः |
| ॐ दशास्यद्विपकेसरिणे नमः | ॐ सूक्ष्माय नमः |
| ॐ कलानिधये नमः | ॐ विलक्षणाय नमः |
| ॐ कलानाथाय नमः | ॐ आत्मयोनये नमः ५४० |
| ॐ कमलानन्दवर्धनाय नमः | ॐ अयोनये नमः |
| ॐ जियने नमः ५२० | ॐ सप्तजिह्वाय नमः |
| ॐ जितारये नमः | ॐ सहस्रपदे नमः |
| ॐ सर्वादये नमः | ॐ सनातनतमाय नमः |
| ॐ शमनाय नमः | ॐ स्रग्विणे नमः |
| ॐ भवभञ्जनाय नमः | ॐ पेशलाय नमः |
| ॐ अलङ्करिष्णवे नमः | ॐ जविनां वराय नमः |
| ॐ अचलाय नमः | ॐ शक्तिमते नमः |
| ॐ रोचिष्णवे नमः | ॐ राङ्खभृते नमः |

| ॐ नाथाय नमः ५५० | ॐ ब्रह्मगर्भाय नमः |
|-----------------------------|-----------------------|
| ॐ गदापद्मरथाङ्गभृते नमः | ॐ बृहद्गर्भाय नमः |
| ॐ निरीहाय नमः | ॐ धर्मधेनवे नमः |
| ॐ निर्विकल्पाय नमः | ॐ धनागमाय नमः |
| ॐ चिद्रूपाय नमः | ॐ हिरण्यगर्भाय नमः |
| ॐ वीतसाध्वसाय नमः | ॐ ज्योतिष्मते नमः |
| ॐ शताननाय नमः | ॐ सुललाटाय नमः |
| ॐ सहस्राक्षाय नमः | ॐ सुविक्रमाय नमः |
| ॐ शतमूर्तये नमः | ॐ शिवपूजारताय नमः ५८० |
| ॐ घनप्रभाय नमः | ॐ श्रीमते नमः |
| ॐ हृत्पुण्डरीकशयनाय नमः ५६० | ॐ भवानीप्रियकृते नमः |
| ॐ कठिनाय नमः | ॐ विशने नमः |
| ॐ द्रवाय नमः | ॐ नराय नमः |
| ॐ उग्राय नमः | ॐ नारायणाय नमः |
| ॐ ग्रहपतये नमः | ॐ इयामाय नमः |
| ॐ श्रीमते नमः | ॐ कपर्दिने नमः |
| ॐ समर्थाय नमः | ॐ नीललोहिताय नमः |
| ॐ अनर्थनाशनाय नमः | ॐ रुद्राय नमः |
| ॐ अधर्मशत्रवे नमः | ॐ पशुपतये नमः ५९० |
| ॐ रक्षोघ्नाय नमः | ॐ स्थाणवे नमः |
| ॐ पुरुहूताय नमः ५७० | ॐ विश्वामित्राय नमः |
| ॐ पुरुष्टुताय नमः | ॐ द्विजेश्वराय नमः |
| - | |

ॐ मातामहाय नमः ॐ सुलभाय नमः ॐ मातरिश्वने नमः ॐ शिशिरात्मकाय नमः ॐ विरिञ्चाय नमः ॐ असंसृष्टाय नमः ॐ विष्टरश्रवसे नमः ॐ अतिथये नमः ॐ सर्वभूतानाम् अक्षोभ्याय नमः ॐ शूराय नमः ६२० ॐ प्रमाथिने नमः ॐ चण्डाय नमः ॐ पापनाशकृते नमः ॐ सत्यपराक्रमाय नमः 800 ॐ वसुश्रवसे नमः ॐ वालखिल्याय नमः ॐ महाकल्पाय नमः 🕉 कव्यवाहाय नमः ॐ कल्पवृक्षाय नमः ॐ प्रतप्ताय नमः ॐ विश्वभोजनाय नमः ॐ कलाधराय नमः ॐ निदाघाय नमः ॐ रामाय नमः ॐ नीलोत्पलश्यामाय नमः ॐ तपनाय नमः ॐ अमोघाय नमः ॐ ज्ञानस्कन्धाय नमः ॐ महाद्युतये नमः ॐ श्रक्ष्णाय नमः ६३० ॐ परबलापहृते नमः ॐ पवित्रपादाय नमः ॐ पापारये नमः ॐ कबन्धमथनाय नमः ६१० ॐ मणिपूराय नमः ॐ दिव्याय नमः ॐ कम्बुग्रीवशिवप्रियाय नमः ॐ नभोगतये नमः ॐ राङ्घाय नमः ॐ उत्तारणाय नमः ॐ अनिलाय नमः ॐ दुष्कृतिघ्ने नमः ॐ दुर्घर्षाय नमः ॐ सुनिष्पन्नाय नमः

ॐ दुःसहाय नमः

| ॐ अभयाय नमः | | ॐ निधये नमः |
|---------------------|-----|--------------------|
| ॐ अमृतेशाय नमः | ६४० | ॐ निधानगर्भाय न |
| ॐ अमृतवपुषे नमः | | ॐ निर्व्याजाय नम |
| ॐ धर्मिणे नमः | | ॐ गिरीशाय नमः |
| ॐ धर्माय नमः | | ॐ व्यालमर्दनाय न |
| ॐ कृपाकराय नमः | | ॐ श्रीवल्लभाय नम |
| ॐ भर्गाय नमः | | ॐ शिवारम्भाय न |
| ॐ विवस्वते नमः | | ॐ शान्तये नमः |
| ॐ आदित्याय नमः | | ॐ भद्राय नमः |
| ॐ योगाचार्याय नमः | | ॐ समञ्जसाय नम |
| ॐ दिवस्पतये नमः | | ॐ भूशयाय नमः |
| ॐ उदारकीर्तये नमः | ६५० | ॐ भूतिकृते नमः |
| ॐ उद्योगिने नमः | | ॐ भूत्यै नमः |
| ॐ वाङ्मयाय नमः | | ॐ भूषणाय नमः |
| ॐ सद्सन्मयाय नमः | | ॐ भूतवाहनाय न |
| ॐ नक्षत्रमालिने नमः | | ॐ अकायाय नमः |
| ॐ नाकेशाय नमः | | ॐ भक्तकायस्थाय |
| ॐ स्वाधिष्ठानाय नमः | | ॐ कालज्ञानिने न |
| ॐ षडाश्रयाय नमः | | ॐ महावटवे नमः |
| ॐ चतुर्वर्गफलाय नमः | | ॐ परार्थवृत्तये नम |
| ॐ वर्णिने नमः | | ॐ अचलाय नमः |
| | | |
| | | |

ॐ निधये नमः ० निधानगर्भाय नमः ० निर्व्याजाय नमः ० गिरीशाय नमः ० व्यालमर्दनाय नमः ० श्रीवल्लभाय नमः) शिवारम्भाय नमः) शान्तये नमः ० भद्राय नमः) समञ्जसाय नमः ६७०) भूशयाय नमः ० भूतिकृते नमः ० भूत्यै नमः) भूषणाय नमः **) भूतवाहनाय नमः**) अकायाय नमः भक्तकायस्थाय नमः ० कालज्ञानिने नमः ० महावटवे नमः ० परार्थवृत्तये नमः ६८०

ॐ शक्तित्रयफलाय नमः

| ॐ शुचये नमः |
|----------------------|
| ॐ आश्रितवत्सलाय नमः |
| ॐ विष्णवे नमः |
| ॐ जिष्णवे नमः |
| ॐ विभवे नमः |
| ॐ वन्द्याय नमः |
| ॐ यज्ञेशाय नमः ७१० |
| ॐ यज्ञपालकाय नमः |
| ॐ प्रभविष्णवे नमः |
| ॐ ग्रसिष्णवे नमः |
| ॐ लोकात्मने नमः |
| ॐ लोकभावनाय नमः |
| ॐ केशवाय नमः |
| ॐ केशिघ्ने नमः |
| ॐ काव्याय नमः |
| ॐ कवये नमः |
| ॐ कारणकारणाय नमः ७२० |
| ॐ कालकर्त्रे नमः |
| ॐ कालशेषाय नमः |
| ॐ वासुदेवाय नमः |
| ॐ पुरुष्टुताय नमः |
| ॐ आदिकर्त्रे नमः |
| |

| ॐ वराहाय नमः | | ॐ जगत्कर्त्रे नमः | |
|----------------------|-----|---------------------|-----|
| ॐ माधवाय नमः | | ॐ योगीशाय नमः | |
| ॐ मधुसूदनाय नमः | | ॐ गरुडध्वजाय नमः | ७५० |
| ॐ नारायणाय नमः | | ॐ गोविन्दाय नमः | |
| ॐ नराय नमः | ७३० | ॐ गोपतये नमः | |
| ॐ हंसाय नमः | | ॐ गोघ्रे नमः | |
| ॐ विष्वक्सेनाय नमः | | ॐ भूपतये नमः | |
| ॐ जनार्दनाय नमः | | ॐ भुवनेश्वराय नमः | |
| ॐ विश्वकर्त्रे नमः | | ॐ पद्मनाभाय नमः | |
| ॐ महायज्ञाय नमः | | ॐ हृषीकेशाय नमः | |
| ॐ ज्योतिष्मते नमः | | ॐ धात्रे नमः | |
| ॐ पुरुषोत्तमाय नमः | | ॐ दामोदराय नमः | |
| ॐ वैकुण्ठाय नमः | | ॐ प्रभवे नमः | ७६० |
| ॐ पुण्डरीकाक्षाय नमः | | ॐ त्रिविक्रमाय नमः | |
| ॐ कृष्णाय नमः | ७४० | ॐ त्रिलोकेशाय नमः | |
| ॐ सूर्याय नमः | | ॐ ब्रह्मेशाय नमः | |
| ॐ सुरार्चिताय नमः | | ॐ प्रीतिवर्धनाय नमः | |
| ॐ नारसिंहाय नमः | | ॐ वामनाय नमः | |
| ॐ महाभीमाय नमः | | ॐ दुष्टदमनाय नमः | |
| ॐ वक्रदंष्ट्राय नमः | | ॐ गोविन्दाय नमः | |
| ॐ नखायुधाय नमः | | ॐ गोपवल्लभाय नमः | |
| ॐ आदिदेवाय नमः | | ॐ भक्तप्रियाय नमः | |
| | | l | |

| ॐ अच्युताय नमः | 990 | 🕉 मुदावासाय नमः | |
|--------------------------|-----|---------------------|-----|
| ॐ सत्याय नमः | | ॐ सत्यवासाय नमः | |
| ॐ सत्यकीर्तये नमः | | ॐ सनातनाय नमः | |
| ॐ धृत्यै नमः | | ॐ पुरुषाय नमः | |
| ॐ स्मृत्यै नमः | | ॐ पुष्कराय नमः | |
| ॐ कारुण्याय नमः | | ॐ पुण्याय नमः | |
| ॐ करुणाय नमः | | ॐ पुष्कराक्षाय नमः | |
| ॐ व्यासाय नमः | | ॐ महेश्वराय नमः | |
| ॐ पापघ्ने नमः | | ॐ पूर्णमूर्तये नमः | ८०० |
| ॐ शान्तिवर्धनाय नमः | | ॐ पुराणज्ञाय नमः | |
| ॐ सन्न्यासिने नमः | ७८० | ॐ पुण्यदाय नमः | |
| ॐ शास्त्रतत्त्वज्ञाय नमः | | ॐ प्रीतिवर्धनाय नमः | |
| ॐ मन्दराद्रिनिकेतनाय नमः | : | ॐ राङ्क्षिने नमः | |
| ॐ बदरीनिलयाय नमः | | ॐ चिकणे नमः | |
| ॐ शान्ताय नमः | | ॐ गदिने नमः | |
| ॐ तपस्विने नमः | | ॐ शार्ङ्गिणे नमः | |
| ॐ वैद्युतप्रभाय नमः | | ॐ लाङ्गलिने नमः | |
| ॐ भूतावासाय नमः | | ॐ मुसलिने नमः | |
| ॐ गुहावासाय नमः | | ॐ हलिने नमः | ८१० |
| ॐ श्रीनिवासाय नमः | | ॐ किरीटिने नमः | |
| ॐ श्रियः पतये नमः | ७९० | ॐ कुण्डलिने नमः | |
| ॐ तपोवासाय नमः | | ॐ हारिणे नमः | |
| | | | |

| ॐ समृद्धिमते नमः |
|---------------------------|
| ॐ स्वर्गदाय नमः |
| ॐ कामदाय नमः |
| ॐ श्रीदाय नमः |
| ॐ कीर्तिदाय नमः ८४० |
| ॐ अकीर्तिनाशनाय नमः |
| ॐ मोक्षदाय नमः |
| ॐ पुण्डरीकाक्षाय नमः |
| ॐ क्षीराब्धिकृतकेतनाय नमः |
| ॐ सर्वात्मने नमः |
| ॐ सर्वलोकेशाय नमः |
| ॐ प्रेरकाय नमः |
| ॐ पापनाशनाय नमः |
| ॐ सर्वव्यापिने नमः |
| ॐ जगन्नाथाय नमः ८५० |
| ॐ सर्वलोकमहेश्वराय नमः |
| ॐ सर्गस्थित्यन्तकृते नमः |
| ॐ देवाय नमः |
| ॐ सर्वलोकसुखावहाय नमः |
| ॐ अक्षय्याय नमः |
| ॐ शाश्वताय नमः |
| ॐ अनन्ताय नमः |
| |

| ॐ क्षयवृद्धिविवर्जिताय नमः | ॐ मितभाषणाय नमः ८८० |
|------------------------------|--|
| ॐ निर्लेपाय नमः | ॐ आजानुबाहवे नमः |
| | • |
| ॐ निर्गुणाय नमः ८६० | ॐ सुमुखाय नमः |
| ॐ सूक्ष्माय नमः | ॐ सिंहस्कन्धाय नमः |
| ॐ निर्विकाराय नमः | ॐ महाभुजाय नमः |
| ॐ निरञ्जनाय नमः | ॐ सत्यवते नमः |
| ॐ सर्वोपाधिविनिर्मुक्ताय नमः | ॐ गुणसम्पन्नाय नमः |
| ॐ सत्तामात्रव्यवस्थिताय नमः | ॐ स्वयन्तेजसे नमः |
| ॐ अधिकारिणे नमः | ॐ सुदीप्तिमते नमः |
| ॐ विभवे नमः | ॐ कालात्मने नमः |
| ॐ नित्याय नमः | ॐ भगवते नमः ८९० |
| ॐ परमात्मने नमः | ॐ कालाय नमः |
| ॐ सनातनाय नमः ८७० | ॐ कालचकप्रवर्तकाय नमः |
| ॐ अचलाय नमः | ॐ नारायणाय नमः |
| ॐ निर्मलाय नमः | ॐ परस्मै ज्योतिषे नमः |
| ॐ व्यापिने नमः | ॐ परमात्मने नमः |
| ॐ नित्यतृप्ताय नमः | ॐ सनातनाय नमः |
| ॐ निराश्रयाय नमः | ॐ विश्वसृजे नमः |
| | 3.114.5.1.11 |
| ॐ रयामाय नमः | ॐ विश्वगोघ्रे नमः |
| ॐ रयामाय नमः ॐ यूने नमः | • |
| | ॐ विश्वगोघ्रे नमः |
| ॐ यूने नमः | ॐ विश्वगोम्ने नमः ॐ विश्वभोक्ने नमः |

| ॐ विश्वमूर्तये नमः | ॐ हृषीकेशाय नमः |
|-------------------------|-----------------------|
| ॐ विश्वात्मने नमः | ॐ सर्वात्मने नमः |
| ॐ विश्वभावनाय नमः | ॐ सर्वदृशे नमः |
| ॐ सर्वभूतसुहृदे नमः | ॐ विशने नमः |
| ॐ शान्ताय नमः | ॐ जगतस्तस्थुषाय नमः |
| ॐ सर्वभूतानुकम्पनाय नमः | ॐ प्रभवे नमः |
| ॐ सर्वेश्वरेश्वराय नमः | ॐ नेत्रे नमः ९३० |
| ॐ सर्वस्मै नमः | ॐ सनातनाय नमः |
| ॐ श्रीमते नमः ९१० | ॐ कर्त्रे नमः |
| ॐ आश्रितवत्सलाय नमः | ॐ धात्रे नमः |
| ॐ सर्वगाय नमः | ॐ विधात्रे नमः |
| ॐ सर्वभूतेशाय नमः | ॐ सर्वेषां प्रभवे नमः |
| ॐ सर्वभूताशयस्थिताय नमः | ॐ ईश्वराय नमः |
| ॐ अभ्यन्तरस्थाय नमः | ॐ सहस्रमूर्तये नमः |
| ॐ तमसइछेच्ने नमः | ॐ विश्वात्मने नमः |
| ॐ नारायणाय नमः | ॐ विष्णवे नमः |
| ॐ परस्मै नमः | ॐ विश्वदृशे नमः ९४० |
| ॐ अनादिनिधनाय नमः | ॐ अव्ययाय नमः |
| ॐ स्रष्ट्रे नमः ९२० | ॐ पुराणपुरुषाय नमः |
| ॐ प्रजापतिपतये नमः | ॐ स्रष्ट्रे नमः |
| ॐ हरये नमः | ॐ सहस्राक्षाय नमः |
| ॐ नरसिंहाय नमः | ॐ सहस्रपदे नमः |
| | |

| ॐ तत्त्वाय नमः | ॐ साक्षिणे नमः |
|-------------------------|------------------------|
| ॐ नारायणाय नमः | ॐ प्रजापतये नमः |
| ॐ विष्णवे नमः | ॐ हिरण्यगर्भाय नमः ९७० |
| ॐ वासुदेवाय नमः | ॐ सवित्रे नमः |
| ॐ सनातनाय नमः ९५० | ॐ लोककृते नमः |
| ॐ परमात्मने नमः | ॐ लोकभृते नमः |
| ॐ परस्मै ब्रह्मणे नमः | ॐ विभवे नमः |
| ॐ सिचदानन्दविग्रहाय नमः | ॐ रामाय नमः |
| ॐ परस्मै ज्योतिषे नमः | ॐ श्रीमते नमः |
| ॐ परस्मै धाम्ने नमः | ॐ महाविष्णवे नमः |
| ॐ पराकाशाय नमः | ॐ जिष्णवे नमः |
| ॐ परात्पराय नमः | ॐ देवहितावहाय नमः |
| ॐ अच्युताय नमः | ॐ तत्त्वात्मने नमः ९८० |
| ॐ पुरुषाय नमः | ॐ तारकाय नमः |
| ॐ कृष्णाय नमः ९६० | ॐ ब्रह्मणे नमः |
| ॐ शाश्वताय नमः | ॐ शाश्वताय नमः |
| ॐ शिवाय नमः | ॐ सर्वसिद्धिदाय नमः |
| ॐ ईश्वराय नमः | ॐ अकारवाच्याय नमः |
| ॐ नित्याय नमः | ॐ भगवते नमः |
| ॐ सर्वगताय नमः | ॐ श्रिये नमः |
| ॐ स्थाणवे नमः | ॐ भूलीलापतये नमः |
| ॐ उग्राय नमः | ॐ पुंसे नमः |
| | |

१०१०

ॐ सर्वलोकेश्वराय नमः ९९०

ॐ श्रीमते नमः

ॐ सर्वज्ञाय नमः

ॐ सर्वतोमुखाय नमः

ॐ स्वामिने नमः

ॐ सुशीलाय नमः

ॐ सुलभाय नमः

ॐ सर्वज्ञाय नमः

ॐ सर्वशक्तिमते नमः

ॐ नित्याय नमः

ॐ सम्पूर्णकामाय नमः १०००

ॐ नैसर्गिकसुहृदे नमः

ॐ सुखिने नमः

ॐ कृपापीयूषजलधये नमः

ॐ सर्वदेहिनां शरण्याय नमः

ॐ श्रीमते नमः

ॐ नारायणाय नमः

ॐ स्वामिने नमः

ॐ जगतां पतये नमः

ॐ ईश्वराय नमः

ॐ श्रीशाय नमः

ॐ भूतानां शरण्याय नमः

ॐ संश्रिताभीष्टदायकाय नमः

ॐ अनन्ताय नमः

ॐ श्रीपतये नमः

ॐ रामाय नमः

ॐ गुणभृते नमः

ॐ निर्गुणाय नमः

ॐ महते नमः

॥ इति श्रीमदानन्दरामायणे वाल्मीकीये श्रीरामसहस्रनामाविलः सम्पूर्णा॥

॥ विष्णुसहस्रनामाविलः॥

ॐ विश्वस्मै नमः

ॐ विष्णवे नमः

ॐ वषद्काराय नमः

ॐ भूतभव्यभवत्प्रभवे नमः

| ॐ भूतकृते नमः | ॐ शिवाय नमः |
|-----------------------------|-----------------------|
| ॐ भूतभृते नमः | ॐ स्थाणवे नमः |
| ॐ भावाय नमः | ॐ भूतादये नमः |
| ॐ भूतात्मने नमः | ॐ निधयेऽव्ययाय नमः ३० |
| ॐ भूतभावनाय नमः | ॐ सम्भवाय नमः |
| ॐ पूतात्मने नमः १० | ॐ भावनाय नमः |
| ॐ परमात्मने नमः | ॐ भर्त्रे नमः |
| ॐ मुक्तानां परमायै गतये नमः | ॐ प्रभवाय नमः |
| ॐ अव्ययाय नमः | ॐ प्रभवे नमः |
| ॐ पुरुषाय नमः | ॐ ईश्वराय नमः |
| ॐ साक्षिणे नमः | ॐ स्वयम्भुवे नमः |
| ॐ क्षेत्रज्ञाय नमः | ॐ शम्भवे नमः |
| ॐ अक्षराय नमः | ॐ आदित्याय नमः |
| ॐ योगाय नमः | ॐ पुष्कराक्षाय नमः ४० |
| ॐ योगविदां नेत्रे नमः | ॐ महास्वनाय नमः |
| ॐ प्रधानपुरुषेश्वराय नमः २० | ॐ अनादिनिधनाय नमः |
| ॐ नारसिंहवपुषे नमः | ॐ धात्रे नमः |
| ॐ श्रीमते नमः | ॐ विधात्रे नमः |
| ॐ केरावाय नमः | ॐ धातव उत्तमाय नमः |
| ॐ पुरुषोत्तमाय नमः | ॐ अप्रमेयाय नमः |
| ॐ सर्वस्मै नमः | ॐ हृषीकेशाय नमः |
| ॐ शर्वाय नमः | ॐ पद्मनाभाय नमः |
| | |

| ॐ अमरप्रभवे नमः | | ॐ भूगर्भाय नमः | |
|------------------------|----|------------------|----|
| ॐ विश्वकर्मणे नमः | ५० | ॐ माधवाय नमः | |
| ॐ मनवे नमः | | ॐ मधुसूदनाय नमः | |
| ॐ त्वष्ट्रे नमः | | ॐ ईश्वराय नमः | |
| ॐ स्थविष्ठाय नमः | | ॐ विक्रमिणे नमः | |
| ॐ स्थविराय ध्रुवाय नमः | | ॐ धन्विने नमः | |
| ॐ अग्राह्याय नमः | | ॐ मेधाविने नमः | |
| ॐ शाश्वताय नमः | | ॐ विक्रमाय नमः | |
| ॐ कृष्णाय नमः | | ॐ क्रमाय नमः | |
| ॐ लोहिताक्षाय नमः | | ॐ अनुत्तमाय नमः | ८० |
| ॐ प्रतर्दनाय नमः | | ॐ दुराधर्षाय नमः | |
| ॐ प्रभूताय नमः | ६० | ॐ कृतज्ञाय नमः | |
| ॐ त्रिककुब्धाम्ने नमः | | ॐ कृतये नमः | |
| ॐ पवित्राय नमः | | ॐ आत्मवते नमः | |
| ॐ मङ्गळाय परस्मै नमः | | ॐ सुरेशाय नमः | |
| ॐ ईशानाय नमः | | ॐ शरणाय नमः | |
| ॐ प्राणदाय नमः | | ॐ शर्मणे नमः | |
| ॐ प्राणाय नमः | | ॐ विश्वरेतसे नमः | |
| ॐ ज्येष्ठाय नमः | | ॐ प्रजाभवाय नमः | |
| ॐ श्रेष्ठाय नमः | | ॐ अह्रे नमः | ९० |
| ॐ प्रजापतये नमः | | ॐ संवत्सराय नमः | |
| ॐ हिरण्यगर्भाय नमः | 90 | ॐ व्यालाय नमः | |
| | | | |

| ॐ प्रत्ययाय नमः | ॐ बहुशिरसे नमः |
|--------------------------|---------------------------|
| ॐ सर्वदर्शनाय नमः | ॐ बभ्रवे नमः |
| ॐ अजाय नमः | ॐ विश्वयोनये नमः |
| ॐ सर्वेश्वराय नमः | ॐ शुचिश्रवसे नमः |
| ॐ सिद्धाय नमः | ॐ अमृताय नमः |
| ॐ सिद्धये नमः | ॐ शाश्वतस्स्थाणवे नमः १२० |
| ॐ सर्वादये नमः | ॐ वरारोहाय नमः |
| ॐ अच्युताय नमः १०० | ॐ महातपसे नमः |
| ॐ वृषाकपये नमः | ॐ सर्वगाय नमः |
| ॐ अमेयात्मने नमः | ॐ सर्वविद्धानवे नमः |
| ॐ सर्वयोगविनिस्सृताय नमः | ॐ विष्वक्सेनाय नमः |
| ॐ वसवे नमः | ॐ जनार्दनाय नमः |
| ॐ वसुमनसे नमः | ॐ वेदाय नमः |
| ॐ सत्याय नमः | ॐ वेदविदे नमः |
| ॐ समात्मने नमः | ॐ अव्यङ्गाय नमः |
| ॐ असम्मिताय नमः | ॐ वेदाङ्गाय नमः १३० |
| ॐ समाय नमः | ॐ वेदविदे नमः |
| ॐ अमोघाय नमः ११० | ॐ कवये नमः |
| ॐ पुण्डरीकाक्षाय नमः | ॐ लोकाध्यक्षाय नमः |
| ॐ वृषकर्मणे नमः | ॐ सुराध्यक्षाय नमः |
| ॐ वृषाकृतये नमः | ॐ धर्माध्यक्षाय नमः |
| ॐ रुद्राय नमः | ॐ कृताकृताय नमः |
| | _ |

| ॐ चतुरात्मने नमः | | ॐ सर्गाय नमः | |
|----------------------|-----|-----------------------|-----|
| ॐ चतुर्व्यूहाय नमः | | ॐ धृतात्मने नमः | १६० |
| ॐ चतुर्द्ष्ट्राय नमः | | ॐ नियमाय नमः | |
| ॐ चतुर्भुजाय नमः | १४० | ॐ यमाय नमः | |
| ॐ भ्राजिष्णवे नमः | | ॐ वेद्याय नमः | |
| ॐ भोजनाय नमः | | ॐ वैद्याय नमः | |
| ॐ भोक्रे नमः | | ॐ सदायोगिने नमः | |
| ॐ सहिष्णवे नमः | | ॐ वीरघ्ने नमः | |
| ॐ जगदादिजाय नमः | | ॐ माधवाय नमः | |
| ॐ अनघाय नमः | | ॐ मधवे नमः | |
| ॐ विजयाय नमः | | ॐ अतीन्द्रियाय नमः | |
| ॐ जेत्रे नमः | | ॐ महामायाय नमः | १७० |
| ॐ विश्वयोनये नमः | | ॐ महोत्साहाय नमः | |
| ॐ पुनर्वसवे नमः | १५० | ॐ महाबलाय नमः | |
| ॐ उपेन्द्राय नमः | | ॐ महाबुद्धये नमः | |
| ॐ वामनाय नमः | | ॐ महावीर्याय नमः | |
| ॐ प्रांशवे नमः | | ॐ महाशक्तये नमः | |
| ॐ अमोघाय नमः | | ॐ महाद्युतये नमः | |
| ॐ शुचये नमः | | ॐ अनिर्देश्यवपुषे नमः | |
| ॐ ऊर्जिताय नमः | | ॐ श्रीमते नमः | |
| ॐ अतीन्द्राय नमः | | ॐ अमेयात्मने नमः | |
| ॐ सङ्ग्रहाय नमः | | ॐ महाद्रिधृषे नमः | १८० |
| | | | |

| ॐ महेष्वासाय नमः | | ॐ स्थिराय नमः |
|--------------------|-----|--------------------------|
| ॐ महीभर्त्रे नमः | | ॐ अजाय नमः |
| ॐ श्रीनिवासाय नमः | | ॐ दुर्मर्षणाय नमः |
| ॐ सतां गतये नमः | | ॐ शास्त्रे नमः |
| ॐ अनिरुद्धाय नमः | | ॐ विश्रुतात्मने नमः |
| ॐ सुरानन्दाय नमः | | ॐ सुरारिघ्ने नमः |
| ॐ गोविन्दाय नमः | | ॐ गुरवे नमः |
| ॐ गोविदां पतये नमः | | ॐ गुरुतमाय नमः २१० |
| ॐ मरीचये नमः | | ॐ धाम्ने नमः |
| ॐ दमनाय नमः | १९० | ॐ सत्याय नमः |
| ॐ हंसाय नमः | | ॐ सत्यपराक्रमाय नमः |
| ॐ सुपर्णाय नमः | | ॐ निमिषाय नमः |
| ॐ भुजगोत्तमाय नमः | | ॐ अनिमिषाय नमः |
| ॐ हिरण्यनाभाय नमः | | ॐ स्त्रग्विणे नमः |
| ॐ सुतपसे नमः | | ॐ वाचस्पतये उदारिधये नमः |
| ॐ पद्मनाभाय नमः | | ॐ अग्रण्ये नमः |
| ॐ प्रजापतये नमः | | ॐ ग्रामण्ये नमः |
| ॐ अमृत्यवे नमः | | ॐ श्रीमते नमः २२० |
| ॐ सर्वदृशे नमः | | ॐ न्यायाय नमः |
| ॐ सिंहाय नमः | २०० | ॐ नेत्रे नमः |
| ॐ सन्धात्रे नमः | | ॐ समीरणाय नमः |
| ॐ सन्धिमते नमः | | ॐ सहस्रमूर्ध्ने नमः |
| | | · |

| ॐ विश्वात्मने नमः | | ॐ असङ्खोयाय नमः | |
|---------------------|-----|----------------------|-----|
| ॐ सहस्राक्षाय नमः | | ॐ अप्रमेयात्मने नमः | |
| ॐ सहस्रपदे नमः | | ॐ विशिष्टाय नमः | |
| ॐ आवर्तनाय नमः | | ॐ शिष्टकृते नमः | २५० |
| ॐ निवृत्तात्मने नमः | | ॐ शुचये नमः | |
| ॐ संवृताय नमः | २३० | ॐ सिद्धार्थाय नमः | |
| ॐ सम्प्रमर्दनाय नमः | | ॐ सिद्धसङ्कल्पाय नमः | |
| ॐ अहःसंवर्तकाय नमः | | ॐ सिद्धिदाय नमः | |
| ॐ वह्नये नमः | | ॐ सिद्धिसाधनाय नमः | |
| ॐ अनिलाय नमः | | ॐ वृषाहिणे नमः | |
| ॐ धरणीधराय नमः | | ॐ वृषभाय नमः | |
| ॐ सुप्रसादाय नमः | | ॐ विष्णवे नमः | |
| ॐ प्रसन्नात्मने नमः | | ॐ वृषपर्वणे नमः | |
| ॐ विश्वधृषे नमः | | ॐ वृषोद्राय नमः | २६० |
| ॐ विश्वभुजे नमः | | ॐ वर्धनाय नमः | |
| ॐ विभवे नमः | २४० | ॐ वर्धमानाय नमः | |
| ॐ सत्कर्त्रे नमः | | ॐ विविक्ताय नमः | |
| ॐ सत्कृताय नमः | | ॐ श्रुतिसागराय नमः | |
| ॐ साधवे नमः | | ॐ सुभुजाय नमः | |
| ॐ जह्नवे नमः | | ॐ दुर्घराय नमः | |
| ॐ नारायणाय नमः | | ॐ वाग्मिने नमः | |
| ॐ नराय नमः | | ॐ महेन्द्राय नमः | |
| | | | |

| ॐ वसुदाय नमः | ॐ पवनाय नमः |
|----------------------------|-----------------------|
| ॐ वसवे नमः २७० | ॐ पावनाय नमः |
| ॐ नैकरूपाय नमः | ॐ अनलाय नमः |
| ॐ बृहदूपाय नमः | ॐ कामघ्ने नमः |
| ॐ शिपिविष्टाय नमः | ॐ कामकृते नमः |
| ॐ प्रकाशनाय नमः | ॐ कान्ताय नमः |
| ॐ ओजस्तेजोद्युतिधराय नमः | ॐ कामाय नमः |
| ॐ प्रकाशात्मने नमः | ॐ कामप्रदाय नमः |
| ॐ प्रतापनाय नमः | ॐ प्रभवे नमः |
| ॐ ऋद्धाय नमः | ॐ युगादिकृते नमः ३०० |
| ॐ स्पष्टाक्षराय नमः | ॐ युगावर्ताय नमः |
| ॐ मन्त्राय नमः २८० | ॐ नैकमायाय नमः |
| ॐ चन्द्रांशवे नमः | ॐ महाशनाय नमः |
| ॐ भास्करद्युतये नमः | ॐ अदृश्याय नमः |
| ॐ अमृतांशूद्भवाय नमः | ॐ व्यक्तरूपाय नमः |
| ॐ भानवे नमः | ॐ सहस्रजिते नमः |
| ॐ राराबिन्दवे नमः | ॐ अनन्तजिते नमः |
| ॐ सुरेश्वराय नमः | ॐ इष्टाय नमः |
| ॐ औषधाय नमः | ॐ अविशिष्टाय नमः |
| ॐ जगतस्सेतवे नमः | ॐ शिष्टेष्टाय नमः ३१० |
| ॐ सत्यधर्मपराक्रमाय नमः | ॐ शिखण्डिने नमः |
| ॐ भूतभव्यभवन्नाथाय नमः २९० | ॐ नहुषाय नमः |
| | |

| ॐ वृषाय नमः | | ॐ पुरन्दराय नमः | |
|------------------------|-----|----------------------|-----|
| ॐ क्रोधघ्ने नमः | | ॐ अशोकाय नमः | |
| ॐ क्रोधकृत्कर्त्रे नमः | | ॐ तारणाय नमः | |
| ॐ विश्वबाहवे नमः | | ॐ ताराय नमः | |
| ॐ महीधराय नमः | | ॐ शूराय नमः | |
| ॐ अच्युताय नमः | | ॐ शौरये नमः | ३४० |
| ॐ प्रथिताय नमः | | ॐ जनेश्वराय नमः | |
| ॐ प्राणाय नमः | ३२० | ॐ अनुकूलाय नमः | |
| ॐ प्राणदाय नमः | | ॐ शतावर्ताय नमः | |
| ॐ वासवानुजाय नमः | | ॐ पद्मिने नमः | |
| ॐ अपान्निधये नमः | | ॐ पद्मनिभेक्षणाय नमः | |
| ॐ अधिष्ठानाय नमः | | ॐ पद्मनाभाय नमः | |
| ॐ अप्रमत्ताय नमः | | ॐ अरविन्दाक्षाय नमः | |
| ॐ प्रतिष्ठिताय नमः | | ॐ पद्मगर्भाय नमः | |
| ॐ स्कन्दाय नमः | | ॐ शरीरभृते नमः | |
| ॐ स्कन्द्धराय नमः | | ॐ महर्द्धये नमः | ३५० |
| ॐ धुर्याय नमः | | ॐ ऋद्धाय नमः | |
| ॐ वरदाय नमः | ३३० | ॐ वृद्धात्मने नमः | |
| ॐ वायुवाहनाय नमः | | ॐ महाक्षाय नमः | |
| ॐ वासुदेवाय नमः | | ॐ गरुडध्वजाय नमः | |
| ॐ बृहद्भानवे नमः | | ॐ अतुलाय नमः | |
| ॐ आदिदेवाय नमः | | ॐ शरभाय नमः | |
| | | | |

| ॐ भीमाय नमः | ॐ कारणाय नमः | |
|------------------------------|-------------------|-----|
| ॐ समयज्ञाय नमः | ॐ कर्त्रे नमः | ३८० |
| ॐ हविर्हरये नमः | ॐ विकर्त्रे नमः | |
| ॐ सर्वलक्षणलक्षण्याय नमः ३६० | ॐ गहनाय नमः | |
| ॐ लक्ष्मीवते नमः | ॐ गुहाय नमः | |
| ॐ समितिञ्जयाय नमः | ॐ व्यवसायाय नमः | |
| ॐ विक्षराय नमः | ॐ व्यवस्थानाय नमः | |
| ॐ रोहिताय नमः | ॐ संस्थानाय नमः | |
| ॐ मार्गाय नमः | ॐ स्थानदाय नमः | |
| ॐ हेतवे नमः | ॐ भ्रुवाय नमः | |
| ॐ दामोदराय नमः | ॐ परर्द्धये नमः | |
| ॐ सहाय नमः | ॐ परमस्पष्टाय नमः | ३९० |
| ॐ महीधराय नमः | ॐ तुष्टाय नमः | |
| ॐ महाभागाय नमः ३७० | ॐ पुष्टाय नमः | |
| ॐ वेगवते नमः | ॐ शुभेक्षणाय नमः | |
| ॐ अमिताशनाय नमः | ॐ रामाय नमः | |
| ॐ उद्भवाय नमः | ॐ विरामाय नमः | |
| ॐ क्षोभणाय नमः | ॐ विरताय नमः | |
| ॐ देवाय नमः | ॐ मार्गाय नमः | |
| ॐ श्रीगर्भाय नमः | ॐ नेयाय नमः | |
| ॐ परमेश्वराय नमः | ॐ नयाय नमः | |
| ॐ करणाय नमः | ॐ अनयाय नमः | 800 |

| ॐ वीराय नमः | | ॐ दक्षाय नमः | |
|---------------------------|-----|---------------------|-----|
| ॐ शक्तिमतां श्रेष्ठाय नमः | | ॐ विश्रामाय नमः | |
| ॐ धर्माय नमः | | ॐ विश्वदक्षिणाय नमः | |
| ॐ धर्मविदुत्तमाय नमः | | ॐ विस्ताराय नमः | |
| ॐ वैकुण्ठाय नमः | | ॐ स्थावरस्थाणवे नमः | |
| ॐ पुरुषाय नमः | | ॐ प्रमाणाय नमः | |
| ॐ प्राणाय नमः | | ॐ बीजायाव्ययाय नमः | |
| ॐ प्राणदाय नमः | | ॐ अर्थाय नमः | ४३० |
| ॐ प्रणवाय नमः | | ॐ अनर्थाय नमः | |
| ॐ पृथवे नमः | ४१० | ॐ महाकोशाय नमः | |
| ॐ हिरण्यगर्भाय नमः | | ॐ महाभोगाय नमः | |
| ॐ शत्रुघ्नाय नमः | | ॐ महाधनाय नमः | |
| ॐ व्याप्ताय नमः | | ॐ अनिर्विण्णाय नमः | |
| ॐ वायवे नमः | | ॐ स्थविष्ठाय नमः | |
| ॐ अधोक्षजाय नमः | | ॐ अभुवे नमः | |
| ॐ ऋतवे नमः | | ॐ धर्मयूपाय नमः | |
| ॐ सुदर्शनाय नमः | | ॐ महामखाय नमः | |
| ॐ कालाय नमः | | ॐ नक्षत्रनेमये नमः | ४४० |
| ॐ परमेष्ठिने नमः | | ॐ नक्षत्रिणे नमः | |
| ॐ परिग्रहाय नमः | ४२० | ॐ क्षमाय नमः | |
| ॐ उग्राय नमः | | ॐ क्षामाय नमः | |
| ॐ संवत्सराय नमः | | ॐ समीहनाय नमः | |
| | | | |

| ॐ यज्ञाय नमः | | ॐ व्यापिने नमः | |
|-----------------------|-----|-------------------|-----|
| ॐ इज्याय नमः | | ॐ नैकात्मने नमः | |
| ॐ महेज्याय नमः | | ॐ नैककर्मकृते नमः | |
| ॐ कतवे नमः | | ॐ वत्सराय नमः | ८७० |
| ॐ सत्राय नमः | | ॐ वत्सलाय नमः | |
| ॐ सताङ्गतये नमः | ४५० | ॐ वित्सिने नमः | |
| ॐ सर्वदर्शिने नमः | | ॐ रत्नगर्भाय नमः | |
| ॐ विमुक्तात्मने नमः | | ॐ धनेश्वराय नमः | |
| ॐ सर्वज्ञाय नमः | | ॐ धर्मगुपे नमः | |
| ॐ ज्ञानाय उत्तमाय नमः | | ॐ धर्मकृते नमः | |
| ॐ सुव्रताय नमः | | ॐ धर्मिणे नमः | |
| ॐ सुमुखाय नमः | | ॐ सते नमः | |
| ॐ सूक्ष्माय नमः | | ॐ असते नमः | |
| ॐ सुघोषाय नमः | | ॐ क्षराय नमः | ४८० |
| ॐ सुखदाय नमः | | ॐ अक्षराय नमः | |
| ॐ सुहृदे नमः | ४६० | ॐ अविज्ञात्रे नमः | |
| ॐ मनोहराय नमः | | ॐ सहस्रांशवे नमः | |
| ॐ जितकोधाय नमः | | ॐ विधात्रे नमः | |
| ॐ वीरबाहवे नमः | | ॐ कृतलक्षणाय नमः | |
| ॐ विदारणाय नमः | | ॐ गभस्तिनेमये नमः | |
| ॐ स्वापनाय नमः | | ॐ सत्त्वस्थाय नमः | |
| ॐ स्ववशाय नमः | | ॐ सिंहाय नमः | |
| | | I | |

| ॐ भूतमहेश्वराय नमः | | ॐ दाशार्हाय नमः |
|--------------------|-----|----------------------------|
| ॐ आदिदेवाय नमः | ४९० | ॐ सात्त्वतां पतये नमः |
| ॐ महादेवाय नमः | | ॐ जीवाय नमः |
| ॐ देवेशाय नमः | | ॐ विनयितासाक्षिणे नमः |
| ॐ देवभृदुरवे नमः | | ॐ मुकुन्दाय नमः |
| ॐ उत्तराय नमः | | ॐ अमितविक्रमाय नमः |
| ॐ गोपतये नमः | | ॐ अम्भोनिधये नमः |
| ॐ गोघ्रे नमः | | ॐ अनन्तात्मने नमः |
| ॐ ज्ञानगम्याय नमः | | ॐ महोद्धिशयाय नमः |
| ॐ पुरातनाय नमः | | ॐ अन्तकाय नमः ५२० |
| ॐ शरीरभूतभृते नमः | | ॐ अजाय नमः |
| ॐ भोक्रे नमः | ५०० | ॐ महार्हाय नमः |
| ॐ कपीन्द्राय नमः | | ॐ स्वाभाव्याय नमः |
| ॐ भूरिदक्षिणाय नमः | | ॐ जितामित्राय नमः |
| ॐ सोमपाय नमः | | ॐ प्रमोदनाय नमः |
| ॐ अमृतपाय नमः | | ॐ आनन्दाय नमः |
| ॐ सोमाय नमः | | ॐ नन्दनाय नमः |
| ॐ पुरुजिते नमः | | ॐ नन्दाय नमः |
| ॐ पुरुसत्तमाय नमः | | ॐ सत्यधर्मणे नमः |
| ॐ विनयाय नमः | | ॐ त्रिविक्रमाय नमः ५३० |
| ॐ जयाय नमः | | ॐ महर्षये कपिलाचार्याय नमः |
| ॐ सत्यसन्धाय नमः | ५१० | ॐ कृतज्ञाय नमः |

| ॐ मेदिनीपतये नमः | | ॐ वृक्षाय नमः | |
|--------------------------|-----|-----------------------|-----|
| ॐ त्रिपदाय नमः | | ॐ पुष्कराक्षाय नमः | |
| ॐ त्रिदशाध्यक्षाय नमः | | ॐ महामनसे नमः | |
| ॐ महाशृङ्गाय नमः | | ॐ भगवते नमः | |
| ॐ कृतान्तकृते नमः | | ॐ भगन्ने नमः | |
| ॐ महावराहाय नमः | | ॐ आनन्दिने नमः | ५६० |
| ॐ गोविन्दाय नमः | | ॐ वनमालिने नमः | |
| ॐ सुषेणाय नमः | ५४० | ॐ हलायुधाय नमः | |
| ॐ कनकाङ्गदिने नमः | | ॐ आदित्याय नमः | |
| ॐ गुह्याय नमः | | ॐ ज्योतिरादित्याय नमः | |
| ॐ गभीराय नमः | | ॐ सहिष्णवे नमः | |
| ॐ गहनाय नमः | | ॐ गतिसत्तमाय नमः | |
| ॐ गुप्ताय नमः | | ॐ सुधन्वने नमः | |
| ॐ चंक्रगदाधराय नमः | | ॐ खण्डपरशवे नमः | |
| ॐ वेधसे नमः | | ॐ दारुणाय नमः | |
| ॐ स्वाङ्गाय नमः | | ॐ द्रविणप्रदाय नमः | ५७० |
| ॐ अजिताय नमः | | ॐ दिवस्पृशे नमः | |
| ॐ कृष्णाय नमः | ५५० | ॐ सर्वदृग्व्यासाय नमः | |
| ॐ दंढाय नमः | | ॐ वाचस्पतयेऽयोनिजाय न | मः |
| ॐ सङ्कर्षणायाच्युताय नमः | | ॐ त्रिसाम्ने नमः | |
| ॐ वरुणाय नमः | | ॐ सामगाय नमः | |
| ॐ वारुणाय नमः | | ॐ साम्ने नमः | |
| | I | | |

| _ | | | |
|---------------------|-----|-------------------------|-----|
| ॐ निर्वाणाय नमः | | ॐ क्षेमकृते नमः | |
| ॐ भेषजाय नमः | | ॐ शिवाय नमः | ६०० |
| ॐ भिषजे नमः | | ॐ श्रीवत्सवक्षसे नमः | |
| ॐ सन्न्यासकृते नमः | 460 | ॐ श्रीवासाय नमः | |
| ॐ शमाय नमः | | ॐ श्रीपतये नमः | |
| ॐ शान्ताय नमः | | ॐ श्रीमतां वराय नमः | |
| ॐ निष्टायै नमः | | ॐ श्रीदाय नमः | |
| ॐ शान्त्यै नमः | | ॐ श्रीशाय नमः | |
| ॐ परायणाय नमः | | ॐ श्रीनिवासाय नमः | |
| ॐ शुभाङ्गाय नमः | | ॐ श्रीनिधये नमः | |
| ॐ शान्तिदाय नमः | | ॐ श्रीविभावनाय नमः | |
| ॐ स्रष्ट्रे नमः | | ॐ श्रीधराय नमः | ६१० |
| ॐ कुमुदाय नमः | | ॐ श्रीकराय नमः | |
| ॐ कुवलेशयाय नमः | ५९० | ॐ श्रेयसे नमः | |
| ॐ गोहिताय नमः | | ॐ श्रीमते नमः | |
| ॐ गोपतये नमः | | ॐ लोकत्रयाश्रयाय नमः | |
| ॐ गोघ्रे नमः | | ॐ स्वक्षाय नमः | |
| ॐ वृषभाक्षाय नमः | | ॐ स्वङ्गाय नमः | |
| ॐ वृषप्रियाय नमः | | ॐ शतानन्दाय नमः | |
| ॐ अनिवर्तिने नमः | | ॐ नन्दये नमः | |
| ॐ निवृत्तात्मने नमः | | ॐ ज्योतिर्गणेश्वराय नमः | |
| ॐ सङ्खेंघ्रे नमः | | ॐ विजितात्मने नमः | ६२० |
| ۲۰ | | | |

| ॐ अविधेयात्मने नमः | | ॐ वीराय नमः | |
|-----------------------|-----|-----------------------|-----|
| ॐ सत्कीर्तये नमः | | ॐ शौरये नमः | |
| ॐ छिन्नसंशयाय नमः | | ॐ शूरजनेश्वराय नमः | |
| ॐ उदीर्णाय नमः | | ॐ त्रिलोकात्मने नमः | |
| ॐ सर्वतश्रक्षुषे नमः | | ॐ त्रिलोकेशाय नमः | |
| ॐ अनीशाय नमः | | ॐ केशवाय नमः | |
| ॐ शाश्वतस्स्थिराय नमः | | ॐ केशिघ्ने नमः | |
| ॐ भूशयाय नमः | | ॐ हरये नमः | ६५० |
| ॐ भूषणाय नमः | | ॐ कामदेवाय नमः | |
| ॐ भूतये नमः | ६३० | ॐ कामपालाय नमः | |
| ॐ विशोकाय नमः | | ॐ कामिने नमः | |
| ॐ शोकनाशनाय नमः | | ॐ कान्ताय नमः | |
| ॐ अर्चिष्मते नमः | | ॐ कृतागमाय नमः | |
| ॐ अर्चिताय नमः | | ॐ अनिर्देश्यवपुषे नमः | |
| ॐ कुम्भाय नमः | | ॐ विष्णवे नमः | |
| ॐ विशुद्धात्मने नमः | | ॐ वीराय नमः | |
| ॐ विशोधनाय नमः | | ॐ अनन्ताय नमः | |
| ॐ अनिरुद्धाय नमः | | ॐ धनञ्जयाय नमः | ६६० |
| ॐ अप्रतिरथाय नमः | | ॐ ब्रह्मण्याय नमः | |
| ॐ प्रद्युम्नाय नमः | ६४० | ॐ ब्रह्मकृते नमः | |
| ॐ अमितविक्रमाय नमः | | ॐ ब्रह्मणे नमः | |
| ॐ कालनेमिनिघ्ने नमः | | ॐ ब्रह्मणे नमः | |
| | | I | |

| ॐ ब्रह्मविवर्धनाय नमः | | ॐ पुण्याय नमः | |
|-----------------------|-----|--------------------|-----|
| ॐ ब्रह्मविदे नमः | | ॐ पुण्यकीर्तये नमः | |
| ॐ ब्राह्मणाय नमः | | ॐ अनामयाय नमः | |
| ॐ ब्रह्मिणे नमः | | ॐ मनोजवाय नमः | ६९० |
| ॐ ब्रह्मज्ञाय नमः | | ॐ तीर्थकराय नमः | |
| ॐ ब्राह्मणप्रियाय नमः | ६७० | ॐ वसुरेतसे नमः | |
| ॐ महाक्रमाय नमः | · | ॐ वसुप्रदाय नमः | |
| ॐ महाकर्मणे नमः | | ॐ वसुप्रदाय नमः | |
| ॐ महातेजसे नमः | | ॐ वासुदेवाय नमः | |
| ॐ महोरगाय नमः | | ॐ वसुवे नमः | |
| ॐ महाकतवे नमः | | ॐ वसुमनसे नमः | |
| ॐ महायज्वने नमः | | ॐ हविषे नमः | |
| ॐ महायज्ञाय नमः | | ॐ सद्गतये नमः | |
| ॐ महाहविषे नमः | | ॐ सत्कृतये नमः | 900 |
| ॐ स्तव्याय नमः | | ॐ सत्तायै नमः | |
| ॐ स्तवप्रियाय नमः | ६८० | ॐ सद्भूतये नमः | |
| ॐ स्तोत्राय नमः | | ॐ सत्परायणाय नमः | |
| ॐ स्तुतये नमः | | ॐ शूरसेनाय नमः | |
| ॐ स्तोत्रे नमः | | ॐ यदुश्रेष्ठाय नमः | |
| ॐ रणप्रियाय नमः | | ॐ सन्निवासाय नमः | |
| ॐ पूर्णाय नमः | | ॐ सुयामुनाय नमः | |
| ॐ पूरियत्रे नमः | | ॐ भूतावासाय नमः | |
| | | | |

| ॐ वासुदेवाय नमः | | ॐ तस्मै नमः | |
|---------------------|-----|---------------------|-----|
| ॐ सर्वासुनिलयाय नमः | ७१० | ॐ पदायानुत्तमाय नमः | |
| ॐ अनुलाय नमः | | ॐ लोकबन्धवे नमः | |
| ॐ दर्पघ्ने नमः | | ॐ लोकनाथाय नमः | |
| ॐ दर्पदाय नमः | | ॐ माधवाय नमः | |
| ॐ दृप्ताय नमः | | ॐ भक्तवत्सलाय नमः | |
| ॐ दुर्घराय नमः | | ॐ सुवर्णवर्णाय नमः | |
| ॐ अपराजिताय नमः | | ॐ हेमाङ्गाय नमः | |
| ॐ विश्वमूर्तये नमः | | ॐ वराङ्गाय नमः | |
| ॐ महामूर्त्ये नमः | | ॐ चन्दनाङ्गदिने नमः | ७४० |
| ॐ दीप्तमूर्तये नमः | | ॐ वीरघ्ने नमः | |
| ॐ अमूर्तिमते नमः | ७२० | ॐ विषमाय नमः | |
| ॐ अनेकमूर्तये नमः | | ॐ शून्याय नमः | |
| ॐ अव्यक्ताय नमः | | ॐ घृताशिषे नमः | |
| ॐ शतमूर्तये नमः | | ॐ अचलाय नमः | |
| ॐ शताननाय नमः | | ॐ चलाय नमः | |
| ॐ एकस्मै नमः | | ॐ अमानिने नमः | |
| ॐ नैकस्मै नमः | | ॐ मानदाय नमः | |
| ॐ सवाय नमः | | ॐ मान्याय नमः | |
| ॐ काय नमः | | ॐ लोकस्वामिने नमः | ७५० |
| ॐ कस्मै नमः | | ॐ त्रिलोकधृषे नमः | |
| ॐ यस्मै नमः | ७३० | ॐ सुमेधसे नमः | |
| | | | |

| ॐ मेधजाय नमः | 🛮 ॐ दुर्जयाय नमः |
|----------------------------|---------------------|
| ॐ धन्याय नमः | ॐ दुरतिक्रमाय नमः |
| ॐ सत्यमेधसे नमः | ॐ दुर्लभाय नमः |
| ॐ धराधराय नमः | ॐ दुर्गमाय नमः |
| ॐ तेजोवृषाय नमः | ॐ दुर्गाय नमः |
| ॐ द्युतिधराय नमः | ॐ दुरावासाय नमः ७८० |
| ॐ सर्वशस्त्रभृतां वराय नमः | ॐ दुरारिघ्ने नमः |
| ॐ प्रग्रहाय नमः ७६० | ॐ शुभाङ्गाय नमः |
| ॐ निग्रहाय नमः | ॐ लोकसारङ्गाय नमः |
| ॐ व्यग्राय नमः | ॐ सुतन्तवे नमः |
| ॐ नैकश्रङ्गाय नमः | ॐ तन्तुवर्धनाय नमः |
| ॐ गदायूजाय नमः | ॐ इन्द्रकर्मणे नमः |
| ॐ चतुर्मूर्तये नमः | ॐ महाकर्मणे नमः |
| ॐ चतुर्बाहवे नमः | ॐ कृतकर्मणे नमः |
| ॐ चतुर्व्यूहाय नमः | ॐ कृतागमाय नमः |
| ॐ चतुर्गतये नमः | ॐ उद्भवाय नमः ७९० |
| ॐ चतुरात्मने नमः | ॐ सुन्दराय नमः |
| ॐ चतुर्भावाय नमः ७७० | ॐ सुन्दाय नमः |
| ॐ चतुर्वेदविदे नमः | ॐ रत्ननाभाय नमः |
| ॐ एकपदे नमः | ॐ सुलोचनाय नमः |
| ॐ समावर्ताय नमः | ॐ अर्काय नमः |
| ॐ अनिवृत्तात्मने नमः | ॐ वाजसनाय नमः |
| | 1 |

| ॐ श्रङ्गिणे नमः | | ॐ सिद्धाय नमः | |
|---------------------------|-----|----------------------------|-----|
| ॐ जयन्ताय नमः | | ॐ रात्रुजिते नमः | ८२० |
| ॐ सर्वविज्जयिने नमः | | ॐ रात्रुतापनाय नमः | |
| ॐ सुवर्णबिन्दवे नमः | ८०० | ॐ न्यग्रोधाय नमः | |
| ॐ अक्षोभ्याय नमः | | ॐ उदुम्बराय नमः | |
| ॐ सर्ववागीश्वरेश्वराय नमः | | ॐ अश्वत्थाय नमः | |
| ॐ महाह्रदाय नमः | | ॐ चाणूरान्ध्रनिषूद्नाय नमः | |
| ॐ महागर्ताय नमः | | ॐ सहस्रार्चिषे नमः | |
| ॐ महाभूताय नमः | | ॐ सप्तजिह्वाय नमः | |
| ॐ महानिधये नमः | | ॐ सप्तैधसे नमः | |
| ॐ कुमुदाय नमः | | ॐ सप्तवाहनाय नमः | |
| ॐ कुन्दराय नमः | | ॐ अमूर्तये नमः | ८३० |
| ॐ कुन्दाय नमः | | ॐ अनघाय नमः | |
| ॐ पर्जन्याय नमः | ८१० | ॐ अचिन्त्याय नमः | |
| ॐ पावनाय नमः | | ॐ भयकृते नमः | |
| ॐ अनिलाय नमः | | ॐ भयनाशनाय नमः | |
| ॐ अमृताशाय नमः | | ॐ अणवे नमः | |
| ॐ अमृतवपुषे नमः | | ॐ बृहते नमः | |
| ॐ सर्वज्ञाय नमः | | ॐ कृशाय नमः | |
| ॐ सर्वतोमुखाय नमः | | ॐ स्थूलाय नमः | |
| ॐ सुलभाय नमः | | ॐ गुणभृते नमः | |
| ॐ सुव्रताय नमः | | ॐ निर्गुणाय नमः | ८४० |
| - | | _ | |

| ॐ महते नमः | | ॐ सर्वसहाय नमः | |
|-------------------|-----|-----------------------|-----|
| ॐ अधृताय नमः | | ॐ नियन्त्रे नमः | |
| ॐ स्वधृताय नमः | | ॐ अनियमाय नमः | |
| ॐ स्वास्याय नमः | | ॐ अयमाय नमः | |
| ॐ प्राग्वंशाय नमः | | ॐ सत्त्ववते नमः | |
| ॐ वंशवर्धनाय नमः | | ॐ सात्त्विकाय नमः | |
| ॐ भारभृते नमः | | ॐ सत्याय नमः | |
| ॐ कथिताय नमः | | ॐ सत्यधर्मपरायणाय नमः | ८७० |
| ॐ योगिने नमः | | ॐ अभिप्रायाय नमः | |
| ॐ योगीशाय नमः | ८५० | ॐ प्रियार्हाय नमः | |
| ॐ सर्वकामदाय नमः | | ॐ अर्हाय नमः | |
| ॐ आश्रमाय नमः | | ॐ प्रियकृते नमः | |
| ॐ श्रमणाय नमः | | ॐ प्रीतिवर्धनाय नमः | |
| ॐ क्षामाय नमः | | ॐ विहायसगतये नमः | |
| ॐ सुपर्णाय नमः | | ॐ ज्योतिषे नमः | |
| ॐ वायुवाहनाय नमः | | ॐ सुरुचये नमः | |
| ॐ धनुर्घराय नमः | | ॐ हुतभुजे नमः | |
| ॐ धनुर्वेदाय नमः | | ॐ विभवे नमः | ८८० |
| ॐ दण्डाय नमः | | ॐ रवये नमः | |
| ॐ दमयित्रे नमः | ८६० | ॐ विरोचनाय नमः | |
| ॐ दमाय नमः | | ॐ सूर्याय नमः | |
| ॐ अपराजिताय नमः | | ॐ सवित्रे नमः | |
| | | I | |

| ॐ रविलोचनाय नमः | | ॐ कुण्डलिने नमः | |
|-----------------------|-----|--------------------------|-----|
| ॐ अनन्ताय नमः | | ॐ चकिणे नमः | |
| ॐ हुतभुजे नमः | | ॐ विक्रमिणे नमः | |
| ॐ भोक्रे नमः | | ॐ ऊर्जितशासनाय नमः | ९१० |
| ॐ सुखदाय नमः | | ॐ शब्दातिगाय नमः | |
| ॐ नैकजाय नमः | ८९० | ॐ शब्दसहाय नमः | |
| ॐ अग्रजाय नमः | | ॐ शिशिराय नमः | |
| ॐ अनिर्विण्णाय नमः | | ॐ रार्वरीकराय नमः | |
| ॐ सदामर्षिणे नमः | | ॐ अकूराय नमः | |
| ॐ लोकाधिष्ठानाय नमः | | ॐ पेशलाय नमः | |
| ॐ अद्भुताय नमः | | ॐ दक्षाय नमः | |
| ॐ सनाते नमः | | ॐ दक्षिणाय नमः | |
| ॐ सनातनतमाय नमः | | ॐ क्षमिणां वराय नमः | |
| ॐ कपिलाय नमः | | ॐ विद्वत्तमाय नमः | ९२० |
| ॐ कपये नमः | | ॐ वीतभयाय नमः | |
| ॐ अव्ययाय नमः | ९०० | ॐ पुण्यश्रवणकीर्तनाय नमः | |
| ॐ स्वस्तिदाय नमः | | ॐ उत्तारणाय नमः | |
| ॐ स्वस्तिकृते नमः | | ॐ दुष्कृतिघ्ने नमः | |
| ॐ स्वस्तये नमः | | ॐ पुण्याय नमः | |
| ॐ स्वस्तिभुजे नमः | | ॐ दुस्स्वप्ननाशनाय नमः | |
| ॐ स्वस्तिदक्षिणाय नमः | | ॐ वीरघ्ने नमः | |
| ॐ अरौद्राय नमः | | ॐ रक्षणाय नमः | |
| | | | |

| ॐ सन्धो नमः | | ॐ अधात्रे नमः |
|--------------------|-----|--------------------------|
| ॐ जीवनाय नमः | ९३० | ॐ पुष्पहासाय नमः |
| ॐ पर्यवस्थिताय नमः | | ॐ प्रजागराय नमः |
| ॐ अनन्तरूपाय नमः | | ॐ ऊर्ध्वगाय नमः |
| ॐ अनन्तश्रिये नमः | | ॐ सत्पथाचाराय नमः |
| ॐ जितमन्यवे नमः | | ॐ प्राणदाय नमः |
| ॐ भयापहाय नमः | | ॐ प्रणवाय नमः |
| ॐ चतुरश्राय नमः | | ॐ पणाय नमः |
| ॐ गभीरात्मने नमः | | ॐ प्रमाणाय नमः |
| ॐ विदिशाय नमः | | ॐ प्राणनिलयाय नमः ९६० |
| ॐ व्यादिशाय नमः | | ॐ प्राणभृते नमः |
| ॐ दिशाय नमः | ९४० | ॐ प्राणजीवनाय नमः |
| ॐ अनादये नमः | | ॐ तत्त्वाय नमः |
| ॐ भुवो भुवे नमः | | ॐ तत्त्वविदे नमः |
| ॐ लक्ष्म्यै नमः | | ॐ एकात्मने नमः |
| ॐ सुवीराय नमः | | ॐ जन्ममृत्युजरातिगाय नमः |
| ॐ रुचिराङ्गदाय नमः | | ॐ भूर्भुवस्स्वस्तरवे नमः |
| ॐ जननाय नमः | | ॐ ताराय नमः |
| ॐ जनजन्माद्ये नमः | | ॐ सवित्रे नमः |
| ॐ भीमाय नमः | | ॐ प्रपितामहाय नमः ९७० |
| ॐ भीमपराक्रमाय नमः | | ॐ यज्ञाय नमः |
| ॐ आधारनिलयाय नमः | ९५० | ॐ यज्ञपतये नमः |
| | | 1 |

ॐ स्वयञ्जाताय नमः

ॐ यज्वने नमः ॐ वैखानाय नमः ॐ यज्ञाङ्गाय नमः ॐ सामगायनाय नमः ॐ देवकीनन्दनाय नमः ॐ यज्ञवाहनाय नमः ॐ यज्ञभृते नमः ॐ स्रष्टे नमः ९९० ॐ यज्ञकृते नमः ॐ क्षितीशाय नमः ॐ यज्ञिने नमः ॐ पापनाशनाय नमः ॐ यज्ञभुजे नमः ॐ शङ्खभृते नमः ॐ यज्ञसाधनाय नमः ॐ नन्दिकने नमः ९८० ॐ यज्ञान्तकृते नमः ॐ चिकणे नमः ॐ शार्ङ्गधन्वने नमः ॐ यज्ञगुह्याय नमः ॐ अन्नाय नमः ॐ गदाधराय नमः ॐ रथाङ्गपाणये नमः ॐ अन्नादाय नमः ॐ आत्मयोनये नमः ॐ अक्षोभ्याय नमः

॥ इति श्रीविष्णुसहस्रनामावितः सम्पूर्णा॥

ॐ सर्वप्रहरणायुधाय नमः १०००

॥ शिवसहस्रनामाविलः॥

 ॐ स्थिराय नमः
 ॐ भीमाय नमः

 ॐ स्थाणवे नमः
 ॐ प्रवराय नमः

 ॐ प्रभवे नमः
 ॐ वरदाय नमः

| शिवसहस्रनामाविलः | | | 96 |
|-------------------------|----|-----------------------------|----|
| ॐ वराय नमः | | ॐ खचराय नमः | |
| ॐ सर्वात्मने नमः | | ॐ गोचराय नमः | ३० |
| ॐ सर्वविख्याताय नमः | | ॐ अर्दनाय नमः | |
| ॐ सर्वस्मै नमः | १० | ॐ अभिवाद्याय नमः | |
| ॐ सर्वकराय नमः | | ॐ महाकर्मणे नमः | |
| ॐ भवाय नमः | | ॐ तपस्विने नमः | |
| ॐ जटिने नमः | | ॐ भूतभावनाय नमः | |
| ॐ चर्मिणे नमः | | ॐ उन्मत्तवेषप्रच्छन्नाय नमः | |
| ॐ शिखण्डिने नमः | | ॐ सर्वलोकप्रजापतये नमः | |
| ॐ सर्वाङ्गाय नमः | | ॐ महारूपाय नमः | |
| ॐ सर्वभावनाय नमः | | ॐ महाकायाय नमः | |
| ॐ हराय नमः | | ॐ वृषरूपाय नमः | ४० |
| ॐ हरिणाक्षाय नमः | | ॐ महायशसे नमः | |
| ॐ सर्वभूतहराय नमः | २० | ॐ महात्मने नमः | |
| ॐ प्रभवे नमः | | ॐ सर्वभूतात्मने नमः | |
| ॐ प्रवृत्तये नमः | | ॐ विश्वरूपाय नमः | |
| ॐ निवृत्तये नमः | | ॐ महाहनवे नमः | |
| ॐ नियताय नमः | | ॐ लोकपालाय नमः | |
| ॐ शाश्वताय नमः | | ॐ अन्तर्हितात्मने नमः | |

ॐ ध्रुवाय नमः

ॐ भगवते नमः

ॐ रमशानवासिने नमः

ॐ प्रसादाय नमः ॐ हयगर्दभये नमः ॐ पवित्राय नमः

| ॐ महते नमः | | ॐ अनघाय नमः | |
|---------------------------|----|-------------------|----|
| ॐ नियमाय नमः | | ॐ महातपसे नमः | |
| ॐ नियमाश्रिताय नमः | | ॐ घोरतपसे नमः | |
| ॐ सर्वकर्मणे नमः | | ॐ अदीनाय नमः | |
| ॐ स्वयम्भूताय नमः | | ॐ दीनसाधकाय नमः | |
| ॐ आदये नमः | | ॐ संवत्सरकराय नमः | |
| ॐ आदिकराय नमः | | ॐ मन्त्राय नमः | |
| ॐ निधये नमः | | ॐ प्रमाणाय नमः | ८० |
| ॐ सहस्राक्षाय नमः | | ॐ परमायतपसे नमः | |
| ॐ विशालाक्षाय नमः | ६० | ॐ योगिने नमः | |
| ॐ सोमाय नमः | | ॐ योज्याय नमः | |
| ॐ नक्षत्रसाधकाय नमः | | ॐ महाबीजाय नमः | |
| ॐ चन्द्राय नमः | | ॐ महारेतसे नमः | |
| ॐ सूर्याय नमः | | ॐ महाबलाय नमः | |
| ॐ शनये नमः | | ॐ सुवर्णरेतसे नमः | |
| ॐ केतवे नमः | | ॐ सर्वज्ञाय नमः | |
| ॐ ग्रहाय नमः | | ॐ सुबीजाय नमः | |
| ॐ ग्रहपतये नमः | | ॐ बीजवाहनाय नमः | ९० |
| ॐ वराय नमः | | ॐ दशबाहवे नमः | |
| ॐ अत्रये नमः | ७० | ॐ अनिमिषाय नमः | |
| ॐ अत्र्या नमस्कर्त्रे नमः | | ॐ नीलकण्ठाय नमः | |
| ॐ मृगबाणार्पणाय नमः | | ॐ उमापतये नमः | |
| - | | | |

| ॐ विश्वरूपाय नमः ॐ स्वयंश्रेष्ठाय नमः ॐ बलवीराय नमः ॐ अबलगणाय नमः ॐ गणकर्त्रे नमः | | ॐ स्रुवहस्ताय नमः ॐ सुरूपाय नमः ॐ तेजसे नमः ॐ तेजस्करनिधये नमः ॐ उष्णीषिणे नमः | १२० |
|--|-----|--|-----|
| ॐ गणपतये नमः ॐ दिग्वाससे नमः ॐ कामाय नमः ॐ मन्त्रविदे नमः ॐ परममन्त्राय नमः ॐ सर्वभावकराय नमः | १०० | ॐ सुवक्राय नमः ॐ उद्य्राय नमः ॐ विनताय नमः ॐ दीर्घाय नमः ॐ हरिकेशाय नमः ॐ सुतीर्थाय नमः | |
| ॐ हराय नमः ॐ कमण्डलुधराय नमः ॐ धन्विने नमः ॐ बाणहस्ताय नमः ॐ कपालवते नमः ॐ अश्वानिने नमः ॐ शतिन्ने नमः ॐ पिट्टिशिने नमः ॐ पार्ट्टिशिने नमः | ११० | ॐ कृष्णाय नमः ॐ शृगालरूपाय नमः ॐ सिद्धार्थाय नमः ॐ मु ण्डाय नमः ॐ सर्वशुभङ्कराय नमः ॐ अजाय नमः ॐ बहुरूपाय नमः ॐ गन्धधारिणे नमः ॐ उर्ध्वरेतसे नमः ॐ ऊर्ध्वलिङ्गाय नमः | १३० |
| ॐ महते नमः | | । ॐ ऊष्वालङ्गाय नमः । | |

| ॐ ऊर्ध्वशायिने नमः | ॐ निशाचराय नमः |
|-----------------------------------|---------------------------------------|
| ॐ नभस्थलाय नमः १४० | ॐ प्रेतचारिणे नमः |
| ॐ त्रिजटिने नमः | ॐ भूतचारिणे नमः |
| ॐ चीरवाससे नमः | ॐ महेश्वराय नमः |
| ॐ पार्यात्तत ननः ॐ रुद्राय नमः | ॐ बहुभूताय नमः |
| ॐ सेनापतये नमः | ॐ बहुधराय नमः |
| | । ॐ यहुवराय नमः । ॐ स्वर्भानवे नमः |
| ॐ विभवे नमः | |
| ॐ अहश्चराय नमः | ॐ अमिताय नमः |
| ॐ नक्तञ्चराय नमः | ॐ गतये नमः |
| ॐ तिग्ममन्यवे नमः | 🕉 नृत्यप्रियाय नमः १७० |
| ॐ सुवर्चसाय नमः | 🕉 नित्यनर्ताय नमः |
| ॐ गंजघ्ने नमः १५० | ॐ नर्तकाय नमः |
| ॐ दैत्यघ्ने नमः | ॐ सर्वलालसाय नमः |
| ॐ कालाय नमः | ॐ घोराय नमः |
| ॐ लोकधात्रे नमः | ॐ महातपसे नमः |
| ॐ गुणाकराय नमः | ॐ पाशाय नमः |
| ॐ सिंहशार्दूलरूपाय नमः | ॐ नित्याय नमः |
| ॐ आर्द्रचर्माम्बरावृताय नमः | ॐ गिरिरुहाय नमः |
| ॐ कालयोगिने नमः | ॐ नभसे नमः |
| ॐ महानादाय नमः | ॐ सहस्रहस्ताय नमः १८० |
| ॐ सर्वकामाय नमः | ॐ विजयाय नमः |
| ॐ चतुष्पथाय नमः १६० | ॐ व्यवसायाय नमः |
| | I |

| ॐ अतन्द्रिताय नमः | | ॐ महाकायाय नमः | |
|------------------------|-----|------------------------|-----|
| ॐ अधर्षणाय नमः | | ॐ महाननाय नमः | |
| ॐ धर्षणात्मने नमः | | ॐ विश्वक्सेनाय नमः | |
| ॐ यज्ञघ्ने नमः | | ॐ हरये नमः | |
| ॐ कामनाशकाय नमः | | ॐ यज्ञाय नमः | |
| ॐ दक्षयागापहारिणे नमः | | ॐ संयुगापीडवाहनाय नमः | २१० |
| ॐ सुसहाय नमः | | ॐ तीक्ष्णतापाय नमः | |
| ॐ मध्यमाय नमः | १९० | ॐ हर्यश्वाय नमः | |
| ॐ तेजोऽपहारिणे नमः | | ॐ सहायाय नमः | |
| ॐ बलघ्ने नमः | | ॐ कर्मकालविदे नमः | |
| ॐ मुदिताय नमः | | ॐ विष्णुप्रसादिताय नमः | |
| ॐ अर्थाय नमः | | ॐ यज्ञाय नमः | |
| ॐ अजिताय नमः | | ॐ समुद्राय नमः | |
| ॐ अवराय नमः | | ॐ बडवामुखाय नमः | |
| ॐ गम्भीरघोषय नमः | | ॐ हुताशनसहायाय नमः | |
| ॐ गम्भीराय नमः | | ॐ प्रशान्तात्मने नमः | २२० |
| ॐ गम्भीरबलवाहनाय नमः | | ॐ हुताशनाय नमः | |
| ॐ न्यग्रोधरूपाय नमः | २०० | ॐ उग्रतेजसे नमः | |
| ॐ न्यग्रोधाय नमः | | ॐ महातेजसे नमः | |
| ॐ वृक्षकर्णस्थितये नमः | | ॐ जन्याय नमः | |
| ॐ विभवे नमः | | ॐ विजयकालविदे नमः | |
| ॐ सुतीक्ष्णद्शनाय नमः | | ॐ ज्योतिषामयनाय नमः | |
| 9 | | | |

| ॐ सिद्धये नमः | | ॐ अमुखाय नमः | |
|-------------------------|-----|-----------------------------|-----|
| ॐ सर्वविग्रहाय नमः | | ॐ विमोचनाय नमः | २५० |
| ॐ शिखिने नमः | | ॐ सुसरणाय नमः | |
| ॐ मुण्डिने नमः | २३० | ॐ हिरण्यकवचोद्भवाय नमः | ; |
| ॐ जटिने नमः | | ॐ मेढ्रजाय नमः | |
| ॐ ज्वलिने नमः | | ॐ बलचारिणे नमः | |
| ॐ मूर्तिजाय नमः | | ॐ महीचारिणे नमः | |
| ॐ मूर्धगाय नमः | | ॐ स्रुताय नमः | |
| ॐ बलिने नमः | | ॐ सर्वतूर्यनिनादिने नमः | |
| ॐ वेणविने नमः | | ॐ सर्वतोद्यपरिग्रहाय नमः | |
| ॐ पणविने नमः | | ॐ व्यालरूपाय नमः | |
| ॐ तालिने नमः | | ॐ गुहावासिने नमः | २६० |
| ॐ खलिने नमः | | ॐ गुहाय नमः | |
| ॐ कालकटङ्कटाय नमः | २४० | ॐ मालिने नमः | |
| ॐ नक्षत्रविग्रहमतये नमः | | ॐ तरङ्गविदे नमः | |
| ॐ गुणबुद्धये नमः | | ॐ त्रिद्शाय नमः | |
| ॐ लयाय नमः | | ॐ त्रिकालधृषे नमः | |
| ॐ अगमाय नमः | | ॐ कर्मसर्वबन्धविमोचनाय | नमः |
| ॐ प्रजापतये नमः | | ॐ असुरेन्द्राणां बन्धनाय नग | |
| ॐ विश्वबाहवे नमः | | ॐ युधि रात्रुविनारानाय नम | : |
| ॐ विभागाय नमः | | ॐ साङ्ख्यप्रसादाय नमः | |
| ॐ सर्वगाय नमः | | ॐ दुर्वाससे नमः | २७० |
| | | | |

| | ı | | |
|-------------------------|-----|-----------------------|-----|
| ॐ सर्वसाधुनिषेविताय नमः | | ॐ सर्पचीरनिवासनाय नमः | |
| ॐ प्रस्कन्द्नाय नमः | | ॐ मुख्याय नमः | |
| ॐ विभागज्ञाय नमः | | ॐ अमुख्याय नमः | |
| ॐ अतुल्याय नमः | | ॐ देहाय नमः | |
| ॐ यज्ञविभागविदे नमः | | ॐ काहलये नमः | |
| ॐ सर्ववासाय नमः | | ॐ सर्वकामदाय नमः | |
| ॐ सर्वचारिणे नमः | | ॐ सर्वकालप्रसादाय नमः | |
| ॐ दुर्वाससे नमः | | ॐ सुबलाय नमः | ३०० |
| ॐ वासवाय नमः | | ॐ बलरूपधृषे नमः | |
| ॐ अमराय नमः | २८० | ॐ सर्वकामवराय नमः | |
| ॐ हैमाय नमः | | ॐ सर्वदाय नमः | |
| ॐ हेमकराय नमः | | ॐ सर्वतोमुखाय नमः | |
| ॐ अयज्ञाय नमः | | ॐ आकाशनिर्विरूपाय नमः | |
| ॐ सर्वधारिणे नमः | | ॐ निपातिने नमः | |
| ॐ धरोत्तमाय नमः | | ॐ अवशाय नमः | |
| ॐ लोहिताक्षाय नमः | | ॐ खगाय नमः | |
| ॐ महाक्षाय नमः | | ॐ रौद्ररूपाय नमः | |
| ॐ विजयाक्षाय नमः | | ॐ अंशवे नमः | ३१० |
| ॐ विशारदाय नमः | | ॐ आदित्याय नमः | |
| ॐ सङ्ग्रहाय नमः | २९० | ॐ बहुरइमये नमः | |
| ॐ निग्रहाय नमः | | ॐ सुवर्चिसने नमः | |
| ॐ कर्त्रे नमः | | ॐ वसुवेगाय नमः | |
| | | · | |

| ॐ महावेगाय नमः | | ॐ वामाय नमः | |
|---------------------|-----|-----------------------|-----|
| ॐ मनोवेगाय नमः | | ॐ प्राचे नमः | |
| ॐ निशाचराय नमः | | ॐ दक्षिणाय नमः | |
| ॐ सर्ववासिने नमः | | ॐ वामनाय नमः | ३४० |
| ॐ श्रियावासिने नमः | | ॐ सिद्धयोगिने नमः | |
| ॐ उपदेशकराय नमः | ३२० | ॐ महर्षये नमः | |
| ॐ अकराय नमः | | ॐ सिद्धार्थाय नमः | |
| ॐ मुनये नमः | | ॐ सिद्धसाधकाय नमः | |
| ॐ आत्मनिरालोकाय नमः | | ॐ भिक्षवे नमः | |
| ॐ सम्भग्नाय नमः | | ॐ भिक्षुरूपाय नमः | |
| ॐ सहस्रदाय नमः | | ॐ विपणाय नमः | |
| ॐ पक्षिणे नमः | | ॐ मृदवे नमः | |
| ॐ पक्षरूपाय नमः | | ॐ अव्ययाय नमः | |
| ॐ अतिदीप्ताय नमः | | ॐ महासेनाय नमः | ३५० |
| ॐ विशाम्पतये नमः | | ॐ विशाखाय नमः | |
| ॐ उन्मादाय नमः | ३३० | ॐ षष्टिभागाय नमः | |
| ॐ मदनाय नमः | | ॐ गवां पतये नमः | |
| ॐ कामाय नमः | | ॐ वज्रहस्ताय नमः | |
| ॐ अश्वत्थाय नमः | | ॐ विष्कम्भिने नमः | |
| ॐ अर्थकराय नमः | | ॐ चमूस्तम्भनाय नमः | |
| ॐ यशसे नमः | | ॐ वृत्तावृत्तकराय नमः | |
| ॐ वामदेवाय नमः | | ॐ तालाय नमः | |
| • | | | |

| ॐ मधवे नमः | 🛮 ॐ नन्दिवर्धनाय नमः |
|--------------------------|--------------------------|
| ॐ मधुकलोचनाय नमः ३६० | ॐ भगहारिणे नमः |
| ॐ वाचस्पत्याय नमः | ॐ निहन्त्रे नमः |
| ॐ वाजसनाय नमः | ॐ कालाय नमः |
| ॐ नित्यमाश्रमपूजिताय नमः | ॐ ब्रह्मणे नमः |
| ॐ ब्रह्मचारिणे नमः | ॐ पितामहाय नमः |
| ॐ लोकचारिणे नमः | ॐ चतुर्मुखाय नमः |
| ॐ सर्वचारिणे नमः | ॐ महालिङ्गाय नमः |
| ॐ विचारविदे नमः | ॐ चारुलिङ्गाय नमः |
| ॐ ईशानाय नमः | ॐ लिङ्गाध्यक्षाय नमः ३९० |
| ॐ ईश्वराय नमः | ॐ सुराध्यक्षाय नमः |
| ॐ कालाय नमः ३७० | ॐ योगाध्यक्षाय नमः |
| ॐ निशाचारिणे नमः | ॐ युगावहाय नमः |
| ॐ पिनाकवते नमः | ॐ बीजाध्यक्षाय नमः |
| ॐ निमित्तस्थाय नमः | ॐ बीजकर्त्रे नमः |
| ॐ निमित्ताय नमः | ॐ अध्यात्मानुगताय नमः |
| ॐ नन्दये नमः | ॐ बलाय नमः |
| ॐ नन्दिकराय नमः | ॐ इतिहासाय नमः |
| ॐ हरये नमः | ॐ सकल्पाय नमः |
| ॐ नन्दीश्वराय नमः | ॐ गौतमाय नमः ४०० |
| ॐ नन्दिने नमः | ॐ निशाकराय नमः |
| ॐ नन्दनाय नमः ३८० | ॐ दम्भाय नमः |
| | 1 |

| « эттэнн ти. | | * - | |
|----------------------|-----|-------------------------|-----|
| ॐ अदम्भाय नमः | | ॐ अमित्रजिते नमः | |
| ॐ वैदम्भाय नमः | | ॐ वेदकाराय नमः | |
| ॐ वश्याय नमः | | ॐ मन्त्रकाराय नमः | |
| ॐ वशकराय नमः | | ॐ विदुषे नमः | |
| ॐ कलये नमः | | ॐ समरमर्दनाय नमः | |
| ॐ लोककर्त्रे नमः | | ॐ महामेघनिवासिने नमः | ४३० |
| ॐ पशुपतये नमः | | ॐ महाघोराय नमः | |
| ॐ महाकर्त्रे नमः | ४१० | ॐ वशिने नमः | |
| ॐ अनौषधाय नमः | | ॐ कराय नमः | |
| ॐ अक्षराय नमः | | ॐ अग्निज्वालाय नमः | |
| ॐ परमाय ब्रह्मणे नमः | | ॐ महाज्वालाय नमः | |
| ॐ बलवते नमः | | ॐ अतिधूम्राय नमः | |
| ॐ शकाय नमः | | ॐ हुताय नमः | |
| ॐ नीतये नमः | | ॐ हविषे नमः | |
| ॐ अनीतये नमः | | ॐ वृषणाय नमः | |
| ॐ शुद्धात्मने नमः | | ॐ शङ्कराय नमः | ४४० |
| ॐ शुद्धाय नमः | | ॐ नित्यं वर्चस्विने नमः | |
| ॐ मान्याय नमः | ४२० | ॐ धूमकेतनाय नमः | |
| ॐ गतागताय नमः | | ॐ नीलाय नमः | |
| ॐ बहुप्रसादाय नमः | | ॐ अङ्गलुब्धाय नमः | |
| ॐ सुस्वप्राय नमः | | ॐ शोभनाय नमः | |
| ॐ द्र्पणाय नमः | | ॐ निरवग्रहाय नमः | |
| | | | |

| ॐ स्वस्तिदाय नमः | ॐ महाहनवे नमः |
|------------------------------|---------------------|
| ॐ स्वस्तिभावाय नमः | ॐ महानासाय नमः ४७० |
| ॐ भागिने नमः | ॐ महाकम्बवे नमः |
| ॐ भागकराय नमः ४५० | ॐ महाग्रीवाय नमः |
| ॐ लघवे नमः | ॐ रमशानभाजे नमः |
| ॐ उत्सङ्गाय नमः | ॐ महावक्षसे नमः |
| ॐ महाङ्गाय नमः | ॐ महोरस्काय नमः |
| ॐ महागर्भप्रायणाय नमः | ॐ अन्तरात्मने नमः |
| ॐ कृष्णवर्णाय नमः | ॐ मृगालयाय नमः |
| ॐ सुवर्णाय नमः | ॐ लम्बनाय नमः |
| ॐ सर्वदेहिनां इन्द्रियाय नमः | ॐ लम्बितोष्ठाय नमः |
| ॐ महापादाय नमः | ॐ महामायाय नमः ४८० |
| ॐ महाहस्ताय नमः | ॐ पयोनिधये नमः |
| 🕉 महाकायाय नमः 💎 ४६० | ॐ महाद्न्ताय नमः |
| ॐ महायशसे नमः | ॐ महाद्ंष्ट्राय नमः |
| ॐ महामूर्भे नमः | ॐ महाजिह्वाय नमः |
| ॐ महामात्राय नमः | ॐ महामुखाय नमः |
| ॐ महानेत्राय नमः | ॐ महानखाय नमः |
| ॐ निशालयाय नमः | ॐ महारोम्णे नमः |
| ॐ महान्तकाय नमः | ॐ महाकोशाय नमः |
| 🕉 महाकर्णाय नमः | ॐ महाजटाय नमः |
| ॐ महोष्ठाय नमः | ॐ प्रसन्नाय नमः ४९० |
| | I |

| ॐ प्रसादाय नमः | ॐ प्रसादाय नमः | |
|---------------------------|---------------------|-----|
| ॐ प्रत्ययाय नमः | ॐ अभिगम्याय नमः | |
| ॐ गिरिसाधनाय नमः | ॐ सुदर्शनाय नमः | |
| ॐ स्नेहनाय नमः | ॐ उपकाराय नमः | |
| ॐ अस्नेहनाय नमः | ॐ प्रियाय नमः | |
| ॐ अजिताय नमः | ॐ सर्वस्मै नमः | |
| ॐ महामुनये नमः | ॐ कनकाय नमः | |
| ॐ वृक्षाकाराय नमः | ॐ कञ्चनच्छवये नमः | ५२० |
| ॐ वृक्षकेतवे नमः | ॐ नाभये नमः | |
| ॐ अनलाय नमः ५०० | ॐ नन्दिकराय नमः | |
| ॐ वायुवाहनाय नमः | ॐ भावाय नमः | |
| ॐ गण्डलिने नमः | ॐ पुष्करस्थपतये नमः | |
| ॐ मेरुधाम्ने नमः | ॐ स्थिराय नमः | |
| ॐ देवाधिपतये नमः | ॐ द्वादशाय नमः | |
| ॐ अथर्वशीर्षाय नमः | ॐ त्रासनाय नमः | |
| ॐ सामास्याय नमः | ॐ आद्याय नमः | |
| ॐ ऋक्सहस्रामितेक्षणाय नमः | ॐ यज्ञाय नमः | |
| ॐ यजुः पाद् भुजाय नमः | ॐ यज्ञसमाहिताय नमः | ५३० |
| ॐ गुह्याय नमः | ॐ नक्ताय नमः | |
| ॐ प्रकाशाय नमः ५१० | ॐ कलये नमः | |
| ॐ जङ्गमाय नमः | ॐ कालाय नमः | |
| ॐ अमोघार्थाय नमः | ॐ मकराय नमः | |
| | | |

| ॐ कालपूजिताय नमः | | ॐ विशालशाखाय नमः | |
|---------------------|-----|--------------------|-----|
| ॐ सगणाय नमः | | ॐ ताम्रोष्ठाय नमः | |
| ॐ गणकाराय नमः | | ॐ अम्बुजालाय नमः | |
| ॐ भूतवाहनसारथये नमः | | ॐ सुनिश्चलाय नमः | ५६० |
| ॐ भरमशयाय नमः | | ॐ कपिलाय नमः | |
| ॐ भस्मगोघ्रे नमः | 480 | ॐ कपिशाय नमः | |
| ॐ भस्मभूताय नमः | | ॐ शुक्काय नमः | |
| ॐ तरवे नमः | | ॐ आयुषे नमः | |
| ॐ गणाय नमः | | ॐ परस्मै नमः | |
| ॐ लोकपालाय नमः | | ॐ अपरस्मै नमः | |
| ॐ अलोकाय नमः | | ॐ गन्धर्वाय नमः | |
| ॐ महात्मने नमः | | ॐ अदितये नमः | |
| ॐ सर्वपूजिताय नमः | | ॐ तार्क्ष्याय नमः | |
| ॐ शुक्काय नमः | | ॐ सुविज्ञेयाय नमः | ५७० |
| ॐ त्रिशुक्काय नमः | | ॐ सुशारदाय नमः | |
| ॐ सम्पन्नाय नमः | ५५० | ॐ परश्वधायुधाय नमः | |
| ॐ शुचये नमः | | ॐ देवाय नमः | |
| ॐ भूतनिषेविताय नमः | | ॐ अनुकारिणे नमः | |
| ॐ आश्रमस्थाय नमः | | ॐ सुबान्धवाय नमः | |
| ॐ क्रियावस्थाय नमः | | ॐ तुम्बवीणाय नमः | |
| ॐ विश्वकर्ममतये नमः | | ॐ महाक्रोधाया नमः | |
| ॐ वराय नमः | | ॐ ऊर्घ्वरेतसे नमः | |
| | | | |

| ॐ जलेशयाय नमः | 🛮 ॐ अधनाय नमः |
|-----------------------|--------------------|
| ॐ उग्राय नमः ५८० | ॐ अमरेशाय नमः |
| ॐ वंशकराय नमः | ॐ महादेवाय नमः |
| ॐ वंशाय नमः | ॐ विश्वदेवाय नमः |
| ॐ वंशनादाय नमः | ॐ सुरारिघ्ने नमः |
| ॐ अनिन्दिताय नमः | ॐ अहिर्बुध्याय नमः |
| ॐ सर्वाङ्गरूपाय नमः | ॐ अनिलाभाय नमः |
| ॐ मायाविने नमः | ॐ चेकितानाय नमः |
| ॐ सुहृदे नमः | ॐ हविषे नमः |
| ॐ अनिलाय नमः | ॐ अजैकपदे नमः ६१० |
| ॐ अनलाय नमः | ॐ कापालिने नमः |
| ॐ बन्धनाय नमः ५९० | ॐ त्रिशङ्कवे नमः |
| ॐ बन्धकर्त्रे नमः | 🕉 अजिताय नमः |
| ॐ सुबन्धनविमोचनाय नमः | ॐ शिवाय नमः |
| ॐ सयज्ञारये नमः | ॐ धन्वन्तरये नमः |
| ॐ सकामारये नमः | ॐ धूमकेतवे नमः |
| ॐ महादंष्ट्राय नमः | ॐ स्कन्दाय नमः |
| ॐ महायुधाय नमः | ॐ वैश्रवणाय नमः |
| ॐ बहुधानिन्दिताय नमः | ॐ धात्रे नमः |
| ॐ शर्वाय नमः | ॐ शकाय नमः ६२० |
| ॐ राङ्कराय नमः | ॐ विष्णवे नमः |
| ॐ राङ्कराय नमः ६०० | ॐ मित्राय नमः |
| | |

| ॐ त्वष्ट्रे नमः | | ॐ पुराणाय नमः |
|-----------------------|-----|-------------------------------|
| ॐ धृवाय नमः | | ॐ पुण्यचञ्जुरिणे नमः |
| ॐ घराय नमः | | ॐ कुरुकर्त्रे नमः |
| ॐ प्रभावाय नमः | | ॐ कुरुवासिने नमः |
| ॐ सर्वगाय वायवे नमः | | ॐ कुरुभूताय नमः |
| ॐ अर्यम्णे नमः | | ॐ गुणौषधाय नमः ६५० |
| ॐ सवित्रे नमः | | ॐ सर्वाशयाय नमः |
| ॐ रवये नमः | ६३० | ॐ दर्भचारिणे नमः |
| ॐ उषङ्गवे नमः | | ॐ सर्वेषां प्राणिनां पतये नमः |
| ॐ विधात्रे नमः | | ॐ देवदेवाय नमः |
| ॐ मान्धात्रे नमः | | ॐ सुखासक्ताय नमः |
| ॐ भूतभावनाय नमः | | ॐ सते नमः |
| ॐ विभवे नमः | | ॐ असते नमः |
| ॐ वर्णविभाविने नमः | | ॐ सर्वरत्नविदे नमः |
| ॐ सर्वकामगुणावहाय नमः | | ॐ कैलासगिरिवासिने नमः |
| ॐ पद्मनाभाय नमः | | ॐ हिमवद्गिरिसंश्रयाय नमः ६६० |
| ॐ महागर्भाय नमः | | ॐ कूलहारिणे नमः |
| ॐ चन्द्रवऋाय नमः | ६४० | ॐ कूलकर्त्रे नमः |
| ॐ अनिलाय नमः | | ॐ बहुविद्याय नमः |
| ॐ अनलाय नमः | | ॐ बहुप्रदाय नमः |
| ॐ बलवते नमः | | ॐ वणिजाय नमः |
| ॐ उपशान्ताय नमः | | ॐ वर्धकिने नमः |

| ॐ सभावनाय नमः |
|----------------------------|
| ॐ भूतालयाय नमः ६९० |
| ॐ भूतपतये नमः |
| ॐ अहोरात्राय नमः |
| ॐ अनिन्दिताय नमः |
| ॐ सर्वभूतानां वाहित्रे नमः |
| ॐ सर्वभूतानां निलयाय नमः |
| ॐ विभवे नमः |
| ॐ भवाय नमः |
| ॐ अमोघाय नमः |
| ॐ संयताय नमः |
| ॐ अश्वाय नमः ७०० |
| ॐ भोजनाय नमः |
| ॐ प्राणधारणाय नमः |
| ॐ धृतिमते नमः |
| ॐ मतिमते नमः |
| ॐ दक्षाय नमः |
| ॐ सत्कृताय नमः |
| ॐ युगाधिपाय नमः |
| ॐ गोपालये नमः |
| ॐ गोपतये नमः |
| ॐ ग्रामाय नमः ७१० |
| |

| ॐ गोचर्मवसनाय नमः | ॐ सर्वगन्धसुखाहवाय नमः |
|----------------------------|---------------------------|
| ॐ हरये नमः | ॐ तोरणाय नमः |
| ॐ हिरण्यबाहवे नमः | ॐ तारणाय नमः |
| ॐ प्रवेशिनां गुहापालाय नमः | ॐ वाताय नमः |
| ॐ प्रकृष्टारये नमः | ॐ परिध्यै नमः |
| ॐ महाहर्षाय नमः | ॐ पतिखेचराय नमः |
| ॐ जितकामाय नमः | ॐ संयोग वर्धनाय नमः |
| ॐ जितेन्द्रियाय नमः | । ॐ वृद्धाय नमः ७४० |
| ॐ गान्धाराय नमः | ॐ अतिवृद्धाय नमः |
| ॐ सुवासाय नमः ७२० | ॐ गुणाधिकाय नमः |
| ॐ तपस्सक्ताय नमः | ॐ नित्याय आत्मसहायाय नमः |
| ॐ रतये नमः | ॐ देवासुरपतये नमः |
| ॐ नराय नमः | ॐ पत्ये नमः |
| ॐ महागीताय नमः | ॐ युक्ताय नमः |
| ॐ महानृत्याय नमः | ॐ युक्तबाहवे नमः |
| ॐ अप्सरोगणसेविताय नमः | ॐ देवाय दिविसुपर्वणाय नमः |
| ॐ महाकेतवे नमः | ॐ आषाढाय नमः |
| ॐ महाधातवे नमः | ॐ सुषाढाय नमः ७५० |
| ॐ नैकसानुचराय नमः | ॐ ध्रुवाय नमः |
| ॐ चलाय नमः ७३० | ॐ हरिणाय नमः |
| ॐ आवेदनीयाय नमः | ॐ हराय नमः |
| ॐ आदेशाय नमः | ॐ आवर्तमानेभ्योवपुषे नमः |
| • | ı |

ॐ व्यक्ताव्यक्ताय नमः ॐ वसुश्रेष्ठाय नमः ॐ तपोनिधये नमः ॐ महापथाय नमः ॐ विमर्शाय शिरोहारिणे नमः ॐ आरोहणाय नमः ॐ अधिरोहाय नमः ॐ सर्वलक्षणलक्षिताय नमः 960 ॐ शीलधारिणे नमः ॐ अक्षाय रथयोगिने नमः ॐ महायशसे नमः ॐ सर्वयोगिने नमः 030 ॐ सेनाकल्पाय नमः ॐ महाबलाय नमः ॐ महाकल्पाय नमः ॐ समाम्नायाय नमः ॐ योगाय नमः ॐ असमाम्नायाय नमः ॐ तीर्थदेवाय नमः ॐ युगकराय नमः ॐ हरये नमः ॐ महारथाय नमः ॐ निर्जीवाय नमः ॐ युगरूपाय नमः ॐ जीवनाय नमः ॐ महारूपाय नमः ॐ महानागहनाय नमः ७९० ॐ मन्त्राय नमः ॐ अवधाय नमः ॐ शुभाक्षाय नमः ॐ बहुकर्कशाय नमः ॐ न्यायनिर्वपणाय नमः 000 ॐ पादाय नमः ॐ रत्नप्रभूताय नमः ॐ पण्डिताय नमः ॐ रलाङ्गाय नमः ॐ अचलोपमाय नमः ॐ महार्णवनिपानविदे नमः ॐ बहुमालाय नमः ॐ मूलाय नमः ॐ महामालाय नमः ॐ विशालाय नमः ॐ शशिने हरसुलोचनाय नमः ॐ अमृताय नमः

| ॐ विस्ताराय लवणाय | 🕉 सर्वलोचनाय नमः 💎 ८२० |
|-----------------------------|------------------------------|
| कूपाय नमः | ॐ तलस्तालाय नमः |
| ॐ त्रियुगाय नमः ८०० | ॐ करस्थालिने नमः |
| ॐ सफलोदयाय नमः | ॐ ऊर्ध्वसंहननाय नमः |
| ॐ त्रिलोचनाय नमः | ॐ महते नमः |
| ॐ विषण्णाङ्गाय नमः | ॐ छत्राय नमः |
| ॐ मणिविद्धाय नमः | ॐ सुच्छत्राय नमः |
| ॐ जटाधराय नमः | ॐ विख्यातलोकाय नमः |
| ॐ विन्दवे नमः | ॐ सर्वाश्रयाय क्रमाय नमः |
| ॐ विसर्गाय नमः | ॐ मु ण्डाय नमः |
| ॐ सुमुखाय नमः | ॐ विरूपाय नमः ८३० |
| ॐ शराय नमः | ॐ विकृताय नमः |
| ॐ सर्वायुधाय नमः ८१० | ॐ दण्डिने नमः |
| ॐ सहाय नमः | ॐ कुण्डिने नमः |
| ॐ निवेदनाय नमः | ॐ विकुर्वणाय नमः |
| ॐ सुखाजाताय नमः | ॐ हर्यक्षाय नमः |
| ॐ सुगन्धाराय नमः | ॐ ककुभाय नमः |
| ॐ महाधनुषे नमः | ॐ वज्रिणे नमः |
| ॐ भगवते गन्धपालिने नमः | ॐ शतजिह्वाय नमः |
| ॐ सर्वकर्मणां उत्थानाय नमः | ॐ सहस्रपादे सहस्रमुध्नें नमः |
| ॐ मन्थानाय बहुलाय वायवे नमः | ॐ देवेन्द्राय नमः ८४० |
| ॐ सकलाय नमः | ॐ सर्वदेवमयाय नमः |
| | I |

| ॐ नैकात्मने नमः |
|------------------------------|
| ॐ स्वयम्भुवाय तिग्मतेजसे नमः |
| ॐ ऊर्ध्वगात्मने नमः |
| ॐ पशुपतये नमः |
| ॐ वातरंहसे नमः |
| ॐ मनोजवाय नमः |
| ॐ चन्दिनने नमः ८७० |
| ॐ पद्मनालाग्राय नमः |
| ॐ सुरभ्युत्तरणाय नमः |
| ॐ नराय नमः |
| ॐ कर्णिकारमहास्त्रग्विणे नमः |
| ॐ नीलमौलये नमः |
| ॐ पिनाकधृते नमः |
| ॐ उमापतये नमः |
| ॐ उमाकान्ताय नमः |
| ॐ जाह्नवीधृते नमः |
| ॐ उमाधवाय नमः ८८० |
| ॐ वराय वराहाय नमः |
| ॐ वरदाय नमः |
| ॐ वरेण्याय नमः |
| ॐ सुमहास्वनाय नमः |
| ॐ महाप्रसादाय नमः |
| |

| ॐ दमनाय नमः | ॐ मासाय नमः | |
|---------------------------|----------------------------|-----|
| ॐ शत्रुघ्ने नमः | ॐ पक्षाय नमः | |
| ॐ श्वेतपिङ्गलाय नमः | ॐ सङ्खासमापनाय नमः | |
| ॐ पीतात्मने नमः | ॐ कलाभ्यो नमः | ९१० |
| ॐ परमात्मने नमः ८९० | ॐ काष्टाभ्यो नमः | |
| ॐ प्रयतात्माने नमः | ॐ लवेभ्यो नमः | |
| ॐ प्रधानधृते नमः | ॐ मात्राभ्यो नमः | |
| ॐ सर्वपार्श्वमुखाय नमः | ॐ मुहूर्ताहः क्षपाभ्यो नमः | |
| ॐ त्र्यक्षाय नमः | ॐ क्षणेभ्यो नमः | |
| ॐ धर्मसाधारणाय वराय नमः | ॐ विश्वक्षेत्राय नमः | |
| ॐ चराचरात्मने नमः | ॐ प्रजाबीजाय नमः | |
| ॐ सूक्ष्मात्मने नमः | ॐ लिङ्गाय नमः | |
| ॐ अमृताय गोवृषेश्वराय नमः | ॐ आद्याय निर्गमाय नमः | |
| ॐ साध्यर्षये नमः | ॐ सते नमः | ९२० |
| ॐ आदित्याय वसवे नमः ९०० | ॐ असते नमः | |
| ॐ विवस्वते सवितामृताय नमः | ॐ व्यक्ताय नमः | |
| ॐ व्यासाय नमः | ॐ अव्यक्ताय नमः | |
| ॐ सुसङ्खेपाय विस्तराय | ॐ पित्रे नमः | |
| सर्गाय नमः | ॐ मात्रे नमः | |
| ॐ पर्ययाय नराय नमः | ॐ पितामहाय नमः | |
| ॐ ऋतवे नमः | ॐ स्वर्गद्वाराय नमः | |
| ॐ संवत्सराय नमः | ॐ प्रजाद्वाराय नमः | |
| | | |

| ॐ मोक्षद्वाराय नमः | ॐ अचिन्त्याय नमः |
|------------------------------|---------------------|
| ॐ त्रिविष्टपाय नमः ९३० | ॐ देवतात्मने नमः |
| ॐ निर्वाणाय नमः | ॐ आत्मसम्भवाय नमः |
| ॐ ह्रादनाय नमः | ॐ उद्भिदे नमः |
| ॐ ब्रह्मलोकाय नमः | ॐ त्रिविकमाय नमः |
| ॐ परस्यै गतये नमः | ॐ वैद्याय नमः |
| ॐ देवासुर विनिर्मात्रे नमः | ॐ विरजसे नमः |
| ॐ देवासुरपरायणाय नमः | ॐ नीरजसे नमः |
| ॐ देवासुरगुरवे नमः | ॐ अमराय नमः |
| ॐ देवाय नमः | ॐ ईड्याय नमः ९६० |
| ॐ देवासुर नमस्कृताय नमः | ॐ हस्तीश्वराय नमः |
| ॐ देवासुर महामात्राय नमः ९४० | ॐ व्याघ्राय नमः |
| ॐ देवासुर गणाश्रयाय नमः | ॐ देवसिंहाय नमः |
| ॐ देवासुरगणाध्यक्षाय नमः | ॐ नरर्षभाय नमः |
| ॐ देवासुर गणाग्रण्ये नमः | ॐ विबुधाय नमः |
| ॐ देवातिदेवाय नमः | ॐ अग्रवराय नमः |
| ॐ देवर्षये नमः | ॐ सूक्ष्माय नमः |
| ॐ देवासुरवरप्रदाय नमः | ॐ सर्वेदेवाय नमः |
| ॐ देवासुरेश्वराय नमः | ॐ तपोमयाय नमः |
| ॐ विश्वस्मै नमः | ॐ सुयुक्ताय नमः ९७० |
| ॐ देवासुरमहेश्वराय नमः | ॐ शोभनाय नमः |
| ॐ सर्वदेवमयाय नमः ९५० | ॐ वज्रिणे नमः |
| | |

ॐ प्रासानां प्रभवाय नमः

ॐ अव्ययाय नमः

ॐ गुहाय नमः

ॐ कान्ताय नमः

ॐ निजाय सर्गाय नमः

ॐ पवित्राय नमः

ॐ सर्वपावनाय नमः

ॐ श्रङ्गिणे नमः ॐ श्रङ्गप्रियाय नमः

ॐ बभ्रवे नमः

ॐ राजराजाय नमः

ॐ निरामयाय नमः

ॐ अभिरामाय नमः

ॐ सुरगणाय नमः

ॐ विरामाय नमः

ॐ सर्वसाधनाय नमः

ॐ ललाटाक्षाय नमः

ॐ विश्वदेवाय नमः ९९

ॐ हरिणाय नमः

ॐ ब्रह्मवर्चसे नमः

ॐ स्थावराणां पतये नमः

ॐ नियमेन्द्रियवर्धनाय नमः

ॐ सिद्धार्थाय नमः

ॐ सिद्धभूतार्थाय नमः

ॐ अचिन्त्याय नमः

ॐ सत्यव्रताय नमः

ॐ शुचये नमः

ॐ व्रताधिपाय नमः १०००

ॐ परस्मै नमः

ॐ ब्रह्मणे नमः

ॐ भक्तानां परमायै गतये नमः

ॐ विमुक्ताय नमः

ॐ मुक्ततेजसे नमः

ॐ श्रीमते नमः

ॐ श्रीवर्धनाय नमः

ॐ जगते नमः

॥ इति श्रीशिवसहस्रनामाविलः सम्पूर्णा॥

९८०

॥ सरस्वतीसहस्रनामावलिः ॥

| ॐ वाचे नमः | | ॐ वृष्टिप्रदायिन्यै नमः | |
|----------------------------|----|----------------------------|----|
| ॐ वाण्यै नमः | | ॐ विश्वाराध्यायै नमः | |
| ॐ वरदायै नमः | | ॐ विश्वमात्रे नमः | |
| ॐ वन्द्यायै नमः | | ॐ विश्वधात्र्ये नमः | |
| ॐ वरारोहायै नमः | | ॐ विनायकायै नमः | |
| ॐ वरप्रदायै नमः | | ॐ विश्वशक्त्ये नमः | |
| ॐ वृत्त्यै नमः | | ॐ विश्वसारायै नमः | |
| ॐ वागीश्वर्यें नमः | | ॐ विश्वायै नमः | ३० |
| ॐ वार्तायै नमः | | ॐ विश्वविभावर्यें नमः | |
| ॐ वरायै नमः | १० | ॐ वेदान्तवेदिन्यै नमः | |
| ॐ वागीशवल्लभायै नमः | | ॐ वेद्यायै नमः | |
| ॐ विश्वेश्वर्यें नमः | | ॐ वित्तायै नमः | |
| ॐ विश्ववन्द्यायै नमः | | ॐ वेदत्रयात्मिकायै नमः | |
| ॐ विश्वेशप्रियकारिण्यै नमः | | ॐ वेदज्ञायै नमः | |
| ॐ वाग्वादिन्यै नमः | | ॐ वेदजनन्यै नमः | |
| ॐ वाग्देव्ये नमः | | ॐ विश्वायै नमः | |
| ॐ वृद्धिदायै नमः | | ॐ विश्वविभावर्ये नमः | |
| ॐ वृद्धिकारिण्ये नमः | | ॐ वरेण्यायै नमः | 80 |
| ॐ वृद्धे नमः | | ॐ वाङ्मय्यै नमः | |
| ॐ वृद्धाये नमः | २० | ॐ वृद्धायै नमः | |
| ॐ विषघ्न्यै नमः | | ॐ विशिष्टप्रियकारिण्यै नमः | |
| ॐ वृष्ट्ये नमः | | ॐ विश्वतोवद्नायै नमः | |
| | | I | |

| ॐ व्याप्तायै नमः | | ॐ गोप्यायै नमः | |
|----------------------------|----|--------------------------|----|
| ॐ व्यापिन्यै नमः | | ॐ गन्धर्वनगरप्रियायै नमः | |
| ॐ व्यापकात्मिकायै नमः | | ॐ गुणमात्रे नमः | |
| ॐ व्याल्रह्ये नमः | | ॐ गुहान्तस्थायै नमः | ७० |
| ॐ व्यालभूषाञ्चे नमः | | ॐ गुरुरूपायै नमः | |
| ॐ विरजायै नमः | ५० | ॐ गुरुप्रियायै नमः | |
| ॐ वेदनायिकायै नमः | | ॐ गिरिविद्यायै नमः | |
| ॐ वेदवेदान्तसंवेद्यायै नमः | | ॐ गानतुष्टायै नमः | |
| ॐ वेदान्तज्ञानरूपिण्यै नमः | | ॐ गायकप्रियकारिण्यै नमः | |
| ॐ विभावर्थें नमः | | ॐ गायत्र्यै नमः | |
| ॐ विक्रान्तायै नमः | | ॐ गिरिशाराध्यायै नमः | |
| ॐ विश्वामित्रायै नमः | | ॐ गिरे नमः | |
| ॐ विधिप्रियायै नमः | | ॐ गिरीशप्रियङ्कर्यें नमः | |
| ॐ वरिष्ठायै नमः | | ॐ गिरिज्ञायै नमः | ८० |
| ॐ विप्रकृष्टायै नमः | | ॐ ज्ञानविद्याये नमः | |
| ॐ विप्रवर्यप्रपूजितायै नमः | ξo | ॐ गिरिरूपायै नमः | |
| ॐ वेदरूपायै नमः | | ॐ गिरीश्वर्यें नमः | |
| ॐ वेदमय्यै नमः | | ॐ गीर्मात्रे नमः | |
| ॐ वेदमूर्त्ये नमः | | ॐ गणसंस्तुत्यायै नमः | |
| ॐ वल्लभायै नमः | | ॐ गणनीयगुणान्वितायै नमः | |
| ॐ गौर्यें नमः | | ॐ गूढरूपायै नमः | |
| ॐ गुणवत्यै नमः | | ॐ गुहाये नमः | |
| | | | |

| ॐ गोप्यायै नमः | ॐ गोमत्यै नमः |
|-----------------------------|---------------------------|
| ॐ गोरूपायै नमः ९० | ॐ गुणशालिन्यै नमः |
| ॐ गवे नमः | ॐ शारदायै नमः |
| ॐ गुणात्मिकायै नमः | ॐ शाश्वत्यै नमः |
| ॐ गुर्व्ये नमः | ॐ शैव्यै नमः |
| ॐ गुर्वम्बिकायै नमः | ॐ शाङ्कर्यें नमः |
| ॐ गुह्यायै नमः | ॐ शङ्करात्मिकायै नमः |
| ॐ गेयजायै नमः | ॐ श्रियै नमः |
| ॐ ग्रहनाशिन्यै नमः | ॐ शर्वाण्ये नमः |
| ॐ गृहिण्यै नमः | ॐ शतध्यै नमः १२० |
| ॐ गृहदोषघ्ट्यै नमः | ॐ शरच्चन्द्रनिभाननायै नमः |
| ॐ गवझ्यै नमः १०० | ॐ शर्मिष्ठायै नमः |
| ॐ गुरुवत्सलायै नमः | ॐ शमनध्यै नमः |
| ॐ गृहात्मिकायै नमः | ॐ शतसाहस्ररूपिण्यै नमः |
| ॐ गृहाराध्यायै नमः | ॐ शिवायै नमः |
| ॐ गृहबाधाविनाशिन्यै नमः | ॐ शम्भुप्रियायै नमः |
| ॐ गङ्गायै नमः | ॐ श्रद्धायै नमः |
| ॐ गिरिसुतायै नमः | ॐ श्रुतिरूपायै नमः |
| ॐ गम्यायै नमः | ॐ श्रुतिप्रियायै नमः |
| ॐ गजयानायै नमः | ॐ शुचिष्मत्यै नमः १३० |
| ॐ गुहस्तुतायै नमः | ॐ शर्मकर्यें नमः |
| ॐ गरुडासनसंसेव्यायै नमः ११० | ॐ शुद्धिदायै नमः |

| ॐ शुद्धिरूपिण्यै नमः | | ॐ श्रीकर्यें नमः |
|-----------------------------|----|-----------------------------|
| ॐ शिवायै नमः | | ॐ श्रुतपापघ्न्यै नमः |
| ॐ शिवङ्कर्यें नमः | | ॐ शुभाक्ष्यै नमः |
| ॐ शुद्धायै नमः | | ॐ शुचिवल्लभायै नमः |
| ॐ शिवाराध्यायै नमः | | ॐ शिवेतरघ्यै नमः |
| ॐ शिवात्मिकायै नमः | | ॐ शबर्यें नमः १६० |
| ॐ श्रीमत्यै नमः | | ॐ श्रवणीयगुणान्वितायै नमः |
| ॐ श्रीमय्यै नमः १ | ४० | ॐ शार्यें नमः |
| ॐ श्राव्यायै नमः | | ॐ शिरीषपुष्पाभायै नमः |
| ॐ श्रुत्ये नमः | | ॐ शमनिष्ठायै नमः |
| ॐ श्रवणगोचरायै नमः | | ॐ शमात्मिकायै नमः |
| ॐ शान्त्यै नमः | | ॐ शमान्वितायै नमः |
| ॐ शान्तिकर्यें नमः | | ॐ शमाराध्यायै नमः |
| ॐ शान्तायै नमः | | ॐ शितिकण्ठप्रपूजितायै नमः |
| ॐ शान्ताचारप्रियंकर्यें नमः | | ॐ शुस्रौ नमः |
| ॐ शीललभ्यायै नमः | | ॐ शुद्धिकर्यें नमः १७० |
| ॐ शीलवत्यै नमः | | ॐ श्रेष्ठायै नमः |
| ॐ श्रीमात्रे नमः १ | ५० | ૐ શ્રુતાનન્તાયૈ નમઃ |
| ॐ शुभकारिण्ये नमः | | ॐ शुभावहायै नमः |
| ॐ शुभवाण्ये नमः | | ॐ सरस्वत्यै नमः |
| ॐ शुद्धविद्यायै नमः | | ॐ सर्वज्ञायै नमः |
| ॐ शुद्धचित्तप्रपूजितायै नमः | | ॐ सर्वसिद्धिप्रदायिन्यै नमः |

ॐ सरस्वत्यै नमः ॐ सहस्रहस्तायै नमः ॐ सावित्र्ये नमः 30 ॐ सन्ध्यायै नमः साहस्रगुणालङ्कृतविग्रहायै नमः ॐ सर्वेप्सितप्रदायै नमः १८० २०० ॐ सहस्रशीर्षायै नमः ॐ सर्वार्तिघ्ये नमः ॐ सद्रूपायै नमः ॐ सर्वमय्यै नमः ॐ सर्वविद्याप्रदायिन्यै नमः ॐ स्वधायै नमः ॐ सर्वेश्वर्ये नमः ॐ स्वाहायै नमः ॐ सर्वपुण्यायै नमः ॐ सुधामय्ये नमः ॐ सर्गस्थित्यन्तकारिण्यै नमः ॐ षड्जन्थिभेदिन्यै नमः ॐ सर्वाराध्यायै नमः ॐ सेव्यायै नमः ॐ सर्वमात्रे नमः ॐ सर्वलोकैकपूजितायै नमः ॐ सर्वदेवनिषेवितायै नमः ॐ स्तुत्यायै नमः ॐ सर्वैश्वर्यप्रदायै नमः ॐ स्तुतिमय्यै नमः १९० २१० ॐ सत्यायै नमः ॐ साध्यायै नमः ॐ सवितृप्रियकारिण्यै नमः ॐ सत्यै नमः ॐ सत्वगुणाश्रयायै नमः ॐ संशयच्छेदिन्यै नमः ॐ साह्यवेद्यायै नमः ॐ स्वरक्रमपदाकारायै नमः ॐ सर्वदोषनिषूदिन्यै नमः ॐ सङ्खायै नमः ॐ सदीश्वर्यें नमः ॐ सहस्राक्ष्ये नमः ॐ सहस्रास्यायै नमः ॐ सिद्धिदायै नमः ॐ सहस्रपदसंयुतायै नमः ॐ सिद्धसम्पूज्यायै नमः

| _ | |
|-------------------------------|-------------------------|
| ॐ सर्वसिद्धिप्रदायिन्यै नमः | ॐ सर्वलक्ष्म्यै नमः |
| ॐ सर्वज्ञायै नमः २२० | ॐ सर्वगुणान्वितायै नमः |
| ॐ सर्वशक्त्यै नमः | ॐ सर्वानन्दमय्यै नमः |
| ॐ सर्वसम्पत्प्रदायिन्यै नमः | ॐ सर्वज्ञानदायै नमः |
| ॐ सर्वाशुभघ्न्यै नमः | ॐ सत्यनायिकायै नमः |
| ॐ सुखदायै नमः | ॐ सर्वज्ञानमय्यै नमः |
| ॐ सुखायै नमः | ॐ सर्वराज्यदायै नमः |
| ॐ संवित्स्वरूपिण्ये नमः | ॐ सर्वमुक्तिदायै नमः |
| ॐ सर्वसम्भीषण्यै नमः | ॐ सुप्रभायै नमः |
| ॐ सर्वजगत्सम्मोहिन्यै नमः | ॐ सर्वदायै नमः २५० |
| ॐ सर्वप्रियङ्कर्यें नमः | ॐ सर्वायै नमः |
| ॐ सर्वशुभदायै नमः २३० | ॐ सर्वलोकवशङ्कर्यैं नमः |
| ॐ सर्वमङ्गलायै नमः | ॐ सुभगायै नमः |
| ॐ सर्वमन्त्रमय्यै नमः | ॐ सुन्दर्ये नमः |
| ॐ सर्वतीर्थपुण्यफलप्रदायै नमः | ॐ सिद्धायै नमः |
| ॐ सर्वपुण्यमय्यै नमः | ॐ सिद्धाम्बायै नमः |
| ॐ सर्वव्याधिघ्न्यै नमः | ॐ सिद्धमातृकायै नमः |
| ॐ सर्वकामदायै नमः | ॐ सिद्धमात्रे नमः |
| ॐ सर्वविघ्नहर्यें नमः | ॐ सिद्धविद्यायै नमः |
| ॐ सर्ववन्दितायै नमः | ॐ सिद्धेश्यै नमः २६० |
| ॐ सर्वमङ्गलायै नमः | ॐ सिद्धरूपिण्यै नमः |
| ॐ सर्वमन्त्रकर्यें नमः २४० | ॐ सुरूपिण्ये नमः |
| I I | |

| ॐ सुखमय्यै नमः | ॐ मलनाशिन्यै नमः |
|--------------------------------|----------------------------|
| ॐ सेवकप्रियकारिण्यै नमः | ॐ महेश्वर्यें नमः |
| ॐ स्वामिन्यै नमः | ॐ महानन्दायै नमः |
| ॐ सर्वदायै नमः | ॐ महामन्त्रमय्यै नमः |
| ॐ सेव्यायै नमः | ॐ मह्यै नमः |
| ॐ स्थूलसूक्ष्मापराम्बिकायै नमः | ॐ महालक्ष्म्यै नमः २९० |
| ॐ साररूपायै नमः | ॐ महाविद्यायै नमः |
| ॐ सरोरूपायै नमः २७० | ॐ मात्रे नमः |
| ॐ सत्यभूतायै नमः | ॐ मन्द्रवासिन्यै नमः |
| ॐ समाश्रयायै नमः | ॐ मन्त्रगम्यायै नमः |
| ॐ सितासितायै नमः | ॐ मन्त्रमात्रे नमः |
| ॐ सरोजाक्ष्यै नमः | ॐ महामन्त्रफलप्रदायै नमः |
| ॐ सरोजासनवल्लभायै नमः | ॐ महामुक्त्यै नमः |
| ॐ सरोरुहाभायै नमः | ॐ महानित्यायै नमः |
| ॐ सर्वाञ्चौ नमः | ॐ महासिद्धिप्रदायिन्यै नमः |
| ॐ सुरेन्द्रादिप्रपूजितायै नमः | ॐ महासिद्धायै नमः ३०० |
| ॐ महादेव्यै नमः | ॐ महामात्रे नमः |
| ॐ महेशान्यै नमः २८० | ॐ महदाकारसंयुताये नमः |
| ॐ महासारस्वतप्रदायै नमः | ॐ महायै नमः |
| ॐ महासरस्वत्यै नमः | ॐ महेश्वर्यें नमः |
| ॐ मुक्तायै नमः | ॐ मूर्त्ये नमः |
| ॐ मुक्तिदायै नमः | ॐ मोक्षदायै नमः |

ॐ मुनिस्तुतायै नमः ॐ मणिभूषणायै नमः ॐ मेनकायै नमः ॐ मोहहन्त्र्ये नमः ॐ मानिन्यै नमः ॐ माधव्यै नमः ॐ मान्यायै नमः ॐ माधवप्रियायै नमः ३१० ॐ मृत्युझ्ये नमः ॐ मायै नमः ॐ महादेवसंस्तुत्यायै नमः ॐ मेरुरूपिण्यै नमः ॐ महिषीगणपूजितायै नमः ॐ मदिराक्ष्ये नमः ॐ मृष्टान्नदायै नमः ॐ मदावासायै नमः ॐ माहेन्द्र्ये नमः ॐ मखरूपायै नमः ॐ मखेश्वर्यें नमः ॐ महेन्द्रपददायिन्यै नमः ॐ मत्यै नमः ॐ महामोहायै नमः ॐ महामायायै नमः

ॐ मातॄणां मूर्घिसंस्थितायै नमः ॐ महापुण्यायै नमः ३२० ॐ मुदावासायै नमः

ॐ महासम्पत्प्रदायिन्यै नमः ॐ मणिपूरैकनिलयायै नमः

ॐ मधुरूपायै नमः ॐ महोत्कटायै नमः

ॐ महासूक्ष्माये नमः

ॐ महाशान्तायै नमः ॐ महाशान्तिप्रदायिन्यै नमः

३३०

ॐ मतिप्रदायै नमः

३४०

ॐ मेधायै नमः

ॐ मर्त्यलोकनिवासिन्यै नमः

ॐ मुख्यायै नमः

ॐ महानिवासायै नमः

ॐ महाभाग्यजनाश्रितायै नमः

ॐ महिलायै नमः

ॐ महिमायै नमः

ॐ मृत्युहार्यें नमः

ॐ मेधाप्रदायिन्यै नमः

ॐ मेध्यायै नमः

३५०

३९०

ॐ महावेगवत्यै नमः

ॐ महामोक्षफलप्रदायै नमः

ॐ महाप्रभाभाये नमः

ॐ महत्यै नमः

ॐ महादेवप्रियङ्कर्यें नमः

ॐ महापोषायै नमः

ॐ महर्स्थे नमः

ॐ मुक्ताहारविभूषणायै नमः

ॐ माणिक्यभूषणायै नमः

ॐ मन्त्रायै नमः ३६०

ॐ मुख्यचन्द्रार्धशेखरायै नमः

ॐ मनोरूपायै नमः

ॐ मनःशुद्धै नमः

ॐ मनःशुद्धिप्रदायिन्यै नमः

ॐ महाकारुण्यसम्पूर्णाये नमः

🕉 मनोनमनवन्दितायै नमः

ॐ महापातकजालध्यै नमः

ॐ मुक्तिदायै नमः

ॐ मुक्तभूषणायै नमः

ॐ मनोन्मन्ये नमः ३७०

ॐ महास्थूलायै नमः

ॐ महाकतुफलप्रदायै नमः

ॐ महापुण्यफलप्राप्याये नमः

ॐ मायात्रिपुरनाशिन्यै नमः

ॐ महानसायै नमः

ॐ महामेधायै नमः

ॐ महामोदायै नमः

ॐ महेश्वर्यें नमः

ॐ मालाधर्यें नमः

ॐ महोपायायै नमः

ॐ महातीर्थफलप्रदायै नमः

ॐ महामङ्गलसम्पूर्णायै नमः

ॐ महादारिद्यनाशिन्यै नमः

ॐ महामखायै नमः

ॐ महामेघायै नमः

ॐ महाकाल्ये नमः

ॐ महाप्रियायै नमः

ॐ महाभूषायै नमः

ॐ महादेहायै नमः

ॐ महाराझ्ये नमः

ॐ मुदालयायै नमः

ॐ भूरिदायै नमः

ॐ भाग्यदाये नमः

ॐ भोग्यायै नमः

४३०

ॐ भोग्यदायै नमः

ॐ भोगदायिन्यै नमः

ॐ भवान्यै नमः

ॐ भूतिदायै नमः

ॐ भूत्ये नमः

ॐ भूम्यै नमः ॐ भूमिसुनायिकायै नमः

ॐ भूतधात्र्ये नमः ॐ भयहर्यें नमः

ॐ भक्तसारस्वतप्रदायै नमः

ॐ भुक्त्ये नमः

ॐ भुक्तिप्रदायै नमः

ॐ भेक्ये नमः

ॐ भक्त्ये नमः

ॐ भक्तिप्रदायिन्यै नमः

ॐ भक्तसायुज्यदायै नमः 880

ॐ भक्तस्वर्गदायै नमः

ॐ भक्तराज्यदायै नमः

ॐ भागीरथ्यै नमः

ॐ भवाराध्यायै नमः

ॐ भाग्यासज्जनपूजितायै नमः

ॐ भवस्तुत्यायै नमः

ॐ भानुमत्यै नमः

ॐ भवसागरतारण्यै नमः

ॐ भूत्यै नमः

ॐ भूषायै नमः

ॐ भूतेश्यै नमः

ॐ भाललोचनपूजितायै नमः

ॐ भूतायै नमः

800

ॐ भव्यायै नमः

ॐ भविष्यायै नमः ॐ भवविद्यायै नमः

ॐ भवात्मिकायै नमः

ॐ बाधापहारिण्यै नमः

ॐ बन्धुरूपायै नमः

ॐ भुवनपूजितायै नमः

ॐ भवघ्न्ये नमः

ॐ भक्तिलभ्यायै नमः

ॐ भक्तरक्षणतत्परायै नमः ॐ भक्तार्तिशमन्यै नमः

ॐ भाग्यायै नमः

ॐ भोगदानकृतोद्यमायै नमः

ॐ भुजङ्गभूषणायै नमः

ॐ भीमायै नमः

| ॐ भीमाक्ष्यै नमः | ॐ भ्रान्तिरूपायै नमः |
|------------------------------|---------------------------|
| ॐ भीमरूपिण्यै नमः ४४० | ॐ भूतिदायै नमः |
| ॐ भाविन्यै नमः | ॐ भूतिकारिण्यै नमः |
| ॐ भ्रातृरूपायै नमः | ॐ भिक्षणीयायै नमः |
| ॐ भारत्यै नमः | ॐ भिक्षुमात्रे नमः |
| ॐ भवनायिकायै नमः | ॐ भाग्यवदृष्टिगोचरायै नमः |
| ॐ भाषायै नमः | ॐ भोगवत्यै नमः |
| ॐ भाषावत्यै नमः | ॐ भोगरूपायै नमः |
| ॐ भीष्मायै नमः | ॐ भोगमोक्षफलप्रदायै नमः |
| ॐ भैरव्यै नमः | ॐ भोगश्रान्तायै नमः ४७० |
| ॐ भैरवप्रियायै नमः | ॐ भाग्यवत्यै नमः |
| ॐ भूत्यै नमः ४५० | ॐ भक्ताघौघविनाशिन्यै नमः |
| ॐ भासितसर्वाञ्चे नमः | ॐ ब्राह्ये नमः |
| ॐ भूतिदायै नमः | ॐ ब्रह्मस्वरूपायै नमः |
| ॐ भूतिनायिकायै नमः | ॐ बृहत्यै नमः |
| ॐ भास्वत्ये नमः | ॐ ब्रह्मवल्लभायै नमः |
| ॐ भगमालायै नमः | ॐ ब्रह्मदायै नमः |
| ॐ भिक्षादानकृतोद्यमायै नमः | ॐ ब्रह्ममात्रे नमः |
| ॐ भिक्षुरूपायै नमः | ॐ ब्रह्माण्यै नमः |
| ॐ भक्तिकर्यें नमः | ॐ ब्रह्मदायिन्यै नमः ४८० |
| ॐ भक्तलक्ष्मीप्रदायिन्यै नमः | ॐ ब्रह्मेश्यै नमः |
| ॐ भ्रान्तिघ्नायै नमः ४६० | ॐ ब्रह्मसंस्तृत्यायै नमः |

५२०

ॐ ब्रह्मवेद्यायै नमः ॐ बुधप्रियायै नमः ॐ बालेन्दुशेखरायै नमः

ॐ बालायै नमः

ॐ बलिपूजाकरप्रियायै नमः

ॐ बलदायै नमः

ॐ बिन्दुरूपायै नमः

ॐ बालसूर्यसमप्रभायै नमः ४९०

ॐ ब्रह्मरूपायै नमः

ॐ ब्रह्ममय्ये नमः

ॐ ब्रध्नमण्डलमध्यगायै नमः

ॐ ब्रह्माण्ये नमः

ॐ बुद्धिदाये नमः

ॐ बुद्धौ नमः

ॐ बुद्धिरूपायै नमः

ॐ बुधेश्वर्यें नमः

ॐ बन्धक्षयकर्यें नमः

ॐ बाधनाशन्यै नमः ५००

ॐ बन्धुरूपिण्यै नमः

ॐ बिन्हालयायै नमः

ॐ बिन्दुभूषायै नमः

ॐ बिन्दुनादसमन्वितायै नमः

ॐ बीजरूपायै नमः

ॐ बीजमात्रे नमः

ॐ ब्रह्मण्याये नमः

ॐ ब्रह्मकारिण्ये नमः

ॐ बहुरूपायै नमः

ॐ बलवत्यै नमः

ॐ ब्रह्मजायै नमः

ॐ ब्रह्मचारिण्ये नमः

ॐ ब्रह्मस्तुत्याये नमः

ॐ ब्रह्मविद्याये नमः

ॐ ब्रह्माण्डाधिपवल्लभायै नमः

ॐ ब्रह्मेशविष्णुरूपायै नमः

ॐ ब्रह्मविष्णवीशसंस्थितायै नमः

ॐ बुद्धिरूपायै नमः

ॐ बुधेशान्यै नमः

ॐ बन्ध्यै नमः

ॐ बन्धविमोचन्यै नमः

ॐ अक्षमालायै नमः

ॐ अक्षराकारायै नमः

ॐ अक्षरायै नमः

ॐ अक्षरफलप्रदायै नमः

ॐ अनन्तायै नमः

ॐ आनन्दसुखदायै नमः

ॐ अनन्तचन्द्रनिभाननायै नमः

ॐ अनन्तमहिमायै नमः

ॐ अघोरायै नमः ५३०

ॐ अनन्तगम्भीरसम्मितायै नमः

ॐ अदृष्टायै नमः

ॐ अदृष्टदायै नमः

ॐ अनन्तायै नमः

ॐ अदृष्टभाग्यफलप्रदायै नमः

ॐ अरुन्धत्यै नमः

ॐ अव्ययीनाथायै नमः

ॐ अनेकसद्गुणसंयुताये नमः

ॐ अनेकभूषणायै नमः

ॐ अदृश्यायै नमः ५४०

ॐ अनेकलेखनिषेवितायै नमः

ॐ अनन्तायै नमः

ॐ अनन्तसुखदायै नमः

ॐ अघोरायै नमः

ॐ अघोरस्वरूपिण्यै नमः

ॐ अशेषदेवतारूपायै नमः

ॐ अमृतरूपायै नमः

ॐ अमृतेश्वर्यें नमः

ॐ अनवद्यायै नमः

ॐ अनेकहस्तायै नमः 🐧 ५५०

ॐ अनेकमाणिक्यभूषणायै नमः

ॐ अनेकविघ्नसंहर्ट्ये नमः

ॐ अनेकाभरणान्वितायै नमः

ॐ अविद्यायै नमः

ॐ अज्ञानसंहर्ट्ये नमः

ॐ अविद्याजालनाशिन्यै नमः

ॐ अभिरूपायै नमः

ॐ अनवद्याङ्ग्री नमः

ॐ अप्रतर्क्यगतिप्रदायै नमः

ॐ अकलङ्कारूपिण्यै नमः ५६

ॐ अनुग्रहपरायणायै नमः

ॐ अम्बरस्थायै नमः

ॐ अम्बरमयायै नमः

ॐ अम्बरमालायै नमः

ॐ अम्बुजेक्षणायै नमः

ॐ अम्बिकायै नमः

ॐ अज्जकरायै नमः

ॐ अज्जस्थायै नमः

ॐ अशुमत्यै नमः

ॐ अंशुशतान्वितायै नमः ५७०

ॐ अम्बुजायै नमः

ॐ अनवरायै नमः

ॐ अखण्डायै नमः

🕉 अम्बुजासनमहाप्रियायै नमः

ॐ अजरामरसंसेव्यायै नमः

ॐ अजरसेवितपद्युगायै नमः

ॐ अतुलार्थप्रदायै नमः

ॐ अर्थैक्यायै नमः

ॐ अत्युदारायै नमः

ॐ अभयान्वितायै नमः ५८०

ॐ अनाथवत्सलायै नमः

ॐ अनन्तप्रियायै नमः

ॐ अनन्तेप्सितप्रदायै नमः

ॐ अम्बुजाक्ष्यै नमः

ॐ अम्बुरूपायै नमः

ॐ अम्बुजातोद्भवमहाप्रियायै नमः

ॐ अखण्डायै नमः

ॐ अमरस्तुत्यायै नमः

ॐ अमरनायकपूजितायै नमः

ॐ अजेयायै नम्ः ५९०

ॐ अजसङ्काशायै नमः

ॐ अज्ञाननाशिन्यै नमः

ॐ अभीष्टदायै नमः

ॐ अक्तायै नमः

ॐ अघनेनायै नमः

ॐ अस्त्रेरयै नमः

ॐ अलक्ष्मीनाशिन्यै नमः

ॐ अनन्तसारायै नमः

ॐ अनन्तश्रियै नमः

ॐ अनन्तविधिपूजितायै नमः६००

ॐ अभीष्टायै नमः

ॐ अमर्त्यसम्पूज्यायै नमः

ॐ अस्तोदयविवर्जितायै नमः

ॐ आस्तिकस्वान्तनिलयायै नमः

ॐ अस्त्ररूपायै नमः

ॐ अस्त्रवत्यै नमः

ॐ अस्खलत्यै नमः

ॐ अस्खलद्रूपायै नमः

ॐ अस्खलद्विद्याप्रदायिन्यै नमः

ॐ अस्खलित्सिद्धिदायै नमः ६१०

ॐ आनन्दायै नमः

ॐ अम्बुजातायै नमः

ॐ अमरनायिकायै नमः

ॐ अमेयायै नमः

| ॐ अशेषपापघ्न्यै नमः | ॐ जयप्रदायै नमः |
|-------------------------------|---------------------------|
| ॐ अक्षयसारस्वतप्रदायै नमः | ॐ जनार्दनप्रियकयैँ नमः |
| ॐ जयायै नमः | ॐ जोषनीयायै नमः |
| ॐ जयन्त्यै नमः | ॐ जगत्स्थितायै नमः ६४० |
| ॐ जयदाये नमः | ॐ जगज्ज्येष्ठायै नमः |
| ॐ जन्मकर्मविवर्जितायै नमः ६२० | ॐ जगन्मायायै नमः |
| ॐ जगित्प्रयायै नमः | ॐ जीवनत्राणकारिण्यै नमः |
| ॐ जगन्मात्रे नमः | ॐ जीवातुलतिकायै नमः |
| ॐ जगदीश्वरवल्लभायै नमः | ॐ जीवजन्म्यै नमः |
| ॐ जात्ये नमः | ॐ जन्मनिबर्हण्यै नमः |
| ॐ जयायै नमः | ॐ जाड्यविध्वंसनकर्यें नमः |
| ॐ जितामित्रायै नमः | ॐ जगद्योनये नमः |
| ॐ जप्यायै नमः | ॐ जयात्मिकायै नमः |
| ॐ जपनकारिण्यै नमः | ॐ जगदानन्दजनन्यै नमः ६५० |
| ॐ जीवन्यै नमः | ॐ जम्ब्यै नमः |
| ॐ जीवनिलयायै नमः ६३० | ॐ जलजेक्षणायै नमः |
| ॐ जीवाख्यायै नमः | ॐ जयन्त्यै नमः |
| ॐ जीवधारिण्यै नमः | ॐ जङ्गपूगध्ये नमः |
| ॐ जाह्नव्ये नमः | ॐ जनितज्ञानविग्रहायै नमः |
| ॐ ज्याये नमः | ॐ जटायै नमः |
| ॐ जपवत्यै नमः | ॐ जटावत्यै नमः |
| ॐ जातिरूपायै नमः | ॐ जप्यायै नमः |

ॐ जपकर्तृप्रियङ्कर्यें नमः

ॐ जपकृत्पापसंहत्र्यौ नमः ६६०

ॐ जपकृत्फलदायिन्यै नमः

ॐ जपापुष्पसमप्रख्यायै नमः

ॐ जपाकुसुमधारिण्यै नमः

ॐ जनन्यै नमः

ॐ जन्मरहितायै नमः

ॐ ज्योतिर्वृत्यभिदायिन्यै नमः

ॐ जटाजूटनचन्द्रार्घायै नमः

ॐ जगत्सृष्टिकर्यें नमः

ॐ जगत्त्राणकर्यें नमः

ॐ जाड्यध्वंसकर्त्र्ये नमः ६७०

ॐ जयेश्वर्यें नमः

ॐ जगद्वीजायै नमः

ॐ जयावासायै नमः

ॐ जन्मभुवे नमः

ॐ जन्मनाशिन्यै नमः

ॐ जन्मान्त्यरहितायै नमः

ॐ जैत्र्ये नमः

ॐ जगद्योनये नमः

ॐ जपात्मिकायै नमः

ॐ जयलक्षणसम्पूर्णायै नमः ६८०

ॐ जयदानकृतोद्यमायै नमः

ॐ जम्भराद्यादिसंस्तुत्यायै नमः

ॐ जम्भारिफलदायिन्यै नमः

ॐ जगत्त्रयहितायै नमः

ॐ ज्येष्ठायै नमः

ॐ जगत्त्रयवशङ्कर्ये नमः

ॐ जगत्त्रयाम्बायै नमः

ॐ जगत्यै नमः

ॐ ज्वालायै नमः

ॐ ज्वालितलोचनायै नमः ६९०

ॐ ज्वालिन्यै नमः

ॐ ज्वलनाभासायै नमः

ॐ ज्वलन्त्यै नमः

ॐ ज्वलनात्मिकायै नमः

ॐ जितारातिसुरस्तुत्यायै नमः

ॐ जितकोधायै नमः

ॐ जितेन्द्रियायै नमः

ॐ जरामरणशून्यायै नमः

ॐ जनित्र्यै नमः

ॐ जन्मनाशिन्यै नमः

ॐ जलजाभायै नमः

ॐ जलमय्यै नमः

७४०

ॐ जलजासन्वल्लभायै नमः

ॐ जलजस्थायै नमः

ॐ जपाराध्यायै नमः

ॐ जनमङ्गलकारिण्यै नमः

ॐ कामिन्यै नुमः

ॐ कामरूपायै नमः

ॐ काम्यायै नमः

ॐ कामप्रदायिन्यै नमः

ॐ कमाल्ये नमः

ॐ कामदायै नमः

ॐ कर्त्र्ये नमः

ॐ क्रतुकर्मफलप्रदायै नमः

ॐ कृतघ्नघ्यै नमः

ॐ क्रियारूपायै नमः

ॐ कार्यकारणरूपिण्यै नमः

ॐ कञ्जाक्ष्ये नमः

ॐ करुणारूपायै नमः

ॐ केवलामरसेवितायै नमः ७२०

ॐ कल्याणकारिण्ये नमः

ॐ कान्तायै नमः

ॐ कान्तिदायै नमः

ॐ कान्तिरूपिण्यै नमः

ॐ कमलायै नमः

ॐ कमलावासायै नमः

ॐ कमलोत्पलमालिन्यै नमः

ॐ कुमुद्वत्यै नमः

ॐ कल्याण्ये नमः

ॐ कान्त्यै नमः

ॐ कामेशवल्लभायै नमः

ॐ कामेश्वर्यें नमः

७१०

ॐ कमलिन्यै नमः

ॐ कामदायै नमः

ॐ कामबन्धिन्यै नमः

ॐ कामधेनवे नमः

ॐ काञ्चनाक्ष्ये नमः

ॐ काञ्चनाभायै नमः ॐ कलानिधये नमः

ॐ क्रियायै नमः

ॐ कीर्तिकर्यें नमः

ॐ कीर्त्यें नमः

ॐ कतुश्रेष्ठायै नमः

ॐ कृतेश्वर्यें नमः

ॐ क्रतुसर्विकयास्तुत्यायै नमः

ॐ कतुकृत्प्रियकारिण्यै नमः

| ॐ क्लेशनाशकर्यें नमः | | ॐ कमलोत्पलगन्धिन्यै नमः |
|----------------------|-----|---------------------------|
| ॐ कर्ट्यें नमः | | ॐ कलायै नमः ७७० |
| ॐ कर्मदायै नमः | | ॐ कलावत्यै नमः |
| ॐ कर्मबन्धिन्यै नमः | ७५० | ॐ कूम्येँ नमः |
| ॐ कर्मबन्धहर्यें नमः | | ॐ कूटस्थायै नम्ः |
| ॐ कृष्टायै नमः | | ॐ कञ्जसंस्थितायै नमः |
| ॐ क्रमध्ये नमः | | ॐ कालिकायै नमः |
| ॐ कञ्जलोचनायै नमः | | ॐ कल्मषघ्ये नमः |
| ॐ कन्दर्पजनन्यै नमः | | ॐ कमनीयजटान्वितायै नमः |
| ॐ कान्तायै नमः | | ॐ करपद्मायै नमः |
| ॐ करुणायै नमः | | ॐ कराभीष्टप्रदायै नमः |
| ॐ करुणावत्ये नमः | | ॐ क्रतुफलप्रदाये नमः ७८० |
| ॐ क्लीङ्कारिण्यै नमः | | ॐ कौशिक्यै नमः |
| ॐ कृपाकारायै नमः | ७६० | ॐ कोशदायै नमः |
| ॐ कृपासिन्धवे नमः | | ॐ काव्यायै नमः |
| ॐ कृपावत्यै नमः | | ॐ कर्च्यें नमः |
| ॐ करुणार्द्राये नमः | | ॐ कोशेश्वर्यें नमः |
| ॐ कीर्तिकर्यें नमः | | ॐ कृशायै नमः |
| ॐ कल्मषघ्यै नमः | | ॐ कूर्मयानाये नमः |
| ॐ क्रियाकर्यें नमः | | ॐ कल्पलतायै नमः |
| ॐ कियाशक्त्ये नमः | | ॐ कालकूटविनाशिन्यै नमः |
| ॐ कामरूपायै नमः | | ॐ कल्पोद्यानवत्यै नमः ७९० |
| | | |

| ॐ कल्पवनस्थायै नमः | ॐ ताराधिपसमाननायै नमः |
|--------------------------------|----------------------------|
| ॐ कल्पकारिण्ये नमः | ॐ तृप्तये नमः |
| ॐ कदम्बकुसुमाभासायै नमः | ॐ तृप्तिप्रदायै नमः |
| ॐ कदम्बकुसुमप्रियायै नमः | ॐ तर्क्याये नमः |
| ॐ कदम्बोद्यानमध्यस्थायै नमः | ॐ तपन्यै नमः |
| ॐ कीर्तिदायै नमः | ॐ तापिन्यै नमः |
| ॐ कीर्तिभूषणायै नमः | ॐ तर्पण्ये नमः |
| ॐ कुलमात्रे नमः | ॐ तीर्थरूपायै नमः ८२० |
| ॐ कुलावासायै नमः | ॐ त्रिदशाये नमः |
| ॐ कुलाचारप्रियङ्कर्यें नमः ८०० | ॐ त्रिद्शेश्वर्यें नमः |
| ॐ कुलानाथायै नमः | ॐ त्रिदिवेश्ये नमः |
| ॐ कामकलायै नमः | ॐ त्रिजनन्यै नमः |
| ॐ कलानाथायै नमः | ॐ त्रिमात्रे नमः |
| ॐ कलेश्वर्यें नमः | ॐ त्र्यम्बकेश्वर्ये नमः |
| ॐ कुन्दमन्दारपुष्पाभायै नमः | ॐ त्रिपुरायै नमः |
| ॐ कपर्दस्थितचन्द्रिकायै नमः | ॐ त्रिपुरेशान्यै नमः |
| ॐ कवित्वदाये नमः | ॐ त्र्यम्बकायै नमः |
| ॐ काव्यमात्रे नमः | ॐ त्रिपुराम्बिकायै नमः ८३० |
| ॐ कविमात्रे नमः | ॐ त्रिपुरश्रियै नमः |
| ॐ कलाप्रदायै नमः ८१० | ॐ त्रयीरूपायै नमः |
| ॐ तरुण्ये नमः | ॐ त्रयीवेद्यायै नमः |
| ॐ तरुणीतातायै नमः | ॐ त्रयीश्वर्यें नमः |
| | |

| ॐ त्रय्यन्तवेदिन्यै नमः | ॐ तुलायै नमः |
|------------------------------|------------------------------|
| ॐ ताम्रायै नमः | ॐ तुलादिरहितायै नमः |
| ॐ तापत्रितयहारिण्यै नमः | ॐ तत्तद्बह्मस्वरूपिण्ये नमः |
| ॐ तमालसदृश्ये नमः | ॐ त्राणकर्त्र्ये नमः ८६० |
| ॐ त्रात्रे नमः | ॐ त्रिपापघ्न्यै नमः |
| ॐ तरुणादित्यसन्निभायै नमः८४० | ॐ त्रिपदायै नमः |
| ॐ त्रैलोक्यव्यापिन्यै नमः | ॐ त्रिदशान्वितायै नमः |
| ॐ तृप्तायै नमः | ॐ तथ्यायै नमः |
| ॐ तृप्तिकृते नमः | ॐ त्रिशक्तये नमः |
| ॐ तत्त्वरूपिण्यै नमः | ॐ त्रिपदायै नमः |
| ॐ तुर्यायै नमः | ॐ तुर्यायै नमः |
| ॐ त्रैलोक्यसंस्तुत्यायै नमः | ॐ त्रैलोक्यसुन्दर्यै नमः |
| ॐ त्रिगुणायै नमः | ॐ तेजस्कर्यें नमः |
| ॐ त्रिगुणेश्वर्यें नमः | ॐ त्रिमूर्त्याद्यायै नमः ८७० |
| ॐ त्रिपुरुघ्ये नमः | ॐ तेजोरूपायै नमः |
| ॐ त्रिमात्रे नमः ८५० | ॐ त्रिधामतायै नमः |
| ॐ त्र्यम्बकायै नमः | ॐ त्रिचककर्ञ्यें नमः |
| ॐ त्रिगुणान्वितायै नमः | ॐ त्रिभगायै नमः |
| ॐ तृष्णाच्छेदकर्यें नमः | ॐ तुर्यातीतफलप्रदायै नमः |
| ॐ तृप्तायै नमः | ॐ तेजस्विन्यै नमः |
| ॐ तीक्ष्णायै नमः | ॐ तापहार्यें नमः |
| ॐ तीक्ष्णस्वरूपिण्यै नमः | ॐ तापोपप्लवनाशिन्यै नमः |

| . 7 7 65 | 1 | | |
|-------------------------------|-----|-------------------------|-----|
| ॐ तेजोगर्भायै नमः | | ॐ शुभान्वितायै न्मः | |
| ॐ तपःसारायै नमः | ८८० | ॐ योगसिद्धिप्रदायै नमः | |
| ॐ त्रिपुरारिप्रियङ्कर्यें नमः | | ॐ योग्यायै नमः | |
| ॐ तन्व्ये नमः | | ॐ यज्ञेनपरिपूरितायै नमः | |
| ॐ तापससन्तुष्टायै नमः | | ॐ यज्यायै नमः | |
| ॐ तपताङ्गजभीतिनुदे नमः | | ॐ यज्ञमय्यै नमः | |
| ॐ त्रिलोचनायै नमः | | ॐ यक्ष्यै नमः | |
| ॐ त्रिमार्गायै नमः | | ॐ यक्षिण्ये नमः | |
| ॐ तृतीयायै नमः | | ॐ यक्षिवल्लभायै नमः | |
| ॐ त्रिद्शस्तुतायै नमः | | ॐ यज्ञप्रियायै नमः | ९१० |
| ॐ त्रिसुन्दर्यें नमः | | ॐ यज्ञपूज्यायै नमः | |
| ॐ त्रिपथगायै नमः | ८९० | ॐ यज्ञतुष्टायै नमः | |
| ॐ तुरीयपददायिन्यै नमः | | ॐ यमस्तुतायै नमः | |
| ॐ शुभाये नमः | | ॐ यामिनीयप्रभायै नमः | |
| ॐ शुभावत्यै नमः | | ॐ याम्यायै नमः | |
| ॐ शान्तायै नमः | | ॐ यजनीयायै नमः | |
| ॐ शान्तिदायै नमः | | ॐ यशस्कर्यें नमः | |
| ॐ शुभदायिन्यै नमः | | ॐ यज्ञकर्ट्ये नमः | |
| ॐ शीतलायै नमः | | ॐ यज्ञरूपायै नमः | |
| ॐ शूलिन्यै नमः | | ॐ यशोदायै नमः | ९२० |
| ॐ शीतायै नमः | | ॐ यज्ञसंस्तुतायै नमः | |
| ॐ श्रीमत्ये नमः | ९०० | ॐ यज्ञेरये नमः | |
| | | I | |

ॐ योगसिद्धायै नमः ॐ यज्ञफलदायै नमः ॐ योगयोनये नमः ॐ योगदायै नमः ॐ यजुस्तुतायै नमः ॐ योगारूढायै नमः ॐ यमिसेव्यायै नमः ॐ योगमय्यै नमः ॐ यमाराध्यायै नमः ॐ योगरूपायै नमः ॐ यवीयस्यै नमः ॐ यमिपूज्यायै नमः ९५० ॐ यन्त्ररूपायै नमः ॐ यमीश्वर्यें नमः ॐ यन्त्रस्थायै नमः ॐ योगिन्यै नमः ९३० ॐ यन्त्रपूज्यायै नमः ॐ योगरूपायै नमः ॐ योगकर्तृप्रियङ्कर्यें नमः ॐ यन्त्रितायै नमः ॐ युगकर्ट्ये नमः ॐ योगयुक्तायै नमः ॐ योगमय्यै नमः ॐ युगमय्यै नमः ॐ युगधर्मविवर्जितायै नमः ॐ योगयोगीश्वराम्बिकायै नमः ॐ यमुनायै नमः ॐ योगज्ञानमय्यै नमः ॐ योनये नमः ॐ यमिन्यै नमः ॐ याम्यायै नमः ॐ यमाद्यष्टाङ्गयोगतायै नमः ९६० ॐ यन्त्रिताघौघसंहारायै नमः ॐ यमुनाजलमध्यगायै नमः

ॐ यातायातप्रशमन्यै नमः

ॐ योगावासायै नमः

ॐ योगिवन्द्यायै नमः

ॐ यातनानान्निकृन्तन्यै नमः

ॐ यत्तच्छब्दस्वरूपिण्ये नमः

ॐ यमलोकनिवारिण्यै नमः ९४० ॐ यष्टिव्यष्टीशसंस्तुत्यायै नमः

ॐ यमाद्यष्टाङ्गयोगयुजे नमः

ॐ योगीश्वर्यें नमः ॐ योगमात्रे नमः

ॐ योगक्षेममय्यै नमः

ॐ यन्त्रायै नमः

ॐ यावद्क्षरमातृकायै नमः

ॐ यावत्पदमय्यै नमः ९७०

ॐ यावच्छब्दरूपायै नमः

ॐ यथेश्वर्यें नमः

ॐ यत्तदीयायै नमः

ॐ यक्षवन्द्याये नमः

ॐ यद्विद्यायै नमः

ॐ यतिसंस्तुतायै नमः

ॐ यावद्विद्यामय्यै नमः

ॐ यावद्विद्याबृन्दसुवन्दितायै नमः

ॐ योगिहृत्पद्मनिलयायै नमः

ॐ योगिवर्यप्रियङ्कर्ये नमः ९८०

ॐ योगिवन्द्याये नमः

ॐ योगिमात्रे नमः

ॐ योगीशफलदायिन्यै नमः

ॐ यक्षवन्द्यायै नमः

ॐ यक्षपूज्यायै नमः

ॐ यक्षराजसुपूजितायै नमः

ॐ यज्ञरूपायै नमः

ॐ यज्ञतुष्टायै नमः

ॐ यायजूकस्वरूपिण्यै नमः

ॐ यन्त्राराध्यायै नमः ९९०

ॐ यन्त्रमध्यायै नमः

ॐ यन्त्रकर्तृप्रियङ्कर्यें नमः

ॐ यन्त्रारूढायै नमः

ॐ यन्त्रपूज्याये नमः

ॐ योगिध्यानपरायणायै नमः

ॐ यजनीयायै नमः

ॐ यमस्तुत्यायै नमः

ॐ योगयुक्तायै नमः

ॐ यशस्कर्यें नमः

ॐ योगबद्धायै नमः १०००

ॐ यतिस्तुत्यायै नमः

ॐ योगज्ञायै नमः

ॐ योगनायक्ये नमः

ॐ योगिज्ञानप्रदायै नमः

ॐ यक्ष्ये नमः

ॐ यमबाधाविनाशिन्यै नमः

ॐ योगिकाम्यप्रदात्र्ये नमः

ॐ योगिमोक्षप्रदायिन्यै नमः

॥ इति श्रीस्कान्दपुराणान्तर्गत-सनत्कुमार-संहितायां नारद-सनत्कुमार-संवादे सरस्वतीसहस्रनामस्तोत्रस्य नामावली रूपान्तरं सम्पूर्णम्॥

त्रिशतीनामावल्यः

विभागः २

२०

॥ लिलतात्रिशतीनामावलिः॥

ॐ ककाररूपायै नमः

ॐ कल्याण्ये नमः

ॐ कल्याणगुणशालिन्यै नमः

ॐ कल्याणशैलनिलयायै नमः

ॐ कमनीयायै नमः

ॐ कलावत्यै नमः

ॐ कमलाक्ष्ये नमः

ॐ कल्मषघ्यै नमः

ॐ करुणामृतसागरायै नमः

ॐ कदम्बकाननावासायै नमः १०

ॐ कदम्बकुसुमप्रियायै नमः

ॐ कन्दर्पविद्याये नमः

30

कन्दर्प-जनकापाङ्ग-वीक्षणाये नमः

ॐ कर्पूरवीटि-सौरभ्य-कल्लोलित-

ककुप्तटायै नमः

ॐ कलिदोषहरायै नमः

ॐ कञ्जलोचनायै नमः

ॐ कम्रविग्रहायै नमः

ॐ कर्मादिसाक्षिण्यै नमः

ॐ कारयित्र्ये नमः

ॐ कर्मफलप्रदायै नमः

ॐ एकाररूपायै नमः

ॐ एकाक्षर्यें नमः

ॐ एकानेकाक्षराकृत्यै नमः

ॐ एतत्तदित्यनिर्देश्यायै नमः

ॐ एकानन्द-चिदाकृत्यै नमः

ॐ एवमित्यागमाबोध्यायै नमः

ॐ एकभक्ति-मदर्चितायै नमः

ॐ एकाग्रचित्त-निर्ध्यातायै नमः

ॐ एषणा-रहितादृतायै नमः

ॐ एलासुगन्धिचिकुरायै नमः ३०

ॐ एनःकूटविनाशिन्यै नमः

ॐ एकभोगायै नमः

ॐ एकरसायै नमः

ॐ एकेश्वर्य-प्रदायिन्ये नमः

30

एकातपत्र-साम्राज्य-प्रदायै नमः

ॐ एकान्तपूजितायै नमः

ॐ एधमानप्रभायै नमः

ॐ एजदनेकजगदीश्वर्यें नमः ॐ एकवीरादि-संसेव्यायै नमः ॐ एकप्राभव-शालिन्यै नमः ॐ ईकाररूपायै नमः ॐ ईशित्र्ये नमः ॐ ईप्सितार्थ-प्रदायिन्यै नमः ॐ ईदृगित्य-विनिर्देश्यायै नमः ॐ ईश्वरत्व-विधायिन्यै नमः ॐ ईशानादि-ब्रह्ममय्यै नमः ॐ ईशित्वाद्यष्टिसिद्धिदायै नमः ॐ ईक्षित्र्ये नमः ॐ ईक्षण-सृष्टाण्ड-कोट्ये नमः ॐ ईश्वर-वल्लभायै नमः ॐ ईंडितायै नमः ॐ ईश्वरार्घाङ्ग-शरीरायै नमः ॐ ईशाधि-देवतायै नमः ॐ ईश्वर-प्रेरणकर्यें नमः ॐ ईशताण्डव-साक्षिण्यै नमः ॐ ईश्वरोत्सङ्ग-निलयायै नमः ॐ ईतिबाधा-विनाशिन्यै नमः ॐ ईहाविरहितायै नमः

ॐ ईशशक्त्ये नमः

ॐ ईषत्-स्मिताननायै नमः ξο ॐ लकाररूपायै नमः ॐ ललितायै नमः ॐ लक्ष्मी-वाणी-निषेवितायै नमः ॐ लाकिन्यै नमः ॐ ललनारूपायै नमः ॐ लसद्दाडिम-पाटलायै नमः ॐ ललन्तिकालसत्फालायै नमः ॐ ललाट-नयनार्चितायै नमः ॐ लक्षणोज्ज्वल-दिव्याङ्ग्रो नमः ॐ लक्षकोट्यण्ड-नायिकायै नमः 90 ॐ लक्ष्यार्थायै नमः ॐ लक्षणागम्यायै नमः ॐ लब्धकामायै नमः ॐ लतातनवे नमः ॐ ललामराजदलिकायै नमः ॐ लिम्बमुक्तालताञ्चितायै नमः ॐ लम्बोदर-प्रसुवे नमः ॐ लभ्यायै नमः ॐ लज्जाढ्यायै नमः ॐ लयवर्जितायै नमः 60

| ॐ हीङ्काररूपायै नमः | ॐ हरिणेक्षणायै नमः |
|-----------------------------|---------------------------------|
| ॐ हीङ्कारनिलयायै नमः | ॐ हरप्रियायै नमः |
| ॐ ह्रीम्पद्प्रियायै नमः | ॐ हराराध्यायै नमः |
| ॐ ह्रीङ्कारबीजायै नमः | ॐ हरिब्रह्मेन्द्रवन्दितायै नमः |
| ॐ हीङ्कारमन्त्रायै नमः | ॐ हयारूढा-सेविताङ्म्रो नमः |
| ॐ ह्रीङ्कारलक्षणायै नमः | ॐ हयमेध-समर्चितायै नमः |
| ॐ ह्रीङ्कारजपसुप्रीतायै नमः | ॐ हर्यक्षवाहनायै नमः |
| ॐ हीम्मत्यै नमः | ॐ हंसवाहनाये नमः ११० |
| ॐ ह्रींविभूषणायै नमः | ॐ हतदानवायै नमः |
| ॐ ह्रींशीलायै नमः ९० | ॐ हत्यादिपापशमन्यै नमः |
| ॐ ह्रीम्पदाराध्यायै नमः | ॐ हरिदश्वादि-सेवितायै नमः |
| ॐ ह्रीङ्गर्भायै नमः | ॐ हस्तिकुम्भोत्तुङ्गकुचायै नमः |
| ॐ ह्रीम्पदाभिधायै नमः | ॐ हस्तिकृत्ति-प्रियाङ्गनायै नमः |
| ॐ ह्रीङ्कारवाच्यायै नमः | ॐ हरिद्राकुङ्कमादिग्धायै नमः |
| ॐ ह्रीङ्कारपूज्यायै नमः | ॐ हर्यश्वाद्यमरार्चितायै नमः |
| ॐ ह्रीङ्कारपीठिकायै नमः | ॐ हरिकेशसख्यै नमः |
| ॐ हीङ्कारवेद्याये नमः | ॐ हादिविद्यायै नमः |
| ॐ हीङ्कारचिन्त्यायै नमः | ॐ हालामदालसायै नमः १२० |
| ॐ हीं नमः | ॐ सकाररूपायै नमः |
| ॐ हीं-शरीरिण्यै नमः १०० | ॐ सर्वज्ञायै नमः |
| ॐ हकाररूपायै नमः | ॐ सर्वेश्यै नमः |
| ॐ हलधृक्पूजितायै नमः | ॐ सर्वमङ्गलायै नमः |
| | • |

ॐ कामेश्यै नमः

ॐ सर्वकर्त्र्ये नमः ॐ कठिनस्तन-मण्डलायै नमः ॐ करभोरवे नमः ॐ सर्वभर्त्र्ये नमः ॐ सर्वहन्त्र्ये नमः ॐ कलानाथ-मुख्ये नमः ॐ सनातनायै नमः ॐ कचजिताम्बुदायै नमः ॐ कटाक्षस्यन्दि-करुणायै नमः ॐ सर्वानवद्याये नमः ॐ कपालि-प्राणनायिकायै नमः ॐ सर्वाङ्गसुन्दर्ये नमः १३० ॐ सर्वसाक्षिण्यै नमः ॐ कारुण्य-विग्रहायै नमः ॐ कान्तायै नमः ॐ सर्वात्मिकायै नमः ॐ कान्तिधूत-जपावल्यै नमः ॐ सर्वसौख्यदात्र्ये नमः ॐ सर्वविमोहिन्यै नमः ॐ कलालापायै नमः ॐ कम्बुकण्ठ्ये नमः ॐ सर्वाधारायै नमः ॐ करनिर्जित-पल्लवायै नमः ॐ सर्वगतायै नमः ॐ सर्वावगुणवर्जितायै नमः ॐ कल्पवल्ली-समभुजायै नमः ॐ कस्तूरी-तिलकाश्चितायै नमः ॐ सर्वारुणायै नमः ॐ सर्वमात्रे नमः १६० ॐ हकारार्थायै नमः ॐ सर्वभूषण-भूषितायै नमः ॐ ककारार्थायै नमः ॐ हंसगत्यै नमः ॐ कालहन्त्र्ये नमः ॐ हाटकाभरणोज्ज्वलायै नमः ॐ हारहारि-कुचाभोगायै नमः

ॐ हाकिन्यै नमः ॐ कामितार्थदायै नमः ॐ कामसञ्जीवन्यै नमः ॐ हल्यवर्जितायै नमः ॐ कल्यायै नमः ॐ हरित्पति-समाराध्यायै नमः ॐ हठात्कार-हतासुरायै नमः

ॐ हर्षप्रदायै नमः

ॐ हविभोंऋये नमः ०ए९

ॐ हार्दसन्तमसापहायै नमः

ॐ हल्लीसलास्य-सन्तुष्टायै नमः

ॐ हंसमन्त्रार्थ-रूपिण्यै नमः

ॐ हानोपादान-निर्मुक्तायै नमः

ॐ हर्षिण्ये नमः

ॐ हरिसोदर्थें नमः

ॐ हाहाहूहू-मुख-स्तुत्यायै नमः

ॐ हानि-वृद्धि-विवर्जितायै नमः

ॐ हय्यङ्गवीन-हृदयायै नमः

ॐ हरिगोपारुणांशुकायै नमः १८०

ॐ लकाराख्यायै नमः

ॐ लतापूज्यायै नमः

ॐ लयस्थित्युद्भवेश्वर्थें नमः

ॐ लास्य-दर्शन-सन्तुष्टायै नमः

ॐ लाभालाभ-विवर्जितायै नमः

ॐ लङ्घोतराज्ञायै नमः

ॐ लावण्य-शालिन्यै नमः

ॐ लघु-सिद्धिदायै नमः

ॐ लाक्षारस-सवर्णाभायै नमः

ॐ लक्ष्मणाग्रज-पूजितायै नमः

१९०

ॐ लभ्येतरायै नमः

ॐ लब्धभक्ति-सुलभायै नमः

ॐ लाङ्गलायुधायै नमः

ॐ लग्न-चामर-हस्त-श्री-शारदा-

परिवीजितायै नमः

ॐ लज्जापद-समाराध्यायै नमः

ॐ लम्पटायै नमः

ॐ लकुलेश्वर्यें नमः

ॐ लब्धमानायै नमः

ॐ लब्धरसायै नमः

ॐ लब्धसम्पत्समुन्नत्यै नमः २००

ॐ हीङ्कारिण्यै नमः

ॐ ह्रीङ्काराद्यायै नमः

ॐ ह्रीम्मध्यायै नमः

ॐ ह्रींशिखामण्यै नमः

ॐ ह्रीङ्कार-कुण्डाग्नि-शिखायै नमः

ॐ ह्रीङ्कार-शशिचन्द्रिकायै नमः

ॐ हीङ्कार-भास्कररुच्यें नमः

ॐ हीङ्काराम्भोद-चञ्चलायै नमः

ॐ ह्रीङ्कार-कन्दाङ्करिकायै नमः

२४०

ॐ हीङ्कारैक-परायणायै नमः २१०

ॐ ह्रीङ्कार्-दीर्घिकाहंस्यै नमः

ॐ हीङ्कारोद्यान-केकिन्ये नमः

ॐ ह्रीङ्कारारण्य-हरिण्यै नमः

ॐ हीङ्कारावाल-वल्लुर्ये नमः

ॐ हीङ्कार-पञ्जरशुक्ये नमः

ॐ ह्रीङ्काराङ्गण-दीपिकायै नमः

ॐ हीङ्कार-कन्दरा-सिंह्ये नृमः

ॐ ह्रीङ्काराम्भोज-भृङ्गिकायै नमः

ॐ हीङ्कार-सुमनो-माध्य्यै नमः

ॐ हीङ्कार-तरुमञ्जर्यें नमः २२०

ॐ सकाराख्यायै नमः

ॐ समरसायै नमः

ॐ सकलागम-संस्तुतायै नमः

ॐ सर्ववेदान्त-तात्पर्यभूम्ये नमः

ॐ सद्सदाश्रयायै नमः

ॐ सकलायै नमः

ॐ सिचदानन्दायै नमः

ॐ साध्यायै नमः

ॐ सद्गतिदायिन्यै नमः

ॐ सनकादिमुनिध्येयायै नमः२३०

ॐ सदाशिव-कुटुम्बिन्यै नमः

ॐ सकलाधिष्ठान-रूपायै नमः

ॐ सत्यरूपायै नमः

ॐ समाकृत्यै नमः

ॐ सर्वप्रपञ्च-निर्मात्र्ये नमः

ॐ समानाधिक-वर्जितायै नमः

ॐ सर्वोत्तुङ्गायै नमः

ॐ सङ्गहीनायै नमः

ॐ सगुणायै नमः

ॐ सकलेष्टदायै नमः

ॐ ककारिण्यै नमः

ॐ काव्यलोलायै नमः

ॐ कामेश्वरमनोहरायै नमः

ॐ कामेश्वर-प्राणनाड्ये नमः

🕉 कामेशोत्सङ्गवासिन्यै नमः

ॐ कामेश्वरालिङ्गिताङ्यौ नमः

ॐ कामेश्वर-सुखप्रदायै नमः

ॐ कामेश्वर-प्रणयिन्यै नमः

ॐ कामेश्वर-विलासिन्यै नमः

ॐ कामेश्वर-तपःसिद्धौ नमः २५०

ॐ कामेश्वर-मनःप्रियायै नमः

ॐ कामेश्वर-प्राणनाथायै नमः

ॐ कामेश्वर-विमोहिन्ये नमः

ॐ कामेश्वर-ब्रह्मविद्यायै नमः ॐ कामेश्वर-गृहेश्वर्यें नमः ॐ कामेश्वराह्णादकर्यें नमः ॐ कामेश्वर-महेश्वर्यें नमः ॐ कामेश्वर्यें नमः ॐ कामकोटिनिलयायै नमः ॐ काङ्कितार्थदायै नमः २६० ॐ लकारिण्यै नमः ॐ लब्धरूपायै नमः ॐ लब्धधियै नमः ॐ लब्ध-वाञ्चितायै नमः ॐ लब्धपाप-मनोदूरायै नमः ॐ लब्धाहङ्कार-दुर्गमायै नमः ॐ लब्धशक्त्ये नमः ॐ लब्धदेहायै नमः ॐ लब्धेश्वर्यसमुन्नत्ये नमः २७०

ॐ लब्धवृद्धौ नमः ॐ लब्धलीलायै नमः ॐ लब्धयौवनशालिन्यै नमः ॐ लब्धातिशय-सर्वाङ्ग-सौन्दर्याये नमः ॐ लब्धविभ्रमायै नमः

ॐ लब्धरागायै नमः ॐ लब्धपत्यै नमः ॐ लब्ध-नानागमस्थित्यै नमः ॐ लब्धभोगायै नमः ॐ लब्धसुखाये नमः ॐ लब्धहर्षाभिपूरितायै नमः २८० ॐ ह्रीङ्कार-मृत्येँ नमः 30 हीङ्कार-सौधश्रङ्गकपोतिकायै नमः ॐ हीङ्कार-दुग्धाब्धि-सुधायै नमः ॐ हीङ्कार-कमलेन्दिरायै नमः ॐ ह्रीङ्कार-मणिदीपाच्येँ नमः ॐ ह्रीङ्कार-तरुशारिकायै नमः ॐ ह्रीङ्कार-पेटक-मण्यै नमः ॐ हीङ्कारादर्श-बिम्बितायै नमः ॐ ह्रीङ्कार-कोशासिलतायै नमः ॐ हीङ्कारास्थान-नर्तक्यै नमः२९० 30 हीङ्कार-शुक्तिका-मुक्तामण्यै नमः ॐ ह्रीङ्कार-बोधितायै नमः ॐ ह्रीङ्कारमय-सौवर्णस्तम्भ-

विद्रुम-पुत्रिकायै नमः

ॐ हीङ्कार-वेदोपनिषदे नमः ॐ हीङ्काराध्वर-दक्षिणायै नमः ॐ हीङ्कार-नन्दनाराम-नवकत्पक-वल्लर्यै नमः ॐ हीङ्कार-हिमवद्गङ्गायै नमः ॐ हीङ्कारार्णव-कौस्तुभायै नमः ॐ हीङ्कार-मन्त्र-सर्वस्वायै नमः ॐ हीङ्कार-परसौख्यदायै नमः ३००

॥इति श्री लिलतात्रिशतीनामाविलः सम्पूर्णा॥

विभागः ३

शतनामावल्यः

॥ अर्धनारीश्वराष्टोत्तरशतनामाविलः॥

ॐ चामुण्डिकाम्बायै नमः ॐ श्रीकण्ठाय नमः ॐ पार्वत्यै नमः ॐ परमेश्वराय नमः ॐ महाराझ्ये नमः ॐ महादेवाय नमः ॐ सदाराध्यायै नमः ॐ सदाशिवाय नमः ॐ शिवार्घाञ्चे नमः ॐ शिवार्धाङ्गाय नमः। १० ॐ भैरव्यै नमः ॐ कालभैरवाय नमः ॐ शक्तित्रितयरूपाढ्यायै नमः ॐ मूर्तित्रितयरूपवते नमः ॐ कामकोटिसुपीठस्थायै नमः ॐ काशीक्षेत्रसमाश्रयाय नमः ॐ दाक्षायण्ये नमः ॐ दक्षवैरये नमः ॐ शूलिन्यै नमः

ॐ शूलधारकाय नमः।

ॐ हीङ्कारपञ्जरशुक्ये नमः ॐ हरिशङ्कररूपवते नमः ॐ श्रीमद्गणेशजनन्यै नमः ॐ षडाननसुजन्मभुवे नमः ॐ पञ्चप्रेतासनारूढायै नमः ॐ पञ्चब्रह्मस्वरूपभृते नमः ॐ चण्डमुण्डिशरश्छेत्र्यै नमः ॐ जलन्धरशिरोहराय नमः ॐ सिंहवाहायै नमः ॐ वृषारूढाय नमः। ॐ इयामाभायै नमः ॐ स्फटिकप्रभाय नमः ॐ महिषासुरसंहर्ट्ये नमः ॐ गजासुरविमर्दनाय नमः ॐ महाबलाचलावासायै नमः ॐ महाकैलासवासभुवे नमः ॐ भद्रकाल्ये नमः ॐ वीरभद्राय नमः ॐ मीनाक्ष्यै नमः ॐ सुन्दरेश्वराय नमः।

ॐ भण्डासुरादिसंहर्ट्ये नमः ॐ चन्द्रचूडायै नमः ॐ दुष्टान्धकविमर्दनाय नमः ॐ मधुकैटभसंहर्ट्ये नमः ॐ महेश्वराय नमः ॐ मधुरापुरनायकाय नमः ॐ महाकाल्ये नमः ॐ कालत्रयस्वरूपाढ्यायै नमः ॐ कार्यत्रयविधायकाय नमः ॐ गिरिजातायै नमः ॐ गिरीशाय नमः ॐ वैष्णव्ये नमः ॐ विष्णुवल्लभाय नमः। ॐ विशालाक्ष्ये नमः ॐ विश्वनाथाय नमः ॐ पुष्पास्त्रायै नमः ॐ विष्णुमार्गणाय नमः ॐ कौसुम्भवसनोपेतायै नमः ॐ सुधामय्यै नमः ॐ व्याघ्रचर्माम्बरावृताय नमः ॐ विषधराय नमः ॐ मूलप्रकृतिरूपाढ्यायै नमः ॐ मातञ्ज्ञे नमः ॐ परब्रह्मस्वरूपवते नमः ॐ रुण्डमालाविभूषाढ्यायै नमः ॐ वेद्वेद्यायै नमः ॐ लसद्रुद्राक्षमालिकाय नमः। ६० ॐ वेदवाजिने नमः ॐ मनोरूपेक्षुकोदण्डायै नमः ॐ चक्रेश्ये नमः ॐ महामेरुधनुर्धराय नमः

ॐ चन्द्रमौलये नमः ॐ महामायायै नमः ॐ महाकालाय नमः ॐ दिव्यरूपाये नमः ॐ दिगम्बराय नमः। 90 ॐ बिन्दुपीठसुखासीनायै नमः ॐ श्रीमदोङ्कारपीठगाय नमः ॐ हरिद्राकुङ्कमालिप्तायै नमः ॐ भस्मोर्द्यूलितविग्रहाय नमः ॐ महापद्माटवीलोलायै नमः ॐ महाबिल्वाटवीप्रियाय नमः ॐ मकुटेश्वराय नमः। ॐ विष्णुचक्रदाय नमः

ॐ जग्नन्मय्ये नमः

ॐ जगद्रूपाय नमः

ॐ मृडान्ये नमः

ॐ मृत्युनाशनाय नमः

ॐ रामार्चितपदाम्भोजायै नमः

ॐ कृष्णपुत्र्वरप्रदाय न्मः। ९०

ॐ रमावाणीसुसंसेव्यायै नमः

ॐ विष्णुब्रह्मसुसेविताय नमः

ॐ सूर्यचन्द्राग्निनयनायै नमः

ॐ तेजस्त्रयविलोचनाय नमः

ॐ चिद्ग्निकुण्डसम्भूताये नमः

ॐ महालिङ्गसमुद्भवाय नमः

ॐ कम्बुकण्ठ्ये नमः

ॐ कालकण्ठाय नमः

ॐ वज्रेश्ये नमः

🕉 वज्रिपूजिताय नमः। १००

ॐ त्रिकण्टक्ये नमः

ॐ त्रिभङ्गीशाय नमः

ॐ भरमरक्षायै नमः

ॐ स्मरान्तकाय नमः

ॐ हयग्रीववरोद्धात्र्ये नमः

ॐ मार्कण्डेयवरप्रदाय नमः

ॐ चिन्तामणिगृहावासायै नमः

ॐ मन्दराचलमन्दिराय नमः

ॐ विन्ध्याचलकृतावासायै नमः

ॐ विन्ध्यशैलार्यपूजिताय नमः।

११०

ॐ मनोन्मन्यै नमः

ॐ लिङ्गरूपाय नमः

ॐ जगदम्बायै नमः

ॐ जगत्पित्रे नमः

ॐ योगनिद्रायै नमः

ॐ योगगम्याय नमः

ॐ भवान्यै नमः

ॐ भवमूर्तिमते नमः

ॐ श्रीचकात्मरथारूढायै नमः

ॐ धरणीधरसंस्थिताय नमः।

१२०

ॐ श्रीविद्यावेद्यमहिमायै नमः

ॐ निगमागमसंश्रयाय नमः

ॐ दशशीर्षसमायुक्तायै नमः

ॐ पञ्चविंशतिशीर्षवते नमः

ॐ अष्टादशभुजायुक्तायै नमः

ॐ पञ्चाशत्करमण्डिताय नमः

१६०

ॐ ब्राह्यादिमातृकारूपायै नमः

ॐ शताष्टेकादशात्मवते नमः

ॐ स्थिरायै नमः

ॐ स्थाणवे नमः। १३०

ॐ बालायै नमः

ॐ सद्योजाताय नमः

ॐ उमायै नमः

ॐ मृडाय नमः

ॐ शिवायै नमः

ॐ शिवाय नमः

ॐ रुद्राण्ये नमः

ॐ रुद्राय नमः

ॐ ईश्वर्यें नमः

ॐ ईश्वराय नमः। १४०

ॐ कदम्बकाननावासायै नमः

ॐ दारुकारण्यलोलुपाय नमः

ॐ नवाक्षरीमनुस्तुत्यायै नमः

ॐ पश्चाक्षरमनुप्रियाय नमः

ॐ नवावरणसम्पूज्यायै नमः

🕉 पञ्चायतनपूजिताय नमः

ॐ देवस्थषङ्गकदेव्यै नमः

ॐ दहराकाशमध्यगाय नमः

ॐ योगिनीगणसंसेव्यायै नमः

ॐ भृग्वादिप्रमथावृताय नमः।

१५०

ॐ उग्रतारायै नमः

ॐ अघोररूपाय नमः

ॐ रार्वाण्यै नमः

ॐ शर्वमूर्तिमते नमः

ॐ नागवेण्ये नमः

ॐ नागभूषाय नमः

ॐ मन्त्रिण्ये नमः

ॐ मन्त्रदैवताय नमः

ॐ ज्वलजिह्वायै नमः

ॐ ज्वलन्नेत्राय नमः।

ॐ दण्डनाथायै नमः

ॐ दृगायुधाय नमः

ॐ पार्थाञ्जनास्त्रसन्दात्र्ये नमः

ॐ पार्थपाशुपतास्त्रदाय नमः

ॐ पुष्पवच्चकताटङ्कायै नमः

ॐ फणिराजसुकुण्डलाय नमः

ॐ बाणपुत्रीवरोद्धात्र्यै नमः

ॐ बाणासुरवरप्रदाय नमः

ॐ व्यालकञ्जुकसंवीतायै नमः

ॐ व्यालयज्ञोपवीतवते नुमः।१७०

ॐ नवलावण्यरूपाढ्यायै नमः

ॐ नवयौवनविग्रहाय नमः

ॐ नाट्यप्रियायै नमः

ॐ नाट्यमूर्तये नमः

ॐ त्रिसन्ध्यायै नमः

ॐ त्रिपुरान्तकाय नमः

ॐ तन्त्रोपचारसुप्रीतायै नमः

ॐ तन्त्रादिमविधायकाय नमः

ॐ नववल्लीष्टवरदायै नमः

ॐ नववीरसुजन्मभुवे नमः। १८०

ॐ भ्रमरज्यायै नमः

ॐ वासुकिज्याय नमः

ॐ भेरुण्डायै नमः

ॐ भीमपूजिताय नमः

ॐ निशुम्भशुम्भद्मन्यै नमः

ॐ नीचापस्मारमर्दनाय नमः

ॐ सहस्राराम्बुजरूढायै नमः

ॐ सहस्रकमलार्चिताय नमः

ॐ गङ्गासहोद्येँ नमः

ॐ गङ्गाधराय नमः। १९०

ॐ गौर्यें नमः

ॐ त्रियम्बकाय नमः

ॐ श्रीशैलभ्रमराम्बाख्यायै नमः

ॐ मल्लिकार्जुनपूजिताय नमः

ॐ भवतापप्रशमन्यै नमः

ॐ भवरोगनिवारकाय नमः

ॐ चन्द्रमण्डलमध्यस्थायै नमः

ॐ मुनिमानसहंसकाय नमः

ॐ प्रत्यिङ्गरायै नमः

ॐ प्रसन्नात्मने नमः। २००

ॐ कामेश्यै नमः

ॐ कामरूपवते नमः

ॐ स्वयम्प्रभायै नमः

ॐ स्वप्रकाशाय नमः

ॐ कालरात्र्ये नमः

ॐ कृतान्तहृते नमः

ॐ सदान्नपूर्णायै नमः

ॐ भिक्षाटाय नमः

ॐ वनदुर्गायै नमः

ॐ वसुप्रदाय नमः।

ॐ सर्वचैतन्यरूपाट्यायै नमः

२१०

ॐ सिचदानन्दविग्रहाय नमः

ॐ सर्वमङ्गलरूपाढ्यायै नमः

ॐ सर्वकल्याणदायकाय नमः

ॐ राजराजेश्वर्यें नमः

Ö

श्रीमद्राजराजप्रियङ्कराय नमः२१६

॥ इति श्री स्कन्दपुराणे श्री अर्धनारीश्वराष्टोत्तरशतनामाविलः सम्पूर्णा॥

॥ आदिशङ्कराचार्याष्टोत्तरशतनामाविलः॥

ॐ श्रीराङ्कराचार्यवर्याय नमः

ॐ ब्रह्मानन्दप्रदायकाय नमः

ॐ अज्ञानतिमिरादित्याय नमः

ॐ सुज्ञानाम्बुधिचन्द्रमसे नमः

ॐ वर्णाश्रमप्रतिष्ठात्रे नमः

ॐ श्रीमते नमः

ॐ मुक्तिप्रदायकाय नमः

ॐ शिष्योपदेशनिरताय नमः

ॐ भक्ताभीष्टप्रदायकाय नमः

ॐ सूक्ष्मतत्त्वरहस्यज्ञाय नमः १०

ॐ कार्याकार्यप्रबोधकाय नमः

ॐ ज्ञानमुद्राङ्कितकराय नमः

ॐ शिष्य-हृत्ताप-हारकाय नमः

ॐ परिव्राजाश्रमोद्धर्त्रे नमः

ॐ सर्वतन्त्रस्वतन्त्रधिये नमः

ॐ अद्वैतस्थापनाचार्याय नमः

ॐ साक्षाच्छङ्कररूपभृते नमः

ॐ षण्मतस्थापनाचार्याय नमः

ॐ त्रयीमार्गप्रकाशकाय नमः

ॐ वेदवेदान्ततत्त्वज्ञाय नमः २०

ॐ दुर्वादिमतखण्डनाय नमः

ॐ वैराग्यनिरताय नमः

ॐ शान्ताय नमः

ॐ संसारार्णवतारकाय नमः

ॐ प्रसन्नवदनाम्भोजाय नमः

ॐ परमार्थप्रकाशकाय नमः

ॐ पुराणस्मृतिसारज्ञाय नमः

ॐ नित्यतृप्ताय नमः

ॐ महते नमः

ॐ शुचये नमः

30

90

- ॐ नित्यानन्दाय नमः
- ॐ निरातङ्काय नमः
- ॐ निःसङ्गाय नमः
- ॐ निर्मलात्मकाय नमः
- ॐ निर्ममाय नमः
- ॐ निरहङ्काराय नमः
- ॐ विश्ववन्द्यपदाम्बुजाय नमः
- ॐ सत्त्वप्रधानाय नमः
- ॐ सद्भावाय नमः
- ॐ सङ्खातीतगुणोज्ज्वलाय नमः४०
- ॐ अनघाय नमः
- ॐ सारहृदयाय नमः
- ॐ सुधिये नमः
- ॐ सारस्वतप्रदाय नमः
- ॐ सत्यात्मने नमः
- 🕉 पुण्यशीलाय नमः
- ॐ साह्ययोगविचक्षणाय नमः
- ॐ तपोराशये नमः
- ॐ महातेजसे नमः
- ॐ गुणत्रयविभागविदे नमः
- ॐ कलिघ्नाय नमः
- ॐ कालकर्मज्ञाय नमः

- ॐ तमोगुणनिवारकाय नमः
- ॐ भगवते नमः
- ॐ भारतीजेत्रे नमः
- ॐ शारदाह्वानपण्डिताय नमः
- ॐ धर्माधर्मविभागज्ञाय नमः
- ॐ लक्ष्यभेदप्रदर्शकाय नमः
- ॐ नादबिन्दुकलाभिज्ञाय नमः
- ॐ योगिहृत्पद्मभास्कराय नमः ६०
- ॐ अतीन्द्रिय-ज्ञाननिधये नमः
- ॐ नित्यानित्यविवेकवते नमः
- ॐ चिदानन्दाय नमः
- ॐ चिन्मयात्मने नमः
- ॐ परकायप्रवेशकृते नमः
- ॐ अमानुष-चरित्राढ्याय नमः
- ॐ क्षेमदायिने नमः
- ॐ क्षमाकराय नमः
- ॐ भव्याय नमः
- ॐ भद्रप्रदाय नमः
- ॐ भूरिमहिम्ने नमः
- ॐ विश्वरञ्जकाय नमः
- ॐ स्वप्रकाशाय नमः
- ॐ सदाधाराय नमः

ॐ विश्वबन्धवे नमः

ॐ शुभोदयाय नमः

ॐ विशालकीर्तये नमः

ॐ वागीशाय नमः

ॐ सर्वलोकहितोत्सुकाय नमः

ॐ कैलासयात्रा-सम्प्राप्तचन्द्र-

मौलि-प्रपूजकाय नमः

८०

ॐ काञ्च्यां श्रीचकराजाख्य-यन्त्रस्थापन-दीक्षिताय नमः

ॐ श्रीचकात्मक-ताटङ्क-

तोषिताम्बा-मनोरथाय नमः ॐ श्रीब्रह्मसूत्रोपनिषद्भाष्यादि-

ग्रन्थकल्पकाय नमः

ॐ चतुर्दिकतुराम्नायप्रतिष्ठात्रे नमः

ॐ महामतये नमः

ॐ द्विसप्ततिमतोच्छेच्ने नमः

ॐ सर्वदिग्विजयप्रभवे नमः

ॐ काषायवसनोपेताय नमः

ॐ भस्मोद्धृलितविग्रहाय नमः

ॐ ज्ञानात्मकैकदण्डाढ्याय नमः ९० ॐ कमण्डलुलसत्कराय नमः

ॐ व्याससन्दर्शनप्रीताय नमः

ॐ भगवत्पादसंज्ञकाय नमः

ॐ चतुःषष्टिकलाभिज्ञाय नमः

ॐ ब्रह्मराक्षस-पोषकाय नमः

ॐ सौन्दर्यलहरीमुख्यबहुस्तोत्र-

विधायकाय नमः

ॐ श्रीमन्मण्डनमिश्राख्यस्वयम्भू-

जयसन्नुताय नमः

ॐ तोटकाचार्यसम्पूज्याय नमः

ॐ पद्मपादार्चिताङ्क्रिकाय नमः

ॐ हस्तामलकयोगीन्द्रब्रह्मज्ञान-

प्रदायकाय नमः

१००

ॐ सुरेश्वराख्य-सच्छिष्य-सन्न्यासाश्रम-दायकाय नमः

ॐ निर्व्याजकरुणामूर्तये नमः

ॐ जगत्पूज्याय नमः

ॐ जगद्गरवे नमः

ॐ भेरीपटहवाद्यादिराजलक्षण-

लक्षिताय नमः

ॐ सकृत्स्मरणसन्तुष्टाय नमः

ॐ सर्वज्ञाय नमः

ॐ ज्ञानदायकाय नमः

| ॐ १०८ | श्रीशङ्करभगवत्पादाचार्यभ्यो नमः

॥ इति श्री आदिशङ्कराचार्याष्टोत्तरशतनामाविलः सम्पूर्णा॥

॥ हनुमदृष्टोत्तरशतनामाविलः॥

ॐ आञ्जनेयाय नमः

ॐ महावीराय नमः

ॐ हनूमते नमः

ॐ मारुतात्मजाय नमः

ॐ तत्त्वज्ञानप्रदाय नमः

ॐ सीतादेवीमुद्राप्रदायकाय नमः

ॐ अशोकवनिकाच्छेत्रे नमः

ॐ सर्वमायाविभञ्जनाय नमः

ॐ सर्वबन्धविमोक्रे नमः

ॐ रक्षोविध्वंसकारकाय नमः १०

ॐ परविद्यापरीहर्त्रे नमः

ॐ परशौर्यविनाशनाय नमः

ॐ परमन्त्रनिराकर्त्रे नमः

ॐ परयन्त्रप्रभेदकाय नमः

🕉 सर्वग्रहविनाशिने नमः

ॐ भीमसेनसहायकृते नमः

ॐ सर्वदुःखहराय नमः

ॐ सर्वलोकचारिणे नमः

ॐ मनोजवाय नमः

ॐ पारिजात्द्रमूलस्थाय नमः २०

ॐ सर्वमन्त्रस्वरूपवते नमः

ॐ सर्वतन्त्रस्वरूपिणे नमः

ॐ सर्वयन्त्रात्मकाय नमः

ॐ कपीश्वराय नमः

ॐ महाकायाय नमः

ॐ सर्वरोगहराय नमः

ॐ प्रभवे नमः

ॐ बलसिद्धिकराय नमः

ॐ सर्वविद्यासम्पत्प्रदायकाय नमः

ॐ कपिसेनानायकाय नमः

| ॐ भविष्यचतुराननाय नमः | ॐ महाद्युतये नमः |
|--------------------------------|---------------------------|
| ॐ कुमारब्रह्मचारिणे नमः | ॐ चिरञ्जीविने नमः |
| ॐ रलकुण्डलदीप्तिमते नमः | ॐ रामभक्ताय नमः |
| ॐ चञ्चलद्वालसन्नद्ध- | ॐ दैत्यकार्यविघातकाय नमः |
| लम्बमानशिखोज्ज्वलाय नमः | ॐ अक्षहन्त्रे नमः |
| ॐ गन्धर्वविद्यातत्त्वज्ञाय नमः | ॐ काञ्चनाभाय नमः |
| ॐ महाबलपराक्रमाय नमः | ॐ पञ्चवऋाय नमः |
| ॐ कारागृहविमोक्रे नमः | ॐ महातपसे नमः |
| ॐ शृङ्खलाबन्धमोचकाय नमः | ॐ लङ्किणीभञ्जनाय नमः ६० |
| ॐ सागरोत्तारकाय नमः | ॐ श्रीमते नमः |
| ॐ प्राज्ञाय नमः ४० | ॐ सिंहिकाप्राणभञ्जनाय नमः |
| ॐ रामदूताय नमः | ॐ गन्धमादनशैलस्थाय नमः |
| ॐ प्रतापवते नमः | ॐ लङ्कापुरविदाहकाय नमः |
| ॐ वानराय नमः | ॐ सुग्रीवसचिवाय नमः |
| ॐ केसरीसुताय नमः | ॐ धीराय नमः |
| ॐ सीताशोकनिवारणाय नमः | ॐ शूराय नमः |
| ॐ अञ्जनागर्भसम्भूताय नमः | ॐ दैत्यकुलान्तकाय नमः |
| ॐ बालार्कसदशाननाय नमः | ॐ सुरार्चिताय नमः |
| ॐ विभीषणप्रियकराय नमः | ॐ महातेजसे नमः ७० |
| ॐ दशग्रीवकुलान्तकाय नमः | ॐ रामचूडामणिप्रदाय नमः |
| ॐ लक्ष्मणप्राणदात्रे नमः ५० | ॐ कामरूपिणे नमः |
| ॐ वज्रकायाय नमः | ॐ पिङ्गलाक्षाय नमः |
| | |

800

ॐ वर्धिमैनाकपूजिताय नमः

30

कबलीकृतमार्तण्डमण्डलाय नमः

ॐ विजितेन्द्रियाय नमः

ॐ रामसुग्रीवसन्धात्रे नमः

ॐ महिरावणमर्दनाय नमः

ॐ स्फटिकाभाय नमः

ॐ वागधीशाय नमः ८०

ॐ नवव्याकृतिपण्डिताय नमः

ॐ चतुर्बाहवे नमः

ॐ दीनबन्धवे नमः

ॐ महात्मने नमः

ॐ भक्तवत्सलाय नमः

ॐ सञ्जीवननगाहर्त्रे नमः

ॐ शुचये नमः

ॐ वाग्मिने नमः

ॐ दृढवताय नमः

ॐ कालनेमिप्रमथनाय नमः ९०

ॐ हरिमर्कटमर्कटाय नमः

ॐ दान्ताय नमः

ॐ शान्ताय नमः

ॐ प्रसन्नात्मने नमः

ॐ शतकण्ठमदापहृते नमः

ॐ योगिने नमः

ॐ रामकथालोलाय नमः

ॐ सीतान्वेषणपण्डिताय नमः

ॐ वज्रदंष्ट्राय नमः

ॐ वज्रनखाय नमः

ॐ रुद्रवीर्यसमुद्भवाय नमः

ॐ इन्द्रजित्प्रहितामोघ-

ब्रह्मास्त्रविनिवारकाय नमः

ॐ पार्थध्वजाग्रसंवासिने नमः

ॐ शरपञ्जरहेळकाय नमः

ॐ दशबाहवे नमः

ॐ लोकपूज्याय नमः

ॐ जाम्बवत्त्रीतिवर्धनाय नमः

ॐ सीतासमेतश्रीराम-

पादसेवाधुरन्धराय नमः

॥ इति श्री हनुमदृष्टोत्तरशतनामाविलः सम्पूर्णा॥

॥ अन्नपूर्णाष्टोत्तरशतनामाविलः॥

| ॐ अन्नपूर्णायै नमः | | ॐ भयहारिणै नमः | |
|----------------------|----|-----------------------------|----|
| ॐ शिवायै नमः | | ॐ भवान्यै नमः | |
| ॐ देव्यै नमः | | ॐ विष्णुजनन्यै नमः | |
| ॐ भीमायै नमः | | ॐ ब्रह्मादिजनन्यै नमः | |
| ॐ पुष्ट्यै नमः | | ॐ गणेशजनन्यै नमः | |
| ॐ सरस्वत्यै नमः | | ॐ शक्त्ये नमः | |
| ॐ सर्वज्ञायै नमः | | ॐ कुमारजनन्यै नमः | |
| ॐ पार्वत्यै नमः | | ॐ शुभाये नमः | |
| ॐ दुर्गायै नमः | | ॐ भोगप्रदायै नमः | |
| ॐ शर्वाण्यै नमः | १० | ॐ भगवत्यै नमः | ३० |
| ॐ शिववल्लभायै नमः | | ॐ भक्ताभीष्टप्रदायिन्यै नमः | |
| ॐ वेदविद्यायै नमः | | ॐ भवरोगहरायै नमः | |
| ॐ महाविद्यायै नमः | | ॐ भव्यायै नमः | |
| ॐ विद्यादात्र्ये नमः | | ॐ शुभ्रायै नमः | |
| ॐ विशारदाये नमः | | ॐ परममङ्गलायै नमः | |
| ॐ कुमार्थें नमः | | ॐ भवान्यै नमः | |
| ॐ त्रिपुरायै नमः | | ॐ चञ्चलायै नमः | |
| ॐ बालायै नमः | | ॐ गौर्यें नमः | |
| ॐ लक्ष्म्यै नमः | | ॐ चारुचन्द्रकलाधरायै नमः | |
| ॐ श्रियै नमः | २० | ॐ विशालाक्ष्यै नमः | 80 |
| | | 1 | |

| ॐ विश्वमात्रे नमः | | ॐ परानन्दप्रदायिन्यै नमः |
|------------------------|----|------------------------------|
| ॐ विश्ववन्द्याये नमः | | ॐ परोपकारनिरतायै नमः |
| ॐ विलासिन्यै नमः | | ॐ परमायै नमः |
| ॐ आर्यायै नमः | | ॐ भक्तवत्सलायै नमः |
| ॐ कल्याणनिलायायै नमः | | ॐ पूर्णचन्द्राभवदनायै नमः |
| ॐ रुद्राण्यै नमः | | ॐ पूर्णचन्द्रनिभांशुकायै नमः |
| ॐ कमलासनायै नमः | | ॐ शुभलक्षणसम्पन्नायै नमः |
| ॐ शुभप्रदायै नमः | | ॐ शुभानन्दगुणार्णवायै नमः ७० |
| ॐ शुभावर्तायै नमः | | ॐ शुभसौभाग्यनिलयायै नमः |
| ॐ वृत्तपीनपयोधरायै नमः | ५० | ॐ शुभदायै नमः |
| ॐ अम्बायै नमः | | ॐ रतिप्रियायै नमः |
| ॐ संहारमथन्यै नमः | | ॐ चण्डिकायै नमः |
| ॐ मृडान्यै नमः | | ॐ चण्डमथन्यै नमः |
| ॐ सर्वमङ्गलायै नमः | | ॐ चण्डद्र्पनिवारिण्यै नमः |
| ॐ विष्णुसंसेवितायै नमः | | ॐ मार्ताण्डनयनायै नमः |
| ॐ सिद्धायै नमः | | ॐ साध्व्ये नमः |
| ॐ ब्रह्माण्ये नमः | | ॐ चन्द्राग्निनयनायै नमः |
| ॐ सुरसेवितायै नमः | | ॐ सत्यै नमः ८० |
| ॐ परमानन्ददायै नमः | | ॐ पुण्डरीकहरायै नमः |
| ॐ शान्त्यै नमः | ६० | ॐ पूर्णायै नमः |
| ॐ परमानन्दरूपिण्यै नमः | | ॐ पुण्यदायै नमः |
| ॐ परमानन्दंजनन्यै नमः | | ॐ पुण्यरूपिण्यै नमः |
| | ļ | • |

ॐ मायातीतायै नमः

ॐ श्रेष्ठमायाये नमः

ॐ श्रेष्ठधर्मायै नमः

ॐ आत्मवन्दितायै नमः

ॐ असृष्ट्ये नमः

ॐ सङ्गरहितायै नमः ९०

ॐ सृष्टिहेतवे नमः

ॐ कपर्दिन्यै नमः

ॐ वृषारूढाये नमः

ॐ शूलहस्तायै नमः

ॐ स्थितिकारिण्ये नमः

ॐ संहारकारिण्ये नमः

ॐ मन्दिस्मिताये नमः

ॐ स्कन्दमात्रे नमः

ॐ शुद्धचित्तायै नमः

ॐ मुनिस्तुतायै नमः १००

ॐ महाभगवत्यै नमः

ॐ दक्षाये नमः

ॐ दक्षाध्वरविनाशिन्यै नमः

ॐ सर्वार्थदात्र्ये नमः

ॐ सावित्र्ये नमः

ॐ सदाशिवकुटुम्बिन्ये नमः

ॐ नित्यसुन्द्रसर्वाञ्चे नमः

ॐ सिचदानन्दलक्षणायै नमः

॥ इति श्री शिवरहस्ये श्री अन्नपूर्णाष्टोत्तरशतनामाविलः सम्पूर्णा॥

॥ कार्त्तिकेयाष्टोत्तरशतनामावलिः॥

ॐ ब्रह्मवादिने नमः

ॐ ब्रह्मणे नमः

ॐ ब्रह्मब्राह्मणवत्सलाय नमः

ॐ ब्रह्मण्याय नमः

ॐ ब्रह्मदेवाय नमः

ॐ ब्रह्मदाय नमः

ॐ ब्रह्मसङ्ग्रहाय नमः

ॐ पराय नमः

ॐ परमाय तेजसे नमः

ॐ मङ्गलानाञ्च मङ्गलाय नमः १०

| ॐ अप्रमेयगुणाय नमः | | ॐ नमस्कृताय नमः | |
|----------------------------|----|--------------------|----|
| ॐ मन्त्राणां मन्त्रगाय नमः | | ॐ नागराजाय नमः | |
| ॐ सावित्रीमयाय देवाय नमः | | ॐ सुधर्मात्मने नमः | |
| ॐ सर्वत्रैवापराजिताय नमः | | ॐ नाकपृष्ठाय नमः | |
| ॐ मन्त्राय नमः | | ॐ सनातनाय नमः | |
| ॐ सर्वात्मकाय नमः | | ॐ हेमगर्भाय नमः | |
| ॐ देवाय नमः | | ॐ महागर्भाय नमः | |
| ॐ षंडक्षरवतां वराय नमः | | ॐ जयाय नमः | 80 |
| ॐ गवां पुत्राय नमः | | ॐ विजयेश्वराय नमः | |
| ॐ सुरारिघ्नाय नमः | २० | ॐ कर्त्रे नमः | |
| ॐ सम्भवाय नमः | | ॐ विधात्रे नमः | |
| ॐ भवभावनाय नमः | | ॐ नित्याय नमः | |
| ॐ पिनाकिने नमः | | ॐ अनित्याय नमः | |
| ॐ शत्रुघ्ने नमः | | ॐ अरिमर्दनाय नमः | |
| ॐ कूटाय नमः | | ॐ महासेनाय नमः | |
| ॐ स्कन्दाय नमः | | ॐ महातेजसे नमः | |
| ॐ सुराग्रण्ये नमः | | ॐ वीरसेनाय नमः | |
| ॐ द्वादशाय नमः | | ॐ चमूपतये नमः | ५० |
| ॐ भुवे नमः | | ॐ सुरसेनाय नमः | |
| ॐ भुवाय नमः | ३० | ॐ सुराध्यक्षाय नमः | |
| ॐ भाविने नमः | | ॐ भीमसेनाय नमः | |
| ॐ भुवःपुत्राय नमः | | ॐ निरामयाय नमः | |
| 3 | | | |

| ॐ शौरये नमः | | ॐ रिपुदारणाय नमः | |
|---------------------|----|-------------------------|----|
| ॐ यदवे नमः | | ॐ कार्त्तिकेयाय नमः | |
| ॐ महातेजसे नमः | | ॐ प्रभवे नमः | |
| ॐ वीर्यवते नमः | | ॐ क्षान्ताय नमः | ८० |
| ॐ सत्यविक्रमाय नमः | | ॐ नीलदंष्ट्राय नमः | |
| ॐ तेजोगर्भाय नमः | ६० | ॐ महामनसे नमः | |
| ॐ असुररिपवे नमः | | ॐ निग्रहाय नमः | |
| ॐ सुरमूर्तये नमः | | ॐ निग्रहाणां नेत्रे नमः | |
| ॐ सुरोर्जिताय नमः | | ॐ दैत्यसूदनाय नमः | |
| ॐ कृतज्ञाय नमः | | ॐ प्रग्रहाय नमः | |
| ॐ वरदाय नमः | | ॐ परमानन्दाय नमः | |
| ॐ सत्याय नमः | | ॐ क्रोधघ्नाय नमः | |
| ॐ शरण्याय नमः | | ॐ तारकोऽच्छिदाय नमः | |
| ॐ साधुवत्सलाय नमः | | ॐ कुक्कुटिने नमः | ९० |
| ॐ सुव्रताय नमः | | ॐ बहुलाय नमः | |
| ॐ सूर्यसङ्काशाय नमः | ७० | ॐ वादिने नमः | |
| ॐ वह्निगर्भाय नमः | | ॐ कामदाय नमः | |
| ॐ रणोत्सुकाय नमः | | ॐ भूरिवर्धनाय नमः | |
| ॐ पिप्पलिने नमः | | ॐ अमोघाय नमः | |
| ॐ शीघ्रगाय नमः | | ॐ अमृतदाय नमः | |
| ॐ रौद्रये नमः | | ॐ अग्नये नमः | |
| ॐ गाङ्गेयाय नमः | | ॐ शत्रुघ्नाय नमः | |
| | l | | |

ॐ सर्वबोधनाय नमः

ॐ अनघाय नमः १

ॐ अमराय नमः

ॐ श्रीमते नमः

ॐ उन्नताय नमः

ॐ अग्निसम्भवाय नमः

ॐ पिशाचराजाय नमः

ॐ सूर्याभाय नमः

ॐ शिवात्मने नमः

ॐ सनातनाय नमः

॥ इति श्री स्कन्दमहापुराणे माहेश्वरखण्डान्तर्गते कुमारिकाखण्डे श्री कार्त्तिकेयाष्टोत्तरशतनामाविलः सम्पूर्णा॥

॥ कृष्णाष्टोत्तरशतनामाविलः॥

ॐ श्रीकृष्णाय नमः

ॐ कमलानाथाय नमः

ॐ वासुदेवाय नमः

ॐ सनातनाय नमः

ॐ वसुदेवात्मजाय नमः

ॐ पुण्याय नमः

ॐ लीलामानुषविग्रहाय नमः

ॐ श्रीवत्सकौस्तुभधराय नमः

ॐ यशोदावत्सलाय नमः

ॐ हरये नमः १०

ॐ चतुर्भुजात्तचकासि-

गदाशङ्खाम्बुजायुधाय नमः

ॐ देवकीनन्दनाय नमः

ॐ श्रीशाय नमः

ॐ नन्दगोपप्रियात्मजाय नमः

ॐ यमुनावेगसंहारिणे नमः

ॐ बलभद्रप्रियानुजाय नमः

ॐ पूतनाजीवितहराय नमः

ॐ शकटासुरभञ्जनाय नमः

ॐ नन्दव्रजजनानन्दिने नमः

ॐ सिच्चदानन्दविग्रहाय नमः २०

ॐ नवनीतविलिप्ताङ्गाय नमः

ॐ नवनीतनटाय नमः ॐ अनघाय नमः ॐ नवनीतनवाहाराय नमः ॐ मुचुकुन्दप्रसादकाय नमः ॐ षोडशस्त्रीसहस्रेशाय नमः ॐ त्रिभङ्गीमधुराकृतये नमः ॐ शुकवागमृताब्धीन्दवे नमः

ॐ गोविन्दाय नमः ॐ योगिनां पतये नमः ॐ वत्सवाटचराय नमः

ॐ अनन्ताय नमः

ॐ धेनुकासुरमर्दनाय नमः ॐ तृणीकृततृणावर्ताय नमः

ॐ यमलार्जुनभञ्जनाय नमः

ॐ उत्तालतालभेत्रे नमः

ॐ तमालश्यामलाकृतये नमः

ॐ गोपगोपीश्वराय नमः

ॐ योगिने नमः

ॐ कोटिसूर्य्समप्रभाय नमः ४०

ॐ इलापतये नमः

ॐ परस्मै ज्योतिषे नमः

ॐ यादवेन्द्राय नमः

ॐ यदूद्वहाय नमः

ॐ वनमालिने नमः

ॐ पीतवाससे नमः

ॐ पारिजातापहारकाय नमः

ॐ गोवर्धनाचलोद्धर्त्रे नमः

ॐ गोपालाय नमः

ॐ सर्वपालकाय नमः

ॐ अजाय नमः

ॐ निरञ्जनाय नमः

ॐ कामजनकाय नमः

ॐ कञ्जलोचनाय नमः

ॐ मधुघ्ने नमः

ॐ मथुरानाथाय नमः

ॐ द्वारकानायकाय नमः

ॐ बलिने नमः

ॐ बृन्दावनान्तसञ्चारिणे नमः

ॐ तुलसीदामभूषणाय नमः

ॐ स्यमन्तकमणेर्हर्त्रे नमः

ॐ नरनारायणात्मकाय नमः

ॐ कुजाकृष्णाम्बरधराय नमः

ॐ मायिने नमः

ॐ परमपूरुषाय नमः

ॐ वेणुनादविशारदाय नमः

९०

ॐ वृषभासुरविध्वंसिने नमः ॐ मुष्टिकासुरचाणूरमऴयुद्ध-विशारदाय नमः ॐ बाणासुरकरान्तकाय नमः ॐ युधिष्ठिरप्रतिष्ठात्रे नमः ॐ संसारवैरिणे नमः ॐ बर्हिबर्हावतंसकाय नमः ॐ कंसारये नमः ॐ पार्थसारथये नमः ॐ मुरारये नमः ॐ नरकान्तकाय नमः ॐ अव्यक्ताय नमः ॐ अनादिब्रह्मचारिणे नमः ॐ गीतामृतमहोदधये नमः ॐ कालीयफणिमाणिक्यरञ्जितश्री-ॐ कृष्णाव्यसनकर्षकाय नमः ॐ शिशुपालशिरश्छेत्रे नमः पदाम्बुजाय नमः ॐ दुर्योधनकुलान्तकाय नमः ॐ दामोदराय नमः ॐ विदुराकूरवरदाय नमः ॐ यज्ञभोक्रे नमः ॐ विश्वरूपप्रदर्शकाय नमः ॐ दानवेन्द्रविनाशकाय नमः ॐ सत्यवाचे नमः ॐ नारायणाय नमः ॐ परब्रह्मणे नमः ॐ सत्यसङ्कल्पाय नमः ॐ सत्यभामारताय नमः ॐ पन्नगाशनवाहनाय नमः ॐ जलकीडासमासक्तगोपी-ॐ जयिने नमः 60 ॐ सुभद्रापूर्वजाय नमः वस्त्रापहारकाय नमः ॐ विष्णवे नमः ॐ पुण्यश्लोकाय नमः ॐ भीष्ममुक्तिप्रदायकाय नमः ॐ तीर्थपादाय नमः ॐ जगद्गुरवे नमः ॐ वेदवेद्याय नमः ॐ दयानिधये नमः ॐ जगन्नाथाय नमः

ॐ सर्वतीर्थात्मकाय नमः

ॐ सर्वग्रहरूपिणे नमः

ॐ परात्पराय नमः

॥ इति श्री ब्रह्माण्डमहापुराणे वायुप्रोक्ते श्री कृष्णाष्टोत्तरशतनामाविलः सम्पूर्णा॥

॥ गङ्गाष्टोत्तरशतनामावलिः ॥

ॐ गङ्गायै नमः

ॐ त्रिपथगादेव्यै नमः

ॐ शम्भुमौलिविहारिण्यै नमः

ॐ जाह्नव्ये नमः

ॐ पापहन्त्र्ये नमः

ॐ महापातकनाशिन्यै नमः

ॐ पतितोद्धारिण्ये नमः

ॐ स्रोतस्वत्यै नमः

ॐ परमवेगिन्यै नमः

ॐ विष्णुपादाज्जसम्भूतायै नमः १०

ॐ विष्णुदेहकृतालयायै नमः

ॐ स्वर्गाब्धिनिलयायै नमः

ॐ साध्व्यै नमः

ॐ स्वर्णद्यै नमः

ॐ सुरनिम्नगायै नमः

ॐ मन्दािकन्यै नमः

ॐ महावेगायै नमः

ॐ स्वर्णशृङ्गप्रभेदिन्यै नमः

ॐ देवपूज्यतमायै नमः

ॐ दिव्याये नमः

२० ॐ दिव्यस्थाननिवासिन्यै नमः

ॐ सुचारुनीररुचिरायै नमः

ॐ महापर्वतभेदिन्यै नमः

ॐ भागीरथ्यै नमः

🕉 भगवत्यै नमः

ॐ महामोक्षप्रदायिन्यै नमः

ॐ सिन्धुसङ्गगतायै नमः

ॐ शुद्धायै नमः

ॐ रसातलनिवासिन्यै नमः

ॐ महाभोगायै नमः

३०

| ॐ भोगवत्यै नमः | 3 |
|------------------------------|---|
| ॐ सुभगानन्ददायिन्यै नमः | ુ |
| ॐ महापापहरायै नमः | ુ |
| ॐ पुण्यायै नमः | 3 |
| ॐ परमाह्वाददायिन्यै नमः | ુ |
| ॐ पार्वत्यै नमः | ુ |
| ॐ शिवपल्यै नमः | 3 |
| ॐ शिवशीर्षगतालयायै नमः | ુ |
| ॐ शम्भोर्जटामध्यगतायै नमः | ξ |
| ॐ निर्मलायै नमः ४० | 3 |
| ॐ निर्मलाननायै नमः | ં |
| ॐ महाकलुषहन्त्र्ये नमः | ં |
| ॐ जह्रुपुत्र्ये नमः | ં |
| ॐ जगत्प्रियायै नमः | ં |
| ॐ त्रैलोक्यपावन्यै नमः | ં |
| ॐ पूर्णायै नमः | ં |
| ॐ पूर्णब्रह्मस्वरूपिण्यै नमः | ં |
| ॐ जगत्पूज्यतमायै नमः | 3 |
| ॐ चारुरूपिण्यै नमः | ુ |
| ॐ जगदम्बिकायै नमः ५० | ં |
| ॐ लोकानुग्रहकर्ट्ये नमः | |
| ॐ सर्वलोकदयापरायै नमः | ુ |
| | |

ॐ याम्यभीतिहरायै नमः ॐ तारायै नमः ॐ पारायै नमः ॐ संसारतारिण्यै नमः ॐ ब्रह्माण्डभेदिन्यै नमः ॐ ब्रह्मकमण्डलुकृतालयायै नमः ॐ सौभाग्यदायिन्यै नमः ॐ पुंसां निर्वाणपददायिन्यै नमः ६० ॐ अचिन्त्यचरितायै नमः ॐ चारुरुचिरातिमनोहरायै नमः ॐ मर्त्यस्थायै नमः ॐ मृत्युभयहायै नमः ॐ स्वर्गमोक्षप्रदायिन्यै नमः ॐ पापापहारिण्यै नमः ॐ दूरचारिण्यै नमः ॐ वीचिधारिण्यै नमः ॐ कारुण्यपूर्णायै नमः ॐ करुणामय्यै नमः 90 ॐ दुरितनाशिन्यै नमः ॐ गिरिराजसुतायै नमः ॐ गौरीभगिन्यै नमः

१००

ॐ गिरिशप्रियायै नमः

ॐ मेनकागर्भसम्भूतायै नमः

अ मैनाकभगिनीप्रियायै नमः

ॐ आद्यायै नमः

ॐ त्रिलोकजनन्यै नमः

ॐ त्रैलोक्यपरिपालिन्यै नमः

ॐ तीर्थश्रेष्ठतमायै नमः ८०

ॐ श्रेष्ठायै नमः

ॐ सर्वतीर्थमय्यै नमः

ॐ शुभायै नमः

ॐ चतुर्वेदमय्ये नमः

ॐ सर्वायै नमः

ॐ पितृसन्तृप्तिदायिन्यै नमः

ॐ शिवदायै नमः

ॐ शिवसायुज्यदायिन्यै नमः

ॐ शिववल्लभायै नमः

ॐ तेजस्विन्यै नमः ९०

ॐ त्रिनयनायै नमः

ॐ त्रिलोचनमनोरमायै नमः

ॐ सप्तधारायै नमः

ॐ शतमुख्ये नमः

ॐ सगरान्वयतारिण्यै नमः

ॐ मुनिसेव्यायै नमः

ॐ मुनिसुतायै नमः

ॐ जहुजानुप्रभेदिन्ये नमः

ॐ मकरस्थायै नमः

ॐ सर्वगतायै नमः

ॐ सर्वाशुभनिवारिण्ये नमः

ॐ सुदृश्याये नमः

ॐ चाक्षुषीतृप्तिदायिन्यै नमः

ॐ मकरालयायै नमः

ॐ सदानन्दमय्यै नमः

ॐ नित्यानन्ददायै नमः

ॐ नगपूजितायै नमः

ॐ सर्वदेवाधिदेवैः

परिपूज्यपदाम्बुजायै नमः

॥ इति श्री महाभागवते महापुराणे श्री गङ्गाष्टोत्तरशतनामाविलः सम्पूर्णा॥

॥ गणपत्यष्टोत्तरशतनामाविलः॥

ॐ गणेश्वराय नमः ॐ यज्ञकायाय नमः ॐ सर्वात्मने नमः ॐ गणक्रीडाय नमः ॐ सामबृंहिताय नमः ॐ महागणपतये नमः ॐ विश्वकर्त्रे नमः ॐ कुलाचलांसाय नमः ॐ व्योमनाभये नमः ॐ विश्वमुखाय नमः ॐ कल्प्द्रमवनालयाय नमः ॐ दुर्जयाय नमः ॐ धूर्जयाय नमः ॐ निम्ननाभये नमः ॐ स्थूलकुक्षये नमः ॐ जयाय नमः ॐ पीनवक्षसे नमः ॐ सुरूपाय नमः अ सर्वनेत्राधिवासाय नमः ॐ बृहद्भुजाय नमः 80 ॐ पीनस्कन्धाय नमः ॐ वीरासनाश्रयाय नमः ॐ योगाधिपाय नमः ॐ कम्बुकण्ठाय नमः ॐ लम्बोष्ठाय नमः ॐ तारकस्थाय नमः ॐ लम्बनासिकाय नमः ॐ पुरुषाय नमः ॐ सर्वायवसम्पूर्णाय नमः ॐ गजकर्णकाय नमः ॐ सर्वलक्षणलक्षिताय नमः ॐ चित्राङ्गाय नमः ॐ इक्षुचापधराय नमः ॐ रयामद्शनाय नमः ॐ शूलिने नमः ॐ भालचन्द्राय नमः ॐ कान्तिकन्दलिताश्रयाय नमः ॐ चतुर्भुजाय नमः ॐ शम्भुतेजसे नमः ॐ अक्षमालाधराय नमः २०

| ॐ ज्ञानमुद्रावते नमः | ॐ घटोदराय नमः |
|--------------------------|----------------------------|
| ॐ विजयावहाय नमः | ॐ पूर्णानन्दाय नमः |
| ॐ कामिनीकामनाकाममालिनी- | ॐ परानन्दाय नमः |
| केलिलालिताय नमः | ॐ धनदाय नमः |
| ॐ अमोघसिद्धये नमः | ॐ धरणीधराय नमः |
| ॐ आधाराय नमः | ॐ बृहत्तमाय नमः |
| ॐ आधाराधेयवर्जिताय नमः | ॐ ब्रह्मपराय नमः |
| ॐ इन्दीवरदलश्यामाय नमः | ॐ ब्रह्मण्याय नमः |
| ॐ इन्दुमण्डलनिर्मलाय नमः | ॐ ब्रह्मवित्प्रियाय नमः ७० |
| ॐ कर्मसाक्षिणे नमः | ॐ भव्याय नमः |
| ॐ कर्मकर्त्रे नमः ५० | ॐ भूतालयाय नमः |
| ॐ कर्माकर्मफलप्रदाय नमः | ॐ भोगदात्रे नमः |
| ॐ कमण्डलुधराय नमः | ॐ महामनसे नमः |
| ॐ कल्पाय नमः | ॐ वरेण्याय नमः |
| ॐ कपर्दिने नमः | ॐ वामदेवाय नमः |
| ॐ कटिसूत्रभृते नमः | ॐ वन्द्याय नमः |
| ॐ कारुण्यदेहाय नमः | ॐ वज्रनिवारणाय नमः |
| ॐ कपिलाय नमः | ॐ विश्वकर्त्रे नमः |
| ॐ गुह्यागमनिरूपिताय नमः | ॐ विश्वचक्षुषे नमः ८० |
| ॐ गुहाशयाय नमः | ॐ हवनाय नमः |
| ॐ गुहाब्धिस्थाय नमः ६० | ॐ हव्यकव्यभुजे नमः |
| ॐ घटकुम्भाय नमः | ॐ स्वतन्त्राय नमः |
| - | |

ॐ सत्यसङ्कल्पाय नमः

ॐ सौभाग्यवर्धनाय नमः

ॐ कीर्तिदाय नमः

ॐ शोकहारिणे नमः

ॐ त्रिवर्गफलदायकाय नमः

ॐ चतुर्बाहवे नमः

ॐ चतुर्दन्ताय नमः ९०

ॐ चतुर्थातिथिसम्भवाय नमः

ॐ सहस्रशीर्षे पुरुषाय नमः

ॐ सहस्राक्षाय नमः

ॐ सहस्रपादे नमः

ॐ कामरूपाय नमः

ॐ कामगतये नमः

ॐ द्विरदाय नमः

ॐ द्वीपरक्षकाय नमः

ॐ क्षेत्राधिपाय नमः

ॐ क्षमाभर्त्रे नमः १००

ॐ लयस्थाय नमः

ॐ लड्डकप्रियाय नमः

ॐ प्रतिवादिमुखस्तम्भाय नमः

ॐ दुष्टचित्तप्रसादनाय नमः

ॐ भगवते नमः

ॐ भक्तिसुलभाय नमः

ॐ याज्ञिकाय नमः

ॐ याजकप्रियाय नमः

॥ इति श्री गणेशपुराणे उपासनाखण्डे श्री गणपत्यष्टोत्तरशतनामाविलः सम्पूर्णा॥

॥ गकारादि गणपति अष्टोत्तरशतनामाविलः॥

ॐ गकाररूपाय नमः

ॐ गम्बीजाय नमः

ॐ गणेशाय नमः

ॐ गणवन्दिताय नमः

ॐ गणनीयाय नमः

ॐ गणाय नमः

ॐ गण्याय नमः ॐ गण्डभ्रमद्भमर्कुण्डलाय नमः ॐ गणनातीतसद्गुणाय नमः ॐ गतागतज्ञाय नमः ॐ गगनादिकसृजे नमः ॐ गतिदाय नमः ॐ गतमृत्यवे नमः ॐ गङ्गासुताय नमः ॐ गङ्गासुतार्चिताय नमः ॐ गतोद्भवाय नमः ॐ गङ्गाधरप्रीतिकराय नमः ॐ गन्धप्रियाय नमः ॐ गवीशेड्याय नमः ॐ गन्धवाहाय नमः ॐ गन्धसिन्धूरबृन्दगाय नमः ॐ गदापहाय नमः ॐ गन्धादिपूजिताय नमः ॐ गदाधरनुताय नमः ॐ गव्यभोक्रे नमः ॐ गद्यपद्यात्मककवित्वदाय नमः ॐ गर्गादिसन्नुताय नमः ॐ गजास्याय नमः ॐ गजलक्ष्मीवते नमः ॐ गरिष्ठाय नमः 80 ॐ गजवाजिरथप्रदाय नमः ॐ गरभिदे नमः ॐ गञ्जानिरतिशक्षाकृतये नमः २० ॐ गर्वहराय नमः ॐ गरिलभूषणाय नमः ॐ गणितज्ञाय नमः ॐ गविष्ठाय नमः ॐ गण्डदानाञ्चिताय नमः ॐ गर्जितारावाय नमः ॐ गन्त्रे नमः ॐ गम्भीरहृदयाय नमः ॐ गण्डोपलसमाकृतये नमः ॐ गदिने नमः ॐ गगनव्यापकाय नमः ॐ गम्याय नमः ॐ गलत्कुष्ठहराय नमः ॐ गर्भप्रदाय नमः ॐ गमनादिविवर्जिताय नमः ॐ गर्भार्भरक्षकाय नमः ॐ गण्डदोषहराय नमः

ॐ गर्भाधाराय नमः

ॐ गर्भवासिशिशुज्ञानप्रदाय नमः

ॐ गरुत्मत्तुल्यजवनाय नमः

ॐ गरुडध्वजवन्दिताय नमः

ॐ गयेडिताय नमः

ॐ गयाश्राद्धफलदाय नमः

ॐ गयाकृतये नमः

ॐ गदाधरावतारिणे नमः

ॐ गन्धर्वनगरार्चिताय नमः

ॐ गन्धर्वगानसन्तुष्टाय नमः ६०

ॐ गरुडाग्रजवन्दिताय नमः

ॐ गणरात्रसमाराध्याय नमः

ॐ गर्हणास्तुतिसाम्यधिये नमः

ॐ गर्ताभनाभये नमः

ॐ गव्यूतिदीर्घतुण्डाय नमः

ॐ गभस्तिमते नमः

ॐ गर्हिताचारदूराय नमः

ॐ गरुडोपलभूषिताय नमः

ॐ गजारिविक्रमाय नमः

ॐ गन्धमूषवाजिने नमः

ॐ गतश्रमाय नमः

ॐ गवेषणीयाय नमः

ॐ गहनाय नमः

ॐ गहनस्थमुनिस्तृताय नमः

ॐ गवयच्छिदे नमः

ॐ गण्डकभिदे नमः

ॐ गह्वरापथवारणाय नमः

ॐ गजदन्तायुधाय नमः

ॐ गर्जद्विपुघ्नाय नमः

ॐ गजकर्णिकाय नमः

ॐ गजचर्मामयच्छेत्रे नमः

ॐ गणाध्यक्षाय नमः

ॐ गणार्चिताय नमः

ॐ गणिकानर्तनप्रीताय नमः

ॐ गच्छते नमः

ॐ गन्धफलीप्रियाय नमः

ॐ गन्धकादिरसाधीशाय नमः

ॐ गणकानन्ददायकाय नमः

ॐ गरभादिजनुर्हर्त्रे नमः

ॐ गण्डकीगाहनोत्सुकाय नमः

९०

ॐ गण्डूषीकृतवाराशये नमः

ॐ गरिमालघिमादिदाय नमः

ॐ गवाक्षवत्सौधवासिने नमः

ॐ गर्भिताय नमः

ॐ गर्भिणीनुताय नमः

ॐ गन्धमादनशैलाभाय नमः

ॐ गण्डभेरुण्डविक्रमाय नमः

ॐ गदिताय नमः

ॐ गद्गदारावसंस्तुताय नमः

ॐ गह्वरीपतये नमः १००

ॐ गजेशाय नमः

ॐ गरीयसे नमः

ॐ गद्येड्याय नमः

ॐ गतभिदे नमः

ॐ गदितागमाय नमः

ॐ गर्हणीयगुणाभावाय नमः

ॐ गङ्गादिकशुचिप्रदाय नमः

ॐ गणनातीतविद्याश्री-

बलायुष्यादिदायकाय नमः

॥इति गकारादि गणपत्यष्टोत्तरशतनामावलिः सम्पूर्णा॥

॥ गोदाष्टोत्तरशतनामाविलः॥

ॐ श्रीरङ्गनायक्यै नमः

ॐ गोदायै नमः

ॐ विष्णुचित्तात्मजायै नमः

ॐ सत्यै नमः

ॐ गोपीवेषधरायै नमः

ॐ देव्यै नमः

ॐ भूसुतायै नमः

ॐ भोगशालिन्यै नमः

ॐ तुलसीकाननोद्भृतायै नमः

ॐ श्रीधन्विपुरवासिन्यै नमः

ॐ भट्टनाथप्रियकर्यें नमः

ॐ श्रीकृष्णहितभोगिन्यै नमः

ॐ आमुक्तमाल्यदायै नमः

ॐ बालायै नमः

ॐ रङ्गनाथप्रियायै नमः

ॐ परायै नमः

ॐ विश्वम्भरायै नमः

ॐ कलालापायै नमः

ॐ यतिराजसहोदर्ये नमः ॐ कृष्णानुरक्तायै नमः २० ॐ सुभगायै नमः ॐ सुलभिश्रयै नमः ॐ सलक्षणायै नमः ॐ लक्ष्मीप्रियसख्यै नमः ॐ इयामायै नमः ॐ दयाञ्चितदृगञ्चलायै नमः ॐ फल्गुन्याविर्भवायै नमः ॐ रम्यायै नमः ॐ धनुर्मासकृतव्रतायै नमः ॐ चम्पकाशोक-पुन्नाग-मालती-विलसत्-कचायै नमः 30 ॐ आकारत्रयसम्पन्नायै नमः ॐ नारायणपदाश्रितायै नमः ॐ श्रीमद्रष्टाक्षरीमन्त्र-राजस्थित-मनोरथायै नमः ॐ मोक्षप्रदाननिपुणायै नमः

ॐ मनुरत्नाधिदेवतायै नमः

ॐ ब्रह्मण्यायै नमः

ॐ लोकजनन्यै नमः

ॐ लीलामानुषरूपिण्यै नमः ॐ ब्रह्मज्ञानप्रदायै नमः ॐ मायायै नमः So ॐ सिचदानन्दविग्रहायै नमः ॐ महापतिव्रतायै नमः ॐ विष्णुगुणकीर्तनलोलुपायै नमः ॐ प्रपन्नार्तिहरायै नमः ॐ नित्यायै नमः ॐ वेदसौधविहारिण्यै नमः ॐ श्रीरङ्गनाथमाणिक्यमञ्जर्ये नमः ॐ मञ्जुभाषिण्यै नमः ॐ पद्मप्रियायै नमः ॐ पद्महस्तायै नमः 40 ॐ वेदान्तद्वयबोधिन्यै नमः ॐ सुप्रसन्नायै नमः ॐ भगवत्यै नमः ॐ श्रीजनार्दनदीपिकायै नमः ॐ सुगन्धवयवायै नमः ॐ चारुरङ्गमङ्गलदीपिकायै नमः ॐ ध्वजवज्राङ्कशाङ्काङ्क-मृदुपाद-लताञ्चितायै नमः ॐ तारकाकारनखरायै नमः

ॐ प्रवालमृदुलाङ्गुल्यै नमः

30

कूर्मीपमेय-पादोर्ध्वभागायै नमः६०

ॐ शोभनपािर्ष्णकायै नमः

अ वेदार्थभावतत्त्वज्ञायै न्मः

ॐ लोकाराध्याङ्किपङ्कजायै नमः ॐ

30

आनन्दबुद्धुदाकार-सुगुल्फायै नमः

ॐ परमायै नमः

ॐ अणुकायै नमः

ॐ तेजःश्रियोज्ज्वलधृतपादाङ्गुलि-

सुभूषितायै नमः

ॐ मीनकेतन-तूणीर-चारुजङ्घा-

विराजितायै नमः

ॐ ककुद्वजानुयुग्माढ्यायै नमः

ॐ स्वर्णरम्भाभसिक्थकायै नमः

90

🕉 विशालजघनायै नमः

ॐ पीनसुश्रोण्ये नमः

ॐ मणिमेखलायै नमः

ॐ आनन्दसागरावर्त-गम्भीराम्भोज-नाभिकायै नमः ॐ भास्वद्बलित्रिकायै नमः

ॐ चारुजगत्पूर्ण-महोदर्थै नमः

ॐ नववल्लीरोमराज्ये नमः

ॐ सुधाकुम्भायितस्तन्यै नमः

ॐ कल्पमालानिभबुजायै नमः

ॐ चन्द्रखण्डनखाञ्चितायै नमः८०

ॐ सुप्रवाशाङ्गुलीन्यस्तमहा-

रलाङ्गुलीयकायै नमः

ॐ नवारुणप्रवालाभ-पाणिदेश-

समञ्चितायै नमः

ॐ कम्बुकण्ठ्यै नमः

ॐ सुचुबुकायै नमः

ॐ बिम्बोष्ठ्ये नमः

ॐ कुन्ददन्तयुजे नमः

ॐ कारुण्यरस-निष्यन्द-नेत्रद्वय-

सुशोभितायै नमः

ॐ मुक्ताशुचिस्मितायै नमः

30

चारुचाम्पेयनिभनासिकायै नमः

ॐ दर्पणाकार-विपुल-कपोल-द्वितयाश्चितायै नमः

९०

ॐ अनन्तार्क-प्रकाशोद्यन्मणि-ताटङ्क-शोभितायै नमः ॐ कोटिसूर्याग्निसङ्काश-नानाभूषण-भूषितायै नमः ॐ सुगन्धवदनायै नमः ॐ सुभ्रुवे नमः ॐ अर्घचन्द्रललाटिकायै नमः ॐ पूर्णचन्द्राननायै नमः 30 नीलकुटिलालकशोभितायै नमः ॐ सौन्दर्यसीमायै नमः ॐ विलसत्-कस्तूरी-तिलकोज्ज्वलायै नमः ॐ धगद्ध-गायमानोद्यन्मणि-सीमन्त-भूषणायै नमः १०० ॐ जाज्वल्यमान-सद्रल-दिव्यचूडावतंसकायै नमः ॐ सूर्यार्धचन्द्र-विलसत्-

भूषणञ्चित-वेणिकायै नमः ॐ अत्यर्कानल-तेजोधिमणि-कञ्चुकधारिण्यै नमः ॐ सद्रलाञ्चितविद्योत-विद्युत्कुञ्जाभ-शाटिकायै नमः ॐ नानामणिगणाकीर्ण-हेमाङ्गदसुभूषितायै नमः ॐ कुङ्कमागरु-कस्तूरी-दिव्यचन्दन-चर्चितायै नमः ॐ स्वोचितौज्ज्वल्य-विविध-विचित्र-मणि-हारिण्ये नमः ॐ असङ्खोय-सुखस्पर्श-सर्वातिशय-भूषणाये नमः ॐ मिल्लका-पारिजातादि दिव्यपुष्प-स्रगञ्चितायै नमः ॐ श्रीरङ्गनिलयायै नमः ॐ पूज्यायै नमः ॐ दिव्यदेशसुशोभितायै नमः

॥ इति श्री गोदाष्टोत्तरशतनामाविलः सम्पूणो॥

॥ चन्द्रशेखरेन्द्र सरस्वती अष्टोत्तरशतनामाविलः॥

ॐ श्री काञ्ची-कामकोटि-पीठाधीश्वराय नमः

ॐ श्री चन्द्रशेखरेन्द्र-सरस्वती-गुरुभ्यो नमः

ॐ सन्न्यासाश्रमशिखराय नमः

ॐ काषाय-दण्डधारिणे नमः

ॐ सर्वपीडाप्रायश्चित्ताय नमः

ॐ स्वामीनाथाय नमः

ॐ करुणासागराय नमः

ॐ जगदाकर्षणशक्तये नमः

ॐ सर्वचराचरहृदयस्थाय नमः

ॐ भक्तपरिपालकश्रेष्ठाय नमः १०

ॐ धर्मपरिपालकाय नमः

ॐ श्री

जयेन्द्रसरस्वत्याचार्याय नमः

ॐ ब्रह्मोपदेशकाय नमः

ॐ शक्तिस्वरूपकाय नमः

ॐ भक्तजनप्रियाय नमः

ॐ ब्रह्म-विष्णु-शिवैका

एकरूपाय नमः

ॐ काशीक्षेत्रवासाय नमः

ॐ कैलास्त्रिाखरवासाय नमः

ॐ सर्वधर्मपरिपोषकाय नमः

ॐ चतुर्वर्ण्रक्षकाय नमः २

ॐ लोकरिक्षतसङ्कल्पाय नमः

ॐ सर्वनीष्ठापराय नमः

ॐ सर्वपापहराय नमः

ॐ धर्मरक्षकसन्तुष्टाय नमः

ॐ भक्तार्पितधनस्वीकर्त्रे नमः

ॐ सर्वोपनिषद् व्युत्पन्नाय नमः

ॐ सर्वशास्त्रगमनाय नमः

ॐ सर्वलोकपितामहाय नमः

ॐ भक्ताभीष्टप्रदायकाय नमः

ॐ ब्राह्मण्यपोषकाय नमः ३

ॐ नानाविधपुष्पार्चिताय नमः

ॐ रुद्राक्षकिरीटधारिणे नमः

ॐ भस्मोद्धूलितवेषकाय नमः

ॐ सर्वज्ञाय नमः

ॐ सर्वचराचरव्याघ्रे नमः

ॐ अनेकशिष्यपरिपालकाय नमः

🕉 चञ्चलमनध्वंसिने नमः

ॐ अभयहस्ताय नमः

ॐ भयापहाय नमः

ॐ यज्ञपुरुषाय नमः ४०

ॐ यज्ञकर्त्रे नमः

ॐ यज्ञसम्पन्नाय नमः

ॐ यज्ञसहायकाय नमः

ॐ यज्ञफलदाय नमः

🕉 यज्ञप्रियाय नमः

ॐ सर्वोपमानयोग्याय नमः

ॐ स्फटिक-तुलसी-रुद्राक्ष-हार-

धारिणे नमः

ॐ ब्रह्म-क्षत्रिय-वैश्य-शूद्रादि

चतुर्वर्णजनसमदृष्टाय नमः

ॐ ऋग्यजुस्सामाथर्वणादि

चतुर्वेद्रक्षकाय नमः

ॐ दक्षिणामूर्तिस्वरूपाय नमः ५०

ॐ जाग्रत्-स्वप्न-

सुषुप्त्याद्यवस्थानुग्रहाय नमः

ॐ कोटिसूर्यप्रकाशतेजोमय-

शरीराय नमः

ॐ साधुसङ्गरक्षकाय नमः

ॐ अश्वगजगोपूजप्रियाय नमः

ॐ गुरुपादुकापूजाधुरन्धराय नमः

ॐ कनकाभिषिक्ताय नमः

ॐ स्वर्णबिल्वदलपूज्याय नमः

ॐ सर्वजीवमोक्षदाय नमः

ॐ मूकवाग्दाननिपुणाय नमः

ॐ नेत्रदीक्षादानाय नमः ६०

ॐ द्वादशिलङ्गस्थापिताय नमः

ॐ गानरसप्रियाय नमः

ॐ श्री

जयेन्द्रसरस्वती-पूजिताय नमः

ॐ सकलकलासिद्धिदाय नमः

ॐ चतुर्वर्णजनपूजिताय नमः

ॐ अनेकभाषा-सम्भाषण-

सिद्धिदाय नमः

ॐ अष्टिसिद्धिप्रदायकाय नमः

ॐ श्रीशारदामठस्थाय नमः

ॐ नित्यान्नदानसुप्रीताय नमः

ॐ प्रार्थनामात्रसुलभाय नमः 🕠

ॐ पादयात्राप्रियाय नमः

ॐ नानाविध-मत-पण्डिताय नमः

ॐ श्रुतिस्मृतिपुराणाय नमः

60

९०

ॐ देव-यक्ष-किन्नर-किम्पुरुष-पूज्याय नमः ॐ श्रवणानन्दाय नमः

ॐ दर्शनानन्दाय नमः ॐ जिह्वानन्दाय नमः

ॐ चिन्तितानन्दाय नमः ॐ शैव-वैष्णव-भेद-ध्वंसिने नमः ॐ शङ्कहराय नमः

ॐ शङ्खहस्ताय नमः ॐ वीणामृदङ्गसकलवाद्य-

नादस्वरूपाय नमः 30

राग-स्वर-साहित्य-रसिकाय नमः ॐ नटन-नाट्य-नाटकादि सकलकलाश्रयाय नमः

ॐ हृदय-गुहेशाय नमः ॐ रुद्र-चमक-वर्णित स्वरूपाय नमः

ॐ केदारेश्वरनाथाय नमः ॐ अविद्यानाशकाय नमः

ॐ निष्काम्य-कर्मोपदेशकाय नमः ॐ लघुभक्तिमार्गोपदेशकाय नमः

ॐ लिङ्गस्वरूपाय नमः ॐ शालग्रामसूक्ष्मस्वरूपाय नमः

ॐ श्रङ्गेरी-द्वारकादि चतुर्मठसमदृष्टाय नमः ॐ जितेन्द्रियाय नमः

ॐ शरणागतवत्सलाय नमः ॐ श्रीशैलशिखरवासाय नमः ॐ दमरुकनाद-वेदशृष्टिकाय नमः

ॐ वृषभारूढाय नमः ॐ दुर्मतनाशकाय नमः ॐ आभिचारिकदोषहर्त्रे नमः १०० ॐ मिथ्याहराय नमः

ॐ मृत्युविमोचकशक्तये नमः ॐ सुद्र्शनचक्रप्रतिष्ठिताय नमः ॐ दस्य कर्मानुग्रहाय नमः

ॐ अनूराधानक्षत्रजाताय नमः

ॐ सर्वलोकगमनाय नमः ॐ श्रीत्रिपुरसुन्दरी-समेत-श्रीचन्द्रमौलीश्वर-पूजा-

प्रियाय नमः 30 वेङ्कटेश्वरानन्द-हृदयवासाय नमः

२०

॥इति श्री काञ्ची कामकोटि पीठाधीश्वरः राङ्कराचार्यः श्री चन्द्रशेखरेन्द्रसरस्वती अष्टोत्तर-शतनामाविलः सम्पूर्णा॥

॥ जगदानन्दकारक शतनामाविलः॥

ॐ जगदानन्दकारकाय नमः

ॐ जानकीप्राणनायकाय नमः

ॐ गगनाधिपसदुकुलजाय नमः

ॐ राजराजेश्_Wअराय नमः

ॐ सुगुणाकराय नमः

ॐ सुरसेव्याय नमः

ॐ भव्यदायकाय नमः

ॐ सदा

सकल-जगदानन्दकारकाय नमः

30

अमर-तारक-निचय-कुमुद्हिताय

नमः

ॐ परिपूर्णाय नमः १०

ॐ अनघाय नमः

ॐ सुराय नमः

ॐ सुरभूजाय नमः

30

दधि-पयोधि-वास-हरणाय नमः

ॐ सुन्दरतरवदनाय नमः

ॐ सुधामयवचो वृन्दाय नमः

ॐ गोविन्दाय नमः

ॐ सानन्दाय नमः

ॐ मावराय नमः

ॐ अजरायै नमः

ॐ आप्ताय नमः

ॐ शुभकराय नमः

30

अनेक-जगदानन्दकारकाय नमः

ॐ निगम-नीरजामृतज-

पोषकाय नमः

ॐ अनिमिष-वैरि-वारिद-

समीरणाय नमः

ॐ खग-तुरङ्गाय नमः

ॐ सद्कवि-हृदालयाय नमः

ॐ अगणित-वानराधिप-नताङ्घियुगाय नमः ॐ जगदानन्दकारकाय नमः ॐ इन्द्रनील मणि सन्निभापघनाय नमः 30 ॐ चन्द्र-सूर्य-नयनाय नमः ॐ अप्रमेयाय नमः ॐ वागिन्द्र-जनकाय नमः ॐ सकलेशाय नमः ॐ शुभ्राय नमः ॐ नागेन्द्र-शयनाय नमः ॐ शमन-वैरि-सन्नुताय नमः ॐ जगदानन्दकारकाय नमः ॐ पाद-विजित-मौनि-शापाय

नमः ॐ सव-परिपालाय नमः ॐ वरमन्त्र-ग्रहण-लोलाय नमः ॐ परम-शान्ताय नमः ॐ सिद्धाय नमः ॐ जनकजाधिपाय नमः ॐ सरोजभव-वरदाय नमः

30

अखिल-जगदानन्दकारकाय नमः ॐ सृष्टि-स्थित्यन्त-कारकाय नमः ॐ अमिताय नमः ॐ कामित-फलदाय नमः ॐ असमान-गात्राय नमः ॐ शचीपतिनुताय नमः ॐ अब्धि-मदहराय नमः ॐ अनुराग-राग-राजित-कथा-सारहिताय नमः ॐ जगदानन्दकारकाय नमः ॐ सज्जन-मानसाब्धि-सुधाकराय नमः ॐ कुसुम-विमानाय नमः ॐ सुरसारिपु-कराज्ज-लालित-चरणाय नमः ॐ अवगुणासुरगण-मद-हरणाय नमः ॐ सनातनाजनुताय नमः ॐ जगदानन्दकारकाय नमः ॐ ओङ्कार पञ्जर-कीराय नमः ॐ पुरहर-सरोजभव-केशवादिरूपाय नमः

30

वासव-रिपु-जनकान्तकाय नमः

ॐ कलाधराय नमः

ॐ कलाधराप्ताय नमः

ॐ घृणाकराय नमः

ॐ शरणागत-जन-पालनाय नमः

ॐ सुमनोरमणाय नमः

ॐ निर्विकाराय नमः

ॐ निगमसारतराय नमः ७०

ॐ जगदानन्दकारकाय नमः

ॐ करधृत-शर-जालाय नमः

ॐ सुरमदापहरणाय नमः

ॐ अवनी-सुर-सुरावनाय नमः

ॐ कवीनाय नमः

ॐ बिलज-मौनि-कृत-चरित्र-

सन्नुताय नमः

ॐ श्री त्यागराजनुताय नमः

ॐ जगदानन्दकारकाय नमः

ॐ पुराणपुरुषाय नमः

ॐ नृवरात्मजाय नमः ८०

ॐ आश्रित-पराधीनाय नमः

ॐ खर-विराध-रावण-

विरावणाय नमः

ॐ अनघाय नमः

ॐ पराशर-मनोहराय नमः

ॐ अविकृताय नमः

ॐ त्यागराज-सन्नुताय नमः

ॐ जगदानन्दकारकाय नमः

ॐ अगणित-गुणाय नमः

ॐ कनक-चेलाय नमः

ॐ साल-विदलनाय नमः ९०

ॐ अरुणाभ-समान-चरणाय नमः

ॐ अपार-महिम्ने नमः

ॐ अद्भुताय नमः

ॐ सुकवि-जन-हृद्सदनाय नमः

ॐ सुर-मुनिगण-विहिताय नमः

30

कलश-नीरनिधिजा-रमणाय नमः

ॐ पाप-गज-नृसिंहाय नमः

ॐ वराय नमः

ॐ त्यागराजादि-नुताय नमः

ॐ जगदानन्दकारकाय नमः १००

॥इति श्री जगदानन्दकारक नामाविलः सम्पूर्णा॥

॥ देवसेना अष्टोत्तरशतनामाविलः॥

ॐ देवसेनायै नमः ॐ देवलोकजनन्यै नमः ॐ दिव्यसुन्दर्यें नमः ॐ देवपूज्याये नमः ॐ दयारूपायै नमः ॐ दिव्याभरणभूषितायै नमः ॐ दारिद्यनाशिन्यै नमः ॐ देव्ये नमः ॐ दिव्यपङ्कजधारिण्यै नमः ॐ दुःस्वप्ननाशिन्यै नमः १० ॐ दुष्टशमन्यै नमः ॐ दोषवर्जितायै नमः ॐ पीताम्बरायै नमः ॐ पद्मवासायै नमः ॐ परानन्दायै नमः ॐ परात्परायै नमः

ॐ पूर्णायै नमः

ॐ परमकल्याण्यै नमः

ॐ प्रकटायै नमः ॐ पापनाशिन्यै नमः २० ॐ प्राणेश्वर्यें नमः ॐ परायै शक्त्यै नमः ॐ परमायै नमः ॐ परमेश्वर्यें नमः ॐ महावीर्यायै नमः ॐ महाभोगायै नमः ॐ महापूज्यायै नमः ॐ महाबलायै नमः ॐ माहेन्द्र्ये नमः ॐ महत्यै नमः ३० ॐ मायायै नमः ॐ मुक्ताहारविभूषितायै नमः ॐ ब्रह्मानन्दायै नमः ॐ ब्रह्मरूपाये नमः ॐ ब्रह्माण्ये नमः ॐ ब्रह्मपूजितायै नमः

| ॐ कार्त्तिकेयप्रियायै नमः | | ॐ हर्षदात्र्ये नमः | |
|---------------------------|----|-----------------------|----|
| ॐ कान्तायै नमः | | ॐ हतासुरायै नमः | ६० |
| ॐ कामरूपायै नमः | | ॐ हितकर्ट्यें नमः | |
| ॐ कलाधरायै नमः | 80 | ॐ हीनदोषायै नमः | |
| ॐ विष्णुपूज्यायै नमः | | ॐ हेमाभायै नमः | |
| ॐ विश्ववेद्यायै नमः | | ॐ हेमभूषणायै नमः | |
| ॐ वेदवेद्यायै नमः | | ॐ लयहीनायै नमः | |
| ॐ वज्रिजातायै नमः | | ॐ लोकवन्द्यायै नमः | |
| ॐ वरप्रदायै नमः | | ॐ ललितायै नमः | |
| ॐ विशाखकान्तायै नमः | | ॐ ललनोत्तमायै नमः | |
| ॐ विमलायै नमः | | ॐ लम्बवामकरायै नमः | |
| ॐ विशालाक्ष्यै नमः | | ॐ लभ्यायै नमः | ७० |
| ॐ सत्यसन्धायै नमः | | ॐ लज्जाढ्यायै नमः | |
| ॐ सत्प्रभावायै नमः | ५० | ॐ लाभदायिन्यै नमः | |
| ॐ सिद्धिदायै नमः | | ॐ अचिन्त्यशक्त्यै नमः | |
| ॐ स्कन्दवल्लभायै नमः | | ॐ अचलायै नमः | |
| ॐ सुरेश्वर्यें नमः | | ॐ अचिन्त्यरूपायै नमः | |
| ॐ सर्ववन्द्यायै नमः | | ॐ अक्षरायै नमः | |
| ॐ सुन्दर्थें नमः | | ॐ अभयायै नमः | |
| ॐ साम्यवर्जितायै नमः | | ॐ अम्बुजाक्ष्यै नमः | |
| ॐ हतदैत्यायै नमः | | ॐ अमराराध्यायै नमः | |
| ॐ हानिहीनायै नमः | | ॐ अभयदायै नमः | ८० |
| | | • | |

ॐ असुरभीतिदायै नमः

ॐ शर्मदायै नमः

ॐ शकतनयायै नमः

ॐ शङ्करात्मजवल्लभायै नमः

ॐ शुभायै नमः

ॐ शुभप्रदायै नमः

ॐ शुद्धायै नमः

ॐ शरणागतवत्सलायै नमः

ॐ मयूरवाहनद्यितायै नमः

ॐ महामहिमशालिन्यै नमः ९०

ॐ मदहीनायै नमः

ॐ मातृपूज्यायै नमः

ॐ मन्मथारिसुतप्रियायै नमः

ॐ गुणपूर्णाये नमः

ॐ गणाराखायै नमः

ॐ गौरीसुतमनःप्रियायै नमः

ॐ गतदोषायै नमः

ॐ गतावद्यायै नमः

ॐ गङ्गाजातकुटुम्बिन्यै नमः

ॐ चतुरायै नम्ः १००

ॐ चन्द्रवदनायै नमः

ॐ चन्द्रचूडभवप्रियायै नमः

ॐ रम्यरूपायै नमः

ॐ रमावन्द्यायै नमः

ॐ रुद्रसूनुमनःप्रियायै नमः

ॐ मङ्गलायै नमः

ॐ मधुरालापायै नमः

ॐ महेशतनयप्रियायै नमः

॥ इति श्री देवसेना अष्टोत्तरशतनामाविलः सम्पूर्णा॥

॥ धन्वन्तर्यष्टोत्तरशतनामाविलः॥

ॐ धन्वन्तरये नमः

ॐ सुधापूर्णकलशाढ्यकराय नमः

ॐ हरये नमः

ॐ जरामृतित्रस्तदेवप्रार्थना-साधकाय नमः

साधकाय नमः

ॐ प्रभवे नमः

ॐ निर्विकल्पाय नमः ॐ निस्समानाय नमः ॐ मन्दिस्मितमुखाम्बुजाय नमः ॐ आञ्जनेयप्रापिताद्रये नमः ॐ पार्श्वस्थविनतासुताय नमः १० ॐ निमग्नमन्दरधराय नमः ॐ कूर्मरूपिणे नमः ॐ बृहत्तनवे नमः ॐ नीलकुञ्चितकेशान्ताय नमः ॐ परमाद्भृतरूपधृते नमः 30 कटाक्षवीक्षणाश्वस्तवासुकिने नमः ॐ सिंहविक्रमाय नमः ॐ स्मर्तहृद्रोगहरणाय नमः ॐ महाविष्णवंशसम्भवाय नमः ॐ प्रेक्षणीयोत्पलक्यामाय नमः२० ॐ आयुर्वेदाधिदैवताय नमः ॐ भेषजग्रहणानेहस्स्मरणीय-पदाम्बुजाय नमः ॐ नवयौवनसम्पन्नाय नमः ॐ किरीटान्वितमस्तकाय नमः ॐ नक्रकुण्डलसंशोभि-

श्रवणद्वयशष्जुलये नमः ॐ दीर्घपीवरदोर्दण्डाय नमः ॐ कम्बुग्रीवाय नमः ॐ अम्बुजेक्षणाय नमः ॐ चतुर्भुजाय नमः ॐ शङ्खधराय नमः ३० ॐ चक्रहस्ताय नमः ॐ वरप्रदाय नमः ॐ सुधापात्रोपरिलसदाम्रपत्र-लसत्कराय नमः ॐ शतपद्याढ्यहस्ताय नमः ॐ कस्तूरीतिलकाञ्चिताय नमः ॐ सुकपोलाय नमः ॐ सुनासाय नमः ॐ सुन्दरभ्रलताञ्चिताय नमः ॐ स्वङ्गुलीतलशोभाढ्याय नमः ॐ गूढजत्रवे नमः 80 ॐ महाहनवे नमः ॐ दिव्याङ्गदलसद्वाहवे नमः ॐ केयूरपरिशोभिताय नमः ॐ विचित्ररत्नखचितवलयद्वय-शोभिताय नमः

ॐ समोछ्ठसत्सुजातांसाय नमः ॐ अङ्गुलीयविभूषिताय नमः ॐ सुधागन्धरसास्वादमिलद्भङ्ग-मनोहराय नमः ॐ लक्ष्मीसमर्पितोत्फुल्ल-कञ्जमालालसद्गलाय नमः ॐ लक्ष्मीशोभितवक्षस्काय नमः ॐ वनमालाविराजिताय नमः ५० ॐ नवरत्नमणीक्रुप्तहारशोभित-कन्धराय नमः ॐ हीरनक्षत्रमालादिशोभारञ्जित-दिङ्गुखाय नमः ॐ विरजाय नमः ॐ अम्बरसंवीताय नमः ॐ विशालोरवे नमः ॐ पृथुश्रवसे नमः ॐ निम्ननाभये नमः ॐ सूक्ष्ममध्याय नमः ॐ स्थूलजङ्घाय नमः ॐ निरञ्जनाय नमः ξο ॐ सुलक्षणपदाङ्गुष्ठाय नमः ॐ सर्वसामुद्रिकान्विताय नमः

ॐ अलक्तकारक्तपादाय नमः ॐ मूर्तिमते नमः ॐ वार्धिपूजिताय नमः ॐ सुधार्थान्योन्यसंयुध्यद्देवदैतेय-सान्त्वनाय नमः ॐ कोटिमन्मथसङ्काशाय नमः ॐ सर्वावयवसुन्द्राय नमः ॐ अमृतास्वादनोद्युक्तदेवसङ्घ-परिष्टुताय नमः ॐ पुष्पवर्षणसंयुक्तगन्धर्वकुल-सेविताय नमः 90 ॐ शङ्खतूर्यमृदङ्गादि-सुवादित्राप्सरोवृताय नमः ॐ विष्वक्सेनादियुक्पार्श्वाय नमः ॐ सनकादिमुनिस्तुताय नमः ॐ साश्चर्यसिस्मितचतुर्मुखनेत्र-समीक्षिताय नमः ॐ साराङ्कसम्भ्रमदितिदनुवंरय-समीडिताय नमः

ॐ नमनोन्मुखदेवादिमौलीरल-

लसत्पदाय नमः

ॐ दिव्यतेजसे नमः ॐ पुञ्जरूपाय नमः अ सर्वदेवहितोत्सुकाय नमः ॐ स्वनिर्गमक्षुब्यदुग्धवाराशये नमः 60 ॐ दुन्दुभिस्वनाय नमः ॐ गन्धर्वगीतापदानश्रवणोत्क-महामनसे नमः ॐ निष्किञ्चनजनप्रीताय नमः ॐ भवसम्प्राप्तरोगहृते नमः ॐ अन्तर्हितसुधापात्राय नमः ॐ महात्मने नमः ॐ मायिकाग्रण्ये नमः ॐ क्षणार्घमोहिनीरूपाय नमः ॐ सर्वस्त्रीशुभलक्षणाय नमः ॐ मदमत्तेभगमनाय नमः ॐ सर्वलोकविमोहनाय नमः ॐ स्रंसन्नीवीग्रन्थिबन्धासक्त-दिव्यकराङ्गिलने नमः ॐ रत्नदर्वीलसद्धस्ताय नमः ॐ देवदैत्यविभागकृते नमः ॐ सञ्चातदेवतान्यासाय नमः

ॐ दैत्यदानववञ्चकाय नमः ॐ देवामृतप्रदात्रे नमः ॐ परिवेषणहृष्टिधये नमः ॐ उन्मुखोन्मुखदैत्येन्द्रदन्त-पङ्किविभाजकाय नमः ॐ पुष्पवत्सुविनिर्दिष्टराहुरक्षः-शिरोहराय नमः १०० ॐ राहुकेतुग्रहस्थानपश्चाद्गति-विधायकाय नमः ॐ अमृतालाभनिर्विण्ण-युध्यद्देवारिसूदनाय नमः ॐ गरुत्मद्वाहनारूढाय नमः ॐ सर्वेशस्तोत्रसंयुताय नमः ॐ स्वस्वाधिकारसन्तुष्ट-शकवह्न्यादिपूजिताय नमः ॐ मोहिनीदर्शनायात-स्थाणुचित्तविमोहकाय नमः ॐ शचीस्वाहादिदिक्पालपत्नी-मण्डलसन्नुताय नमः ॐ वेदान्तवेद्यमहिम्ने नमः ॐ सर्वलोकैकरक्षकाय नमः

🕉 राजराजप्रपूज्याङ्मये नमः ११० | 🕉 चिन्तितार्थप्रदायकाय नमः

॥ इति श्री धन्वन्तर्यष्टोत्तरशतनामाविलः सम्पूर्णा॥

॥ रामाष्ट्रोत्तरशतनामावलिः ॥

ॐ श्रीरामाय नमः

ॐ रामभद्राय नमः

ॐ रामचन्द्राय नमः

ॐ शाश्वताय नमः

ॐ राजीवलोचनाय नमः

ॐ श्रीमते नमः

ॐ राजेन्द्राय नमः

ॐ रघुपुङ्गवाय नमः

ॐ जानकीवल्लभाय नमः

ॐ जैत्राय नमः १०

ॐ जितामित्राय नमः

ॐ जनार्दनाय नमः

ॐ विश्वामित्रप्रियाय नमः

ॐ दान्ताय नमः

ॐ शरणत्राणतत्पराय नमः

ॐ वालिप्रमथनाय नमः

ॐ वाग्मिने नमः

ॐ सत्यवाचे नमः

ॐ सत्यविक्रमाय नमः

ॐ सत्यव्रताय नमः

ॐ व्रतधराय नमः

ॐ सदा हनुमदाश्रिताय नमः

ॐ कौसलेयाय नमः

ॐ खरध्वंसिने नमः

ॐ विराधवधपण्डिताय नमः

ॐ विभीषणपरित्रात्रे नमः

ॐ हरकोदण्डखण्डनाय नमः

ॐ सप्ततालप्रभेन्ने नमः

ॐ दशग्रीवशिरोहराय नमः

ॐ जामद्रस्यमहादर्पदलनाय नमः

30

ॐ ताटकान्तकाय नमः

ॐ वेदान्तसाराय नमः ॐ सुमित्रापुत्रसेविताय नमः ॐ सर्वदेवादिदेवाय नमः ॐ वेदात्मने नमः ॐ भवरोगस्य भेषजाय नमः ॐ मृतवानरजीवनाय नमः ॐ दूषणत्रिशिरोहन्त्रे नमः ॐ मायामारीचहन्त्रे नमः ॐ त्रिमूर्तये नमः ॐ महादेवाय नमः ॐ त्रिगुणात्मकाय नमः ॐ महाभुजाय नमः ॐ सर्वदेवस्तुताय नमः ॐ त्रिविक्रमाय नमः ॐ त्रिलोकात्मने नमः ॐ सौम्याय नमः ॐ पुण्यचारित्रकीर्तनाय नमः ४० ॐ ब्रह्मण्याय नमः ॐ त्रिलोकरक्षकाय नमः ॐ मुनिसंस्तुताय नमः ॐ धन्विने नमः ॐ महायोगाय नमः ॐ दण्डकारण्यकर्तनाय नमः ॐ महोदाराय नमः ॐ सुग्रीवेप्सितराज्यदाय नमः ॐ अहल्याशापशमनाय नमः ॐ सर्वपुण्याधिकफलाय नमः ॐ पितुभक्ताय नमः ॐ स्मृतसर्वाघनाशनाय नमः ॐ वरप्रदाय नमः ॐ जितेन्द्रियाय नमः ॐ अनादये नमः ॐ जितकोधाय नमः ॐ आदिपुरुषाय नमः ॐ जितामित्राय नमः ॐ महापूरुषाय नमः ॐ जगद्गुरवे नमः ॐ पुण्योदयाय नमः ॐ ऋक्षवानरसङ्घातिने नमः ॐ दयासाराय नमः ॐ पुराणपुरुषोत्तमाय नमः ॐ चित्रकूटसमाश्रयाय नमः ॐ स्मितवऋाय नमः ॐ जयन्तत्राणवरदाय नमः

ॐ मितभाषिणे नमः

ॐ पूर्वभाषिणे नमः

ॐ राघवाय नमः

ॐ अनन्तगुणगम्भीराय नमः

ॐ धीरोदात्तगुणोत्तमाय नमः ८०

ॐ मायामानुषचारित्राय नमः

ॐ महादेवादिपूजिताय नमः

ॐ सेतुकृते नमः

ॐ जितवारीशाय नमः

ॐ सर्वतीर्थमयाय नमः

ॐ हरये नमः

ॐ रयामाङ्गाय नमः

ॐ सुन्दराय नमः

ॐ शूराय नमः

ॐ पीतवाससे नमः ९०

ॐ धनुर्धराय नमः

ॐ सर्वयज्ञाधिपाय नमः

ॐ यज्विने नमः

ॐ जरामरणवर्जिताय नमः

ॐ शिवलिङ्गप्रतिष्ठात्रे नमः

ॐ सर्वापगुणवर्जिताय नमः

ॐ परमात्मने नमः

ॐ परस्मै ब्रह्मणे नमः

ॐ सिचदानन्दविग्रहाय नमः

ॐ परस्मै ज्योतिषे नमः 🦠

ॐ परस्मै धाम्ने नमः

ॐ पराकाशाय नमः

ॐ परात्पराय नमः

ॐ परेशाय नमः

ॐ पारगाय नमः

ॐ पाराय नमः

ॐ सर्वदेवात्मकाय नमः

ॐ पराय नमः

॥ इति श्री पद्मपुराणे उत्तरखण्डे श्री रामाष्टोत्तरशतनामाविलः सम्पूर्णा॥

॥ लक्ष्म्यष्टोत्तरशतनामावलिः ॥

| ॐ प्रकृत्यै नमः | | ॐ दीप्तायै नमः | |
|-------------------------|----|------------------------|----|
| ॐ विकृत्ये नमः | | ॐ वसुधायै नमः | |
| ॐ विद्याये नमः | | ॐ वसुधारिण्यै नमः | |
| ॐ सर्वभूतहितप्रदायै नमः | | ॐ कमलायै नमः | |
| ॐ श्रद्धायें नमः | | ॐ कान्तायै नमः | |
| ॐ विभूत्यै नमः | | ॐ कामायै नमः | |
| ॐ सुरभ्ये नमः | | ॐ क्षीरोदसम्भवायै नमः | |
| ॐ परमात्मिकायै नमः | | ॐ अनुग्रहपदायै नमः | ३० |
| ॐ वाचे नमः | | ॐ बुच्चे नमः | |
| ॐ पद्मालयायै नमः | १० | ॐ अनघायै नमः | |
| ॐ पद्मायै नमः | | ॐ हरिवल्लभायै नमः | |
| ॐ शुच्यै नमः | | ॐ अशोकाममृतायै नमः | |
| ॐ स्वाहायै नमः | | ॐ दीप्तायै नमः | |
| ॐ स्वधायै नमः | | ॐ लोकशोकविनाशिन्यै नमः | |
| ॐ सुधायै नमः | | ॐ धर्मनिलयायै नमः | |
| ॐ धन्यायै नमः | | ॐ करुणायै नमः | |
| ॐ हिरण्मय्यै नमः | | ॐ लोकमात्रे नमः | |
| ॐ लक्ष्म्यै नमः | | ॐ पद्मप्रियायै नमः | 80 |
| ॐ नित्यपुष्टायै नमः | | ॐ पद्महस्तायै नमः | |
| ॐ विभावयेँ नमः | २० | ॐ पद्माक्ष्यै नमः | |
| ॐ अदित्यै नमः | | ॐ पद्मसुन्दर्यें नमः | |
| ॐ दित्यै नमः | | ॐ पद्मोद्भवायै नमः | |
| • | | | |

| ॐ पद्ममुख्यै नमः | | ॐ सत्यै नमः | |
|-----------------------|----|--------------------------|----|
| ॐ पद्मनाभप्रियायै नमः | | ॐ विमलायै नमः | |
| ॐ रमायै नमः | | ॐ विश्वजनन्यै नमः | |
| ॐ पद्ममालाधरायै नमः | | ॐ तुष्ट्यै नमः | 90 |
| ॐ देव्यै नमः | | ॐ दारिद्यनाशिन्यै नमः | |
| ॐ पद्मिन्यै नमः | ५० | ॐ प्रीतिपुष्करिण्यै नमः | |
| ॐ पद्मगन्धिन्यै नमः | | ॐ शान्तायै नमः | |
| ॐ पुण्यगन्धायै नमः | | ॐ शुक्रमाल्याम्बरायै नमः | |
| ॐ सुप्रसन्नायै नमः | | ॐ श्रियै नमः | |
| ॐ प्रसादाभिमुख्यै नमः | | ॐ भास्कर्यें नमः | |
| ॐ प्रभायै नमः | | ॐ बिल्वनिलयायै नमः | |
| ॐ चन्द्रवदनायै नमः | | ॐ वरारोहायै नमः | |
| ॐ चन्द्रायै नमः | | ॐ यशस्विन्यै नमः | |
| ॐ चन्द्रसहोदर्थै नमः | | ॐ वसुन्धरायै नमः | ८० |
| ॐ चतुर्भुजायै नमः | | ॐ उदाराञ्चे नमः | |
| ॐ चन्द्ररूपायै नमः | ६० | ॐ हरिण्ये नमः | |
| ॐ इन्दिरायै नमः | | ॐ हेममालिन्यै नमः | |
| ॐ इन्दुशीतलायै नमः | | ॐ धनधान्यकर्यें नमः | |
| ॐ आह्रादजनन्यै नमः | | ॐ सिच्चै नमः | |
| ॐ पुष्ट्ये नमः | | ॐ स्त्रेणसौम्यायै नमः | |
| ॐ शिवायै नमः | | ॐ शुभप्रदाये नमः | |
| ॐ शिवकर्यें नमः | | ॐ नृपवेश्मगतानन्दायै नमः | |
| | l | | |

ॐ वरलक्ष्म्यै नमः

ॐ वसुप्रदायै नमः ९०

ॐ शुभायै नमः

ॐ हिरण्यप्राकारायै नमः

ॐ समुद्रतनयायै नमः

ॐ जयायै नमः

ॐ मङ्गलायै नमः

ॐ देव्ये नमः

ॐ विष्णुवक्षःस्थलस्थितायै नमः

ॐ विष्णुपल्यै नमः

ॐ प्रसन्नाक्ष्ये नमः

ॐ नारायणसमाश्रितायै नमः १००

ॐ दारिद्यध्वंसिन्ये नमः

ॐ देव्यै नमः

ॐ सर्वोपद्रवहारिण्यै नमः

ॐ नवदुर्गायै नमः

ॐ महाकाल्ये नमः

ॐ ब्रह्मविष्णुशिवात्मिकाये नमः

ॐ त्रिकालज्ञानसम्पन्नायै नमः

ॐ भुवनेश्वर्यें नमः

॥ इति श्री लक्ष्म्यष्टोत्तरशतनामाविलः सम्पूर्णा ॥ f

॥ वल्ली अष्टोत्तरशतनामाविलः॥

ॐ महावल्ल्ये नमः

ॐ वन्द्यायै नमः

ॐ वनवासायै नमः

ॐ वरलक्ष्म्यै नमः

ॐ वरप्रदायै नमः

ॐ वाणीस्तुतायै नमः

ॐ वीतमोहायै नमः

ॐ वामदेवसुतप्रियायै नमः

ॐ वैकुण्ठतनयाये नमः

ॐ वर्यायै नमः

१०

ॐ वनेचरसमादृतायै नमः

ॐ दयापूर्णायै नमः

ॐ दिव्यरूपायै नमः

ॐ दारिद्यभयनाशिन्यै नमः

| ं नेना गारी गाः | ı | <u>ं प्राप्ति गरी</u> नाः | |
|--------------------------|----|-------------------------------|----|
| ॐ देवस्तुतायै नमः | | ॐ पुण्यशीलायै नमः | |
| ॐ दैत्यहृन्त्र्ये नमः | | ॐ प्रियङ्गुवनपालिन्यै नमः | |
| ॐ दोषहीनायै नमः | | ॐ सुन्दर्थे नमः | |
| ॐ दयाम्बुधये नमः | | ॐ सुरसंस्तुतायै नमः | 80 |
| ॐ दुःखहन्त्र्ये नमः | | ॐ सुब्रह्मण्यकुटुम्बिन्यै नमः | |
| ॐ दुष्टदूरायै नमः | २० | ॐ मान्यायै नमः | |
| ॐ दुरितघ्न्यै नमः | | ॐ मनोहरायै नमः | |
| ॐ दुरासदायै नमः | | ॐ मायायै नमः | |
| ॐ नाशहीनायै नमः | | ॐ महेश्वरसुतप्रियायै नमः | |
| ॐ नागनुतायै नमः | | ॐ कुमार्थें नमः | |
| ॐ नारदस्तुतवैभवायै नमः | | ॐ करुणापूर्णायै नमः | |
| ॐ लवलीकुञ्जसम्भूतायै नमः | | ॐ कार्त्तिकेयमनोहरायै नमः | |
| ॐ ललितायै नमः | | ॐ पद्मनेत्रायै नमः | |
| ॐ ललनोत्तमायै नमः | | ॐ परानन्दायै नमः | ५० |
| ॐ शान्तदोषायै नमः | | ॐ पार्वतीसुतवल्लभायै नमः | |
| ॐ शर्मदात्र्यै नमः | ३० | ॐ महादेव्ये नमः | |
| ॐ शरजन्मकुटुम्बिन्यै नमः | | ॐ महामायायै नमः | |
| ॐ पद्मिन्यै नमः | | ॐ मल्लिकाकुसुमप्रियायै नमः | |
| ॐ पद्मवदनायै नमः | | ॐ चन्द्रवऋायै नमः | |
| ॐ पद्मनाभसुतायै नमः | | ॐ चारुरूपायै नमः | |
| ॐ परायै नम्ः | | ॐ चाम्पेयकुसुमप्रियायै नमः | |
| ॐ पूर्णरूपायै नमः | | ॐ गिरिवासायै नमः | |
| | | | |

| ॐ गुणनिधये नमः | | ॐ हरिसुतायै नमः |
|---------------------------|----|--------------------------|
| ॐ गतावन्यायै नमः | ξo | ॐ हरसूनुमनःप्रियायै नमः |
| ॐ गुहप्रियायै नमः | | ॐ कल्याण्ये नमः |
| ॐ कलिहीनायै नमः | | ॐ कमलायै नमः |
| ॐ कलारूपायै नमः | | ॐ कल्यायै नमः |
| ॐ कृत्तिकासुतकामिन्यै नमः | | ॐ कुमारसुमनोहरायै नमः |
| ॐ गतदोषायै नमः | | ॐ जन्महीनायै नमः |
| ॐ गीतगुणायै नमः | | ॐ जन्महन्त्र्यै नमः |
| ॐ गङ्गाधरसुतप्रियायै नमः | | ॐ जनार्दनसुतायै नमः |
| ॐ भद्ररूपायै नमः | | ॐ जयायै नमः ९० |
| ॐ भगवत्यै नमः | | ॐ रमायै नमः |
| ॐ भाग्यदायै नमः | ७० | ॐ रामायै नमः |
| ॐ भवहारिण्यै नमः | | ॐ रम्यरूपायै नमः |
| ॐ भवहीनायै नमः | | ॐ राझ्ये नमः |
| ॐ भव्यदेहायै नमः | | ॐ राजवरादृतायै नमः |
| ॐ भवात्मजमनोहरायै नमः | | ॐ नीतिज्ञायै नमः |
| ॐ सौम्यायै नमः | | ॐ निर्मलायै नमः |
| ॐ सर्वेश्वर्यें नमः | | ॐ नित्यायै नमः |
| ॐ सत्यायै नमः | | ॐ नीलकण्ठसुतप्रियायै नमः |
| ॐ साध्व्यै नम्ः | | ॐ शिवरूपाये नमः १०० |
| ॐ सिद्धसमर्चितायै नमः | | ॐ सुधाकारायै नमः |
| ॐ हानिहीनायै नमः | ८० | ॐ शिखिवाहनवल्लभायै नमः |

ॐ व्याधात्मजायै नमः

ॐ व्याधिहन्त्र्ये नमः

ॐ विविधागमसंस्तुतायै नमः

ॐ हर्षदात्र्ये नमः

ॐ हरिभवायै नमः

ॐ हरसूनुप्रियङ्गनायै नमः

॥ इति श्री वल्ल्यष्टोत्तरशतनामाविलः सम्पूर्णा॥

॥ विष्णोरष्टोत्तरशतदिव्यस्थानीयनामाविलः॥

ॐ श्रीवैकुण्ठे वासुदेवाय नमः

ॐ आमोदे कर्षणाय नमः

ॐ प्रमोदे प्रद्युम्नाय नमः

ॐ सम्मोदे ऐरुद्धाय नमः

ॐ सत्यलोके विष्णवे नमः

ॐ सूर्यमण्डले पद्माक्षाय नमः

ॐ क्षीराब्धौ शेषशयनाय नमः

ॐ श्वेतद्वीपेतु तारकाय नमः

ॐ बदर्यां नारायणाय नमः

ॐ नैमिषे हरये नमः १५

ॐ हरिक्षेत्रे शालग्रामाय नमः

ॐ अयोध्यायां रघूत्तमाय नमः

ॐ मथुरायां बालकृष्णाय नमः

ॐ मायायां मधुसूदनाय नमः

ॐ काइयां भोगरायनाय नमः

ॐ अमवन्त्यां अवनीपतये नमः

ॐ द्वारवत्यां यादवेन्द्राय नमः

ॐ व्रजे गोपीजनप्रियाय नमः

ॐ वृन्दावने नन्दसूनवे नमः

ॐ कालियहृदे गोविन्दाय नमः२०

ॐ गोवर्धने गोपवेषाय नमः

ॐ गोमन्तपर्वते शौरये नमः

ॐ हरिद्वारे जगत्पतये नमः

🕉 प्रयागे माधवाय नमः

ॐ गयायां गदाधराय नमः

ॐ गङ्गासागरगे विष्णवे नमः

ॐ चित्रकूटे राघवाय नमः

ॐ नन्दिग्रामे राक्षसन्नाय नमः

ॐ प्रभासे विश्वरूपाय नमः ॐ श्रीकूर्मे कूर्ममचलाय नमः ३० ॐ नीलाद्रौ पुरुषोत्तमाय नमः ॐ सिंहाचले महासिंहाय नमः ॐ तुलसीवने गदिनां नमः ॐ घृतशैले पापहराय नमः ॐ श्वेताद्रौ सिंहरूपाय नमः ॐ धर्मपुर्यां योगानन्दाय नमः ॐ काकुले आन्ध्रनायकाय नमः ॐ गारुडाद्रौ अहोबिले हिरण्यासुरमर्दनाय नमः ॐ पाण्डुरङ्गे विद्वलाय नमः ॐ वेङ्कटाद्रौ रमासखाय नमः ४० ॐ यादवाद्रौ नारायणाय नमः ॐ घटिकाचले नृसिंहाय नमः ॐ काञ्चां वारणगिरौ कमललोचनवरदाय नमः ॐ काञ्चां परमेशपुरे यथोक्तकारिणे नमः ॐ काञ्चां पाण्डवदूताय नमः ॐ काञ्चां त्रिविक्रमाय नमः

ॐ काञ्चां कामासिक्यां

नृसिंहाय नमः ॐ काञ्चां कामासिक्यां अष्टभुजाय नमः ॐ काञ्चां मेघाकाराय नमः ॐ काञ्चां शुभाकाराय नमः ॐ काञ्च्यां शेषाकाराय नमः ॐ काञ्च्यां शोभनाय नमः ॐ काञ्चां कामकोट्यां शुभप्रदाय नमः ॐ काञ्चां कालमेघाय नमः ॐ काञ्चां खगारूढाय नमः ॐ काञ्च्यां कोटिसूर्यसमप्रभाय नमः ॐ काञ्चां दिव्याय नमः ॐ काञ्च्यां दीपप्रकाशाय नमः ॐ काञ्चां प्रवालवर्णाय नमः ॐ काञ्च्यां दीपाभाय नमः ॐ श्रीगुध्रसरसस्तीरे विजयराघवाय नमः ॐ महापुण्ये वीक्षारण्ये वीरराघवाय नमः ॐ तोताद्रौ तुङ्गशयनाय नमः

ॐ गजस्थले गजार्तिघ्वाय नमः ॐ बलिपुरे महाबलाय नमः ॐ भक्तिसारे जगत्पतये नमः ॐ श्रीमुष्णे महावराहाय नमः ॐ महीन्द्रे पद्मलोचनाय नमः ॐ श्रीरङ्गे जगन्नाथाय नमः ॐ श्रीधामे जानकीप्रियाय नमः७० ॐ सारक्षेत्रे सारनाथाय नमः ॐ खण्डने हरचापहाय नमः ॐ श्रीनिवासस्थले पूर्णाय नमः ॐ स्वर्णमन्दिरे सुवर्णाय नमः ॐ व्याघ्रपुर्यां महाविष्णवे नमः ॐ भक्तिस्थाने भक्तिदाय नमः ॐ श्वेतह्रदे शान्तमूर्तये नमः ॐ अग्निपुर्यां सुरप्रियाय नमः ॐ भार्गवस्थाने भर्गाय नमः ॐ वैकुण्ठे माधवाय नमः ॐ पुरुषोत्तमे भक्तसखाय नमः ॐ चक्रतीर्थे सुदर्शनाय नमः ॐ कुम्भकोणे चक्रपाणये नमः ॐ भूतस्थाने शार्ङ्गिणाय नमः ॐ कपिस्थले गजार्तिघ्वाय नमः

ॐ चित्रकूटके गोविन्दाय नमः ॐ उत्तमायां अनुत्तमाय नमः ॐ श्वेताद्रौ पद्मलोचनाय नमः ॐ पार्थस्थले परब्रह्मणे नमः ॐ कृष्णाकोट्यां मधुद्विषे नमः ९० ॐ नन्दपुर्यां महानन्दाय नमः ॐ वृद्धपुर्यां वृषाश्रयाय नमः ॐ सङ्गमग्रामे असङ्गाय नमः ॐ शरण्ये शरणाय नमः ॐ दक्षिणद्वारकायां गोपालाय नमः ॐ सिंहक्षेत्रे महासिंहाय नमः ॐ मणिमण्डपे मल्लारये नमः ॐ निबिडे निबिडाकाराय नमः ॐ धानुष्के जगदीश्वराय नमः ॐ मौहूरे कालमेघाय नमः ॐ मधुरायां सुन्दराय नमः ॐ वृषभाद्रौ परमस्वामिने नमः ॐ श्रीमद्वरगुणे नाथाय नमः ॐ कुरुकायां रमासखये नमः ॐ गोष्ठीपुरे गोष्ठपतये नमः ॐ दर्भसंस्तरे शयानाय नमः

ॐ धन्विमङ्गलके शौरये नमः ॐ भ्रमरस्थले बलाढ्याय नमः

ॐ कुरङ्गे पूर्णाय नमः

ॐ वटस्थले कृष्णाय नमः ११०

ॐ क्षुद्रनद्यां अच्युताय नमः

ॐ अनन्तके पद्मनाभाय नमः

॥ इति श्री विष्णोरष्टोत्तरशतदिव्यस्थानीयनामाविलः सम्पूर्णा॥

॥ वेङ्कटेशाष्टोत्तरशतनामाविलः (वराहपुराणान्तर्गता)॥

ॐ वेङ्कटेशाय नमः

ॐ शेषाद्रिनिलयाय नमः

ॐ वृषदृग्गोचराया नमः

ॐ विष्णवे नमः

ॐ सदञ्जनगिरीशाय नमः

ॐ वृषाद्रिपतये नमः

ॐ मेरुपुत्रगिरीशाय नमः

ॐ सरस्स्वामितटीजुषे नमः

ॐ कुमारकल्पसेव्याय नमः

ॐ वज्रदृग्विषयाय नमः १०

ॐ सुवर्चलासुत-

न्यस्तसेनापत्यभराय नमः

ॐ रामाय नमः

ॐ पद्मनाभाय नमः

ॐ वायुस्तुताय नमः

ॐ त्यक्तवैकुण्ठलोकाय नमः

ॐ गिरिकुञ्जविहारिणे नमः

ॐ हरिचन्द्नगोत्रेन्द्रस्वामिने नमः

30

राह्वराजन्यनेत्राज्जविषयाय नमः

ॐ वसूपरिचरत्रात्रे नमः

ॐ कृष्णाय नमः

30

अब्धिकन्यापरिष्वक्तवक्षसे नमः

ॐ वेङ्कटाय नमः

30

सनकादिमहायोगिपूजिताय नमः

ॐ देवजित्प्रमुखानन्त-

दैत्यसङ्घप्रणाशिने नमः ॐ श्वेतद्वीप-वसन्मुक्तपूजिताङ्गियुगाय नमः ॐ शेषपर्वतरूपत्वप्रकाशन-पराय नमः ॐ सानुस्थापितताक्ष्याय नमः ॐ तार्क्ष्याचलनिवासिने नमः ॐ मायागृढविमानाय नमः ॐ गरुडस्कन्धवासिने नमः ॐ अनन्तशिरसे नमः ॐ अनन्ताक्षाय नमः ॐ अनन्तचरणाया नमः ॐ श्रीशैलनिलयाय नमः ॐ दामोदरय नमः 🕉 नीलमेघनिभाय नमः 30 ब्रह्मादिदेवदुर्दर्शविश्वरूपाय नमः ॐ वैकुण्ठगत-सद्धेमविमानान्तर्गताय नमः ॐ अगस्त्याभ्यर्थिताशेष-जनदृग्गोचराय नमः

ॐ वासुदेवाय नमः

80

ॐ हरये नमः ॐ तीर्थपञ्चकवासिने नमः ॐ वामदेवप्रियाय नमः ॐ जनकेष्टप्रदाय नमः ॐ मार्कण्डेयमहातीर्थ-जातुपुण्यप्रदाय नमः ॐ वाक्पतिब्रह्मधात्रे नमः ॐ चन्द्रलावण्यदायिने नमः ॐ नारायणनगेशाय नमः ॐ ब्रह्मकृप्तोत्सवाय नमः ॐ राह्वचकवरानम्रलसत्कर-तलाय नमः ५० ॐ द्रवन्मृगमदासक्तविग्रहाय नमः ॐ केशवाय नमः ॐ नित्ययौवनमूर्तये नमः ॐ अर्थितार्थप्रदात्रे नमः ॐ विश्वतीर्थाघहारिणे नमः ॐ तीर्थस्वामिसरःस्नात-जनाभीष्टप्रदायिने नमः ॐ कुमारधारिकावास-स्कन्दाभीष्टप्रदाय नमः ॐ जानुद्वप्तसमुद्भृतपोत्रिणे नमः

ॐ कूर्ममूर्तये नमः ॐ किन्नरद्वन्द्वशापान्तप्रदात्रे नमः ξο ॐ विभवे नमः ॐ वैखानसमुनिश्रेष्ठपूजिताय नमः ॐ सिंहाचलनिवासाय नमः ॐ श्रीमन्नारायणाय नमः 30 सद्भक्तनीलकण्ठार्च्यनृसिंहाय नमः ॐ कुमुदाक्षगणश्रेष्ठसेनापत्य-प्रदाय नमः ॐ दुर्मेधः प्राणहर्त्रे नमः ॐ श्रीधराय नमः ॐ क्षत्रियान्तकरामाय नमः ॐ मत्स्यरूपाय नमः ॐ पाण्डवारिप्रहर्त्रे नमः ॐ श्रीकराय नमः ॐ उपत्यकाप्रदेशस्थशङ्कर-ध्यानमूर्तये नमः ॐ रुक्माजसरसीकूललक्ष्मीकृत-तपस्विने नमः ॐ लसल्लक्ष्मीकराम्भोजदत्त-

कल्हारकस्त्रजे नमः ॐ शालग्रामनिवासाय नमः ॐ शुकदृग्गोचराय नमः ॐ नारायणार्थिताशेषजन-दृग्विषयाय नमः ॐ मृगयारसिकाय नमः ॐ ऋषभासुरहारिणे नमः ॐ अञ्जनागोत्रपतये नमः ॐ वृषभाचलवासिने नमः ॐ अञ्जनासुतदात्रे नमः ॐ माधवीयाघहारिणे नमः ॐ प्रियाङ्गप्रियभ्क्षाय नमः ॐ श्वेतकोलवराय नमः ॐ नीलधेनुपयोधारासेक-देहोद्भवाय नमः ॐ शङ्करप्रियमित्राय नमः ॐ चोलपुत्रप्रियाय नमः ॐ सुधर्मिणे नमः ॐ सुचैतन्यप्रदात्रे नमः ॐ मधुघातिने नमः ॐ कृष्णाख्यविप्रवेदान्तदेशिकत्व-प्रदाय नमः

ॐ वराहाचलनाथाय नमः

ॐ बलभद्राय नमः

ॐ त्रिविक्रमाय नमः

ॐ महते नमः

ॐ हृषीकेशाय नमः

ॐ अच्युताय नमः

ॐ नीलाद्रिनिलयाय नमः १००

ॐ क्षीराब्धिनाथाय नमः

ॐ वैकुण्ठाचलवासिने नमः

ॐ मुक्रन्दाय नमः

ॐ अनन्ताय नमः

ॐ विरिञ्चाभ्यर्तितानीतसौम्य-

रूपाय नमः

ॐ सुवर्णमुखरीस्नातमनुजाभीष्ट-

दायिने नमः

ॐ हलायुधजगत्तीर्थसमस्त-

फलदायिने नमः

ॐ गोविन्दाय नमः

ॐ श्रीनिवासाय नमः

॥ इति श्री वराहपुराणे श्री वेङ्कटेशाष्टोत्तरशतनामाविलः सम्पूर्णा॥

॥ वेङ्कटेशाष्टोत्तरशतनामाविलः॥

ॐ ओङ्कारपरमर्थाय नमः

ॐ नरनारायणात्मकाय नमः

ॐ मोक्षलक्ष्मीप्राणकान्ताय नमः

ॐ वेङ्कटाचलनायकाय नमः

ॐ करुणापूर्णहृदयाय नमः

ॐ टेङ्कारजपसुप्रीताय नमः

ॐ शास्त्रप्रमाणगम्याय नमः

ॐ यमाद्यष्टाङ्गगोचराय नमः

ॐ भक्तलोकैकवरदाय नमः

ॐ वरेण्याय नमः

80

ॐ भयनाशनाय नमः

ॐ यजमानस्वरूपाय नमः

ॐ हस्तन्यस्तसुदर्शनाय नमः

ॐ रमावतारमङ्गेशाय नमः

| ॐ णाकारजपसुप्रीताय नमः | | ॐ सर्वेशाय नमः | |
|----------------------------|----|-------------------------------|----|
| ॐ यज्ञेशाय नमः | | ॐ कमलाकान्ताय नमः | |
| ॐ गतिदात्रे नमः | | ॐ लक्ष्मीसल्लापसम्मुखाय नमः | : |
| ॐ जगतीवल्लभाय नमः | | c ~ ~ | ४० |
| ॐ वराय नमः | | ॐ राजराजवरप्रदाय नमः | |
| ॐ रक्षःसन्दोहसंहर्त्रे नमः | २० | ॐ चतुर्वेदिशरोरत्नाय नमः | |
| ॐ वर्चस्विने नमः | | ॐ रमणाय नमः | |
| ॐ रघुपुङ्गवाय नमः | | ॐ नित्यवैभवाय नमः | |
| ॐ दानधर्मपराय नमः | | ॐ दासवर्गपरित्रात्रे नमः | |
| ॐ याजिने नमः | | ॐ नारदादिमुनिस्तुताय नमः | |
| ॐ घनश्यामलविग्रहाय नमः | | ॐ यादवाचलवासिने नमः | |
| ॐ हरादिसर्वदेवेड्याय नमः | | ॐ खिद्यद्भक्तार्तिभञ्जनाय नमः | |
| ॐ रामाय नमः | | ॐ लक्ष्मीप्रसादकाय नमः | |
| ॐ यदुकुलाग्रण्ये नमः | | ॐ विष्णवे नमः | ५० |
| ॐ श्रीनिवासाय नमः | | ॐ देवेशाय नमः | |
| ॐ महात्मने नमः | ३० | ॐ रम्यविग्रहाय नमः | |
| ॐ तेजस्विने नमः | | ॐ माधवाय नमः | |
| ॐ तत्त्वसन्निधये नमः | | ॐ लोकनाथाय नमः | |
| ॐ त्वमर्थलक्ष्यरूपाय नमः | | ॐ लालिताखिलसेवकाय नमः | |
| ॐ रूपवते नमः | | ॐ यक्षगन्धर्ववरदाय नमः | |
| ॐ पावनाय नमः | | ॐ कुमाराय नमः | |
| ॐ यशसे नमः | | ॐ मातृकाचिंताय नमः | |

ॐ रटद्वालकपोषिणे नमः ॐ शेषशैलकृतस्थलाय नमः ॐ षाङ्गण्यपरिपूर्णाय नमः ॐ द्वैतदोषनिवारणाय नमः ॐ तिर्यग्जन्त्वर्चितङ्मये नमः ॐ नेत्रानन्दकरोत्सवाय नमः ॐ द्वादशोत्तमलीलाय नमः ॐ दरिद्रजनरक्षकाय नमः ॐ रात्रुकृत्यादिभीतिघ्नाय नमः ॐ भुजङ्गशयनप्रियाय नमः ॐ जाग्रद्रहस्यावासाय नमः ॐ शिष्टपरिपालकाय नमः ॐ वरेण्याय नमः ॐ पूर्णबोधाय नमः ॐ जन्मसंसारभेषजाय नमः ॐ कार्त्तिकेयवपुर्घारिणे नमः ॐ यतिशेखरभाविताय नमः ॐ नरकादिभयध्वंसिने नमः ॐ रथोत्सवकलाधराय नमः ॐ लोकार्चामुख्यमूर्तये नमः ॐ केशवाद्यवतारवते नमः

ॐ शास्त्रश्रुतानन्तलीलाय नमः

ॐ यमशिक्षानिबर्हणाय नमः ॐ मानसंरक्षणपराय नमः ॐ इरिणाङ्करधान्यदाय नमः ॐ नेत्रहीनाक्षिदायिने नमः ॐ मतिहीनमतिप्रदाय नमः ॐ हिरण्यदानग्राहिणे नमः ॐ मोहजालनिकृन्तनाय नमः ॐ द्धिलाजाक्षतार्च्याय नमः ॐ यातुधानविनाशनाय नमः ९० ॐ यजुर्वेदिशखागम्याय नमः ॐ वेङ्कटाय नमः ॐ दक्षिणास्थिताय नमः ॐ सारपुष्करिणीतीराय नमः ॐ रात्रौ देवगणार्चिताय नमः ॐ यत्नवत्फलसन्धात्रे नमः ॐ श्रीजापधनवृद्धिकृते नमः ॐ क्रीङ्कारजपकाम्यार्थ- ॐ प्रदानसद्यान्तराय नमः ॐ स्वसर्वसिद्धिसन्धात्रे नमः ॐ नमस्कर्तुरभीष्टदाय नमः १०० ॐ मोहितखिललोकाय नमः ॐ नानारूपव्यवस्थिताय नमः

ॐ राजीवलोचनाय नमः

ॐ यज्ञवराहाय नमः

ॐ गणवेङ्कटाय नमः

ॐ तेजोराशीक्षणाय नमः

ॐ स्वामिने नमः

ॐ हार्दाविद्यानिवारणाय नमः

१०८

ॐ श्रीवेङ्कटेश्वराय नमः

॥ इति श्री वेङ्कटेशाष्टोत्तरशतनामाविलः सम्पूर्णा॥

॥ राक्त्यष्टोत्तररातदिव्यस्थानीयनामाविलः॥

ॐ वाराणस्यां विशालाक्ष्यै नमः

ॐ नैमिषे लिङ्गधारिण्यै नमः

ॐ प्रयागे ललितादेव्यै नमः

ॐ गन्धमादने कामाक्ष्यै नमः

ॐ मानसे कुमुदायै नमः

ॐ अम्बरे विश्वकायायै नमः

ॐ गोमन्ते गोमत्यै नमः

ॐ मन्दरे कामचारिण्यै नमः

ॐ चैत्ररथे मदोत्कटायै नमः

ॐ हस्तिनापुरे जयन्त्यै नमः १०

ॐ कान्यकुड़ो गौर्यें नमः

ॐ मलयपर्वते रम्भायै नमः

ॐ एकाम्रके कीर्तिमत्यै नमः

ॐ विश्वे विश्वेश्वर्यें नमः

ॐ पुष्करे पुरुहृतायै नमः

ॐ केदारे मार्गदायिन्यै नमः

ॐ हिमवतःपृष्ठे नन्दायै नमः

ॐ गोकर्णे भद्रकर्णिकायै नमः

ॐ स्थानेश्वरे भवान्यै नमः

ॐ बिल्वके बिल्वपत्रिकायै नमः

२०

ॐ श्रीशैले माधव्यै नमः

ॐ भद्रेश्वरे भद्रायै नमः

ॐ वराहशैले जयायै नमः

ॐ कमलालये कमलायै नमः

ॐ रुद्रकोट्यां रुद्राण्ये नमः

ॐ कालञ्जरे गिरौ काल्यै नमः ॐ महालिङ्गे कपिलायै नमः ॐ मर्कोटे मुकुटेश्वर्यें नमः ॐ शालग्रामे महादेव्यै नमः ॐ शिवलिङ्गे जलप्रियायै नमः ३० ॐ मायापुर्यां कुमार्यें नमः ॐ सन्ताने ललितायै नमः ॐ सहस्राक्षे उत्पलाक्ष्ये नमः ॐ कमलाक्षे महोत्पलायै नमः ॐ गङ्गायां मङ्गलायै नमः ॐ पुरुषोत्तमे विमलायै नमः ॐ विपाशायां अमोघाक्ष्ये नमः ॐ पुण्ड्रवर्धने पाटलायै नमः ॐ सुपार्श्वे नारायण्ये नमः ॐ विकूटे भद्रसुन्दर्थे नमः ॐ विपुले विपुलायै नमः ॐ मलयाचले कल्याण्यै नमः ॐ कोटितीर्थे कोटव्ये नमः ॐ माधवे वने सुगन्धाये नमः ॐ कुजाम्रके त्रिसन्ध्यायै नमः ॐ गङ्गाद्वारे रतिप्रियायै नमः ॐ शिवकुण्डे सुनन्दायै नमः

ॐ देविकातटे नन्दिन्यै नमः ॐ द्वारवत्यां रुक्मिण्यै नमः ॐ वृन्दावने वने राधायै नमः ॐ मथूरायां देविकायै नमः ॐ पाताले परमेश्वर्यें नमः ॐ चित्रकूटे सीतायै नमः ॐ विन्ध्ये विन्ध्याधिवासिन्यै नमः ॐ सह्याद्रौ एकवीरायै नमः ॐ हरिश्चन्द्रे चन्द्रिकायै नमः ॐ रामतीर्थे रमणायै नमः ॐ यमुनायां मृगावत्यै नमः ॐ करवीरे महालक्ष्म्यै नमः ॐ विनायके उमादेव्यै नमः ॐ वैद्यनाथे अरोगायै नमः ॐ महाकाले महेश्वर्यें नमः ॐ उष्णतीर्थेषु अभयायै नमः ॐ विस्ध्यकन्दरे अमृतायै नमः ॐ माण्डव्ये माण्डव्ये नमः ॐ महेश्वरे पुरे स्वाहायै नमः ॐ छागलाण्डे प्रचण्डायै नमः ॐ मकरन्दके चण्डिकायै नमः ॐ सोमेश्वरे वरारोहायै नमः

ॐ प्रभासे पुष्करावत्यै नमः ७० ॐ सरस्वत्यां पारावारतटे देवमात्रे नमः

ॐ महालये महाभागायै नमः ॐ पयोष्ण्यां पिङ्गलेश्वर्थै नमः

ॐ कृतशौचे सिंहिकायै नमः

ॐ कार्त्तिकेये यशस्कर्यें नमः

ॐ उत्पलावर्तके लोलायै नमः

ॐ शोणसङ्गमे सुभद्रायै नमः

ॐ सिद्धपुरे मात्रे लक्ष्म्यै नमः

ॐ भरताश्रमे अङ्गनायै नमः

ॐ जालन्धरे विश्वमुख्यै नमः ८०

ॐ किष्किन्धपर्वते तारायै नमः

ॐ देवदारुवने पुष्टौ नमः

ॐ काश्मीर मण्डले मेधायै नमः

ॐ हिमाद्रौ भीमादेव्यै नमः

ॐ विश्वेश्वरे पुष्ट्ये नमः

ॐ कपालमोचने शुद्धौ नमः

ॐ कायावरोहणे मात्रे नमः

ॐ राङ्खोद्धारे ध्वन्यै नमः

ॐ पिण्डारके धृत्यै नमः

ॐ चद्रभागायां कालाये नमः ९०

ॐ अच्चोदे शिवकारिण्यै नमः

ॐ वेणायां अमृतायै नमः

ॐ बदर्यां उर्वश्ये नमः

ॐ उत्तरकुरौ औषध्यै नमः

ॐ कृराद्वीपे कुशोदकायै नमः

🕉 हेमकूटे मन्मथायै नमः

ॐ मुकुटे सत्यवादिन्यै नमः

ॐ अश्वत्थे वन्दनीयायै नमः

ॐ वैश्रवणालये निधये नमः

ॐ वेदवदने गायत्र्ये नमः १००

ॐ शिवसन्निधौ पार्वत्यै नमः

ॐ देवलोके इन्द्राण्यै नमः

ॐ ब्रह्मास्येषु सरस्वत्ये नमः

ॐ सूर्यविम्बे प्रभायै नमः

ॐ मातॄणां वैष्णव्ये नमः

ॐ सतीनां अरुन्धत्यै नमः

ॐ रामासु तिलोत्तमायै नमः

ॐ सर्वशरीरिणां चित्ते

ब्रह्मकलानामशक्त्ये नमः

३०

॥ इति श्री मत्स्यमहापुराणे श्री शक्त्यष्टोत्तरशतदिव्यस्थानीयनामाविलः सम्पूर्णा॥

॥ शिवाष्टोत्तरशतनामावलिः॥

ॐ शिवाय नमः

ॐ महेश्वराय नमः

ॐ शम्भवे नमः

ॐ पिनाकिने नमः

ॐ शशिशेखराय नमः

ॐ वामदेवाय नमः

ॐ विरूपाक्षाय नमः

ॐ कपर्दिने नमः

ॐ नीललोहिताय नमः

ॐ शङ्कराय न्मः १०

ॐ शूलपाणिने नमः

ॐ खट्वाङ्गिने नमः

ॐ विष्णुवल्लभाय नमः

ॐ शिपिविष्टाय नमः

ॐ अम्बिकानाथाय नमः

ॐ श्रीकण्ठाय नमः

ॐ भक्तवत्सलाय नमः

ॐ भवाय नमः

ॐ शर्वाय नमः

ॐ त्रिलोकेशाय नमः

ॐ शितिकण्ठाय नमः

ॐ शिवाप्रियाय नमः

ॐ उग्राय नमः

ॐ कपालिने नमः

ॐ कामारये नमः

ॐ अन्धकासुरसूद्नाय नमः

ॐ गङ्गाधराय नमः

ॐ ललाटाक्षाय नमः

ॐ कालकालाय नमः

ॐ कृपानिधये नमः

ॐ भीमाय नमः

ॐ परशुहस्ताय नमः

ॐ मृगपाणये नमः

ॐ जटाधराय नमः

| ॐ कैलासवासिने नमः | ॐ प्रजापतये नमः |
|----------------------------|----------------------|
| ॐ कवचिने नमः | ॐ हिरण्यरेतसे नमः |
| ॐ कठोराय नमः | ॐ दुर्घर्षाय नमः |
| ॐ त्रिपुरान्तकाय नमः | ॐ गिरीशाय नमः ६० |
| ॐ वृषाङ्काय नमः | ॐ गिरिशाय नमः |
| ॐ वृषभारूढाय नमः ४० | ॐ अनघाय नमः |
| ॐ भस्मोद्भूलितविग्रहाय नमः | ॐ भुजङ्गभूषणाय नमः |
| ॐ सामप्रियाय नमः | ॐ भर्गाय नमः |
| ॐ स्वरमयाय नमः | ॐ गिरिधन्वने नमः |
| ॐ त्रयीमूर्तये नमः | ॐ गिरिप्रियाय नमः |
| ॐ अनीश्वराय नमः | ॐ कृत्तिवाससे नमः |
| ॐ सर्वज्ञाय नमः | ॐ पुरारातये नमः |
| ॐ परमात्मने नमः | ॐ भगवते नमः |
| ॐ सोमसूर्याग्निलोचनाय नमः | ॐ प्रमथाधिपाय नमः ७० |
| ॐ हविषे नमः | ॐ मृत्युञ्जयाय नमः |
| ॐ यज्ञमयाय नमः ५० | ॐ सूक्ष्मतनवे नमः |
| ॐ सोमाय नमः | ॐ जगद्यापिने नमः |
| ॐ पञ्चवऋाय नमः | ॐ जगद्गुरवे नमः |
| ॐ सदाशिवाय नमः | ॐ व्योमकेशाय नमः |
| ॐ विश्वेश्वराय नमः | ॐ महासेनजनकाय नमः |
| ॐ वीरभद्राय नमः | ॐ चारुविक्रमाय नमः |
| ॐ गणनाथाय नमः | ॐ रुद्राय नमः |
| | |

ॐ भूतपतये नमः ॐ महादेवाय नमः ॐ स्थाणवे नमः ॐ अव्ययाय नमः 60 ॐ अहये बुध्याय नमः ॐ प्रभवे नमः ॐ दिगम्बराय नमः ॐ पूषदन्तभिदे नमः ॐ अष्टमूर्तये नमः ॐ अव्यग्राय नमः ॐ अनेकात्मने नमः ॐ दक्षाध्वरहराय नमः ॐ सात्त्विकाय नमः ॐ हराय नमः १०० ॐ शुद्धविग्रहाय नमः ॐ भगनेत्रभिदे नमः ॐ शाश्वताय नमः ॐ अव्यक्ताय नमः ॐ खण्डपरशवे नमः ॐ सहस्राक्षाय नमः ॐ सहस्रपदे नमः ॐ अजाय नमः ॐ अपवर्गप्रदाय नमः ॐ पाराविमोचकाय नमः ॐ अनन्ताय नमः ॐ मृडाय नमः ॐ पशुपतये नमः ॐ तारकाय नमः ॐ परमेश्वराय नमः ॐ देवाय नमः

॥ इति शाक्तप्रमोदे श्री शिवाष्टोत्तरशतनामाविलः सम्पूर्णा॥

॥ शिवाष्टोत्तरशतदिव्यस्थानीयनामाविलः॥

ॐ कैवल्यशैले श्रीकण्ठाय नमः ॐ हिमवति केदाराय नमः ॐ काशीपुर्यां विश्वनाथाय नमः ॐ श्रीशैले मिल्लकार्जुनाय नमः ॐ प्रयागे नीलकण्ठेशाय नमः

ॐ गयायां रुद्राय नमः

ॐ कालञ्जरपुरे

नीलकण्ठेश्वराय नमः

ॐ द्राक्षारामे भीमेशाय नमः

ॐ मायूरे अम्बिकेश्वराय नमः

ॐ ब्रह्मावर्ते देवलिङ्गाय नमः १५

ॐ प्रभासे शशिभूषणाय नमः

ॐ श्वेतहस्तिपुरे श्रीमते

वृषध्वजाय नमः

ॐ गोकर्णे गोकर्णेशाय नमः

ॐ सोमनाथके सोमेशाय नमः

ॐ श्रीरूपे त्यागराजाय नमः

ॐ वेदे वेदपुरीश्वराय नमः

ॐ भीमारामे भीमेशाय नमः

ॐ मन्थने कालिकेश्वराय नमः

ॐ मधुरायां चोक्कनाथाय नमः

ॐ मानसे माधवेश्वराय नमः २०

ॐ श्रीवाञ्छके चम्पकेशाय नमः

🕉 पञ्चवट्यां वटेश्वराय नमः

ॐ गजारण्ये वैद्येशाय नमः

ॐ तीर्थाद्रौ तीर्थकेश्वराय नमः

ॐ कुम्भकोणे कुम्भेशाय नमः

ॐ लेपाक्ष्यां पापनाशनाय नमः

ॐ कण्वपुर्यां कण्वेशाय नमः

ॐ मध्ये मध्यार्जुनेश्वराय नमः

ॐ हरिहरपुरे

श्रीशङ्करनारायणेश्वराय नमः

ॐ विरञ्चिपुर्यां मार्गेशाय नमः ३०

ॐ पञ्चनद्यां गिरीश्वराय नमः

ॐ पम्पापुर्यां विरूपाक्षाय नमः

ॐ सोमाद्रौ मिह्नकार्जुनाय नमः

ॐ त्रिमकूटे अगस्त्येशाय नमः

ॐ सुब्रह्मण्ये अहिपेश्वराय नमः

ॐ महाबलिशलोच्चये

महाबलेश्वराय नमः

ॐ दक्षिणावर्ते अर्केश्वराय नमः

ॐ महापुण्ये वेदारण्ये

वेदारण्येश्वराय नमः

ॐ सोमपुर्यां मूर्तित्रयात्मकाय

सोमेश्वराय नमः

ॐ अवन्त्यां रामलिङ्गेशाय नमः

४०

ॐ काश्मीरे विजयेश्वराय नमः

ॐ महानन्दिपुरे महानन्दिपुरेश्वराय नमः ॐ कोटितीर्थे कोटीशाय नमः ॐ वृद्धे वृद्धाचलेश्वराय नमः ॐ महापुण्ये ककुद्भिरौ गङ्गाधरेश्वराय नमः ॐ चामराज्यनगरे चामराजेश्वराय नमः ॐ नन्दिगिरौ नन्दीश्वराय नमः ॐ बधिराचले चण्डेशाय नमः ॐ गरपुरे नञ्जुण्डेशाय नमः ॐ रातश्क्षे अधिपेश्वराय नमः ५० ॐ घनानन्दाचले सोमाय नमः ॐ नल्लूरे विमलेश्वराय नमः ॐ नीडानाथपुरे नीडानाथेश्वराय नमः ॐ एकान्ते रामलिङ्गेशाय नमः ॐ श्रीनागे कुण्डलीश्वराय नमः ॐ श्रीकन्यायां त्रिभङ्गीशाय नमः ॐ उत्सङ्गे राघवेश्वराय नमः ॐ मत्स्यतीर्थे तीर्थेशाय नमः

ॐ त्रिकूटे ताण्डवेश्वराय नमः

ॐ प्रसन्नपुरे मार्गसहायेशाय नमः ξο ॐ गण्डक्यां शिवनाभाय नमः ॐ श्रीपतौ श्रीपतीश्वराय नमः ॐ धर्मपुर्यां धर्मलिङ्गाय नमः ॐ कन्याकुड़ो कलाधराय नमः ॐ वाणिग्रामे विरिञ्चेशाय नमः ॐ नेपाले नकुलेश्वराय नमः ॐ जगन्नाथे मार्कण्डेयाय नमः ॐ नर्मदातटे स्वयम्भुवे नमः ॐ धर्मस्थले मञ्जनाथाय नमः ॐ त्रिरूपके व्यासेशाय नमः ७० ॐ स्वर्णावत्यां कलिङ्गेशाय नमः ॐ निर्मले पन्नगेश्वराय नमः ॐ पुण्डरीके जैमिनीशाय नमः ॐ अयोध्यायां मधुरेश्वराय नमः ॐ सिद्धवट्यां सिद्धेशाय नमः ॐ श्रीकूर्मे त्रिपुरान्तकाय नमः ॐ मणिकुण्डलतीर्थे मणिमुक्तानदीश्वराय नमः ॐ वटाटव्यां कृत्तिवाससे नमः ॐ त्रिवेण्यां सङ्गमेश्वराय नमः

ॐ स्तनितायां मल्लेशाय नमः ८०

ॐ इन्द्रकीले अर्जुनेश्वराय नमः

ॐ शेषाद्रौ कपिलेशाय नमः

ॐ पुष्पे पुष्पगिरीश्वराय नमः

ॐ चित्रकूटे भुवनेशाय नमः

ॐ उज्जिन्यां कालिकेश्वराय नमः

ॐ ज्वालामुख्यां शूलटङ्काय नमः

ॐ मङ्गल्यां सङ्गमेश्वराय नमः

ॐ तञ्जापुर्यां बृहतीशाय नमः

ॐ वह्निपुष्करे रामेशाय नमः

ॐ लङ्काद्वीपे मत्स्येशाय नमः ९०

ॐ गन्धमादने कूर्मेशाय नमः

ॐ विन्ध्याचले वराहेशाय नमः

ॐ अहोबिले नृसिंहाय नमः

ॐ कुरुक्षेत्रे वामनेशाय नमः

ॐ कपिलतीर्थके

परशुरामेशाय नमः

ॐ सेतौ रामेश्वराय नमः

ॐ साकेते बलरामेशाय नमः

ॐ वारणावते बौद्धेशाय नमः

ॐ तत्त्वक्षेत्रे कल्कीशाय नमः

ॐ महेन्द्रके कृष्णेशाय नमः १००

॥ इति लिलतागमे ज्ञानपादे शिवलिङ्गप्रादुर्भावपटलान्तर्गते श्रीशिवाष्टोत्तरशतदिव्यस्थानीयनामावलिः सम्पूर्णा॥

॥ सरस्वत्यष्टोत्तरशतनामावलिः॥

ॐ सरस्वत्यै नमः

ॐ महाभद्राये नमः

ॐ महामायायै नमः

ॐ वरप्रदायै नमः

ॐ श्रीप्रदायै नमः

ॐ पद्मनिलयायै नमः

ॐ पद्माक्ष्ये नमः

ॐ पद्मवऋकायै नमः

ॐ शिवानुजायै नमः

ॐ पुस्तकभृते नमः

१०

| _ | _ | |
|---|----|-------------------------------|
| ॐ ज्ञानमुद्रायै नमः | | ॐ वैष्णव्ये नमः |
| ॐ रमायै नमः | | ॐ चन्द्रिकायै नमः |
| ॐ परायै नमः | | ॐ चन्द्रवद्नायै नमः |
| ॐ कामरूपायै नमः | | ॐ चन्द्रलेखविभूषितायै नमः |
| ॐ महाविद्यायै नमः | | ॐ सावित्र्यै नमः |
| ॐ महापातकनाशिन्यै नमः | | ॐ सुरसायै नमः |
| ॐ महाश्रयायै नमः | | ॐ देव्यै नमः |
| ॐ मालिन्यै नमः | | ॐ दिव्यालङ्कारभूषितायै नमः ४० |
| ॐ महाभोगायै नमः | | ॐ वाग्देव्ये नमः |
| ॐ महाभुजायै नमः | २० | ॐ वसुदायै नमः |
| ॐ महाभागायै नमः | | ॐ तीव्रायै नमः |
| ॐ महोत्साहाये नमः | | ॐ महाभद्रायै नमः |
| ॐ दिव्याङ्गायै नमः | | ॐ महाबलायै नमः |
| ॐ सुरवन्दितायै नमः | | ॐ भोगदायै नमः |
| ॐ महाकाल्ये नमः | | ॐ भारत्यै नमः |
| ॐ महापाशायै नमः | | ॐ भामायै नमः |
| ॐ महाकारायै नमः | | ॐ गोविन्दायै नमः |
| ॐ महाङ्कराायै नमः | | ॐ गोमत्यै नमः ५० |
| ॐ पीतायै नमः | | ॐ शिवायै नमः |
| ॐ विमलायै नमः | ३० | ॐ जटिलायै नमः |
| ॐ विश्वायै नमः | | ॐ विन्ध्यवासायै नमः |
| ॐ विद्युन्मालायै नमः | | ॐ विन्ध्याचलविराजितायै नमः |
| - · · · · · · · · · · · · · · · · · · · | | |

| ॐ चण्डिकायै नमः | | ॐ स्वरात्मिकायै नमः | |
|----------------------------|----|----------------------------|----|
| ॐ वैष्णव्यै नमः | | ॐ रक्तबीजनिहन्त्र्यै नमः | |
| ॐ ब्राह्यै नमः | | ॐ चामुण्डायै नमः | |
| ॐ ब्रह्मज्ञानैकसाधनायै नमः | | ॐ अम्बिकायै नमः | ८० |
| ॐ सौदामिन्यै नमः | | ॐ मुण्डकायप्रहरणायै नमः | |
| ॐ सुधामृत्यें नमः | ६० | ॐ धूम्रलोचनमर्दन्यै नमः | |
| ॐ सुभद्रायै नमः | | ॐ सर्वदेवस्तुतायै नमः | |
| ॐ सुरपूजितायै नमः | | ॐ सौम्यायै नमः | |
| ॐ सुवासिन्यै नमः | | ॐ सुरासुरनमस्कृतायै नमः | |
| ॐ सुनासायै नमः | | ॐ कालरात्र्ये नमः | |
| ॐ विनिद्रायै नमः | | ॐ कलाधारायै नमः | |
| ॐ पद्मलोचनायै नमः | | ॐ रूपसौभाग्यदायिन्यै नमः | |
| ॐ विद्यारूपायै नमः | | ॐ वाग्देव्यै नमः | |
| ॐ विशालाक्ष्ये नमः | | ॐ वरारोहायै नमः | ९० |
| ॐ ब्रह्मजायायै नमः | | ॐ वाराह्ये नमः | |
| ॐ महाफलायै नमः | ७० | ॐ वारिजासनायै नमः | |
| ॐ त्रयीमूर्त्यें नमः | | ॐ चित्राम्बरायै नमः | |
| ॐ त्रिकालज्ञायै नमः | | ॐ चित्रगन्धायै नमः | |
| ॐ त्रिगुणायै नमः | | ॐ चित्रमाल्यविभूषितायै नमः | |
| ॐ शास्त्ररूपिण्यै नमः | | ॐ कान्तायै नमः | |
| ॐ शुम्भासुरप्रमथिन्यै नमः | | ॐ कामप्रदायै नमः | |
| ॐ शुभदायै नमः | | ॐ वन्द्यायै नमः | |
| | | | |

२०

ॐ विद्याधरसुपूजितायै नमः

ॐ श्वेताननायै नमः १००

ॐ नीलभुजायै नमः

ॐ चतुर्वर्गफलप्रदायै नमः

ॐ चतुराननसाम्राज्यायै नमः

ॐ रक्तमध्यायै नमः

ॐ निरञ्जनायै नमः

ॐ हंसासनायै नमः

ॐ नीलजङ्घायै नमः

ॐ ब्रह्मविष्णुशिवात्मिकायै नमः

॥ इति श्री सरस्वत्यष्टोत्तरशतनामाविलः सम्पूर्णा॥

॥ सीताष्टोत्तरशतनामाविलः॥

ॐ श्रीसीतायै नमः

ॐ जानक्ये नमः

ॐ देव्ये नमः

ॐ वैदेह्यै नमः

ॐ राघवप्रियायै नमः

ॐ रमायै नमः

ॐ अवनिसुतायै नमः

ॐ रामायै नमः

ॐ राक्षसान्तप्रकारिण्यै नमः

ॐ रत्नगुप्ताये नमः १०

ॐ मातुलुङ्ग्री नमः

ॐ मैथिल्यै नमः

ॐ भक्ततोषदायै नमः

ॐ पद्माक्षजायै नमः

ॐ कञ्जनेत्रायै नमः

ॐ स्मितास्यायै नमः

ॐ नूपुरस्वनायै नमः

ॐ वैकुण्ठनिलयायै नमः

ॐ मायै नमः

ॐ श्रियै नमः

ॐ मुक्तिदायै नमः

ॐ कामपूरण्ये नमः

ॐ नृपात्मजायै नमः

ॐ हेमवर्णायै नमः

| ॐ मृदुलाञ्चे नमः | ॐ महामायायै नमः |
|------------------------------|----------------------------|
| ॐ सुभाषिण्यै नमः | ॐ पीतकौशेयवासिन्यै नमः |
| ॐ कुशाम्बिकायै नमः | ॐ मृगनेत्रायै नमः |
| ॐ दिव्यदायै नमः | ॐ बिम्बोष्ठ्ये नमः ५० |
| ॐ लवमात्रे नमः | ॐ धनुर्विद्याविशारदायै नमः |
| ॐ मनोहरायै नमः ३० | ॐ सौम्यरूपायै नमः |
| ॐ हनुमद्वन्दितपदायै नमः | ॐ दशरथस्नुषायै नमः |
| ॐ मुग्धायै नमः | ॐ चामरवीजितायै नमः |
| ॐ केयूरधारिण्यै नमः | ॐ सुमेधादुहित्रे नमः |
| ॐ अशोकवनमध्यस्थायै नमः | ॐ दिव्यरूपायै नमः |
| ॐ रावणादिकमोहिन्यै नमः | ॐ त्रैलोक्यपालिन्यै नमः |
| ॐ विमानसंस्थितायै नमः | ॐ अन्नपूर्णाये नमः |
| ॐ सुभ्रुवे नमः | ॐ महालक्ष्म्यै नमः |
| ॐ सुकेश्यै नमः | ॐ धियै नमः ६० |
| ॐ रशनान्वितायै नमः | ॐ लज्जायै नमः |
| ॐ रजोरूपायै नमः ४० | ॐ सरस्वत्यै नमः |
| ॐ सत्त्वरूपायै नमः | ॐ शान्त्यै नमः |
| ॐ तामस्यै नमः | ॐ पुष्ट्यै नमः |
| ॐ वह्निवासिन्यै नमः | ॐ क्षमायै नमः |
| ॐ हेममृगासक्तचित्तायै नमः | ॐ गौर्यें नमः |
| ॐ वाल्मीक्याश्रमवासिन्यै नमः | ॐ प्रभायै नमः |
| ॐ पतिव्रतायै नमः | ॐ अयोध्यानिवासिन्यै नमः |
| | |

ॐ वसन्तशीतलायै नमः ॐ गौर्यें नमः 90 ॐ स्नानसन्तुष्टमानसायै नमः ॐ रमानामभद्रसंस्थायै नमः ॐ हेमकुम्भपयोधरायै नमः ॐ सुरार्चितायै नमः ॐ धृत्यै नमः ॐ कान्त्ये नमः ॐ स्मृत्यै नमः ॐ मेधायै नमः ॐ विभावर्यें नमः ॐ लघूद्रायै नमः 60 ॐ वरारोहायै नमः ॐ हेमकङ्कणमण्डितायै नमः ॐ द्विजपल्यर्पितनिजभूषायै नमः 🕉 राघवतोषिण्यै नमः ॐ श्रीरामसेवानिरतायै नमः ॐ रत्नताटङ्कधारिण्यै नमः ॐ रामवामाङ्गसंस्थायै नमः ॐ रामचन्द्रैकरञ्जन्यै नमः ॐ सरयूजलसङ्कीडाकारिण्ये नमः ॐ राममोहिन्यै नमः ९०

ॐ सुवर्णतुलितायै नमः ॐ पुण्यायै नमः ॐ पुण्यकीर्त्ये नमः ॐ कलावत्यै नमः ॐ कलकण्ठायै नमः ॐ कम्बुकण्ठायै नमः ॐ रम्भोरुवे नमः ॐ गजगामिन्यै नमः ॐ रामार्पितमनायै नमः ॐ रामवन्दितायै नमः १०० ॐ रामवल्लभायै नमः ॐ श्रीरामपदिचहाङ्कायै नमः ॐ रामरामेतिभाषिण्यै नमः ॐ रामपर्यङ्कशयनायै नमः ॐ रामाङ्घिक्षालिन्यै नमः ॐ वरायै नमः ॐ कामधेन्वन्नसन्तुष्टायै नमः ॐ मातुलुङ्गकरे धृतायै नमः ॐ दिव्यचन्दनसंस्थायै नमः ॐ श्रियै नमः ११० ॐ मूलकासुरमर्दिन्यै नमः

॥ इति श्री आनन्दरामायणे श्री सीताष्टोत्तरशतनामाविलः सम्पूर्णा॥

॥ सुब्रह्मण्याष्टोत्तरशतनामाविलः॥

ॐ स्कन्दाय नमः ॐ गुहाय नमः ॐ षण्मुखाय नमः ॐ फालनेत्रसुताय नमः ॐ प्रभवे नमः ॐ पिङ्गलाय नमः ॐ कृत्तिकासूनवे नमः ॐ शिखिवाहाय नमः ॐ द्विषङ्गजाय नमः ॐ द्विषण्णेत्राय नमः 80 ॐ शक्तिधराय नमः ॐ पिशिताशप्रभञ्जनाय नमः ॐ तारकासुरसंहारिणे नमः ॐ रक्षोबलविमर्दनाय नमः ॐ मत्ताय नमः ॐ प्रमत्ताय नमः ॐ उन्मत्ताय नमः ॐ सुरसैन्यसुरक्षकाय नमः

ॐ देवसेनापतये नमः ॐ प्राज्ञाय नमः २० ॐ कृपालाय नमः ॐ भक्तवत्सलाय नमः ॐ उमासुताय नमः ॐ शक्तिधराय नमः ॐ कुमाराय नमः ॐ क्रौञ्चदारणाय नमः ॐ सेनानिने नमः ॐ अग्निजन्मने नमः ॐ विशाखाय नमः ॐ शङ्करात्मजाय नमः ॐ शिवस्वामिने नमः ॐ गणस्वामिने नमः ॐ सर्वस्वामिने नमः ॐ सनातनाय नमः ॐ अनन्तमूर्तये नमः ॐ अक्षोभ्याय नमः

| ॐ पार्वतीप्रियनन्दनाय नमः | | ॐ शुभकराय नमः | |
|---------------------------|----|---------------------------|----|
| ॐ गङ्गासुताय नमः | | ॐ वटवे नमः | ६० |
| ॐ शरोद्भृत नमः | | ॐ पटुवेषभृते नमः | |
| ॐ आहूताय नमः | 80 | ॐ पूष्णे नमः | |
| ॐ पावकात्मजाय नमः | | ॐ गभस्तये नमः | |
| ॐ जृम्भाय नमः | | ॐ गहनाय नमः | |
| ॐ प्रजृम्भ नमः | | ॐ चन्द्रवर्णाय नमः | |
| ॐ उज्जृम्भाय नमः | | ॐ कलाधराय नमः | |
| ॐ कमलासनसंस्तुताय नमः | | ॐ मायाधराय नमः | |
| ॐ एकवर्णाय नमः | | ॐ महामायिने नमः | |
| ॐ द्विवर्णाय नमः | | ॐ कैवल्याय नमः | |
| ॐ त्रिवर्णाय नमः | | ॐ शङ्करात्मजाय नमः | 90 |
| ॐ सुमनोहराय नमः | | ॐ विश्वयोनये नमः | |
| ॐ चतुर्वर्णाय नमः | ५० | ॐ अमेयात्मने नमः | |
| ॐ पञ्चवर्णाय नमः | | ॐ तेजोयोनये नमः | |
| ॐ प्रजापतये नमः | | ॐ अनामयाय नमः | |
| ॐ अहस्पतये नमः | | ॐ परमेष्ठिने नमः | |
| ॐ अग्निगर्भाय नमः | | ॐ परब्रह्मणे नमः | |
| ॐ शमीगर्भाय नमः | | ॐ वेदगर्भाय नमः | |
| ॐ विश्वरेतसे नमः | | ॐ विराद्धुताय नमः | |
| ॐ सुरारिघ्ने नमः | | ॐ पुलिन्दकन्याभर्त्रे नमः | |
| ॐ हरिद्वर्णाय नमः | | ॐ महासारस्वतावृताय नमः | ८० |
| | | | |

ॐ आश्रिताखिलदात्रे नमः

ॐ चोरघ्नाय नमः

ॐ रोगनाशनाय नमः

ॐ अनन्तमूर्तये नमः

ॐ आनन्दाय नमः

ॐ शिखण्डिने नमः

ॐ कृतकेतनाय नमः

ॐ डम्भाय नमः

ॐ परमडम्भाय नमः

ॐ महाडम्भाय नमः ९०

ॐ वृषाकपये नमः

ॐ कारणोत्पत्ति-देहाय नमः

ॐ कारणातीत-विग्रहाय नमः

ॐ अनीश्वराय नमः

ॐ अमृताय नमः

ॐ प्राणाय नमः

ॐ प्राणायामपरायणाय नमः

ॐ विरुद्धहन्त्रे नमः

ॐ वीरघ्नाय नमः

ॐ रक्तश्यामगलाय नमः 🥀 १५

ॐ सुब्रह्मण्याय नमः

ॐ गुहाय नमः

ॐ प्रीताय नमः

ॐ ब्रह्मण्याय नमः

ॐ ब्राह्मणप्रियाय नमः

ॐ वंशवृद्धिकराय नमः

ॐ वेदवेद्याय नमः

ॐ अक्षयफलप्रदाय नमः

॥ इति श्री सुब्रह्मण्याष्टोत्तरशतनामाविलः सम्पूर्णा॥

॥ सुब्रह्मण्यस्य हस्तस्थितस्य अस्त्रायुध अष्टोत्तरशतनामाविलः॥

ॐ सुब्रह्मण्य-हस्ताम्बुजास्त्राय नमः ॐ गुहास्त्राय नमः

ॐ ब्रह्मास्त्राय नमः

30 ॐ विष्णवास्त्राय नमः रातसहस्रकोटिप्रकाशास्त्राय नमः ॐ एकादशरुद्रास्त्राय नमः ॐ शिवास्त्राय नमः ॐ सहस्रज्वालास्त्राय नमः ॐ क्षूरिकास्त्राय नमः ॐ महाशत्रुभयङ्करास्त्राय नमः ॐ आग्नेयास्त्राय नमः ॐ प्रत्यङ्करास्त्राय नमः ॐ महापाशुपतास्त्राय नमः ॐ पराशक्त्यात्मकास्त्राय नमः ॐ महासुद्शेनास्त्राय नमः ॐ वज्रास्त्राय नमः ॐ रात्त्वस्त्राय नमः ॐ वृषभास्त्राय नमः ३० ॐ सूर्यास्त्राय नमः ॐ दण्डास्त्राय नमः ॐ ओङ्कारप्रणवास्त्राय नमः ॐ खङ्गास्त्राय नमः ॐ सर्वशत्रुनाशकास्त्राय नमः ॐ पाशास्त्राय नमः ॐ ध्वजास्त्राय नमः 30 ॐ गदास्त्राय नमः पिनाकपाशादिवरुणास्त्राय नमः ॐ त्रिशूलास्त्राय नमः ॐ नाराचास्त्राय नमः ॐ पद्मास्त्राय नमः 30 सर्वशत्रुध्वंसन-हेतुभूतास्त्राय नमः ॐ चक्रास्त्राय नमः ॐ अस्यास्त्राय नमः ॐ शरभास्त्राय नमः ॐ चर्मास्त्राय नमः ॐ कालानलास्त्राय नमः ४० ॐ कपालास्त्राय नमः ॐ बडबानलास्त्राय नमः ॐ गुडारास्त्राय नमः ॐ कालकालास्यस्त्राय नमः ॐ प्रचण्डमारुतवेगास्त्राय नमः ॐ कुन्दाल्यस्त्राय नमः ॐ परश्वास्त्राय नमः ॐ वायव्यास्त्राय नमः

ॐ राङ्खास्त्राय नमः

ॐ घण्टास्त्राय नमः

ॐ चापास्त्राय नमः

ॐ शरास्त्राय नमः

ॐ बाणास्त्राय नमः

ॐ पुष्पबाणास्त्राय नमः

ॐ अङ्कशास्त्राय नमः

ॐ डमरुकास्त्राय नमः

ॐ सर्वशक्त्राय नमः

ॐ मुसलास्त्राय नमः

ॐ हलास्त्राय नमः

ॐ तारकासुरसंहारास्त्राय नमः

ॐ सिंहवऋसंहारास्त्राय नमः

🕉 गजमुखासुरसंहारास्त्राय नमः

ॐ अजमुखासुरसंहारास्त्राय नमः

ॐ भानुगोपासुरसंहारास्त्राय नमः

६०

ॐ उग्रगोपासुरसंहारास्त्राय नमः

ॐ महापद्मासुरध्वंसकास्त्राय नमः

ॐ कृत्तिकासुरभञ्जनास्त्राय नमः

ॐ असुरकुलान्तकास्त्राय नमः

🕉 नववीरपूजितास्त्राय नमः

ॐ वीरबाहूवन्दितास्त्राय नमः

ॐ षड्चकास्त्राय नमः

ॐ फद्वारास्त्राय नमः

ॐ हृम्फट् कारास्त्राय नमः

ॐ सर्वव्याधिविनाशकास्त्राय नमः

७०

५०

ॐ सर्वमृत्युप्रशमनास्त्राय नमः

ॐ सर्वरोगहरास्त्राय नमः

ॐ सर्वजनाकर्षणास्त्राय नमः

ॐ सर्वधनाकर्षणास्त्राय नमः

ॐ सर्वशापपरिपूर्णास्त्राय नमः

ॐ सर्वशब्दाकर्षणास्त्राय नमः

ॐ सर्वरसाकर्षणास्त्राय नमः

ॐ सर्वबुद्धाकर्षणास्त्राय नमः

ॐ सर्वकामाकर्षणास्त्राय नमः

ॐ सर्वबीजाकर्षणास्त्राय नमः ८०

ॐ सर्वभोगाकर्षणास्त्राय नमः

ॐ सर्वविघ्नप्रशमनास्त्राय नमः

ॐ सर्वधैर्याकर्षणा स्त्राय नमः

ॐ सर्वसिद्धिप्रदायकास्त्राय नमः

ॐ सवेरक्षाकरास्त्राय नमः

ॐ सर्वसम्पत्-प्रदायकास्त्राय नमः

ॐ सर्वदुःखविमोचनास्त्राय नमः

ॐ सर्वमङ्गलप्रदायकास्त्राय नमः

ॐ कलिदोषहरास्त्राय नमः

ॐ कलिपापहरास्त्राय नमः ९०

ॐ करुणापूरितास्त्राय नमः

ॐ कामितार्थप्रदास्त्राय नमः

ॐ सर्वभूतोच्छाटनास्त्राय नमः

30

सर्ववैद्योन्मादमोचनास्त्राय नमः

ॐ परमन्त्रतन्त्रयन्त्राभिचारो-

च्छाडनास्त्राय नमः

ॐ सत्सन्तानप्रदास्त्राय नमः

ॐ स्कन्दास्त्राय नमः

ॐ षण्मुखास्त्राय नमः

ॐ शरवणास्त्राय नमः

ॐ कार्त्तिकेयास्त्राय नमः १००

ॐ कुमारास्त्राय नमः

ॐ शिखिवाहनास्त्राय नमः

ॐ द्विषङ्गजास्त्राय नमः

ॐ द्विषण्णेत्रास्त्राय नमः

ॐ विशाखास्त्राय नमः

ॐ बाहुलेयास्त्राय नमः

ॐ पार्वतीप्रियनन्दनास्त्राय नमः

ॐ षाण्मातुरास्त्राय नमः

॥ इति श्री सुब्रह्मण्यस्य हस्तस्तिथस्य अस्त्रायुधाष्टोत्तरशतनामाविलः सम्पूर्णा॥

॥ सूर्याष्टोत्तरशतनामाविलः॥

ॐ अरुणाय नमः

ॐ शरण्याय नमः

ॐ करुणारसिसन्धवे नमः

ॐ असमानबलाय नमः

ॐ आर्तरक्षकाय नमः

ॐ आदित्याय नमः

ॐ आदिभूताय नमः

ॐ अखिलागमवेदिने नमः

| ॐ अच्युताय नमः | | ॐ हृषीकेशाय नमः |
|--|------------|---|
| ॐ अखिलज्ञाय नमः | १० | ॐ ऊर्जस्वलाय नमः |
| ॐ अनन्ताय नमः | | ॐ वीराय नमः |
| ॐ इनाय नमः | | ॐ निर्जराय नमः |
| ॐ विश्वरूपाय नमः | | ॐ जयाय नमः |
| ॐ इज्याय नमः | | 3 0 |
| ॐ इन्द्राय नमः | | ऊरुद्वयाभावरूपयुक्तसारथये नमः |
| ॐ भानवे नमः | | ॐ ऋषिवन्द्याय नमः |
| ॐ इन्दिरामन्दिराप्ताय नमः | | ॐ रुग्घन्त्रे नमः |
| ॐ वन्दनीयाय नमः | | ॐ ऋक्षचकचराय नमः |
| ॐ ईशाय नमः | | ॐ ऋजुस्वभावचित्ताय नमः ४० |
| ॐ सुप्रसन्नाय नमः | २० | ॐ नित्यस्तुत्याय नमः |
| ॐ सुशीलाय नमः | | ॐ ऋकारमातृकावर्णरूपाय नमः |
| ॐ सुवर्चसे नमः | | ॐ उज्ज्वलतेजसे नमः |
| ॐ वसुप्रदाय नमः | | ^ ^ |
| 3. 18.13.1.11 | | ॐ ऋक्षाधिनाथमित्राय नमः |
| ॐ वसवे नमः | | ॐ ऋक्षाधिनाथमित्राय नमः ॐ पुष्कराक्षाय नमः |
| - | | · |
| ॐ वसवे नमः | | ॐ पुष्कराक्षाय नमः |
| ॐ वसवे नमः ॐ वासुदेवाय नमः ॐ उज्ज्वल नमः ॐ उग्ररूपाय नमः | | ॐ पुष्कराक्षाय नमः ॐ लुप्तदन्ताय नमः |
| ॐ वसवे नमः ॐ वासुदेवाय नमः ॐ उज्ज्वल नमः ॐ उग्ररूपाय नमः ॐ ऊर्ध्वगाय नमः | | ॐ पुष्कराक्षाय नमः ॐ लुप्तदन्ताय नमः ॐ शान्ताय नमः |
| ॐ वसवे नमः ॐ वासुदेवाय नमः ॐ उज्ज्वल नमः ॐ उग्ररूपाय नमः ॐ ऊर्ध्वगाय नमः ॐ विवस्वते नमः | | ॐ पुष्कराक्षाय नमः ॐ लुप्तद्न्ताय नमः ॐ शान्ताय नमः ॐ कान्तिदाय नमः |
| ॐ वसवे नमः ॐ वासुदेवाय नमः ॐ उज्ज्वल नमः ॐ उग्ररूपाय नमः ॐ ऊर्ध्वगाय नमः | <i>३</i> ० | ॐ पुष्कराक्षाय नमः ॐ लुप्तदन्ताय नमः ॐ शान्ताय नमः ॐ कान्तिदाय नमः ॐ घनाय नमः |

| ॐ ऌ्निताखिलदैत्याय नमः | | ॐ उच्चस्थान | |
|------------------------------|-----|---------------------------|----|
| ॐ सत्यानन्दस्वरूपिणे नमः | | समारूढरथस्थाय नमः | |
| ॐ अपवर्गप्रदाय नमः | | ॐ असुरारये नमः | |
| ॐ आर्तशरण्याय नमः | | ॐ कमनीयकराय नमः | |
| ॐ एकाकिने नमः | | ॐ अज्जवल्लभाय नमः | |
| ॐ भगवते नमः | | ॐ अन्तर्बहिः प्रकाशाय नमः | |
| ॐ सृष्टिस्थित्यन्तकारिणे नमः | | ॐ अचिन्त्याय नमः | |
| ॐ गुणात्मने नमः | | ॐ आत्मरूपिणे नमः | |
| ॐ घृणिभृते नमः | ६० | ॐ अच्युताय नमः | ८० |
| ॐ बृहते नमः | | ॐ अमरेशाय नमः | |
| ॐ ब्रह्मणे नमः | | ॐ परस्मै ज्योतिषे नमः | |
| ॐ ऐश्वर्यदाय नमः | | ॐ अहस्कराय नमः | |
| ॐ शर्वाय नमः | | ॐ रवये नमः | |
| ॐ हरिदश्वाय नमः | | ॐ रवये नमः | |
| ॐ शौरये नमः | | ॐ परमात्मने नमः | |
| ॐ दशदिक्सम्प्रकाशाय नमः | | ॐ तरुणाय नमः | |
| ॐ भक्तवश्याय नमः | | ॐ वरेण्याय नमः | |
| ॐ ओजस्कराय नमः | | ॐ ग्रहाणां पतये नमः | |
| ॐ जयिने नमः | ७० | ॐ भास्कराय नमः | ९० |
| ॐ जगदानन्दहेतवे नमः | | ॐ आदिमध्यान्तरहिताय नम | : |
| <i>3</i> 0 | | ॐ सौख्यप्रदाय नमः | |
| जन्ममृत्युजराव्याधिवर्जिताय | नमः | ॐ सकलजगतां पतये नमः | |

ॐ सूर्याय नमः

ॐ कवये नमः

ॐ नारायणाय नमः

ॐ परेशाय नमः

ॐ तेजोरूपाय नमः

ॐ हिरण्यगर्भाय नमः

ॐ सम्पत्कराय नमः

ॐ ऐं इष्टार्थदाय नमः

ॐ अं सुप्रसन्नाय नमः

ॐ श्रीमते नमः

ॐ श्रेयसे नमः

ॐ सौख्यदायिने नमः

ॐ दीप्तमूर्तये नमः

ॐ निखिलागमवेद्याय नमः

ॐ नित्यानन्दाय नमः १०८

॥ इति श्री सूर्याष्टोत्तरशतनामाविलः सम्पूर्णा॥

॥ सूर्याष्टोत्तरशतनामाविलः (महाभारतान्तर्गता)॥

ॐ सूर्याय नमः

ॐ अर्यमणे नमः

ॐ भगाय नमः

ॐ त्वष्ट्रे नमः

ॐ पूषणे नमः

ॐ अर्काय नमः

ॐ सवित्रे नमः

ॐ रवये नमः

ॐ गभस्तिमते नमः

ॐ अजाय नमः

१०

ॐ कालाय नमः

ॐ मृत्यवे नमः

ॐ धात्रे नमः

ॐ प्रभाकराय नमः

ॐ पृथिव्यै नमः

ॐ अच्चो नमः

ॐ तेजसे नमः

ॐ खाय नमः

| ॐ वायवे नमः | | ॐ तेजसां पतये नमः |
|---------------------|----|--------------------------------|
| ॐ परायणाय नमः | २० | ॐ धर्मध्वजाय नमः |
| ॐ सोमाय नमः | | ॐ वेदकर्त्रे नमः |
| ॐ बृहस्पतये नमः | | ॐ वेदाङ्गाय नमः |
| ॐ शुकाय नमः | | ॐ वेदवाहनाय नमः |
| ॐ बुधाय नमः | | ॐ कृताय नमः |
| ॐ अङ्गारकाय नमः | | ॐ त्रेतायै नमः |
| ॐ इन्द्राय नमः | | ॐ द्वापराय नमः |
| ॐ विवस्वते नमः | | ॐ सर्वमलाश्रयाय कलये नमः |
| ॐ दीप्तांशवे नमः | | ॐ कलाकाष्ठामुहूर्तेभ्यो नमः ५० |
| ॐ शुचये नमः | | ॐ क्षपायै नमः |
| ॐ शौरये नमः | ३० | ॐ यामाय नमः |
| ॐ शनैश्चराय नमः | | ॐ क्षणाय नमः |
| ॐ ब्रह्मणे नमः | | ॐ संवत्सरकराय नमः |
| ॐ विष्णवे नमः | | ॐ अश्वत्थाय नमः |
| ॐ रुद्राय नमः | | ॐ कालचकाय विभावसवे नमः |
| ॐ स्कन्दाय नमः | | ॐ शाश्वताय पुरुषाय नमः |
| ॐ वरुणाय नमः | | ॐ योगिने नमः |
| ॐ यमाय नमः | | ॐ व्यक्ताव्यक्ताय नमः |
| ॐ वैद्युताग्नये नमः | | ॐ सनातनाय नमः ६० |
| ॐ जाठरश्चाय्नये नमः | | ॐ कालाध्यक्षाय नमः |
| ॐ ऐन्धनग्नये नमः | 80 | ॐ प्रजाध्यक्षाय नमः |
| | | |

| ॐ विश्वकर्मणे नमः | | ॐ विशालाय नमः |
|-------------------------|----|---------------------------|
| ॐ तमोनुदाय नमः | | ॐ वरदाय नमः |
| ॐ वरुणाय नमः | | ॐ सर्वधातुनिषेचित्रे नमः |
| ॐ सागराय नमः | | ॐ मनः सुपर्णाय नमः |
| ॐ अम्शवे नमः | | ॐ भूतादये नमः |
| ॐ जीमूताय नमः | | ॐ शीघ्रगाय नमः ९० |
| ॐ जीवनाय नमः | | ॐ प्राणधारकाय नमः |
| ॐ अरिघ्ने नमः | ७० | ॐ धन्वतरये नमः |
| ॐ भूताश्रयाय नमः | | ॐ धूमकेतवे नमः |
| ॐ भूतपतये नमः | | ॐ आदिदेवाय नमः |
| ॐ सर्वेलोकनमस्कृताय नमः | | ॐ अदितेः सुताय नमः |
| ॐ स्रष्ट्रे नमः | | ॐ द्वाद्शात्मने नमः |
| ॐ संवर्तकाय नमः | | ॐ अरविन्दाक्षाय नमः |
| ॐ वह्नये नमः | | ॐ पितृमातृपितामहेभ्यो नमः |
| ॐ सर्वस्यादये नमः | | ॐ स्वर्गद्वाराय नमः |
| ॐ अलोलुपाय नमः | | ॐ प्रजाद्वाराय नमः १०० |
| ॐ अनन्ताय नमः | | ॐ मोक्षद्वाराय नमः |
| ॐ कपिलाय नमः | ८० | ॐ त्रिविष्टपाय नमः |
| ॐ भानवे नमः | | ॐ देहकर्त्रे नमः |
| ॐ कामदाय नमः | | ॐ प्रशान्तात्मने नमः |
| ॐ सर्वतोमुखाय नमः | | ॐ विश्वात्मने नमः |
| ॐ जयाय नमः | | ॐ विश्वतोमुखाय नमः |
| | l | |

ॐ चराचरात्मने नमः ॐ सूक्ष्मात्मने नमः

ॐ मैत्रेयाय नमः ॐ करुणान्विताय नमः

११०

॥ इति श्रीमन्महाभारते वनपर्वणि धौम्ययुधिष्ठिरसंवादे श्री सूर्याष्टोत्तरशतनामाविलः सम्पूर्णा॥

॥ हरिहराष्ट्रोत्तरशतनामावलिः ॥

१०

ॐ गोविन्दाय नमः

ॐ माधवाय नमः

ॐ मुकुन्दाय नमः

ॐ हरये नमः

ॐ मुरारये नमः

ॐ शम्भवे नमः

ॐ शिवाय नमः

ॐ ईशाय नमः

ॐ राशिशेखराय नमः

ॐ शूलपाणये नमः ॐ दामोदराय नमः

ॐ अच्युताय नमः

ॐ जनार्दनाय नमः

ॐ वासुदेवाय नमः

ॐ गङ्गाधराय नमः

ॐ अन्धकरिपवे नमः

ॐ हराय नमः

ॐ नीलकण्ठाय नमः

ॐ वैकुण्ठाय नमः

ॐ कैटभरिपवे नमः

ॐ कमठाय नमः

ॐ अज्जपाणये नमः

ॐ भूतेशाय नमः

ॐ खण्डपरशवे नमः

ॐ मृडाय नमः

ॐ चण्डिकेशाय नमः

ॐ विष्णवे नमः

ॐ नृसिंहाय नमः

| « т тттт тт. | | | |
|----------------------|----|------------------------|----|
| ॐ मधुसूदनाय नमः | | ॐ पुरुषोत्तमाय नमः | |
| ॐ चक्रपाणये नमः | ३० | ॐ आद्याय नमः | |
| ॐ गौरीपतये नमः | | ॐ श्रीकण्ठाय नमः | |
| ॐ गिरिशाय नमः | | ॐ दिग्वसनाय नमः | |
| ॐ शङ्कराय नमः | | ॐ शान्ताय नमः | |
| ॐ चन्द्रचूडाय नमः | | ॐ पिनाकपाणये नमः | |
| ॐ नारायणाय नमः | | ॐ आनन्द्कन्दाय नमः | |
| ॐ असुरनिबर्हणाय नमः | | ॐ धरणीधराय नमः | |
| ॐ शार्ङ्गपाणये नमः | | ॐ पद्मनाभाय नमः | |
| ॐ मृत्युञ्जयाय नमः | | ॐ सर्वेश्वराय नमः | ६० |
| ॐ उग्राय नमः | | ॐ त्रिपुरसूदनाय नमः | |
| ॐ विषमेक्षणाय नमः | So | ॐ देवदेवाय नमः | |
| ॐ कामशत्रवे नमः | | ॐ ब्रह्मण्यदेवाय नमः | |
| ॐ श्रीकान्ताय नमः | | ॐ गरुडध्वजाय नमः | |
| ॐ पीतवसनाय नमः | | ॐ शङ्खपाणये नमः | |
| ॐ अम्बुदनीलाय नमः | | ॐ त्र्यक्षाय नमः | |
| ॐ शौरये नमः | | ॐ उरगाभरणाय नमः | |
| ॐ ईशानाय नमः | | ॐ बालमृगाङ्कमौलिने नमः | |
| ॐ कृत्तिवसनाय नमः | | ॐ श्रीरामाय नमः | |
| ॐ त्रिद्शैकनाथाय नमः | | ॐ राघवाय नमः | ७० |
| ॐ लक्ष्मीपतये नमः | | ॐ रमेश्वराय नमः | |
| ॐ मधुरिपवे नमः | ५० | ॐ रावणारये नमः | |
| | | | |

ॐ भूतेशाय नमः

ॐ मन्मथरिपवे नमः

ॐ प्रमथाधिनाथाय नमः

ॐ चाणूरमर्दनाय नमः

ॐ हृषीकपतये नमः

ॐ मुरारये नमः

ॐ शूलिने नमः

ॐ गिरीशाय नमः

ॐ रजनीशकलावतंसाय नमः

ॐ कंसप्रणाशनाय नमः

ॐ सनातनाय नमः

ॐ केशिनाशाय नमः

ॐ भर्गाय नमः

ॐ त्रिनेत्राय नमः

ॐ भवाय नमः

ॐ भूतपतये नमः

ॐ पुरारये नमः

ॐ गोपीपतये नमः ९

ॐ यदुपतये नमः

ॐ वसुदेवसूनवे नमः

ॐ कर्पूरगौराय नमः

ॐ वृषभध्वजाय नमः

ॐ भालनेत्राय नमः

ॐ गोवर्धनोद्धरणाय नमः

ॐ धर्मधुरीणाय नमः

ॐ गोपाय नमः

60

ॐ स्थाणवे नमः

ॐ त्रिलोचनाय नमः १००

ॐ पिनाकधराय नमः

ॐ स्मरारये नमः

ॐ कृष्णाय नमः

ॐ अनिरुद्धाय नमः

ॐ कमलाकराय नमः

ॐ कल्मषारये नमः

ॐ विश्वेश्वराय नमः

ॐ त्रिपथगार्द्रजटाकलापायै नमः

॥ इति श्री स्कन्दमहापुराणे काशीखण्डपूर्वार्घे यमप्रोक्तं श्री हरिहराष्टोत्तरशतनामाविलः सम्पूर्णा॥